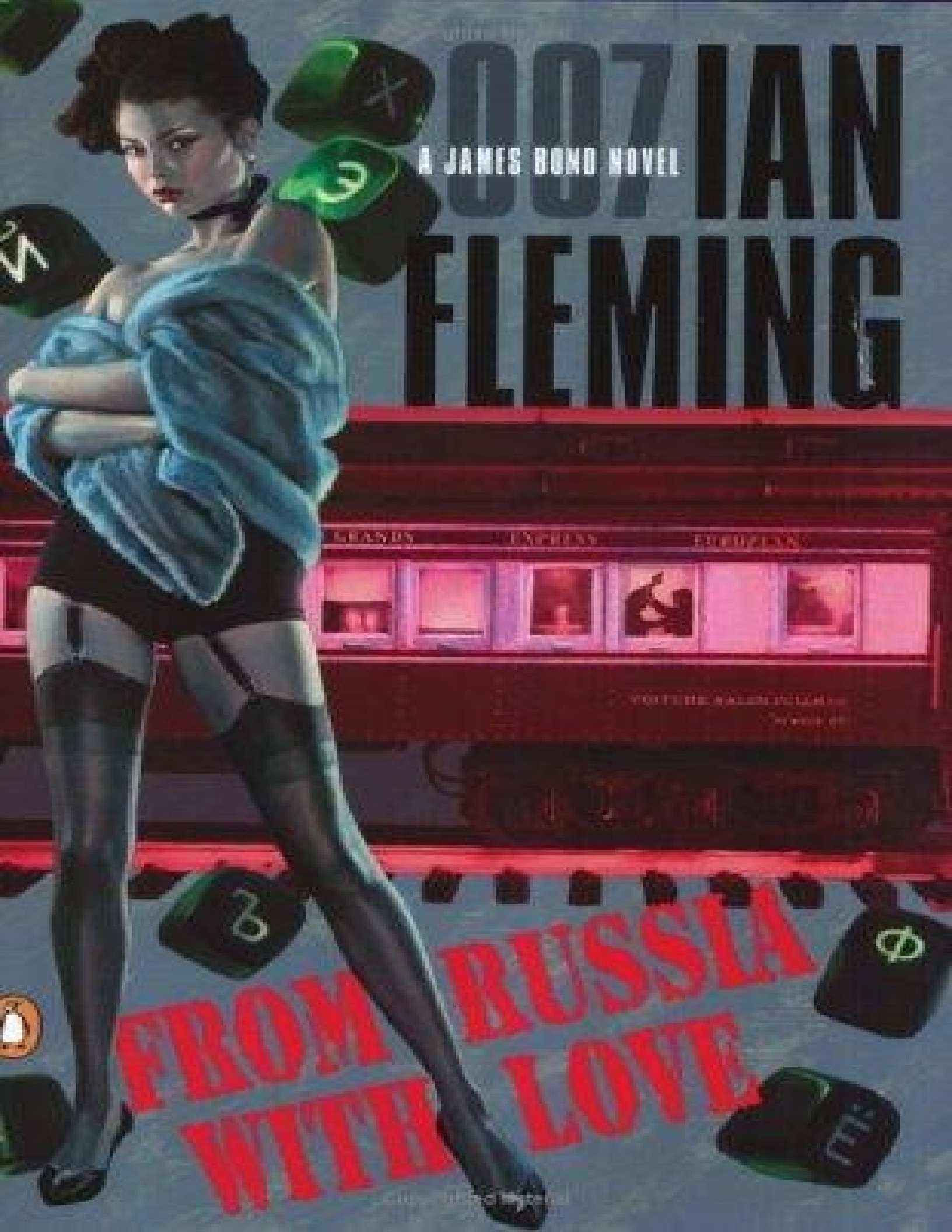
A JAMES BOND NOVEL
007
IAN
FLEMING
FROM RUSSIA WITH LOVE

Table of Contents
भाग एक
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
भाग दो
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस
अध्याय बाईस
अध्याय तेईस
अध्याय चौबीस
अध्याय पच्चीस
अध्याय छब्बीस
अध्याय सत्ताईस
अध्याय अट्ठाईस

प्यार के साथ रूस से
007 जेम्स बॉन्ड [5]
इयान फ्लेमिंग
न्यूयॉर्क: पेंगुइन बुक्स, 2003. (2003)

टैग: काल्पनिक कथा, जासूसी, खुफिया अधिकारी, जासूसी कहानियां, यूरोप, पुरुषों का रोमांच, ब्रिटिश, बॉन्ड; जेम्स (काल्पनिक पात्र), इस्तांबुल (तुर्की), ब्रिटिश - यूरोप, यूरोप में ब्रिटिश, जासूसी; रूसी, महिला जासूस काल्पनिक कथा, जासूसी, खुफिया अधिकारी, जासूसी कहानियां, यूरोप, पुरुषों का रोमांच, ब्रिटिश, बॉन्ड; जेम्स (काल्पनिक पात्र), इस्तांबुल (तुर्की), ब्रिटिश - यूरोप, यूरोप में ब्रिटिश, जासूसी; रूसी, महिला जासूस

उत्पाद वर्णन
हर प्रमुख विदेशी सरकारी संगठन के पास ब्रिटिश गुप्त एजेंट जेम्स बॉन्ड की फाइल है। अब, रूस के घातक संगठन एसएमईआरएसएच ने उसे खत्म करने का लक्ष्य बना लिया है। एसएमईआरएसएच के पास एक बेहतरीन चारा है - मोहक तातियाना रोमानोवा, जो 007 को इस्तांबुल बुलाकर उसे शीर्ष-गुप्त स्पेक्टर सिफर मशीन देने का लालच देती है। लेकिन जब बॉन्ड स्वेच्छा से इस जाल में फंस जाता है, तो धोखे और छल का एक खेल शुरू हो जाता है, जिसमें बॉन्ड ही दांव पर लगा होता है और इनाम भी।
लेखक के बारे में
इयान फ्लेमिंग (1908-1964), दुनिया के सबसे प्रसिद्ध गुप्त एजेंट के निर्माता, जेम्स बॉन्ड के चौदह रोमांचक उपन्यासों के लेखक थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
लेखक का नोट
वैसे तो इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता, लेकिन इस कहानी की पृष्ठभूमि का काफी हिस्सा सटीक है।
स्मर्श, जो स्मर्ट स्पाइनाम (जासूसों को मौत) का संक्षिप्त रूप है, सोवियत सरकार का सबसे गुप्त विभाग है और आज भी है। 1956 की शुरुआत में, जब यह पुस्तक लिखी गई थी, तब स्मर्श की देश और विदेश में लगभग 40,000 सैनिक थे और जनरल ग्रुबोज़ाबोयशिकोव इसके प्रमुख थे। उनके रूप-रंग का मेरा वर्णन सही है।
आज, एसएमईआरएसएच का मुख्यालय वहीं स्थित है जहाँ मैंने अध्याय 4 में बताया है - मॉस्को में 13 स्ट्रेतेंका उलित्सा में। सम्मेलन कक्ष का सटीक वर्णन किया गया है और मेज के चारों ओर बैठक करने वाले खुफिया प्रमुख वास्तविक अधिकारी हैं जिन्हें अक्सर उन्हीं उद्देश्यों के लिए उस कमरे में बुलाया जाता है जिनका मैंने वर्णन किया है।
अगर।
मार्च 1956

अध्याय एक
रोज़लैंड
स्विमिंग पूल के किनारे औंधे मुंह लेटा हुआ नग्न व्यक्ति संभवतः मृत था। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
हो सकता है कि वह डूब गया हो और उसे तालाब से निकालकर घास पर सुखाने के लिए रखा गया हो, जबकि पुलिस या परिजनों को बुलाया जा रहा हो। यहां तक कि उसके सिर के पास घास में पड़ी वस्तुओं का छोटा सा ढेर भी उसका निजी सामान हो सकता है, जिसे जानबूझकर सबके सामने इस तरह रखा गया हो ताकि किसी को यह न लगे कि उसके बचावकर्ताओं ने कुछ चुरा लिया है।
चमकते हुए सामानों के ढेर को देखकर लगता था कि यह किसी अमीर आदमी का सामान रहा होगा। इसमें अमीरों के क्लब की आम निशानियाँ थीं – एक पचास डॉलर के मैक्सिकन सिक्के से बना मनी क्लिप जिसमें नोटों का एक अच्छा-खासा बंडल था, एक खूब इस्तेमाल किया हुआ सोने का डन्हिल लाइटर, लहरदार किनारों और नीले रंग के बटन वाला एक अंडाकार सोने का सिगरेट केस जो फैबर्ज की पहचान है, और एक उपन्यास जो अमीर आदमी अक्सर बुकशेल्फ़ से निकालकर बगीचे में पढ़ते हैं
– 'द लिटिल नगेट' – पी. जी. वोडहाउस का एक पुराना उपन्यास। साथ ही एक भारी- भरकम सोने की घड़ी भी थी जिसका पट्टा भूरे रंग के मगरमच्छ की चमड़ी से बना था और खूब इस्तेमाल हो चुका था। यह गिरार्ड-पेरेगॉक्स मॉडल था जो गैजेट पसंद करने वालों के लिए बनाया गया था। इसमें घूमने वाली सेकंड की सुई थी और डायल पर दो छोटी खिड़कियाँ थीं जो महीने की तारीख, महीना और चंद्रमा की कला बताती थीं। उस समय घड़ी में 10 जून को दोपहर 2:30 बज रहे थे और चंद्रमा चौथाई पूर्ण था।
बगीचे के आखिरी छोर पर गुलाब की झाड़ियों के बीच से एक नीली और हरी ड्रैगनफ्लाई निकली और आदमी की रीढ़ की हड्डी के ठीक ऊपर कुछ इंच की दूरी पर हवा में मंडराने लगी। जून की धूप में चमकती सुनहरी रोशनी ने उसे आकर्षित किया था, जो उसकी रीढ़ की हड्डी के जोड़ के ऊपर के सुनहरे बालों की कतार पर पड़ रही थी। समुद्र से एक हल्की हवा आई। बालों का वह छोटा सा हिस्सा धीरे से हिल गया। ड्रैगनफ्लाई घबराकर एक तरफ झपटी और आदमी के बाएं कंधे के ऊपर मंडराने लगी, नीचे की ओर देखते हुए। आदमी के खुले मुंह के नीचे की नई घास हिल उठी। उसकी मांसल नाक से पसीने की एक बड़ी बूंद लुढ़की और चमकती हुई घास में गिर गई। बस इतना ही काफी था। ड्रैगनफ्लाई गुलाबों के बीच से और बगीचे की ऊंची दीवार के ऊपर लगे नुकीले कांच के ऊपर से उड़ गई। यह अच्छा भोजन हो सकता था, लेकिन यह चली गई।
जिस बगीचे में वह व्यक्ति लेटा हुआ था, वह लगभग एक एकड़ का सुव्यवस्थित लॉन था, जो तीन तरफ से घनी गुलाब की झाड़ियों से घिरा हुआ था, जिनसे मधुमक्खियों की लगातार भिनभिनाहट की आवाज़ आ रही थी। मधुमक्खियों की सुस्त आवाज़ के पीछे, बगीचे के अंत में स्थित चट्टान के तल पर समुद्र की लहरों की हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी।
बगीचे से समुद्र का कोई नज़ारा नहीं दिखता था – बारह फुट ऊंची दीवार के ऊपर आसमान और बादलों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता था। वास्तव में, इस बेहद निजी परिसर की चौथी दीवार बनाने वाले विला के ऊपरी मंज़िल के दो शयनकक्षों से ही संपत्ति के बाहर का दृश्य देखा जा सकता था। वहां से सामने नीले पानी का विशाल विस्तार दिखाई देता था और दोनों ओर पड़ोसी विलाओं की ऊपरी खिड़कियां और उनके बगीचों में लगे पेड़ों की चोटियां – भूमध्यसागरीय

ABC Amber LIT http://www.processtext.com/abclit.html

अध्याय दो
वध करनेवाला
ग्रांट ने टेलीफोन को धीरे से वापस उसके स्टैंड पर रख दिया और उसे देखता हुआ बैठ गया।
उसके ऊपर खड़ा, गोली लगे सिर वाला गार्ड बोला, 'तुम्हें अब चलना शुरू कर देना चाहिए।'
'क्या उन्होंने आपको काम के बारे में कुछ बताया?' ग्रांट रूसी भाषा बहुत अच्छी तरह बोलता था, लेकिन उसका लहजा थोड़ा भारी था। वह सोवियत बाल्टिक प्रांतों में से किसी का भी नागरिक लग सकता था। उसकी आवाज़ ऊँची और सपाट थी, मानो वह किसी किताब से कुछ नीरस पढ़ रहा हो।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
नहीं। बस इतना ही कि आपको मॉस्को में बुलाया जा रहा है। विमान रास्ते में है। यह लगभग एक घंटे में यहाँ पहुँच जाएगा। ईंधन भरने में आधा घंटा लगेगा और फिर तीन या चार घंटे, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप खार्किव में उतरते हैं या नहीं।
आप आधी रात तक मॉस्को पहुँच जाएँगे। बेहतर होगा कि आप अपना सामान पैक कर लें। मैं गाड़ी का इंतज़ाम कर देता हूँ।
ग्रांट घबराते हुए खड़ा हो गया। 'हाँ। आप सही कह रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी नहीं बताया कि ऑपरेशन था या नहीं? जानना अच्छा लगता है। यह एक सुरक्षित लाइन थी। वे इशारा तो दे सकते थे। वे आम तौर पर देते हैं।'
इस बार उन्होंने ऐसा नहीं किया।
ग्रांट धीरे-धीरे कांच के दरवाजे से बाहर निकलकर लॉन में आ गया। अगर उसने पूल के किनारे बैठी लड़की को देखा भी तो उसने कोई इशारा नहीं किया। वह झुका और अपनी किताब, और अपने पेशे की सुनहरी ट्रॉफियां उठाईं, और वापस घर में जाकर कुछ सीढ़ियां चढ़कर अपने बेडरूम में चला गया।
कमरा उदास था और उसमें केवल एक लोहे का पलंग था, जिसकी सिकुड़ी हुई चादरें एक तरफ फर्श तक लटक रही थीं, एक बेंत की कुर्सी, एक बिना रंगी हुई अलमारी और एक सस्ते कपड़े धोने का स्टैंड जिस पर टिन का बेसिन लगा था। फर्श पर अंग्रेजी और अमेरिकी पत्रिकाएँ बिखरी पड़ी थीं। खिड़की के नीचे दीवार के सहारे भड़कीली पेपरबैक और हार्डकवर थ्रिलर किताबों का ढेर लगा था। ग्रांट नीचे झुका और बिस्तर के नीचे से एक जर्जर इतालवी फाइबर का सूटकेस निकाला। उसने अलमारी से अच्छी तरह धुले हुए सस्ते और शालीन कपड़े निकालकर उसमें भर दिए। फिर उसने ठंडे पानी और हमेशा की तरह गुलाब की खुशबू वाले साबुन से जल्दी से अपना शरीर धोया और बिस्तर की एक चादर से खुद को सुखाया। बाहर कार की आवाज सुनाई दी। ग्रांट ने जल्दी से वैसे ही सादे और साधारण कपड़े पहने जैसे उसने पैक किए थे, अपनी घड़ी पहनी, बाकी सामान जेब में रखा, अपना सूटकेस उठाया और सीढ़ियों से नीचे उतर गया।
सामने का दरवाजा खुला था। वह अपने दो गार्डों को एक जर्जर जीआईएस सैलून के ड्राइवर से बात करते हुए देख सकता था।
'बेवकूफ कहीं के,' उसने सोचा। (वह अब भी ज्यादातर सोच-विचार अंग्रेजी में ही करता था।) 'शायद उसे कह रहे होंगे कि मैं विमान में ठीक से चढ़ जाऊं। शायद वे यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि कोई विदेशी उनके घटिया देश में रहना चाहेगा।'

ABC Amber LIT http://www.processtext.com/abclit.html

थे, और जेट विमानों की गर्जना के साथ, दूर की सीमा रेखा तक गए और नियंत्रण टावर और हैंगर की ओर वापस मुड़ गए।
आगे बढ़ो!
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
सौ गज आगे बढ़ने पर उन्हें V-BO पहचान चिह्न वाला एक विमान दिखाई दिया। यह दो इंजन वाला इल्युशिन 12 विमान था। केबिन के दरवाजे से एक छोटी एल्युमिनियम की सीढ़ी लटकी हुई थी और कार उसके बगल में रुक गई। चालक दल का एक सदस्य दरवाजे पर प्रकट हुआ। वह सीढ़ी से नीचे उतरा और चालक का पास और ग्रांट के पहचान पत्र ध्यानपूर्वक देखे, फिर चालक को जाने का इशारा किया और ग्रांट को भी सीढ़ी से ऊपर आने के लिए कहा। उसने सूटकेस उठाने में मदद नहीं की, लेकिन ग्रांट उसे ऐसे सीढ़ी से ऊपर ले गया जैसे वह किसी किताब से हल्का हो। चालक दल के सदस्य ने उसके पीछे सीढ़ी को ऊपर खींच लिया, चौड़ा हैच जोर से बंद किया और कॉकपिट की ओर बढ़ गया।
बीस खाली सीटें उपलब्ध थीं। ग्रांट हैच के सबसे पास वाली सीट पर बैठ गया और अपनी सीट बेल्ट बांध ली। कॉकपिट के खुले दरवाजे से कंट्रोल टावर से हल्की सी बातचीत की आवाज आई, दोनों इंजन तेज आवाज करते हुए चालू हुए और विमान किसी मोटर कार की तरह तेजी से मुड़ा, उत्तर-दक्षिण रनवे के आरंभ की ओर बढ़ा और बिना किसी पूर्व तैयारी के उस पर तेजी से दौड़ता हुआ हवा में ऊपर चला गया।
ग्रांट ने अपनी सीट बेल्ट खोली, सोने की नोक वाली ट्रोइका सिगरेट जलाई और आराम से बैठकर अपने बीते करियर पर विचार करने और निकट भविष्य के बारे में सोचने लगे।
डोनोवन ग्रांट का जन्म एक जर्मन पेशेवर भारोत्तोलक और दक्षिणी आयरलैंड की एक वेट्रेस के बीच आधी रात को हुए मिलन से हुआ था। बेलफास्ट के बाहर एक सर्कस के तंबू के पीछे गीली घास पर यह मिलन केवल पंद्रह मिनट तक चला। इसके बाद पिता ने माँ को आधा क्राउन दिया और माँ खुशी-खुशी रेलवे स्टेशन के पास एक कैफे की रसोई में अपने बिस्तर पर चली गई। जब बच्चे का जन्म होने वाला था, तो वह सीमा पर बसे छोटे से गाँव औघमाक्लोय में अपनी एक चाची के साथ रहने चली गई, और वहाँ, छह महीने बाद, बारह पाउंड के एक लड़के को जन्म देने के कुछ ही समय बाद प्रसव बुखार से उसकी मृत्यु हो गई। मरने से पहले, उसने कहा कि लड़के का नाम डोनोवन (भारी भारोत्तोलक ने खुद को 'द माइटी ओ'डोनोवन' कहा था) और ग्रांट रखा जाए, जो उसका अपना नाम था।
उस लड़के की देखभाल अनिच्छा से उसकी चाची ने की और वह स्वस्थ और बेहद मजबूत होकर बड़ा हुआ, लेकिन बहुत शांत स्वभाव का था।
उसके कोई दोस्त नहीं थे। वह दूसरे बच्चों से बात करने से इनकार करता था और जब उसे उनसे कुछ चाहिए होता था तो वह उसे मुक्कों से छीन लेता था। स्थानीय स्कूल में उससे डर और नफरत बनी रही, लेकिन उसने स्थानीय मेलों में मुक्केबाजी और कुश्ती में अपना नाम कमाया, जहां उसके आक्रामक और क्रूर हमले, चालाकी भरे कौशल के मेल से उसे अपने से कहीं अधिक उम्र और ताकतवर लड़कों पर भी जीत हासिल हो जाती थी।
अपनी लड़ाई-झगड़े के कारण ही वह सिन-फाइनर्स की नज़र में आया, जो ऑघमैकलॉय को उत्तर से आने-जाने के लिए एक मुख्य मार्ग के रूप में इस्तेमाल करते थे, और साथ ही स्थानीय तस्करों की भी, जो गाँव का इस्तेमाल इसी उद्देश्य से करते थे। स्कूल छोड़ने के बाद वह इन दोनों समूहों के लिए एक बाहुबली बन

गया। वे उसे उसके काम के लिए अच्छा भुगतान करते थे, लेकिन उससे जितना हो सके कम मिलते थे।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
लगभग इसी समय पूर्णिमा के आसपास उनके शरीर में अजीब और हिंसक आवेग उत्पन्न होने लगे। जब सोलहवें वर्ष में अक्टूबर के महीने में उन्हें पहली बार 'अजीब सी अनुभूति' हुई, जैसा कि वे खुद को कहते थे, तो वे बाहर गए और एक बिल्ली का गला घोंट दिया। इससे उन्हें पूरे एक महीने तक 'अच्छा महसूस' हुआ।

* * *

नवंबर में, उसके पास एक बड़ा भेड़ चराने वाला कुत्ता था, और क्रिसमस के मौके पर उसने आधी रात को पड़ोसी के शेड में एक गाय का गला काट दिया। इन हरकतों से उसे 'अच्छा महसूस' होता था। उसे यह समझ आ गया था कि गाँव के लोग जल्द ही इन रहस्यमय मौतों के बारे में सवाल करने लगेंगे, इसलिए उसने एक साइकिल खरीदी और हर महीने एक रात वह ग्रामीण इलाकों में निकल जाता था। अक्सर उसे अपनी मनचाही चीज़ पाने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता था और दो महीने तक हंसों और मुर्गियों से ही काम चलाने के बाद, उसने जोखिम उठाया और एक सोते हुए आवारा का गला काट दिया।
रात के समय बाहर इतने कम लोग होते थे कि जल्द ही वह जल्दी ही सड़कों पर निकलने लगा और दूर-दूर तक साइकिल चलाता रहा ताकि वह शाम के समय दूर-दराज के गांवों में पहुंच सके जब अकेले लोग खेतों से घर लौट रहे होते थे और लड़कियां अपने गुप्त मिलन के लिए बाहर जा रही होती थीं।
जब वह कभी-कभार किसी लड़की की हत्या करता था, तो वह उसके साथ किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं करता था। इस पहलू के बारे में उसने जो सुना था, वह उसे बिल्कुल समझ से परे था। केवल हत्या करने का वह अद्भुत कृत्य ही उसे 'अच्छा महसूस' कराता था। और कुछ नहीं।
सत्रह वर्ष की आयु के अंत तक, फर्मानाघ, टायरोन और आर्माघ में भयानक अफवाहें फैल रही थीं। जब एक महिला की दिनदहाड़े गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उसे लापरवाही से भूसे के ढेर में फेंक दिया गया, तो अफवाहें दहशत में बदल गईं। गांवों में सतर्कता समूहों का गठन किया गया, पुलिस को कुत्तों के साथ अतिरिक्त बल के साथ बुलाया गया, और 'मून किलर' की कहानियों ने पत्रकारों को इलाके में खींच लाया। ग्रांट को कई बार साइकिल पर रोका गया और पूछताछ की गई, लेकिन ऑघमैकलॉय में उसे मजबूत संरक्षण प्राप्त था और मुक्केबाजी के लिए खुद को फिट रखने के लिए उसके द्वारा किए जाने वाले प्रशिक्षण-स्पिन की कहानी को हमेशा सच माना जाता था, क्योंकि वह अब गांव का गौरव और उत्तरी आयरलैंड लाइट-हैवीवेट चैंपियनशिप का दावेदार था।
एक बार फिर, इससे पहले कि बहुत देर हो जाती, उसकी सूझबूझ ने उसे पकड़े जाने से बचा लिया और वह ऑघमैकलॉय छोड़कर बेलफास्ट चला गया, जहाँ उसने एक टूटे- फूटे बॉक्सिंग प्रमोटर के हाथों में खुद को सौंप दिया, जो उसे पेशेवर बॉक्सर बनाना चाहता था। उस गंदे से जिम में अनुशासन बेहद सख्त था। वह लगभग एक जेल जैसा था और जब ग्रांट की रगों में खून फिर से खौल उठा, तो उसके पास अपने एक स्पैरिंग पार्टनर को अधमरा करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। रिंग में दो बार एक आदमी से अलग किए जाने के बाद, चैंपियनशिप जीतने पर ही वह प्रमोटर द्वारा निकाले जाने से बच पाया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
ग्रांट ने 1945 में, अपने अठारहवें जन्मदिन पर, चैंपियनशिप जीती। फिर उन्हें राष्ट्रीय सेवा के लिए ले जाया गया और वे रॉयल कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स में ड्राइवर बन गए। इंग्लैंड में प्रशिक्षण के दौरान उनका व्यवहार सुधर गया, या कम से कम उन्हें अपनी भावनाओं के प्रति अधिक सतर्क बना दिया। अब, पूर्णिमा की रात को, वे शराब पीने लगे।
वह एल्डरशॉट के आसपास के जंगलों में व्हिस्की की एक बोतल ले जाता और अपनी संवेदनाओं को निर्मम भाव से निहारते हुए उसे पूरा पी जाता, जब तक कि वह बेहोश नहीं हो जाता। फिर, सुबह तड़के, वह लड़खड़ाते हुए शिविर में लौटता, आधा संतुष्ट, लेकिन अब खतरनाक नहीं। अगर कोई संतरी उसे पकड़ लेता, तो उसे केवल एक दिन की मामूली सजा मिलती, क्योंकि उसका कमांडिंग ऑफिसर उसे सेना चैंपियनशिप के लिए खुश रखना चाहता था।
लेकिन रूसियों के साथ कॉरिडोर विवाद के समय ग्रांट के परिवहन विभाग को बर्लिन भेजा गया और वह चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सका। बर्लिन में, खतरे की लगातार आशंका ने उसे और भी उत्सुक बना दिया और उसे और भी सतर्क और चालाक बना दिया। वह अब भी पूर्णिमा की रात को खूब शराब पीता था, लेकिन बाकी समय वह निगरानी करता और योजनाएँ बनाता रहता था। उसने रूसियों के बारे में जो कुछ भी सुना था, वह उसे पसंद आया - उनकी क्रूरता, मानव जीवन के प्रति उनकी बेपरवाही और उनका छल - और उसने उनके पक्ष में जाने का फैसला किया। लेकिन कैसे? वह उन्हें उपहार के रूप में क्या दे सकता था? वे क्या चाहते थे? अंततः बी.ए.ओ.आर. चैंपियनशिप ने ही उन्हें वहाँ जाने के लिए प्रेरित किया। संयोगवश, यह चैंपियनशिप पूर्णिमा की रात को हुई। रॉयल कोर के लिए लड़ रहे ग्रांट को निचले स्तर पर पकड़ने और वार करने के लिए चेतावनी दी गई और लगातार अनुचित लड़ाई के कारण तीसरे दौर में ही उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। जब वह रिंग से बाहर निकले तो पूरे स्टेडियम ने उन पर हूटिंग की - सबसे ज़ोरदार विरोध उनके अपने रेजिमेंट के सैनिकों ने किया - और अगली सुबह कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बुलवाया और कठोर शब्दों में कहा कि वह रॉयल कोर के लिए कलंक हैं और अगली भर्ती के साथ उन्हें घर भेज दिया जाएगा। उनके साथी ड्राइवरों ने उन्हें कोवेंट्री भेज दिया और चूंकि कोई भी उनके साथ परिवहन वाहन चलाने को तैयार नहीं था, इसलिए उन्हें प्रतिष्ठित मोटर साइकिल डिस्पैच सेवा में स्थानांतरित कर दिया गया।
यह तबादला ग्रांट के लिए एकदम सही साबित हुआ। उन्होंने कुछ दिन इंतजार किया और फिर एक शाम जब उन्होंने रीचस्कान्ज़लरप्लात्ज़ स्थित सैन्य खुफिया मुख्यालय से दिन भर की डाकें एकत्र कीं, तो वे सीधे रूसी सेक्टर की ओर चल पड़े। उन्होंने अपनी गाड़ी का इंजन चालू रखा और तब तक इंतजार किया जब तक कि ब्रिटिश नियंत्रण द्वार टैक्सी के लिए नहीं खुल गया। फिर वे पूरी रफ्तार से बंद होते द्वार को तोड़ते हुए रूसी सीमा चौकी के कंक्रीट बंकर के बगल में फिसलते हुए रुक गए।
वे उसे घसीटकर जबरदस्ती पहरेदार कक्ष में ले गए। एक डेस्क के पीछे बैठे एक भावहीन अधिकारी ने उससे पूछा कि वह क्या चाहता है।
'मुझे सोवियत गुप्त सेवा चाहिए,' ग्रांट ने स्पष्ट स्वर में कहा। 'उसका मुखिया।'

अधिकारी ने उसे ठंडी निगाहों से देखा। उसने रूसी भाषा में कुछ कहा। ग्रांट को लाने वाले सैनिक उसे फिर से बाहर घसीटने लगे। ग्रांट ने आसानी से उन्हें झटक दिया। उनमें से एक ने अपनी टॉमीगन उठा ली।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
ग्रांट ने धैर्यपूर्वक और स्पष्ट रूप से बोलते हुए कहा, "मेरे पास बहुत सारे गुप्त कागजात हैं। बाहर। मोटरसाइकिल पर चमड़े के थैलों में।" उन्हें अचानक एक विचार आया। "अगर वे आपकी गुप्त सेवा तक नहीं पहुंचे तो आप बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ जाएंगे।"
अधिकारी ने सैनिकों से कुछ कहा और वे पीछे हट गए। उसने टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में कहा, 'हमारे पास कोई गुप्त सेवा नहीं है। बैठ जाइए और यह फॉर्म भरिए।'
ग्रांट डेस्क पर बैठ गया और एक लंबा फॉर्म भरने लगा जिसमें पूर्वी क्षेत्र में आने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के बारे में प्रश्न पूछे गए थे - नाम, पता, व्यवसाय का प्रकार इत्यादि। इसी बीच अधिकारी ने टेलीफोन पर धीमी और संक्षिप्त बातचीत की।
जब तक ग्रांट ने अपना काम खत्म किया, दो और सैनिक, गैर-कमीशन अधिकारी, जो फीकी हरी टोपी पहने हुए थे और उनकी खाकी वर्दी पर हरे रंग के पदचिह्न लगे थे, कमरे में आ गए। सीमा अधिकारी ने बिना देखे ही फॉर्म उनमें से एक को दे दिया और वे ग्रांट को बाहर ले गए और उसे और उसकी मोटरसाइकिल को एक बंद वैन के पीछे बिठाकर दरवाजा बंद कर दिया। पंद्रह मिनट की तेज रफ्तार ड्राइव के बाद वैन रुकी, और जब ग्रांट बाहर निकला तो उसने खुद को एक बड़ी नई इमारत के पीछे के आंगन में पाया। उसे इमारत के अंदर ले जाया गया और लिफ्ट से ऊपर ले जाकर बिना खिड़कियों वाली एक कोठरी में अकेला छोड़ दिया गया। उसमें एक लोहे की बेंच के अलावा कुछ नहीं था। एक घंटे बाद, जिसके दौरान, उसने अनुमान लगाया, उन्होंने गुप्त कागजात देखे, उसे एक आरामदायक कार्यालय में ले जाया गया जहाँ तीन पंक्तियों के पदकों और पूर्ण कर्नल के स्वर्ण पदकों से सुसज्जित एक अधिकारी मेज के पीछे बैठा था। मेज पर गुलाबों के एक कटोरे के अलावा कुछ नहीं था।
दस साल बाद, ग्रांट विमान की खिड़की से बीस हजार फीट नीचे रोशनी के एक विस्तृत समूह को देख रहा था, जिसे उसने अनुमान लगाया कि वह खार्कोव था, और उसने पारदर्शी खिड़की में अपने प्रतिबिंब को देखकर भावहीन मुस्कान दी।
गुलाब। उस पल से उसका जीवन फूलों से भर गया था। हर तरफ गुलाब ही गुलाब।

अध्याय तीन
स्नातकोत्तर अध्ययन
तो आप सोवियत संघ में काम करना चाहेंगे, श्रीमान ग्रांट?
आधा घंटा बीत चुका था और एमजीबी कर्नल साक्षात्कार से ऊब चुके थे। उन्हें लगा कि उन्होंने एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया (http://www.processtext.com/abclit.html)
इस अप्रिय स्वभाव वाले ब्रिटिश सैनिक से हर वह सैन्य जानकारी निकाली गई जो संभवतः रुचिकर हो सकती थी।
उस व्यक्ति को उसके गुप्त संदेशों से भरी थैलियों के बदले में कुछ विनम्र शब्दों में धन्यवाद दिया गया, और फिर वह व्यक्ति कोठरियों में जा सकता था और उचित समय पर उसे वोरकुटा या किसी अन्य श्रम शिविर में भेज दिया जा सकता था।
हां, मैं आपके लिए काम करना चाहूंगा।
और आप क्या काम कर सकते हैं, श्रीमान ग्रांट? हमारे पास अकुशल श्रमिकों की कोई कमी नहीं है। हमें ट्रक चालकों की आवश्यकता नहीं है, और’ कर्नल ने क्षण भर के लिए मुस्कुराते हुए कहा, ‘यदि मुक्केबाजी का कोई काम हो तो हमारे पास मुक्केबाजी करने वाले पुरुषों की कोई कमी नहीं है। संयोगवश, उनमें से दो संभावित ओलंपिक चैंपियन भी हैं।’
मैं लोगों को मारने में माहिर हूं। मैं इसे बहुत अच्छे से करता हूं। मुझे इसमें मजा आता है।'
कर्नल ने सुनहरी पलकों के नीचे, बेहद फीकी नीली आँखों के पीछे एक पल के लिए चमकती लाल लौ देखी। उसने सोचा, यह आदमी सचमुच ऐसा ही है। वह पागल होने के साथ-साथ अप्रिय भी है। उसने ग्रांट को ठंडी निगाहों से देखा और सोचने लगा कि क्या वोरकुटा में उस पर खाना बर्बाद करना उचित होगा। शायद उसे गोली मार देना बेहतर होगा। या उसे वापस ब्रिटिश सेक्टर में भेज देना और उसके अपने लोगों को उसकी चिंता करने देना।
'तुम्हें मेरी बात पर यकीन नहीं है,' ग्रांट ने अधीरता से कहा। यह गलत आदमी था, गलत विभाग। 'यहाँ तुम्हारे लिए ये खतरनाक काम कौन करता है?' उसे पूरा यकीन था कि रूसियों के पास किसी तरह का हत्यारा दस्ता ज़रूर होगा।
सबने यही कहा। 'मुझे उनसे बात करने दो। मैं उनके लिए किसी को भी मार डालूंगा। जिसे वे चाहें। अभी।'
कर्नल ने उसे गुस्से से देखा। शायद बेहतर होगा कि वह इस मामले की रिपोर्ट कर दे। 'यहीं रुको।' वह उठा और दरवाज़ा खुला छोड़कर कमरे से बाहर चला गया। एक गार्ड आया और दरवाज़े पर खड़ा होकर ग्रांट की पीठ पर नज़र रखने लगा, उसका हाथ पिस्तौल पर था।
कर्नल अगले कमरे में गए। वह खाली था। मेज पर तीन टेलीफोन रखे थे। उन्होंने मॉस्को से एमजीबी की सीधी लाइन का रिसीवर उठाया। जब सैन्य ऑपरेटर ने जवाब दिया तो उन्होंने कहा,
'स्मर्श'। जब स्मर्श ने जवाब दिया तो उसने ऑपरेशन प्रमुख के बारे में पूछा। दस मिनट बाद उसने रिसीवर वापस रख दिया। क्या किस्मत है! एक सरल, रचनात्मक समाधान। चाहे जो भी हो, परिणाम अच्छा ही होगा। अगर अंग्रेज सफल हो जाता, तो यह शानदार होता। अगर वह असफल हो जाता, तो भी पश्चिमी क्षेत्र में बहुत परेशानी होती - अंग्रेजों के लिए परेशानी क्योंकि ग्रांट उनका आदमी था, जर्मनों के लिए परेशानी क्योंकि इस प्रयास से उनके कई जासूस डर जाते, अमेरिकियों के लिए परेशानी क्योंकि वे बॉमगार्टन गिरोह के लिए अधिकांश धन

की आपूर्ति कर रहे थे और अब सोचेंगे कि... (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
बाउमगार्टन की सुरक्षा व्यवस्था बिल्कुल भी कारगर नहीं थी। खुद से संतुष्ट होकर कर्नल वापस अपने कार्यालय में चले गए और ग्रांट के सामने फिर से बैठ गए।
'क्या आप सच में ऐसा कह रहे हैं?'
बेशक मैं।'
क्या आपकी याददाश्त अच्छी है?
हां।
ब्रिटिश सेक्टर में डॉ. बॉमगार्टन नाम का एक जर्मन व्यक्ति रहता है। वह फ्लैट नंबर 22 के फ्लैट नंबर 5 में रहता है।
कुरफर्स्टेंडम। क्या आप जानते हैं कि वह कहाँ है?
हां।
आज रात, अपनी मोटरसाइकिल के साथ, आपको ब्रिटिश सेक्टर में वापस भेजा जाएगा। आपकी नंबर प्लेट बदल दी जाएंगी। आपके लोग आपकी तलाश में रहेंगे। आप डॉ. बॉमगार्टन को एक लिफाफा देंगे। उस पर लिखा होगा कि इसे हाथ से पहुंचाया जाए। अपनी वर्दी में और इस लिफाफे के साथ, आपको कोई कठिनाई नहीं होगी। आप कहेंगे कि संदेश इतना गोपनीय है कि आपको डॉ. बॉमगार्टन से अकेले में मिलना होगा। फिर आप उन्हें मार देंगे।’ कर्नल रुका। उसकी भौंहें उठीं। ‘जी?’ “हां,” ग्रांट ने दृढ़ता से कहा। “और अगर मैं ऐसा करता हूं, तो क्या आप मुझे इस तरह का और काम देंगे?”
कर्नल ने उदासीनता से कहा, 'यह संभव है। पहले आपको अपनी क्षमता दिखानी होगी। जब आप अपना काम पूरा करके सोवियत सेक्टर लौट आएंगे, तो आप कर्नल बोरिस से मिल सकते हैं।' उन्होंने घंटी बजाई और सादे कपड़ों में एक आदमी अंदर आया। कर्नल ने उसकी ओर इशारा किया। 'यह आदमी आपको खाना देगा।'
बाद में वह आपको लिफाफा और अमेरिकी निर्मित एक तेज चाकू देगा। यह एक बेहतरीन हथियार है।
आपको कामयाबी मिले।'
कर्नल ने हाथ बढ़ाकर कटोरे में से एक गुलाब निकाला और उसे बड़े चाव से सूंघा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
ग्रांट उठ खड़ा हुआ। उसने गर्मजोशी से कहा, 'धन्यवाद, महोदय।'
कर्नल ने न तो कोई जवाब दिया और न ही गुलाब से नज़रें उठाईं। ग्रांट सादे कपड़ों में उस आदमी के पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकल गया।
विमान रूस के मध्य भाग के ऊपर से गर्जना करते हुए आगे बढ़ता गया। वे अपने पीछे पूर्व में स्टालिनो के आसपास धधकती भट्टियों और पश्चिम में नीपर नदी की चांदी जैसी धारा को छोड़ आए थे, जो नीप्रोपेत्रोव्स्क में शाखाओं में बंट जाती थी।

* * *

खार्कोव के आसपास की हल्की रोशनी ने यूक्रेन की सीमा को चिह्नित किया था, और फास्फेट शहर कुर्स्क की छोटी सी चमक आई और चली गई। अब ग्रांट को पता था कि नीचे का घना, अखंड अंधेरा विशाल मध्य स्टेपी को छुपाए हुए है, जहाँ रूस का अरबों टन अनाज अंधेरे में सरसराहट करते हुए पक रहा है। अगले एक घंटे तक,

ABC Amber LIT http://www.processtext.com/abclit.html

साल के अंत में, एसएमईआरएसएच को वापस भेजी गई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया कि 'राजनीतिक मूल्य शून्य है।'
परिचालन मूल्य उत्कृष्ट’ – यही वह बात थी जो ओटडेल द्वितीय सुनना चाहता था।
अगला वर्ष मॉस्को के बाहरी इलाके कुचिनो में स्थित आतंक और मनोरंजन विद्यालय में बीता, जहाँ सैकड़ों रूसी छात्रों के बीच केवल दो अन्य विदेशी छात्र थे। यहाँ ग्रांट ने आधुनिक सोवियत जासूस के जनक माने जाने वाले प्रसिद्ध कर्नल अर्काडी फोटोयेव के मार्गदर्शन में जूडो, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, फोटोग्राफी और रेडियो के पाठ्यक्रमों में सफलता प्राप्त की और सोवियत राइफल चैंपियन लेफ्टिनेंट-कर्नल निकोलाई गोडलोव्स्की से लघु शस्त्रों का प्रशिक्षण पूरा किया।
इस साल दो बार, बिना किसी पूर्व सूचना के, पूर्णिमा की रात को एमजीबी की एक गाड़ी उसे लेने आई और उसे मॉस्को की जेलों में से एक में ले गई। वहाँ, उसके सिर पर एक काला हुड डालकर, उसे विभिन्न हथियारों - रस्सी, कुल्हाड़ी, सब-मशीन गन - से फाँसी देने की अनुमति दी गई। इन घटनाओं से पहले, दौरान और बाद में उसके इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, रक्तचाप और कई अन्य चिकित्सा परीक्षण किए गए, लेकिन उनका उद्देश्य और परिणाम उसे नहीं बताए गए।
यह एक अच्छा वर्ष था और उन्हें लगा, और यह सही भी था, कि वे संतुष्टि प्रदान कर रहे थे।
1949 और 1950 में ग्रांट को उपग्रह देशों में मोबाइल समूहों या अवनपोस्ट के साथ छोटे अभियानों पर जाने की अनुमति दी गई थी। ये अभियान रूसी जासूसों और खुफिया कर्मियों की पिटाई और साधारण हत्याएं थीं, जिन पर देशद्रोह या अन्य अनियमितताओं का संदेह था। ग्रांट ने इन कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक, सटीक रूप से और बिना किसी को पता चले अंजाम दिया, और यद्यपि उन पर कड़ी और निरंतर निगरानी रखी जाती थी, फिर भी उन्होंने अपने लिए अपेक्षित मानकों से जरा सा भी विचलन नहीं दिखाया, न ही चरित्र या तकनीकी कौशल में कोई कमजोरी प्रदर्शित की। अगर उन्हें पूर्णिमा की रात में अकेले किसी कार्य को करते हुए हत्या करने की आवश्यकता होती तो स्थिति अलग हो सकती थी, लेकिन उनका... (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
वरिष्ठ अधिकारियों को यह एहसास था कि उस समय वह उनके या स्वयं के नियंत्रण से बाहर होगा, इसलिए उन्होंने उसकी गतिविधियों के लिए सुरक्षित तिथियां चुनीं। चंद्रोत्सव काल विशेष रूप से जेलों में क्रूरता के लिए आरक्षित था, और समय-समय पर ठंडे खून से की गई सफल कार्रवाई के पुरस्कार के रूप में उसे यह अवसर दिया जाता था।
1951 और 1952 में ग्रांट की उपयोगिता को और अधिक पूर्णतः और आधिकारिक रूप से मान्यता मिली। उत्कृष्ट कार्य, विशेष रूप से बर्लिन के पूर्वी क्षेत्र में, के फलस्वरूप उन्हें सोवियत नागरिकता* प्रदान की गई और उनके वेतन में वृद्धि की गई, जो 1953 तक बढ़कर 5000 रूबल प्रति माह हो गई। 1953 में उन्हें मेजर का पद दिया गया, और पेंशन के अधिकार 'कर्नल बोरिस' से उनके पहले संपर्क के दिन से ही लागू कर दिए गए, और क्रीमिया में स्थित विला उन्हें आवंटित कर दिया गया। उनके साथ दो अंगरक्षक तैनात किए गए, आंशिक रूप से उनकी सुरक्षा के लिए और आंशिक रूप से उनके 'दल-बदल' की संभावना को रोकने के लिए, जिसे एमजीबी की भाषा में दल-बदल कहा जाता है। उन्हें महीने में एक बार

निकटतम जेल ले जाया जाता था और उन्हें उपलब्ध उम्मीदवारों की संख्या के अनुसार फांसी की सजा दी जाती थी।
स्वाभाविक रूप से ग्रांट का कोई दोस्त नहीं था। जो भी उसके संपर्क में आता, वह उससे नफरत करता, डरता या ईर्ष्या करता। सोवियत आधिकारिक जगत की गोपनीय और सतर्क दुनिया में दोस्ती माने जाने वाले पेशेवर संबंध भी उसके पास नहीं थे। लेकिन अगर उसे इस बात का एहसास भी होता, तो उसे परवाह नहीं होती। उसकी दिलचस्पी सिर्फ अपने शिकारों में थी। उसका बाकी जीवन उसके भीतर ही सिमटा हुआ था। और वह उसके विचारों से भरपूर और रोमांचक रूप से भरा हुआ था।
फिर, ज़ाहिर है, उसके पास स्मर्श था। सोवियत संघ में जिसके पास स्मर्श का साथ हो, उसे दोस्तों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि स्मर्श के काले पंखों को बचाए रखने के अलावा किसी और चीज़ की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।
उसके सिर पर।
ग्रांट अभी भी अस्पष्ट रूप से सोच रहा था कि उसके नियोक्ताओं के साथ उसके क्या संबंध हैं, तभी विमान ने ऊंचाई खोना शुरू कर दिया क्योंकि उसने मॉस्को की लाल चमक के ठीक दक्षिण में स्थित तुशिनो हवाई अड्डे की रडार बीम को पकड़ लिया था।
वह अपने पद के शिखर पर था, स्मर्श का मुख्य जल्लाद, और इस प्रकार पूरे सोवियत संघ का। अब उसका लक्ष्य क्या हो सकता था? और पदोन्नति? और अधिक धन? और अधिक सोने के आभूषण?
अधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य?
बेहतर तकनीकें?
अब आगे बढ़ने के लिए और कुछ बचा ही नहीं दिख रहा था। या शायद किसी दूसरे देश में कोई ऐसा व्यक्ति था जिसके बारे में उसने कभी सुना भी नहीं था, जिसे पूर्ण वर्चस्व हासिल करने से पहले रास्ते से हटाना पड़ता?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

चौथा अध्याय
मौत के मुगल
स्मर्श सोवियत सरकार का आधिकारिक हत्या संगठन है। यह देश और विदेश दोनों जगह सक्रिय है और 1955 में इसमें कुल 40,000 पुरुष और महिलाएं कार्यरत थीं। स्मर्श का संक्षिप्त रूप है...
'स्मीर्ट स्पियोनम', जिसका अर्थ है 'जासूसों को मौत'। यह नाम केवल इसके कर्मचारियों और सोवियत अधिकारियों के बीच ही इस्तेमाल होता था। कोई भी समझदार आम नागरिक इस शब्द को अपने होंठों से निकालने की हिम्मत नहीं करेगा।
एसएमईआरएसएच का मुख्यालय स्रेतेंका उलित्सा पर स्थित एक बहुत बड़ी और बदसूरत आधुनिक इमारत है। यह इमारत नंबर 1 पर स्थित है।
इस चौड़ी, नीरस सड़क पर 13 नंबर का रास्ता है, और पैदल यात्री बड़ी लोहे की दोहरी दरवाज़े की ओर जाने वाली चौड़ी सीढ़ियों के दोनों ओर सब-मशीन गन लिए खड़े दो संतरियों के पास से गुज़रते समय अपनी नज़रें ज़मीन पर टिकाए रखते हैं। अगर उन्हें समय रहते याद आ जाए, या वे चुपचाप ऐसा कर सकें, तो वे सड़क पार करके दूसरी तरफ से निकल जाते हैं।
एसएमईआरएसएच का संचालन दूसरी मंजिल से होता है। दूसरी मंजिल का सबसे महत्वपूर्ण कमरा एक विशाल, रोशनी से जगमगाता कमरा है, जिस पर हल्के जैतून हरे रंग का पेंट किया गया है, जो दुनिया भर के सरकारी कार्यालयों में आम है। ध्वनिरोधक दरवाजे के सामने, दो चौड़ी खिड़कियाँ इमारत के पीछे स्थित आंगन की ओर खुलती हैं। फर्श पर बेहतरीन गुणवत्ता का रंगीन कोकेशियाई कालीन बिछा हुआ है।
कमरे के बिल्कुल बाईं ओर एक विशाल ओक की मेज खड़ी है। मेज का ऊपरी भाग मोटे कांच के ऊपर लाल मखमल से ढका हुआ है।
डेस्क के बाईं ओर IN और OUT बास्केट हैं और दाईं ओर चार टेलीफोन हैं। डेस्क के केंद्र से शुरू होकर, उससे जुड़कर T का आकार बनाते हुए, एक कॉन्फ्रेंस टेबल कमरे में तिरछे रूप से फैली हुई है। इसके पास आठ सीधी पीठ वाली लाल चमड़े की कुर्सियाँ लगी हैं। यह टेबल भी लाल मखमल से ढकी है, लेकिन इस पर सुरक्षात्मक कांच नहीं लगा है। टेबल पर ऐशट्रे और पानी के दो भारी जग और गिलास रखे हैं।
दीवारों पर सोने के फ्रेम में चार बड़ी तस्वीरें लगी हैं। 1955 में, इनमें दरवाजे के ऊपर स्टालिन का चित्र, दो खिड़कियों के बीच लेनिन का चित्र और अन्य दो दीवारों पर आमने-सामने बुल्गानिन और राज्य सुरक्षा समिति के प्रमुख, सेना जनरल इवान अलेक्सांद्रोविच सेरोव का चित्र था।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बाईं दीवार पर, बुल्गानिन के चित्र के नीचे, एक सुंदर पॉलिश किए हुए ओक कैबिनेट में एक बड़ा टेलीविज़र या टीवी सेट रखा है। इसमें एक टेप रिकॉर्डर छिपा हुआ है जिसे डेस्क से चालू किया जा सकता है। रिकॉर्डर का माइक्रोफ़ोन कॉन्फ्रेंस टेबल के पूरे क्षेत्र के नीचे तक फैला हुआ है और इसके तार टेबल के पैरों में छिपे हुए हैं। टेलीविज़र के बगल में एक छोटा दरवाजा है जो निजी शौचालय और वॉशरूम और गुप्त फिल्मों को दिखाने के लिए एक छोटे प्रोजेक्शन रूम में खुलता है।
जनरल सेरोव के चित्र के नीचे एक किताबों की अलमारी है, जिसके ऊपरी हिस्सों में मार्क्स, एंगेल्स, लेनिन और स्टालिन की रचनाएँ रखी हैं, और आसानी से

[illegible]

[illegible] 11.30 [illegible]

[illegible] 1954 [illegible]

[illegible] '[illegible].' [illegible] - [illegible] V.Ch. [illegible] Vysoko-chastoty, [illegible] V.Ch. [illegible]

[illegible]?

ABC Amber LIT [illegible], http://www.processtext.com/abclit.html

[illegible]?

एजेंटों को मॉस्को लाने की एहतियात बरती है। इस बार मैं स्वयं तैयारियों की निगरानी करूँगा। हम एक और खोखलोव कांड नहीं चाहते।
‘शैतान को पता है कि हम ऐसा नहीं करते। पहली बैठक के बाद मुझे फोन कर देना।
मैं कल सुबह प्रेसीडियम को रिपोर्ट करना चाहता हूँ।’ ‘ज़रूर, कॉमरेड जनरल।’ जनरल जी ने रिसीवर वापस रख दिया और अपनी डेस्क के नीचे लगी घंटी दबा दी। उसी समय उन्होंने वायर-रिकॉर्डर चालू कर दिया। उनके सहायक कमांडर, जो एक एमजीबी कैप्टन थे, अंदर आए।
'क्या वे आ गए हैं?' 'जी हां, कॉमरेड जनरल।' 'उन्हें अंदर ले आओ।'
कुछ ही मिनटों में छह आदमी, जिनमें से पाँच वर्दी में थे, दरवाजे से अंदर आए और मेज के पीछे बैठे व्यक्ति की ओर देखे बिना ही सम्मेलन की मेज पर बैठ गए। वे तीन वरिष्ठ अधिकारी थे, अपने-अपने विभागों के प्रमुख, और प्रत्येक के साथ एक सहायक सचिव (ए.डी.सी.) था। सोवियत संघ में कोई भी व्यक्ति सम्मेलन में अकेला नहीं जाता। अपनी सुरक्षा और अपने विभाग की सुरक्षा के लिए, वह हमेशा एक गवाह को साथ ले जाता है ताकि उसके विभाग के पास सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सबसे महत्वपूर्ण बात, उसकी ओर से कही गई बातों के स्वतंत्र विवरण हों। यह बाद में होने वाली किसी भी जांच के लिए महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में कोई नोट्स नहीं लिए जाते और निर्णय मौखिक रूप से विभागों तक पहुंचाए जाते हैं।
मेज के एक छोर पर सेना के जनरल स्टाफ के खुफिया विभाग, जी.आर.यू. के प्रमुख लेफ्टिनेंट-जनरल स्लाविन बैठे थे, उनके बगल में एक कर्नल थे। मेज के दूसरे छोर पर विदेश मंत्रालय के खुफिया विभाग, आर.यू.एम.आई.डी. के लेफ्टिनेंट-जनरल वोज़्डविशेंस्की बैठे थे, उनके साथ सादे कपड़ों में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति था। दरवाजे की ओर पीठ करके सोवियत गुप्त सेवा, एम.जी.बी. के खुफिया प्रमुख, राज्य सुरक्षा कर्नल निकितिन बैठे थे, उनके बगल में एक मेजर थे। 'शुभ संध्या, साथियों।'
तीनों वरिष्ठ अधिकारियों के बीच से विनम्र और सावधानी भरी धीमी आवाज़ आई। हर कोई जानता था, और सोचता था कि केवल वही जानता है, कि कमरे में ध्वनि रिकॉर्डिंग की व्यवस्था है, और हर किसी ने अपने ए.डी.सी. को बताए बिना, अच्छे अनुशासन और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कम से कम शब्दों का उच्चारण करने का निर्णय लिया था।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
‘चलो सिगरेट पीते हैं।’ जनरल जी ने मोस्कवा-वोल्गा सिगरेट का एक पैकेट निकाला और एक सिगरेट को अमेरिकी ज़िपो लाइटर से जलाया। मेज के चारों ओर लाइटरों की खनक सुनाई दी। जनरल जी ने अपनी सिगरेट के लंबे गत्ते के ट्यूब को लगभग चपटा कर लिया और उसे अपने मुंह के दाहिनी ओर दांतों के बीच दबा लिया।
उसने अपने होंठों को दांतों से पीछे खींचकर छोटे-छोटे वाक्यों में बोलना शुरू किया, जो दांतों के बीच से और ऊपर की ओर उठी हुई सिगरेट से निकलने वाली एक फुसफुसाहट जैसी आवाज के साथ बाहर आ रहे थे।
साथियों, हम कॉमरेड जनरल सेरोव के निर्देशों के तहत बैठक कर रहे हैं। जनरल सेरोव ने प्रेसीडियम की ओर से मुझे राज्य नीति के कुछ मामलों से आपको अवगत कराने का आदेश दिया है। इसके बाद हमें विचार-विमर्श करना है और ऐसी कार्ययोजना की सिफारिश करनी है जो इस नीति के अनुरूप हो और इसमें सहायक

हो। हमें अपना निर्णय शीघ्र लेना होगा। लेकिन हमारा निर्णय राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इसलिए यह एक सही निर्णय होना चाहिए।
जनरल जी. ने अपने शब्दों के महत्व को समझने के लिए कुछ क्षण रुककर उन्हें थोड़ा समय दिया। उन्होंने मेज पर बैठे तीनों वरिष्ठ अधिकारियों के चेहरों को एक-एक करके ध्यान से देखा। उनकी आँखें भावहीन होकर उन्हीं की ओर देख रही थीं। भीतर ही भीतर ये अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी व्याकुल थे। वे एक ऐसे रहस्य को जानने वाले थे, जिसका पता चलने पर भविष्य में उनके लिए अत्यंत घातक परिणाम हो सकते थे। शांत कमरे में बैठे हुए वे स्वयं को सोवियत संघ की सत्ता के केंद्र - उच्च प्रेसीडियम - से निकलने वाली भयानक प्रज्वलन में डूबा हुआ महसूस कर रहे थे।
जनरल जी की सिगरेट की आखिरी राख उनके कुर्ते पर गिरी। उन्होंने उसे झाड़कर गत्ते के टुकड़े को अपनी मेज के बगल में रखे गुप्त कचरे के डिब्बे में फेंक दिया। उन्होंने एक और सिगरेट जलाई और धुंआ भरते हुए बोले।
हमारी सिफारिश तीन महीने के भीतर दुश्मन के इलाके में किए जाने वाले एक गंभीर आतंकवादी कृत्य से संबंधित है।
भावहीन आँखों के छह जोड़े स्मर्श के सिर को घूर रहे थे, प्रतीक्षा कर रहे थे।
'साथियों,' जनरल जी. अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और उनकी आवाज व्याख्यात्मक हो गई, 'सोवियत संघ की विदेश नीति एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।' पहले, यह एक “कठोर” नीति थी – एक ऐसी नीति [उन्होंने स्टालिन के नाम पर मज़ाक करते हुए कहा] जो लोहे की तरह मज़बूत थी। यह नीति, हालांकि प्रभावी थी, पश्चिम में, विशेष रूप से अमेरिका में, तनाव बढ़ाती रही, जो खतरनाक होता जा रहा था। अमेरिकी लोग अप्रत्याशित होते हैं। वे बहुत जल्दी घबरा जाते हैं। हमारी खुफिया रिपोर्टों से संकेत मिलने लगे थे कि हम अमेरिका को सोवियत संघ पर अघोषित परमाणु हमले के कगार पर धकेल रहे थे। आपने ये रिपोर्टें पढ़ी हैं और आप जानते हैं कि मैं जो कह रहा हूं वह सच है। हम ऐसा युद्ध नहीं चाहते। अगर युद्ध होना ही है, तो समय का चुनाव हम ही करेंगे। कुछ शक्तिशाली अमेरिकी, विशेष रूप से एडमिरल रेडफोर्ड के नेतृत्व वाला पेंटागन समूह, हमारी “कठोर” नीति की सफलताओं से अपनी उग्र योजनाओं में सफल हो रहे थे। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि अपने उद्देश्यों को बनाए रखते हुए, अपने तरीकों को बदलने का समय आ गया है। एक नई नीति बनाई गई – “कठोर-नरम” नीति। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
जिनेवा इस नीति की शुरुआत थी। हम ‘नरम’ थे। चीन क्वेमोय और मात्सु को धमकी देता है। हम ‘कठोर’ हैं। हम कई पत्रकारों, अभिनेताओं और कलाकारों के लिए अपनी सीमाएँ खोल देते हैं, हालाँकि हम जानते हैं कि उनमें से कई जासूस हैं। हमारे नेता मॉस्को में स्वागत समारोहों में हँसते और मज़ाक करते हैं। मज़ाक के बीच में ही हम अब तक का सबसे बड़ा बम गिरा देते हैं। कॉमरेड बुल्गानिन और ख्रुश्चेव और कॉमरेड जनरल सेरोव [जनरल जी. ने टेप-रिकॉर्डर के कानों के लिए नामों को सावधानीपूर्वक शामिल किया] भारत और पूर्व की यात्रा करते हैं और अंग्रेजों की निंदा करते हैं। जब वे वापस आते हैं, तो वे ब्रिटिश राजदूत के साथ लंदन की अपनी आगामी सद्भावना यात्रा के बारे में मैत्रीपूर्ण चर्चा करते हैं। और यह सिलसिला चलता रहता है - पहले छड़ी, फिर गाजर, पहले मुस्कान, फिर भौंहें। और पश्चिम भ्रमित है। तनाव बढ़ने से पहले ही कम हो जाते हैं। हमारे दुश्मनों की प्रतिक्रियाएँ बेढंगी हैं, उनकी

रणनीति अव्यवस्थित है। इस बीच आम लोग हमारे चुटकुलों पर हंसते हैं, हमारी फुटबॉल टीमों का उत्साह बढ़ाते हैं और जब हम कुछ युद्धबंदियों को रिहा करते हैं जिन्हें हम अब और खिलाना नहीं चाहते, तो वे खुशी से झूम उठते हैं! मेज पर बैठे सभी लोगों के चेहरे पर खुशी और गर्व की मुस्कान थी। क्या शानदार नीति है! पश्चिम में हम उन्हें कितना मूर्ख बना रहे हैं!
जनरल जी ने अपने द्वारा उत्पन्न खुशी पर हल्की मुस्कान बिखेरते हुए आगे कहा, 'इसी समय हम हर जगह चुपके से आगे बढ़ते जा रहे हैं - मोरक्को में क्रांति, मिस्र को हथियार, यूगोस्लाविया के साथ मित्रता, साइप्रस में अशांति, तुर्की में दंगे, इंग्लैंड में हड़तालें, फ्रांस में बड़ी राजनीतिक उपलब्धियां - दुनिया में ऐसा कोई मोर्चा नहीं है जिस पर हम चुपचाप आगे नहीं बढ़ रहे हों।'
जनरल जी ने मेज के चारों ओर लालच से चमकती आँखें देखीं। सैनिक नरम पड़ चुके थे। अब सख्ती बरतने का समय था। अब उन्हें नई नीति का असर खुद महसूस करना था। खुफिया एजेंसियों को भी इस बड़े खेल में अपना योगदान देना होगा, जो उनकी ओर से खेला जा रहा था। जनरल जी सहजता से आगे झुके। उन्होंने अपनी दाहिनी कोहनी मेज पर टिकाई और मुट्ठी हवा में उठा दी।
लेकिन साथियों,’ उनकी आवाज़ धीमी थी, ‘सोवियत संघ की राज्य नीति को लागू करने में विफलता कहाँ रही है? जब हम कठोर होना चाहते थे, तब कौन हमेशा नरम रहा? राज्य के अन्य सभी विभागों को जीत मिल रही थी, जबकि हार किसने झेली? किसने अपनी मूर्खतापूर्ण गलतियों से सोवियत संघ को पूरी दुनिया में मूर्ख और कमजोर बना दिया? कौन?’
आवाज लगभग चीख में बदल गई थी। जनरल जी सोच रहे थे कि वह प्रेसीडियम द्वारा अपेक्षित निंदा को कितनी कुशलता से प्रस्तुत कर रहे हैं। जब टेप सेरोव को सुनाया जाएगा तो यह कितना शानदार लगेगा!
उन्होंने कॉन्फ्रेंस टेबल पर बैठे पीले, उम्मीद से भरे चेहरों पर एक नज़र डाली। जनरल जी ने गुस्से में अपनी मुट्ठी मेज पर पटकी।
'सोवियत संघ का पूरा खुफिया तंत्र, साथियों।' आवाज अब एक भयंकर दहाड़ में बदल गई थी।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
हम ही आलसी हैं, विध्वंसक हैं, गद्दार हैं! हम ही सोवियत संघ को उसके महान और गौरवशाली संघर्ष में विफल कर रहे हैं! हम!’ उनका हाथ कमरे में चारों ओर घूमा। ‘हम सब!’ आवाज़ सामान्य हो गई, अधिक तर्कसंगत हो गई। ‘साथियों, रिकॉर्ड देखो। सूकिन सिन [उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग किया], कमीने, रिकॉर्ड देखो! पहले हमने गौज़ेंको और पूरे कनाडाई तंत्र और वैज्ञानिक फुच्स को खो दिया, फिर अमेरिकी तंत्र का सफाया हुआ, फिर हमने टोकायेव जैसे लोगों को खो दिया, फिर शर्मनाक खोखलोव कांड हुआ जिसने हमारे देश को भारी नुकसान पहुंचाया, फिर पेट्रोव और उनकी पत्नी ऑस्ट्रेलिया में - अगर कोई गड़बड़ हुई है तो वह यही थी! सूची अंतहीन है - एक के बाद एक हार, और भगवान जाने मैंने अभी इसका आधा भी नहीं बताया है।’
जनरल जी. थोड़ी देर रुके। फिर उन्होंने अपनी सबसे धीमी आवाज़ में कहा, 'साथियों, मुझे आपको बताना होगा कि अगर आज रात हम खुफिया जानकारी में बड़ी सफलता के लिए सिफारिश नहीं करते हैं, और अगर वह सिफारिश मंजूर हो जाती है, तो हम उस पर सही ढंग से अमल नहीं करते हैं, तो मुसीबत खड़ी हो जाएगी।'

अध्याय पाँच
षड़यंत्र
उन सैनिकों को कोड़े मारे गए थे। जनरल जी ने उन्हें कुछ मिनटों का समय दिया ताकि वे अपने घावों को सहला सकें और आधिकारिक तौर पर दी गई इस सजा के सदमे से उबर सकें।
किसी ने भी बचाव में एक शब्द नहीं कहा। किसी ने भी उनके विभाग का पक्ष नहीं लिया और न ही सोवियत खुफिया विभाग की उन अनगिनत सफलताओं का ज़िक्र किया जिन्हें कुछ गलतियों के सामने रखा जा सकता था। और किसी ने भी एसएमईआरएसएच के प्रमुख के इस भयानक निंदा को सुनाने के अधिकार पर सवाल नहीं उठाया, जबकि वह भी उनके साथ दोषी थे। राजगद्दी से आदेश जारी हो चुका था और जनरल जी को उस आदेश का मुखपत्र चुना गया था। जनरल जी के लिए यह एक बड़ा सम्मान था, कृपा का प्रतीक, आने वाली पदोन्नति का संकेत, और वहाँ मौजूद सभी लोगों ने इस बात पर ध्यान दिया कि खुफिया पदानुक्रम में, जनरल जी, एसएमईआरएसएच के समर्थन से, शीर्ष पर पहुँच गए थे।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
मेज के अंत में, विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि, आर.यू.एम.आई.डी. के लेफ्टिनेंट-जनरल वोज़्दविशेंस्की, अपनी लंबी कज़बेक सिगरेट के सिरे से उठते धुएं को देख रहे थे और उन्हें याद आ रहा था कि बेरिया की मृत्यु के बाद मोलोतोव ने उनसे निजी तौर पर कहा था कि जनरल जी. बहुत तरक्की करेंगे। वोज़्दविशेंस्की ने सोचा कि इस भविष्यवाणी में कोई दूरदर्शिता नहीं थी। बेरिया जी. को नापसंद करते थे और लगातार उनकी तरक्की में बाधा डालते रहे, उन्हें सत्ता की मुख्य सीढ़ी से हटाकर तत्कालीन राज्य सुरक्षा मंत्रालय के एक छोटे विभाग में धकेल दिया, जिसे स्टालिन की मृत्यु के बाद बेरिया ने तुरंत एक मंत्रालय के रूप में समाप्त कर दिया था। 1952 तक, जी. इस मंत्रालय के प्रमुखों में से एक के उप प्रमुख थे। जब यह पद समाप्त कर दिया गया, तो उन्होंने अपनी सारी ऊर्जा बेरिया को गिराने की साजिश रचने में लगा दी, और शक्तिशाली जनरल सेरोव के गुप्त आदेशों पर काम किया, जिनका रिकॉर्ड बेरिया की पहुंच से भी बाहर था।
सोवियत संघ के नायक और एमजीबी के प्रसिद्ध पूर्ववर्तियों - चेका, ओग्पू, एनकेवीडी और एमवीडी - के अनुभवी सदस्य सेरोव, हर मायने में बेरिया से कहीं अधिक महान व्यक्ति थे। 1930 के दशक में हुए सामूहिक नरसंहारों में दस लाख लोगों की मौत हुई थी, जिसमें वे सीधे तौर पर शामिल थे। वे मॉस्को के अधिकांश बड़े दिखावटी मुकदमों के सूत्रधार थे, उन्होंने फरवरी 1944 में मध्य काकेशस में हुए खूनी नरसंहार का आयोजन किया था, और बाल्टिक राज्यों से बड़े पैमाने पर लोगों को निर्वासित करने और जर्मन परमाणु और अन्य वैज्ञानिकों के अपहरण को प्रेरित करने वाले भी वही थे, जिन्होंने युद्ध के बाद रूस को तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाने में मदद की थी।
और बेरिया और उसके सारे दरबारी फांसी पर चढ़ गए, जबकि जनरल जी को इनाम के तौर पर स्मर्श दिया गया। जहाँ तक सेना के जनरल इवान सेरोव की बात है, वह बुल्गानिन और ख्रुश्चेव के साथ मिलकर अब रूस पर राज कर रहे थे। एक दिन, शायद वह अकेले ही शिखर पर खड़े हों। लेकिन, जनरल वोज़्दविशेंस्की ने मेज पर चमकती हुई बिलियर्ड-बॉल जैसी खोपड़ी को देखते हुए अनुमान लगाया, शायद जनरल जी भी उनके पीछे-पीछे ही हों।

खोपड़ी उठी और उभरी हुई कठोर भूरी आँखें सीधे मेज पर जनरल वोज़्डविशेंस्की की आँखों में देखने लगीं। जनरल वोज़्डविशेंस्की ने शांत भाव से और कुछ हद तक आकलन भरी नज़रों से पलटकर देखा।
जनरल जी ने सोचा, "यह तो बहुत गंभीर मामला है। चलो उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं और देखते हैं कि वह साउंडट्रैक में कैसे नज़र आता है।" ‘साथियों,’ कहते हुए उन्होंने अध्यक्ष की मुस्कान में अपने होठों को फैलाया और उनके होठों के दोनों कोनों से सुनहरी चमक निकली।
हमें बहुत निराश नहीं होना चाहिए। हर ऊंचे पेड़ की जड़ में कुल्हाड़ी पड़ी रहती है। हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे विभाग इतने सफल होंगे कि उनकी आलोचना न हो सके। जो कुछ मुझे आप लोगों से कहने के लिए कहा गया है, वह हममें से किसी के लिए भी आश्चर्य की बात नहीं होगी। इसलिए आइए हम इस चुनौती को सकारात्मक मन से स्वीकार करें और काम में जुट जाएं।
मेज के चारों ओर बैठे लोगों ने इन घिसी-पिटी बातों पर मुस्कुराकर कोई जवाब नहीं दिया। जनरल जी को इसकी उम्मीद भी नहीं थी। उन्होंने सिगरेट जलाई और बोलना जारी रखा। उन्होंने कहा, 'हमें खुफिया क्षेत्र में तुरंत एक आतंकी कार्रवाई की सिफारिश करनी होगी, और हमारे विभागों में से एक - निस्संदेह मेरा अपना विभाग - इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए बुलाया जाएगा।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
टेबल पर बैठे सभी लोगों ने राहत की एक दबी हुई आह भरी। कम से कम SMERSH ही तो जिम्मेदार विभाग होगा! ये तो अच्छी बात है।
लेकिन लक्ष्य का चुनाव आसान नहीं होगा, और सही चुनाव के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बहुत बड़ी होगी।
नरम-कठोर, कठोर-नरम। अब गेंद फिर से सम्मेलन के पाले में थी। यह सिर्फ किसी इमारत को उड़ाने या प्रधानमंत्री को गोली मारने का मामला नहीं है। इस तरह की बुर्जुआ नौटंकी की कोई योजना नहीं है। हमारा अभियान नाजुक, परिष्कृत और पश्चिमी खुफिया तंत्र के केंद्र को निशाना बनाने वाला होना चाहिए। इससे दुश्मन तंत्र को गंभीर क्षति पहुंचनी चाहिए - ऐसी गुप्त क्षति जिसके बारे में शायद जनता को कुछ पता न चले, लेकिन जो सरकारी हलकों में गुप्त चर्चा का विषय होगी। साथ ही, इससे एक ऐसा विनाशकारी सार्वजनिक घोटाला होना चाहिए कि दुनिया हमारे दुश्मनों की शर्म और मूर्खता पर तंज कसेगी और उनका उपहास उड़ाएगी। स्वाभाविक रूप से सरकारें जान जाएंगी कि यह सोवियत संघ की साजिश है। यह अच्छी बात है। यह एक "कठोर" नीति का उदाहरण होगा। और पश्चिमी देशों के एजेंट और जासूस भी इसे जान जाएंगे, और वे हमारी चतुराई पर आश्चर्यचकित होंगे और कांप उठेंगे। गद्दार और संभावित दलबदलू अपना इरादा बदल लेंगे। हमारे अपने एजेंट प्रेरित होंगे। हमारी शक्ति और प्रतिभा के प्रदर्शन से उन्हें और अधिक प्रयास करने का प्रोत्साहन मिलेगा। लेकिन बेशक हम इस कृत्य के बारे में किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार करेंगे, चाहे वह कुछ भी हो, और यह वांछनीय है कि सोवियत संघ के आम लोग हमारी संलिप्तता से पूरी तरह अनभिज्ञ रहें।'
जनरल जी. कुछ देर रुके और मेज पर बैठे आर.यू.एम.आई.डी. के प्रतिनिधि की ओर देखा, जिसने एक बार फिर भावहीन भाव से उनकी निगाहों को थामे रखा।
अब हमें उस संगठन का चयन करना है जिस पर हम हमला करेंगे, और फिर उस संगठन के भीतर विशिष्ट लक्ष्य तय करना है। कॉमरेड लेफ्टिनेंट-जनरल वोज़्दविशेंस्की, चूंकि आप विदेशी खुफिया परिदृश्य को एक तटस्थ

दृष्टिकोण से देखते हैं [यह जी.आर.यू. की सैन्य खुफिया और एम.जी.बी. की गुप्त सेवा के बीच मौजूद कुख्यात ईर्ष्या पर एक कटाक्ष था], शायद आप हमारे लिए स्थिति का जायजा लेंगे। हम पश्चिमी खुफिया सेवाओं के सापेक्ष महत्व के बारे में आपकी राय जानना चाहते हैं। फिर हम सबसे खतरनाक और जिसे हम सबसे अधिक नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, उसका चयन करेंगे।
जनरल जी. अपनी ऊंची कुर्सी पर पीछे की ओर झुककर बैठ गए। उन्होंने अपनी कोहनियों को कुर्सी के आर्मरेस्ट पर टिकाया और अपनी ठुड्डी को अपने जुड़े हुए हाथों की उंगलियों पर टिका लिया, मानो कोई शिक्षक किसी लंबे व्याख्यान को सुनने की तैयारी कर रहा हो।
जनरल वोज़्डविशेंस्की अपने काम से बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए। वे तीस वर्षों से खुफिया विभाग में, अधिकतर विदेशों में, कार्यरत थे। उन्होंने लिटविनॉफ के अधीन लंदन स्थित सोवियत दूतावास में द्वारपाल के रूप में कार्य किया था। उन्होंने न्यूयॉर्क में तास एजेंसी के साथ काम किया और फिर लंदन लौटकर सोवियत संघ की खुफिया एजेंसी एमटॉर्ग में शामिल हो गए। व्यापार संगठन। स्टॉकहोम दूतावास में प्रतिभाशाली मैडम कोलोंताई के अधीन पाँच वर्षों तक वे सैन्य परिचारक रहे। टोक्यो जाने से पहले उन्होंने सोवियत जासूस सोर्गे को प्रशिक्षित करने में मदद की थी। युद्ध के दौरान, वे कुछ समय के लिए स्विट्जरलैंड में निवासी निदेशक रहे, जिसे जासूसी की भाषा में 'श्मिटलैंड' के नाम से जाना जाता था, और वहाँ उन्होंने सनसनीखेज रूप से सफल लेकिन दुखद रूप से दुरुपयोग किए गए 'लूसी' नेटवर्क की नींव रखने में मदद की। वे कई बार 'रोटे कपेले' के लिए संदेशवाहक बनकर जर्मनी भी गए थे और बाल-बाल बचे थे। युद्ध के बाद, विदेश मंत्रालय में तबादले के बाद, वे बर्गेस और मैक्लीन ऑपरेशन और पश्चिमी देशों के विदेश मंत्रालयों में घुसपैठ करने की अनगिनत अन्य साजिशों में शामिल रहे। वे एक कुशल पेशेवर जासूस थे और अपने उन प्रतिद्वंद्वियों के बारे में अपनी राय दर्ज करने के लिए पूरी तरह से तैयार थे, जिनसे उनका जीवन भर टकराव होता रहा था।
उनके बगल में बैठे ए.डी.सी. की स्थिति कुछ असहज थी। आर.यू.एम.आई.डी. को इस तरह घेर लिए जाने और विभाग को पूरी जानकारी दिए बिना ही काम करने की वजह से वे घबराए हुए थे। उन्होंने अपने दिमाग को पूरी तरह से खंगाला और हर शब्द को ध्यान से सुनने के लिए अपने कान तेज़ कर लिए।
जनरल वोज़्डविशेंस्की ने सावधानीपूर्वक कहा, 'इस मामले में, व्यक्ति को पद से भ्रमित नहीं करना चाहिए।'
हर देश में अच्छे जासूस होते हैं और ज़रूरी नहीं कि सबसे बड़े देशों के पास ही सबसे ज़्यादा या सबसे अच्छे जासूस हों। लेकिन गुप्त सेवाएँ महँगी होती हैं, और छोटे देश अच्छी खुफिया जानकारी जुटाने के लिए ज़रूरी समन्वित प्रयास नहीं कर सकते – जैसे कि दस्तावेज़ बनाने वाले विभाग, रेडियो नेटवर्क, रिकॉर्ड विभाग, और एजेंटों की रिपोर्टों का मूल्यांकन और तुलना करने वाला तंत्र। नॉर्वे, हॉलैंड, बेल्जियम और यहाँ तक कि पुर्तगाल में भी ऐसे व्यक्तिगत एजेंट हैं जो हमारे लिए बड़ी मुसीबत बन सकते हैं अगर ये देश अपनी रिपोर्टों का महत्व जानते हों या उनका सही इस्तेमाल करते हों। लेकिन वे ऐसा नहीं करते। बड़ी शक्तियों को जानकारी देने के बजाय, वे उसे अपने पास रखना और खुद को महत्वपूर्ण समझना पसंद करते हैं। इसलिए हमें इन छोटे देशों से चिंता करने की ज़रूरत नहीं है,’ उन्होंने रुककर कहा, ‘जब तक हम स्वीडन की बात नहीं करते। वहाँ वे सदियों से हमारी जासूसी कर रहे हैं। बाल्टिक सागर

ABC Amber LIT, http://www.processtext.com/abclit.html

मैं सहमत हूँ। और अब उस संगठन के भीतर लक्ष्य की बात करते हैं। मुझे याद है कॉमरेड जनरल वोज़्दविशेंस्की ने एक मिथक के बारे में कुछ कहा था जिस पर इस गुप्त सेवा की कथित ताकत का बहुत कुछ निर्भर करता है।
हम इस मिथक को नष्ट करने में कैसे मदद कर सकते हैं और इस तरह इस संगठन की मूल प्रेरक शक्ति पर प्रहार कर सकते हैं? यह मिथक कहाँ छिपा है? हम एक ही झटके में इसके सभी कर्मियों को नष्ट नहीं कर सकते। क्या यह मिथक इसके मुखिया में छिपा है? ब्रिटिश गुप्त सेवा का मुखिया कौन है?
कर्नल निकितिन के सहायक ने उनके कान में कुछ फुसफुसाया। कर्नल निकितिन ने फैसला किया कि यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर वे दे सकते हैं और शायद देना भी चाहिए।
वह एक एडमिरल हैं। उन्हें एम अक्षर से जाना जाता है। हमारे पास उनकी एक ज़पिस्का (निशान) है, लेकिन उसमें बहुत कम जानकारी है। वह बहुत कम शराब पीते हैं। वह महिलाओं के लिए बहुत बूढ़े हैं। जनता को उनके अस्तित्व के बारे में पता नहीं है। उनकी मृत्यु को लेकर कोई घोटाला खड़ा करना मुश्किल होगा। और उन्हें मारना भी आसान नहीं होगा। वह शायद ही कभी विदेश जाते हैं। लंदन की किसी सड़क पर उन्हें गोली मारना कोई सभ्य बात नहीं होगी।
'आपकी बातों में बहुत सच्चाई है, कॉमरेड,' जनरल जी ने कहा। 'लेकिन हम यहाँ एक ऐसे लक्ष्य को खोजने आए हैं जो...' (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। क्या उनके पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो संगठन के लिए नायक हो? कोई ऐसा व्यक्ति जिसकी प्रशंसा की जाती हो और जिसका अपमानजनक पतन भयावह हो? मिथक वीरतापूर्ण कार्यों और वीर व्यक्तियों पर बनते हैं। क्या उनके पास ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है?
मेज के चारों ओर सन्नाटा छा गया, हर कोई अपनी याददाश्त खंगाल रहा था। याद रखने के लिए इतने सारे नाम, इतनी सारी फाइलें, दुनिया भर में हर दिन चल रहे इतने सारे ऑपरेशन। ब्रिटिश गुप्त सेवा में कौन था? वह आदमी कौन था जिसने...?
एमजीबी के कर्नल निकितिन ने ही शर्मिंदगी भरी चुप्पी तोड़ी।
उसने हिचकिचाते हुए कहा, 'एक आदमी है जिसका नाम बॉन्ड है।'

अध्याय छह
मौत का हुक्म
‘य*ब**न्ना मैट!’ यह घिनौनी गाली जनरल जी को बहुत पसंद थी। उन्होंने गुस्से में मेज पर हाथ पटका। ‘कॉमरेड, जैसा कि आपने कहा, ‘बॉन्ड नाम का एक आदमी ज़रूर है’।’ उनकी आवाज़ व्यंग्यपूर्ण थी। ‘जेम्स बॉन्ड। [उन्होंने इसे “शेम्स” उच्चारित किया।] और हममें से किसी को भी, यहाँ तक कि मुझे भी, इस जासूस का नाम याद नहीं आ रहा था! हम वाकई बहुत भूलक्कड़ हैं। इसीलिए खुफिया तंत्र आलोचनाओं के घेरे में है।’
जनरल वोज़्दविशेंस्की ने खुद का और अपने विभाग का बचाव करना उचित समझा। उन्होंने विरोध करते हुए कहा, 'कॉमरेड जनरल, सोवियत संघ के अनगिनत दुश्मन हैं। अगर मुझे उनके नाम चाहिए तो मैं केंद्रीय सूची से मंगवा लेता हूँ। इस बॉन्ड का नाम तो मैं ज़रूर जानता हूँ। इसने समय-समय पर हमें बहुत परेशान किया है।'
लेकिन आज मेरा दिमाग दूसरे नामों से भरा हुआ है – उन लोगों के नाम जो आज, इस सप्ताह हमें परेशानी दे रहे हैं। मुझे फुटबॉल में दिलचस्पी है, लेकिन मुझे उन सभी विदेशी खिलाड़ियों के नाम याद नहीं हैं जिन्होंने डायनामोज के खिलाफ गोल किया है।
'कॉमरेड, आपको मज़ाक करने की आदत है,' जनरल जी ने इस बेतुकी टिप्पणी पर ज़ोर देने के लिए कहा। 'यह एक गंभीर मामला है। मैं स्वयं इस कुख्यात एजेंट का नाम न याद रखने की अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। कॉमरेड कर्नल निकितिन निस्संदेह हमारी याददाश्त ताज़ा करेंगे, लेकिन मुझे याद है कि इस बॉन्ड ने कम से कम दो बार... (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
उन्होंने आगे कहा, ‘इससे एसएमईआरएसएच के कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। यह सब मेरे विभाग का कार्यभार संभालने से पहले हुआ था।’
फ्रांस में, उस कसीनो शहर में एक मामला हुआ था। ले शिफ्रे नाम का आदमी। फ्रांस में पार्टी का एक बेहतरीन नेता। उसने नासमझी में पैसों की कुछ दिक्कतें मोल ले लीं। लेकिन अगर बॉन्ड ने दखल न दिया होता तो वह उनसे निकल जाता। मुझे याद है कि विभाग को तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी और उस फ्रांसीसी को खत्म करना पड़ा। जल्लाद को उसी समय अंग्रेज को भी निपटा देना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। फिर हार्लेम में हमारा एक नीग्रो था। एक महान व्यक्ति – हमारे द्वारा नियुक्त किए गए सबसे बेहतरीन विदेशी एजेंटों में से एक, और उसके पीछे एक विशाल नेटवर्क था। कैरिबियन में एक खजाने के बारे में कुछ मामला था। मुझे विवरण याद नहीं हैं। इस अंग्रेज को गुप्त सेवा ने भेजा और उसने पूरे संगठन को ध्वस्त कर दिया और हमारे आदमी को मार डाला। यह एक बड़ा झटका था। एक बार फिर मेरे पूर्ववर्ती को इस अंग्रेज जासूस के खिलाफ बेरहमी से कार्रवाई करनी चाहिए थी।
कर्नल निकितिन ने बीच में ही बात काटते हुए कहा, 'जर्मन, ड्रैक्स और रॉकेट के मामले में भी हमारा ऐसा ही अनुभव रहा था।'
आपको वह मामला याद होगा, कॉमरेड जनरल। एक अत्यंत महत्वपूर्ण षड्यंत्र। जनरल स्टाफ इसमें गहराई से शामिल था। यह एक उच्च नीति का मामला था जिससे निर्णायक परिणाम निकल सकते थे। लेकिन एक बार फिर, इसी बॉन्ड ने ऑपरेशन को विफल कर दिया। जर्मन सैनिक मारा गया। राज्य को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े।
इसके बाद गंभीर संकट का दौर आया जिसे बड़ी मुश्किल से सुलझाया गया।

जी.आर.यू. के जनरल स्लाविन को लगा कि उन्हें कुछ कहना चाहिए। रॉकेट हमला सेना का ऑपरेशन था और उसकी विफलता का सारा दोष जी.आर.यू. पर मढ़ा गया था। निकितिन यह बात भली-भांति जानते थे। हमेशा की तरह एम.जी.बी. जी.आर.यू. के लिए मुसीबत खड़ी करने की कोशिश कर रहे थे – पुराने इतिहास को कुरेदकर। उन्होंने ठंडे लहजे में कहा, 'हमने आपसे अनुरोध किया था कि इस आदमी से आपके विभाग द्वारा निपटा जाए, कॉमरेड कर्नल। मुझे याद नहीं कि हमारे अनुरोध के बाद कोई कार्रवाई हुई हो। अगर हुई होती, तो आज हमें उससे निपटने की ज़रूरत नहीं होती।'
कर्नल निकितिन गुस्से से लाल हो रहे थे। उन्होंने खुद को संभाला। “सादर प्रणाम, कॉमरेड जनरल,” उन्होंने ऊँची, व्यंग्यात्मक आवाज़ में कहा, “जी.आर.यू. का अनुरोध उच्च अधिकारियों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। इंग्लैंड के साथ और अधिक शर्मिंदगी नहीं चाहते थे। शायद यह बात आपको याद न हो। वैसे भी, अगर ऐसा कोई अनुरोध एम.जी.बी. तक पहुँचा होता, तो उसे एसएमईआरएसएच को भेज दिया जाता।”
कार्रवाई के लिए।
जनरल जी ने तीखे स्वर में कहा, 'मेरे विभाग को ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला। वरना इस आदमी को तुरंत फांसी दे दी जाती। हालांकि, यह ऐतिहासिक शोध का समय नहीं है। रॉकेट कांड तीन साल पहले हुआ था। शायद एमजीबी हमें इस आदमी की हालिया गतिविधियों के बारे में बता सके।'
कर्नल निकितिन ने अपने सहायक से फुसफुसाते हुए जल्दी से कुछ कहा। फिर वे मेज की ओर मुड़े। “हमारे पास बहुत कम जानकारी है, कॉमरेड जनरल,” उन्होंने बचाव करते हुए कहा। “हमारा मानना है कि वह हीरे की तस्करी के किसी मामले में शामिल था। यह पिछले साल की बात है। अफ्रीका और अमेरिका के बीच। यह मामला हमसे संबंधित नहीं है।”
तब से हमें उनके बारे में कोई और खबर नहीं मिली है। शायद उनकी फाइल में कुछ और हालिया जानकारी हो।'
जनरल जी ने सिर हिलाया। उन्होंने अपने सबसे नज़दीक रखे टेलीफ़ोन का रिसीवर उठाया। यह तथाकथित ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया संदेश था, http://www.processtext.com/abclit.html
एमजीबी के कमांडेंट टेलीफोन। सभी लाइनें सीधी थीं और कोई केंद्रीय स्विचबोर्ड नहीं था। उन्होंने एक नंबर डायल किया। 'सेंट्रल इंडेक्स? जनरल ग्रुबोज़ाबोयस्चिकोव बोल रहे हैं। 'बॉन्ड' का संदेश - अंग्रेज़ जासूस। आपातकालीन।' उन्होंने तुरंत जवाब आने का इंतज़ार किया, 'आखिरकार, कॉमरेड जनरल,' और रिसीवर वापस रख दिया।
उन्होंने अधिकारपूर्ण लहजे में मेज की ओर देखा। 'साथियों, कई दृष्टिकोणों से यह जासूस एक उपयुक्त लक्ष्य प्रतीत होता है। वह राज्य का एक खतरनाक दुश्मन लगता है। उसका खात्मा हमारी खुफिया एजेंसी के सभी विभागों के लिए फायदेमंद होगा। क्या ऐसा है?'
सम्मेलन में सन्नाटा पसरा रहा।
उनकी कमी सीक्रेट सर्विस को भी खलेगी। लेकिन क्या इससे कुछ और होगा? क्या इससे उन्हें गंभीर चोट पहुंचेगी? क्या इससे उस मिथक को तोड़ने में मदद मिलेगी जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं? क्या वह व्यक्ति अपने संगठन और अपने देश के लिए हीरो है?
जनरल वोज़्डविशेंस्की को लगा कि यह सवाल उन्हीं के लिए है। उन्होंने बोलना शुरू किया, 'अंग्रेज़ों को नायकों में कोई दिलचस्पी नहीं होती,

सिवाय फुटबॉलर, क्रिकेटर या जॉकी के। अगर कोई व्यक्ति पहाड़ पर चढ़ता है या बहुत तेज़ दौड़ता है, तो वह भी कुछ लोगों के लिए नायक होता है, लेकिन आम जनता के लिए नहीं। इंग्लैंड की रानी भी नायिका हैं, और चर्चिल भी। लेकिन अंग्रेज़ों को सैन्य नायकों में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं होती। यह बॉन्ड नाम का व्यक्ति जनता के लिए अनजान है। अगर वह जाना-पहचाना भी होता, तो भी वह नायक नहीं होता। इंग्लैंड में न तो खुला युद्ध और न ही गुप्त युद्ध वीरता का विषय है। वे युद्ध के बारे में सोचना पसंद नहीं करते, और युद्ध के बाद उनके युद्ध नायकों के नाम जितनी जल्दी हो सके भुला दिए जाते हैं। गुप्त सेवा के भीतर, यह व्यक्ति स्थानीय नायक हो भी सकता है और नहीं भी। यह उसकी शक्ल-सूरत और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा। इनके बारे में मुझे कुछ नहीं पता। वह मोटा, चिकना और अप्रिय भी हो सकता है। कोई भी ऐसे व्यक्ति को नायक नहीं बनाता, चाहे वह कितना भी सफल क्यों न हो।'
निकितिन ने बीच में ही बात काट दी। "हमने जिन अंग्रेज़ जासूसों को पकड़ा है, वे इस आदमी की बहुत तारीफ़ करते हैं। उसकी सेना में उसकी बहुत इज़्ज़त है। उसे एकांतप्रिय, लेकिन आकर्षक व्यक्ति कहा जाता है।"
आंतरिक कार्यालय का टेलीफोन धीमी आवाज़ में बज रहा था। जनरल जी ने रिसीवर उठाया, थोड़ी देर सुना और कहा, 'इसे अंदर ले आओ।' दरवाजे पर दस्तक हुई। ए.डी.सी. गत्ते के कवर में लिपटी एक मोटी फाइल लेकर अंदर आए। उन्होंने कमरा पार किया और जनरल के सामने डेस्क पर फाइल रखकर धीरे से दरवाजा बंद करते हुए बाहर चले गए।
फाइल का कवर चमकदार काले रंग का था। उस पर एक मोटी सफेद पट्टी तिरछी दिशा में ऊपर दाहिने कोने से नीचे बाएं कोने तक फैली हुई थी। ऊपर बाईं ओर सफेद रंग में 'एस.एस.' अक्षर लिखे थे, और उनके नीचे...
'SOVERSHENNOE SEKRETNO', जिसका अर्थ है 'अत्यंत गोपनीय'। बीचोंबीच सफेद अक्षरों में साफ-सुथरे ढंग से 'JAMES BOND' लिखा था, और उसके नीचे 'Àngliski Spion' लिखा था।
जनरल जी ने फाइल खोली और उसमें से तस्वीरों से भरा एक बड़ा लिफाफा निकाला, जिसे उन्होंने ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किए गए चित्र (http://www.processtext.com/abclit.html) पर खाली कर दिया।
डेस्क की कांच की सतह पर। उसने उन्हें एक-एक करके उठाया। उसने उन्हें ध्यान से देखा, कभी-कभी दराज से निकाले गए आवर्धक लेंस से, और फिर उन्हें डेस्क के उस पार निकितिन को दे दिया, जिसने उन पर एक नज़र डाली और उन्हें आगे बढ़ा दिया।
पहली तस्वीर सन् 1946 की है। इसमें एक सांवला युवक धूप से जगमगाते कैफे के बाहर एक मेज पर बैठा है। मेज पर उसके बगल में एक लंबा गिलास और सोडा वाटर पीने का चम्मच रखा है। उसकी दाहिनी कोहनी मेज पर टिकी है और दाहिने हाथ की उंगलियों के बीच एक सिगरेट है, जो लापरवाही से मेज के किनारे से नीचे लटक रही है। उसके पैर उस खास अंदाज में क्रॉस किए हुए हैं जैसे कोई अंग्रेज करता है - दाहिना टखना बाएं घुटने पर टिका है और बायां हाथ टखने को पकड़े हुए है। यह एक बेपरवाह मुद्रा है। उस व्यक्ति को पता नहीं था कि लगभग बीस फीट की दूरी से उसकी तस्वीर खींची जा रही है।
अगली तस्वीर 1950 की थी। उसमें एक धुंधला चेहरा और कंधे दिख रहे थे, लेकिन वही आदमी था। यह एक क्लोज-अप तस्वीर थी और बॉन्ड बड़ी सावधानी से, सिकुड़ी हुई आँखों से किसी चीज़ को देख रहा था, शायद फोटोग्राफर का चेहरा, जो लेंस के ठीक ऊपर था। जनरल जी ने अनुमान लगाया कि यह एक छोटा बटन-होल कैमरा था।

तीसरी तस्वीर 1951 की थी। बाईं ओर से काफी करीब से ली गई इस तस्वीर में वही व्यक्ति गहरे रंग के सूट में, बिना टोपी के, एक चौड़ी खाली सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे रहा था। वह एक बंद दुकान के पास से गुजर रहा था, जिस पर लिखा था...
'चारक्यूटेरी'। वह ऐसा लग रहा था मानो कहीं जल्दी में जा रहा हो। उसका साफ-सुथरा चेहरा सीधा आगे की ओर इशारा कर रहा था और दाहिनी कोहनी के मुड़े होने से लग रहा था कि उसका दाहिना हाथ कोट की जेब में है। जनरल जी. ने सोचा कि शायद उसने कार से जेब निकाली होगी। उन्होंने सोचा कि उस आदमी की दृढ़ नज़र और उसके कदमों का झुकाव खतरनाक लग रहा था, मानो वह सड़क पर आगे होने वाली किसी बुरी घटना की ओर तेज़ी से बढ़ रहा हो।
चौथी और आखिरी तस्वीर पर पासे. 1953 अंकित था। शाही मुहर का कोना और अक्षर `.
नीचे दाहिने कोने में दिखाए गए वृत्त के खंड में 'शासन कार्यालय' लिखा था। कैबिनेट के आकार में बड़ा किया गया यह चित्र किसी सीमावर्ती क्षेत्र में या किसी होटल के चौकीदार द्वारा तब लिया गया होगा जब बॉन्ड ने अपना पासपोर्ट सरेंडर किया था। जनरल जी ने आवर्धक लेंस से ध्यानपूर्वक चेहरे को देखा।
चेहरा गहरा और सुस्पष्ट था, दाहिने गाल की धूप से झुलसी त्वचा पर तीन इंच का एक निशान सफेद रंग में दिखाई दे रहा था। आँखें चौड़ी और सीधी थीं, उनके नीचे सीधी, बल्कि लंबी काली भौहें थीं। बाल काले थे, बाईं ओर से बँटे हुए थे और लापरवाही से कंघी किए हुए थे, जिससे एक मोटी काली पट्टी दाहिनी भौह पर लटक रही थी।
लंबी, सीधी नाक नीचे की ओर छोटे ऊपरी होंठ तक जाती थी, जिसके नीचे एक चौड़ा और बारीकी से गढ़ा हुआ, लेकिन क्रूर मुंह था। जबड़े की रेखा सीधी और दृढ़ थी। गहरे रंग का सूट, सफेद कमीज और काली बुनी हुई टाई ने इस पूरे लुक को पूरा किया।
जनरल जी ने तस्वीर को हाथ की दूरी पर रखा। दृढ़ निश्चय, अधिकार, निर्ममता— ये गुण उन्हें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि उस व्यक्ति के भीतर और क्या चल रहा है। उन्होंने तस्वीर को मेज पर आगे बढ़ा दिया और फाइल की ओर मुड़ गए, प्रत्येक पृष्ठ पर तेजी से नज़र डालते हुए अगले पृष्ठ पर पलट गए।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
तस्वीरें उसके दिमाग में फिर से ताजा हो गईं। उसने उंगली से अपना स्थान चिह्नित किया और एक पल के लिए ऊपर देखा। उसने गंभीर स्वर में कहा, 'वह एक शातिर आदमी लगता है। उसकी कहानी से यह बात पुष्ट होती है। मैं कुछ अंश पढ़कर सुनाता हूँ। फिर हमें फैसला करना होगा। काफी देर हो चुकी है।' वह पहले पृष्ठ पर लौटा और उन बिंदुओं को फटाफट बताने लगा जो उसे सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहे थे।
पहला नाम: जेम्स। कद: 183 सेंटीमीटर; वजन: 76 किलोग्राम; दुबला-पतला शरीर; आँखें: नीली; बाल: काले; दाहिने गाल और बाएं कंधे पर निशान; दाहिने हाथ के पिछले हिस्से पर प्लास्टिक सर्जरी के निशान (परिशिष्ट देखें)
एक बहुमुखी खिलाड़ी; पिस्टल शूटर, बॉक्सर और चाकू फेंकने में माहिर; भेस नहीं बदलता। भाषाएँ: फ्रेंच और जर्मन। खूब धूम्रपान करता है (ध्यान दें:

तीन सोने की पट्टियों वाली विशेष सिगरेट)। बुरी आदतें: शराब, लेकिन अधिक मात्रा में नहीं, और महिलाएं। रिश्वत लेने का संदेह है।
जनरल जी ने एक पृष्ठ छोड़ दिया और आगे बढ़ गए:
यह व्यक्ति हमेशा अपनी बाईं बांह के नीचे होल्स्टर में रखी हुई.25 बेरेटा स्वचालित पिस्तौल से लैस रहता है।
मैगज़ीन में आठ राउंड आते हैं। वह अपनी बाईं कलाई पर चाकू बांधकर रखता है; उसने स्टील-कैप वाले जूते पहने हैं; उसे जूडो की बुनियादी पकड़ आती है। कुल मिलाकर, वह दृढ़ता से लड़ता है और दर्द सहने की उसकी क्षमता बहुत अधिक है (परिशिष्ट "बी" देखें)।
जनरल जी. ने उन पन्नों को पलटा जिनमें एजेंटों की रिपोर्टों के अंश थे जिनसे यह डेटा लिया गया था। वे परिशिष्टों से पहले अंतिम पृष्ठ पर पहुँचे, जिसमें उन मामलों का विवरण था जिनमें बॉन्ड का सामना हुआ था। उन्होंने पृष्ठ के निचले भाग पर नज़र डाली और पढ़ा: 'निष्कर्ष। यह व्यक्ति एक खतरनाक पेशेवर आतंकवादी और जासूस है। वह 1938 से ब्रिटिश गुप्त सेवा के लिए काम कर रहा है और अब (दिसंबर 1950 की हाईस्मिथ फ़ाइल देखें) उस सेवा में गुप्त संख्या "007" रखता है। दोहरे 0 अंक एक ऐसे एजेंट को दर्शाते हैं जिसने हत्या की है और जिसे सक्रिय सेवा के दौरान हत्या करने का विशेषाधिकार प्राप्त है। माना जाता है कि इस अधिकार वाले केवल दो अन्य ब्रिटिश एजेंट हैं। इस जासूस को 1953 में सी.एम.जी. से सम्मानित किया जाना, जो आमतौर पर गुप्त सेवा से सेवानिवृत्ति पर ही दिया जाता है, उसकी योग्यता का प्रमाण है। यदि क्षेत्र में उसका सामना होता है, तो इस तथ्य और पूर्ण विवरण की सूचना मुख्यालय को दी जानी चाहिए (देखें स्मर्श, एम.जी.बी.)'
और जी.आर.यू. स्थायी आदेश 1951 से आगे)।
जनरल जी ने फाइल बंद की और कवर पर निर्णायक रूप से हाथ पटका। 'अच्छा, साथियों। क्या हम सहमत हैं?'
'हां,' कर्नल निकितिन ने जोर से कहा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
'हां,' जनरल स्लाविन ने ऊबे हुए स्वर में कहा।
जनरल वोज़्डविशेंस्की अपने नाखूनों को देख रहे थे। वे हत्याओं से तंग आ चुके थे। उन्होंने इंग्लैंड में अच्छा समय बिताया था। 'हाँ,' उन्होंने कहा। 'मुझे लगता है ऐसा ही है।'
जनरल जी का हाथ आंतरिक कार्यालय के टेलीफोन की ओर बढ़ा। उन्होंने अपने सहायक सचिव से बात की। उन्होंने कठोर स्वर में कहा, "मौत का वारंट जारी हो चुका है। 'जेम्स बॉन्ड' के नाम पर।' उन्होंने नाम स्पष्ट रूप से बताए। 'विवरण: अंग्रेज़ जासूस। अपराध: राष्ट्र का शत्रु।' उन्होंने रिसीवर वापस रखा और कुर्सी पर आगे झुक गए। 'अब सवाल एक उपयुक्त षड्यंत्र रचने का है। और ऐसा षड्यंत्र जो विफल न हो!' वे गंभीर मुस्कान के साथ बोले।
'हम खोखलोव जैसी घटना दोबारा नहीं होने दे सकते।'
दरवाजा खुला और ए.डी.सी. एक चमकीले पीले रंग का कागज लेकर अंदर आया। उसने उसे जनरल जी. के सामने रखा और बाहर चला गया। जनरल जी. ने कागज पर नजर दौड़ाई और उस पर ये शब्द लिखे: 'मार डाला जाए।'
ग्रुबोज़ाबोयशिकोव' नीचे के बड़े खाली स्थान के शीर्ष पर बैठा था। उसने कागज़ एमजीबी के आदमी को दिया, जिसने उसे पढ़ा और लिखा 'निकितिन, उसे मार डालो' और उसे जीआरयू के प्रमुख को सौंप दिया, जिसने लिखा 'स्लाविन, उसे मार

डालो'। एडीसी में से एक ने कागज़ आरयूएमआईडी के प्रतिनिधि के बगल में बैठे सादे कपड़ों वाले आदमी को दे दिया। उस आदमी ने कागज़ जनरल वोज़्दविशेंस्की के सामने रख दिया और उसे एक कलम थमा दी।
जनरल वोज़्डविशेंस्की ने कागज़ को ध्यान से पढ़ा। उन्होंने धीरे से अपनी नज़रें जनरल जी. की ओर उठाईं, जो उन्हें देख रहे थे, और बिना नीचे देखे, अन्य हस्ताक्षरों के ठीक नीचे 'उसे मार डालो' लिख दिया और उसके बाद अपना नाम लिख दिया। फिर उन्होंने कागज़ से हाथ हटाए और खड़े हो गए।
"बस इतना ही, कॉमरेड जनरल?" उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी।
जनरल जी खुश थे। इस आदमी के बारे में उनका अनुमान सही निकला था। उन्हें उस पर नज़र रखनी होगी और अपनी शंकाओं की जानकारी जनरल सेरोव को देनी होगी। “एक क्षण रुकिए, कॉमरेड जनरल,” उन्होंने कहा। “मुझे वारंट में कुछ और जोड़ना है।”
कागज़ उसे थमा दिया गया। उसने कलम निकाली और जो लिखा था उसे मिटा दिया। फिर उसने दोबारा लिखना शुरू किया और लिखते समय धीरे-धीरे शब्दों को बोलता गया। 'अपमानजनक ढंग से मारा जाना। ग्रुबोज़ाबोयस्चिकोव।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उन्होंने ऊपर देखा और साथियों को देखकर सुखद मुस्कान दी। 'धन्यवाद साथियों। बस इतना ही। मैं आपको हमारी सिफारिश पर प्रेसीडियम के निर्णय से अवगत कराऊंगा। शुभ रात्रि।'

* * *

जब सम्मेलन समाप्त हो गया, तो जनरल जी. उठे, अंगड़ाई ली और एक ज़ोरदार, नियंत्रित जम्हाई ली। वे वापस अपनी मेज पर बैठ गए, वायर-रिकॉर्डर बंद किया और अपने ए.डी.सी. को बुलाया। ए.डी.सी. अंदर आया और उनकी मेज के बगल में खड़ा हो गया।
जनरल जी ने उसे पीला कागज़ थमा दिया। 'इसे तुरंत जनरल सेरोव को भेज दो। पता लगाओ कि क्रोनस्टीन कहाँ है और उसे गाड़ी से बुलवाओ। मुझे परवाह नहीं कि वह बिस्तर पर है। उसे आना ही होगा। ओटडेल द्वितीय को पता होगा कि वह कहाँ मिलेगा। और मैं दस मिनट में कर्नल क्लेब से मिलूंगा।'
जी हां, कॉमरेड जनरल। वह व्यक्ति कमरे से बाहर चला गया।
जनरल जी ने वी.सी.एच. रिसीवर उठाया और जनरल सेरोव से बात करने को कहा। उन्होंने पांच मिनट तक धीमी आवाज़ में बात की। अंत में उन्होंने कहा, "और अब मैं यह ज़िम्मेदारी कर्नल क्लेब और योजनाकार क्रोनस्टीन को सौंपने जा रहा हूँ। हम एक उपयुक्त षड्यंत्र की रूपरेखा पर चर्चा करेंगे और वे मुझे कल विस्तृत प्रस्ताव देंगे। क्या यह ठीक है, कॉमरेड जनरल?"
'जी हां,' उच्च प्रेसीडियम के जनरल सेरोव की शांत आवाज आई। 'उसे मार डालो। लेकिन यह काम बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया जाए। प्रेसीडियम सुबह इस फैसले की पुष्टि करेगा।'
लाइन कट गई। इंटर-ऑफिस टेलीफोन की घंटी बजी। जनरल जी ने रिसीवर में 'हां' कहा और उसे वापस रख दिया।
कुछ ही देर बाद ए.डी.सी. ने बड़ा दरवाजा खोला और प्रवेश द्वार पर खड़े हो गए। 'कॉमरेड कर्नल क्लेब,'
उसने घोषणा की थी।

लेनिन ऑर्डर के एकमात्र लाल रिबन से सजी जैतून के हरे रंग की वर्दी पहने एक मेंढक जैसी आकृति कमरे में आई और तेज छोटे कदमों से मेज की ओर चली गई। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
जनरल जी ने ऊपर देखा और कॉन्फ्रेंस टेबल पर सबसे पास वाली कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'शुभ संध्या, कॉमरेड।'
छोटे कद के चेहरे पर एक मीठी मुस्कान खिल उठी। 'शुभ संध्या, कॉमरेड जनरल।' एसएमईआरएसएच के संचालन और क्रियान्वयन विभाग की प्रभारी ओटडेल द्वितीय की प्रमुख ने अपनी स्कर्ट ऊपर उठाई और बैठ गईं।

अध्याय सात
बर्फ का जादूगर
चमकीले, गुंबदनुमा केस में लगी दोहरी घड़ी के दोनों चेहरे शतरंज के बोर्ड के पार ऐसे देख रहे थे मानो किसी विशाल समुद्री राक्षस की आंखें मेज के किनारे से झांककर खेल देख रही हों।
शतरंज की घड़ी के दोनों चेहरों पर अलग-अलग समय दिख रहा था। क्रोनस्टीन की घड़ी में एक बजने में बीस मिनट बाकी थे।
सेकंड गिनने वाला लंबा लाल पेंडुलम घड़ी के निचले हिस्से पर रुक-रुक कर चल रहा था, जबकि दुश्मन की घड़ी शांत थी और उसका पेंडुलम स्थिर था। लेकिन मखारोव की घड़ी में एक बजने में पाँच मिनट बाकी थे। उन्होंने खेल के बीच में समय बर्बाद कर दिया था और अब उनके पास केवल पाँच मिनट बचे थे। वे समय की कमी से जूझ रहे थे और जब तक क्रोनस्टीन कोई पागलपन भरी गलती न कर दें, जो कि असंभव था, वे हार जाएंगे।
क्रोनस्टीन एक तोते की तरह रहस्यमयी और निर्भीक मुद्रा में सीधा बैठा था। उसकी कोहनियाँ मेज पर टिकी थीं और उसका बड़ा सिर मुट्ठी बांधे उसके गालों पर टिका था, जिससे उसके होंठ अकड़ और तिरस्कार से भरे हुए लग रहे थे। चौड़े, उभरे हुए माथे के नीचे, उसकी तिरछी काली आँखें अपनी जीत के बोर्ड पर घातक शांति से टकटकी लगाए हुए थीं। लेकिन, इस मुखौटे के पीछे, उसके दिमाग में खून तेज़ी से दौड़ रहा था, और उसकी दाहिनी कनपटी की मोटी, कीड़े जैसी नस नब्बे से भी अधिक की गति से धड़क रही थी। पिछले दो घंटे दस मिनट में उसका एक पाउंड वज़न पसीने के रूप में कम हो गया था, और एक गलत चाल का डर अब भी उसके गले पर मंडरा रहा था। लेकिन मखारोव और दर्शकों के लिए, वह अब भी 'बर्फ का जादूगर' था, जिसका खेल मछली खाने वाले आदमी से तुलना किया जाता था। पहले वह खाल उतारता, फिर हड्डियाँ निकालता, और फिर मछली खाता। क्रोनस्टीन लगातार दो साल तक मॉस्को के चैंपियन रहे थे, अब तीसरी बार फाइनल में थे और अगर वह यह गेम जीत जाते तो ग्रैंड मास्टरशिप के दावेदार बन जाते।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
रस्सियों से घिरी मुख्य मेज के चारों ओर छाई खामोशी में क्रोनस्टीन की घड़ी की तेज़ आवाज़ के अलावा कोई और आवाज़ नहीं थी। दोनों अंपायर अपनी ऊँची कुर्सियों पर बिना हिले-डुले बैठे थे। वे जानते थे, और मखारोव भी, कि यही निर्णायक चाल थी। क्रोनस्टीन ने क्वीन गैम्बिट डिक्लाइन्ड के मेरान वेरिएशन में एक शानदार बदलाव ला दिया था। मखारोव 28 वीं चाल तक उनके साथ डटे रहे। उस चाल पर उनका समय बर्बाद हो गया। शायद उन्होंने वहाँ कोई गलती की थी, और शायद 31 वीं और 33 वीं चाल पर भी। कौन कह सकता था? यह एक ऐसा खेल होगा जिस पर आने वाले हफ्तों तक पूरे रूस में बहस होगी।
चैम्पियनशिप मैच के सामने वाली खचाखच भरी गैलरी से एक आह सुनाई दी। क्रोनस्टीन ने धीरे से अपना दाहिना हाथ गाल से हटाकर बोर्ड पर फैलाया। गुलाबी केकड़े के पंजों की तरह, उनका अंगूठा और तर्जनी उंगली खुलीं, फिर नीचे की ओर गईं। मोहरा पकड़े हुए हाथ ऊपर, अगल-बगल और नीचे की ओर हिला। फिर हाथ धीरे से वापस चेहरे पर आ गया।
दर्शक उस विशाल दीवार पर लगे नक्शे पर 41 वीं चाल को तीन फुट के एक तख्ते की जगह बदलकर दोहराया हुआ देखकर आपस में फुसफुसाने और बातें करने लगे। आर-केटी8। यही जीत का रास्ता होना चाहिए!

हॉल के दरवाजे के बाहर मेरी पत्नी की हत्या की जा रही है, तो मैं उसे बचाने के लिए एक उंगली भी नहीं उठाता।'
मेरे प्रशंसक यह बात जानते हैं। वे भी मेरी ही तरह इस खेल के प्रति समर्पित हैं। आज रात, अगर मैंने खेल से इस्तीफा दे दिया होता और वह संदेश मिलते ही तुरंत वापस आ गया होता, तो पाँच हज़ार लोगों को पता चल जाता कि यह सिर्फ़ इसी विभाग के आदेश पर हो सकता है। अफवाहों का तूफान खड़ा हो जाता। मेरे आने-जाने पर नज़र रखी जाती। मेरा भेद खुल जाता।
राज्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मैंने आदेश का पालन करने से पहले तीन मिनट प्रतीक्षा की। फिर भी, मेरी जल्दबाजी में की गई प्रस्थान पर काफी चर्चा होगी। मुझे यह कहना पड़ेगा कि मेरा एक बच्चा गंभीर रूप से बीमार है। इस बात को पुख्ता करने के लिए मुझे अपने एक बच्चे को एक सप्ताह के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ेगा। आदेश का पालन करने में हुई देरी के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। लेकिन यह निर्णय कठिन था। मैंने विभाग के हित में वही किया जो मुझे उचित लगा।
जनरल जी. ने गहरी, तिरछी आँखों में ध्यान से देखा। वह आदमी दोषी था, लेकिन बचाव पक्ष का पक्ष मज़बूत था। उन्होंने अपराध की गंभीरता का आकलन करते हुए अखबार को दोबारा पढ़ा, फिर अपना लाइटर निकाला और उसे जला दिया। जलते हुए कागज़ के आखिरी कोने को उन्होंने अपनी मेज़ के कांच के ऊपरी हिस्से पर गिरा दिया और राख को ज़मीन पर बिखेर दिया। उन्होंने अपने विचारों को ज़ाहिर करने के लिए कुछ नहीं कहा, लेकिन क्रोनस्टीन के लिए सबूतों का जलना ही सबसे महत्वपूर्ण था। अब उनके ज़ापिस्का पर कुछ भी नहीं लिखा जा सकता था। उन्हें गहरी राहत और कृतज्ञता महसूस हुई।
वह इस मामले में अपनी सारी सूझबूझ लगा देगा। जनरल ने बड़ी दयालुता दिखाई थी। क्रोनस्टीन उन्हें अपनी पूरी बुद्धि से इसका प्रतिफल देगा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
‘कॉमरेड कर्नल, तस्वीरें आगे बढ़ा दीजिए,’ जनरल जी ने ऐसे कहा मानो संक्षिप्त कोर्ट-मार्शल हुआ ही न हो। ‘मामला इस प्रकार है…।’
तो यह एक और मौत है, क्रोनस्टीन ने सोचा, जब जनरल बोल रहे थे और उन्होंने पासपोर्ट की बड़ी तस्वीर में दिख रहे उस काले, निर्मम चेहरे को गौर से देखा। क्रोनस्टीन जनरल की बातों को आधे मन से सुन रहे थे, लेकिन उन्होंने मुख्य तथ्यों को चुना - अंग्रेज़ जासूस। बड़ा घोटाला चाहा जा रहा था। सोवियत संघ का कोई दखल नहीं। माहिर हत्यारा। महिलाओं के प्रति आकर्षण (इसलिए समलैंगिक नहीं, क्रोनस्टीन का मानना था)। शराब का आदी (लेकिन ड्रग्स के बारे में कुछ नहीं कहा गया)। रिश्वत न लेने वाला (कौन जानता है? हर आदमी की कोई न कोई कीमत होती है)। कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सभी खुफिया विभागों से सभी उपकरण और कर्मी उपलब्ध होंगे। तीन महीने के भीतर सफलता हासिल करनी होगी। अभी व्यापक विचार आवश्यक हैं। विवरण बाद में तय किए जाएंगे।
जनरल जी ने अपनी पैनी निगाहें कर्नल क्लेब पर टिका दीं। 'कॉमरेड कर्नल, आपकी तत्काल प्रतिक्रिया क्या है?'
झूमर की रोशनी में चश्मे का चौकोर, बिना फ्रेम वाला शीशा चमक उठा, जब महिला ध्यानमग्न मुद्रा से उठकर जनरल की ओर देखने लगी। निकोटीन के दाग से सने होंठों पर हल्की सी चमक थी, लेकिन उसके नीचे के फीके, नम होंठ खुल गए और महिला के विचार व्यक्त करते ही तेज़ी से ऊपर-नीचे होने लगे। क्रोनस्टीन को

अध्याय आठ
सुंदर आकर्षण
अपने एक कमरे की खिड़की के पास बैठकर, जून की शांत शाम को बाहर देखते हुए, सड़क के उस पार खिड़कियों में प्रतिबिंबित होते सूर्यास्त के पहले गुलाबी रंग को देखते हुए, दूर स्थित एक चर्च के प्याज के आकार के शिखर को देखते हुए, जो मॉस्को की छतों के ऊबड़-खाबड़ क्षितिज के ऊपर एक मशाल की तरह चमक रहा था, राज्य सुरक्षा की कॉर्पोरल तातियाना रोमानोवा ने सोचा कि वह पहले से कहीं अधिक खुश थी।
उसकी खुशी रोमांटिक नहीं थी। इसका किसी प्रेम प्रसंग की उमंग भरी शुरुआत से कोई लेना-देना नहीं था— वो दिन और सप्ताह जब आँखों में आँसू की पहली हल्की-सी बूँदें दिखाई देती हैं। यह सुरक्षा की शांत, स्थिर खुशी थी, भविष्य के प्रति आत्मविश्वास से भरी दृष्टि की खुशी थी, जो तात्कालिक चीजों से और भी बढ़ गई थी— उस दोपहर प्रोफेसर डेनिकिन से मिली प्रशंसा, इलेक्ट्रिक स्टोव पर पक रहे स्वादिष्ट भोजन की खुशबू, रेडियो पर मॉस्को स्टेट ऑर्केस्ट्रा द्वारा बोरिस गौडोनोव के पसंदीदा संगीत की शुरुआत, और सबसे बढ़कर, इस तथ्य की सुंदरता कि लंबी सर्दी और छोटी वसंत ऋतु बीत चुकी थी और जून का महीना आ गया था।
सादोवाया-चेर्नोग्रियाज़स्काया उलित्ज़ा पर स्थित विशाल आधुनिक अपार्टमेंट भवन में कमरा एक छोटा सा डिब्बा जैसा था, जो राज्य सुरक्षा विभाग की महिलाओं की बैरक है। कैदियों के श्रम से निर्मित और 1939 में बनकर तैयार हुई इस शानदार आठ मंजिला इमारत में दो हज़ार कमरे हैं। इनमें से कुछ, जैसे कि तीसरी मंजिल पर स्थित उनका कमरा, केवल चौकोर डिब्बे जैसे हैं जिनमें एक टेलीफोन, गर्म और ठंडा पानी, एक बिजली की बत्ती और केंद्रीय बाथरूम और शौचालय का साझा उपयोग है। वहीं, ऊपर की दो मंजिलों पर स्थित अन्य कमरे दो और तीन कमरों वाले फ्लैट हैं जिनमें बाथरूम हैं। ये उच्च पदस्थ महिलाओं के लिए थे। इमारत में उच्च पदों पर पदोन्नति केवल निर्धारित मानदंडों के आधार पर होती थी।
रैंक के हिसाब से, कॉर्पोरल रोमानोवा को सार्जेंट, लेफ्टिनेंट, कैप्टन, मेजर और लेफ्टिनेंट-कर्नल के पदों से ऊपर उठना पड़ा, इससे पहले कि वह आठवें और कर्नल के पद के स्वर्ग तक पहुंच पाती।
लेकिन ईश्वर जानता था कि वह अपनी वर्तमान स्थिति से काफी संतुष्ट थी। 1200 रूबल प्रति माह का वेतन (किसी भी अन्य मंत्रालय में मिलने वाले वेतन से तीस प्रतिशत अधिक), अपना अलग कमरा; इमारत के भूतल पर स्थित बंद दुकानों से मिलने वाला सस्ता भोजन और कपड़े; बैले या ओपेरा के लिए मंत्रालय की ओर से हर महीने कम से कम दो टिकटों का आवंटन; साल में पूरे दो सप्ताह की सवैतनिक छुट्टी। और सबसे बढ़कर, मॉस्को में एक स्थिर नौकरी, जिसमें अच्छे भविष्य की संभावनाएं थीं - उन नीरस प्रांतीय कस्बों में से किसी एक में नहीं, जहाँ महीने दर महीने कुछ नहीं होता था, और जहाँ किसी नई फिल्म का आना या किसी सर्कस का आना ही शाम को बिस्तर से उठने का एकमात्र कारण होता था। बेशक, एमजीबी में रहने की कीमत चुकानी पड़ती थी। वर्दी आपको दुनिया से अलग कर देती थी। लोग डरते थे, जो ज़्यादातर लड़कियों के स्वभाव के अनुकूल नहीं था, और आप एमजीबी की दूसरी लड़कियों और लड़कों के साथ ही रहती थीं, जिनमें से किसी एक से, समय आने पर, आपको मंत्रालय में बने रहने के लिए शादी करनी पड़ती थी। और वे दिन-रात काम करते थे - सुबह आठ से शाम छह बजे तक, हफ्ते में साढ़े पाँच दिन, और कैंटीन में दोपहर के भोजन के लिए सिर्फ़ चालीस मिनट का

समय मिलता था। लेकिन दोपहर का भोजन अच्छा होता था, पेट भर खाना होता था, और आप रात के खाने में कम खर्च करके भी गुज़ारा कर सकती थीं और उस सेबल कोट के लिए पैसे बचा सकती थीं जो एक दिन आपके पुराने साइबेरियाई लोमड़ी के कोट की जगह ले लेगा।
अपने रात के खाने के बारे में सोचते ही, कॉर्पोरल रोमानोवा खिड़की के पास अपनी कुर्सी से उठी और गाढ़े सूप के बर्तन को देखने गई, जिसमें मांस के कुछ टुकड़े और कुछ मशरूम का पाउडर था, जो उसका रात का खाना होने वाला था।
खाना लगभग पक चुका था और उसकी खुशबू लाजवाब थी। उसने बिजली बंद कर दी और बर्तन को धीमी आंच पर पकने दिया, जबकि वह नहा-धोकर साफ-सफाई करने लगी, जैसा कि उसे सालों पहले खाना खाने से पहले करना सिखाया गया था।
अपने हाथों को सुखाते हुए, उसने वॉशस्टैंड के ऊपर लगे बड़े अंडाकार शीशे में खुद को देखा।
उसके शुरुआती बॉयफ्रेंड में से एक ने कहा था कि वह युवा ग्रेटा गार्बो जैसी दिखती है। क्या बकवास है! फिर भी आज रात वह वाकई अच्छी लग रही थी। रेशमी, गहरे भूरे रंग के मुलायम बाल, ऊँची भौंहों से सीधे पीछे की ओर कंघी किए हुए, कंधों तक भारी-भारी होकर गिर रहे थे, जहाँ किनारों पर हल्के से मुड़े हुए थे (गार्बो ने भी कभी ऐसे ही बाल बनाए थे और कॉर्पोरल रोमानोवा ने मन ही मन मान लिया था कि उसने उसकी नकल की है), अच्छी, कोमल, पीली त्वचा, गालों की हड्डियों पर हाथीदांत जैसी चमक; सीधी, प्राकृतिक भौंहों के नीचे गहरी नीली आँखें (वह एक के बाद एक आँख बंद कर रही थी। हाँ, उसकी पलकें वाकई काफी लंबी थीं!), एक सीधी, कुछ हद तक दबंग नाक – और फिर मुँह। मुँह के बारे में क्या? क्या वह बहुत चौड़ा था? मुस्कुराते समय वह बहुत चौड़ा दिखता होगा। उसने आईने में खुद को देखकर मुस्कुराया। हाँ, वह चौड़ा था; लेकिन गार्बो का भी तो चौड़ा ही रहा होगा। कम से कम होंठ तो भरे हुए और खूबसूरती से तराशे हुए थे। कोनों पर हल्की सी मुस्कान थी।
कोई नहीं कह सकता था कि उसके होंठ ठंडे थे! और उसके चेहरे का अंडाकार आकार। क्या वह कुछ ज़्यादा ही लंबा था? क्या उसकी ठोड़ी कुछ ज़्यादा ही नुकीली थी? उसने अपना सिर एक तरफ़ घुमाकर देखा। घने बाल आगे की ओर झुककर उसकी दाहिनी आँख पर आ गए, इसलिए उसे उन्हें पीछे हटाना पड़ा। खैर, ठोड़ी नुकीली तो थी, लेकिन कम से कम तेज़ तो नहीं थी। उसने फिर से आईने के सामने खड़े होकर एक ब्रश उठाया और अपने लंबे, घने बालों को संवारना शुरू किया। ग्रेटा गार्बो! वो ठीक-ठाक थीं, या यूं कहें कि बहुत से मर्द उन्हें ये बात नहीं बताते थे – और तो और, वो लड़कियां भी जो हमेशा उनसे अपने चेहरे के बारे में सलाह लेने आती थीं। लेकिन एक फिल्म स्टार – वो भी मशहूर! उन्होंने शीशे में खुद को देखकर मुंह बनाया और अपना खाना खाने चली गईं।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
वास्तव में, कॉर्पोरल तातियाना रोमानोवा बेहद खूबसूरत लड़की थीं। उनके चेहरे के अलावा, उनका लंबा, सुगठित शरीर भी बेहद आकर्षक था। उन्होंने लेनिनग्राद के बैले स्कूल में एक साल बिताया था और नृत्य को अपने करियर के रूप में तभी छोड़ा जब उनकी लंबाई निर्धारित पांच फीट छह इंच से एक इंच बढ़ गई। स्कूल ने उन्हें शरीर को सही ढंग से संभालना और चलना सिखाया था। और फिगर-स्केटिंग के प्रति उनके जुनून के कारण वे बेहद स्वस्थ दिखती थीं, जिसका अभ्यास वे पूरे साल डायनेमो आइस स्टेडियम में करती थीं और जिसके

चलते उन्हें डायनेमो की महिला टीम में जगह भी मिल चुकी थी। उनकी भुजाएँ और स्तन बेदाग थे।
एक रूढ़िवादी व्यक्ति को उसका पिछला हिस्सा नापसंद आता। व्यायाम से उसकी मांसपेशियां इतनी सख्त हो गई थीं कि उसमें स्त्रीत्व की सहज नीचे की ओर ढलान नहीं रह गई थी, और अब, पीछे से गोल और किनारों से चपटा और सख्त होकर, वह एक पुरुष के नितंबों की तरह उभरा हुआ दिखता था।
कॉर्पोरल रोमानोवा की प्रशंसा एमजीबी सेंट्रल इंडेक्स के अंग्रेजी अनुवाद अनुभाग की सीमाओं से कहीं अधिक व्यापक थी। सभी इस बात पर सहमत थे कि जल्द ही कोई वरिष्ठ अधिकारी उससे मिलेगा और उसे उसके साधारण से क्षेत्र से जबरदस्ती निकालकर अपनी रखैल बना लेगा, या यदि बिलकुल आवश्यक हुआ तो अपनी पत्नी भी बना लेगा।
लड़की ने गाढ़े सूप को एक छोटे से चीनी मिट्टी के कटोरे में डाला, जिसके किनारे पर भेड़ियों द्वारा सरपट दौड़ती हुई स्लेज का पीछा करने की आकृति बनी हुई थी, उसमें कुछ काली रोटी तोड़कर डाली और खिड़की के पास अपनी कुर्सी पर जाकर बैठ गई और उसे धीरे-धीरे एक सुंदर चमकदार चम्मच से खाने लगी, जिसे उसने कुछ ही हफ्ते पहले होटल मोस्कवा में एक खुशनुमा शाम बिताने के बाद अपने बैग में रख लिया था।
जब उसका काम खत्म हो गया, तो उसने हाथ-मुँह धोए और अपनी कुर्सी पर वापस जाकर दिन की पहली सिगरेट जलाई (रूस में कोई भी सभ्य लड़की सार्वजनिक रूप से सिगरेट नहीं पीती, सिवाय रेस्तरां के, और अगर उसने काम पर सिगरेट पी होती तो उसे तुरंत नौकरी से निकाल दिया जाता) और तुर्कमेनिस्तान के एक ऑर्केस्ट्रा के बेसुरी और कर्कश संगीत को बेसब्री से सुनने लगी। ये भयानक पूर्वी संगीत, जो वे हमेशा उन बर्बर बाहरी राज्यों के कुलकों को खुश करने के लिए बजाते थे! वे कुछ सांस्कृतिक संगीत क्यों नहीं बजाते? कुछ आधुनिक जैज़ संगीत, या कुछ शास्त्रीय संगीत। ये संगीत बहुत ही घटिया था। इससे भी बुरा, ये पुराने ज़माने का था।
टेलीफोन की घंटी ज़ोर से बजी। वह चलकर गई, रेडियो की आवाज़ कम की और रिसीवर उठाया।
'कॉर्पोरल रोमानोवा?'
यह उसके प्रिय प्रोफेसर डेनिकिन की आवाज़ थी। लेकिन ऑफिस के समय के बाद वह हमेशा उसे तातियाना या तानिया कहकर बुलाते थे। इसका क्या मतलब था?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
लड़की की आंखें चौड़ी हो गई थीं और वह तनाव में थी। 'जी हां, कॉमरेड प्रोफेसर।'
दूसरी तरफ से आवाज अजीब और ठंडी लग रही थी। पंद्रह मिनट में, 8:30 बजे, आपको ओटडेल II के कॉमरेड कर्नल क्लेब द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। आपको अपनी इमारत की आठवीं मंजिल पर स्थित उनके अपार्टमेंट नंबर 1875 में उनसे मिलना होगा। क्या यह स्पष्ट है?
लेकिन, कॉमरेड, क्यों? यह क्या है… यह क्या है…?
उसके प्रिय प्रोफेसर की अजीब, तनावपूर्ण आवाज ने उसकी बात अधूरी छोड़ दी। बस इतना ही, कॉमरेड कॉर्पोरल।
लड़की ने रिसीवर को अपने चेहरे से दूर रखा। वह उसे उन्मादी आँखों से घूर रही थी, मानो काले ईयरपीस के छोटे-छोटे छेदों से और शब्द निचोड़ना चाहती हो। 'हैलो! हैलो!' खाली माइक्रोफोन ने उसे जम्हाई ली। उसे एहसास हुआ कि

ABC Amber LIT, http://www.processtext.com/abclit.html

अपने विचारों में खोई तातियाना ने एक बार फिर अपनी घड़ी देखी। चार मिनट शेष थे। उसने अपने हाथों को अपनी वर्दी पर फेरा और शीशे में अपने गोरे चेहरे को एक बार फिर निहारा। वह मुड़ी और उस प्यारे, परिचित छोटे कमरे को अलविदा कहा। क्या वह इसे फिर कभी देख पाएगी?
वह सीधे लंबे गलियारे से नीचे चली गई और लिफ्ट के लिए घंटी बजाई।
जब वह आई, तो उसने अपने कंधे सीधे किए, ठुड्डी ऊपर उठाई और लिफ्ट में ऐसे चली गई मानो वह गिलोटिन का चबूतरा हो।
‘आठवां,’ उसने लड़की ऑपरेटर से कहा। वह दरवाजों की ओर मुंह करके खड़ी थी। मन ही मन, बचपन से इस्तेमाल न किए गए एक शब्द को याद करते हुए, वह बार-बार दोहरा रही थी, ‘हे भगवान – हे भगवान – हे भगवान।’

अध्याय नौ
प्रेम का श्रम
अनाम, क्रीम रंग से रंगे दरवाजे के बाहर ही तातियाना को कमरे के अंदर की गंध महसूस हो गई थी। जब एक आवाज ने उसे संक्षिप्त रूप से अंदर आने को कहा और उसने दरवाजा खोला, तो वही गंध उसके मन में गूंज उठी, जब वह गोल मेज के पीछे बीच में लगी रोशनी के नीचे बैठी महिला की आंखों में देखती रही।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
गर्मी की शाम में मेट्रो की गंध – जानवरों की दुर्गंध को छुपाने वाली सस्ती खुशबू। रूस में लोग नहाए हों या नहाए हों, खुद को खुशबू में सराबोर कर लेते हैं, लेकिन ज्यादातर तब जब वे नहीं नहाते हैं। तातियाना जैसी स्वस्थ और साफ-सुथरी लड़कियां हमेशा ऑफिस से घर पैदल जाती हैं, जब तक कि बारिश या बर्फबारी बहुत तेज न हो, ताकि ट्रेनों और मेट्रो की बदबू से बचा जा सके।
अब तातियाना उस दुर्गंध से घिरी हुई थी। घृणा से उसकी नाक के नथुने फड़क रहे थे।
ऐसी दुर्गंध के बीच रहने वाले व्यक्ति के प्रति उसकी घृणा और तिरस्कार ने ही उसे चौकोर शीशे के पार से उसे घूरती पीली आँखों में देखने के लिए प्रेरित किया। उनमें कुछ भी पढ़ा नहीं जा सकता था। वे आँखें ग्रहण करने वाली थीं, देने वाली नहीं। वे कैमरे के लेंस की तरह धीरे-धीरे उसके पूरे शरीर पर घूमती रहीं, मानो सब कुछ समेट रही हों।
कर्नल क्लेब ने कहा:
'आप बहुत खूबसूरत लड़की हैं, कॉमरेड कॉर्पोरल। कमरे के उस पार जाकर वापस आइए।'
ये मीठे शब्द क्या थे? उस महिला की कुख्यात निजी आदतों के डर से सहमी हुई तातियाना ने वही किया जो उसे कहा गया था।
'अपनी जैकेट उतारो। उसे कुर्सी पर रख दो। अपने हाथ सिर के ऊपर उठाओ। और ऊपर। अब झुककर अपने पैरों के अंगूठे छुओ। सीधे खड़े हो जाओ। शाबाश। बैठ जाओ।' महिला डॉक्टर की तरह बोली। उसने मेज के दूसरी ओर रखी कुर्सी की ओर इशारा किया। उसकी पैनी, जिज्ञासु निगाहें मेज पर रखी फाइल पर टिक गईं। तातियाना ने सोचा, ये मेरी ज़ापिस्का ही होगी। जीवन भर की बागडोर संभालने वाले असली यंत्र को देखना कितना दिलचस्प होगा! ये कितनी मोटी है—लगभग दो इंच मोटी। इन सारे पन्नों पर क्या लिखा होगा? उसने खुली हुई फ़ाइल को बड़ी- बड़ी, उत्सुक आँखों से देखा।
कर्नल क्लेब ने आखिरी पन्ने पलटे और कवर बंद कर दिया। कवर नारंगी रंग का था जिस पर तिरछी काली पट्टी थी। इन रंगों का क्या अर्थ था?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
महिला ने ऊपर देखा। तातियाना ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर उसकी ओर देखा। ‘कॉमरेड कॉर्पोरल रोमानोवा।’ यह वरिष्ठ अधिकारी की अधिकारपूर्ण आवाज़ थी। ‘मुझे आपके काम की अच्छी रिपोर्ट मिली है। कर्तव्य और खेल दोनों में आपका रिकॉर्ड उत्कृष्ट है। राज्य आपसे प्रसन्न है।’
तात्याना को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। वह प्रतिक्रिया से बेहोश सी हो गई। उसका चेहरा बालों की जड़ों तक लाल हो गया और फिर पीला पड़ गया। उसने

मेज के किनारे पर हाथ रखा। वह लड़खड़ाती हुई कमजोर आवाज में बोली, 'मैं आभारी हूँ, कॉमरेड कर्नल।'
आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के कारण आपको एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है। यह आपके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। क्या आप समझते हैं?
जो भी हुआ, वह उससे बेहतर था जो हो सकता था। 'जी हाँ, बिल्कुल, कॉमरेड कर्नल।'
यह कार्यभार बहुत जिम्मेदारी भरा है। यह उच्च पद का कार्यभार है। कॉमरेड कॉर्पोरल, कार्यभार पूरा करने पर आपको राज्य सुरक्षा के कप्तान के पद पर पदोन्नति के लिए बधाई।
चौबीस साल की लड़की के लिए यह बिल्कुल अनसुना था! तातियाना को खतरे का आभास हुआ। वह उस जानवर की तरह अकड़ गई जिसे मांस के नीचे लोहे के जबड़े दिखाई देते हैं। 'मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ, कॉमरेड कर्नल।' वह अपनी आवाज में सतर्कता छिपा नहीं पाई।
रोजा क्लेब ने बेपरवाही से कुछ बुदबुदाया। वह अच्छी तरह जानती थी कि जब उस लड़की को बुलावा आया होगा तो उसने क्या सोचा होगा। उसके सौहार्दपूर्ण स्वागत, खुशखबरी सुनकर मिली राहत और फिर से जाग उठे डर का असर साफ दिख रहा था। यह एक खूबसूरत, भोली-भाली, मासूम लड़की थी। ठीक वैसी ही जैसी साजिश रचने वालों को चाहिए थी। अब उसे थोड़ा सहज करना होगा। 'मेरी प्यारी,' उसने सहजता से कहा। 'मुझसे कितनी बड़ी गलती हो गई। इस पदोन्नति का जश्न शराब के गिलास के साथ मनाना चाहिए। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि हम वरिष्ठ अधिकारी अमानवीय हैं।'
हम साथ में पिएंगे। फ्रेंच शैम्पेन की एक बोतल खोलने का यह एक अच्छा बहाना होगा।'
रोजा क्लेब उठी और उस साइडबोर्ड के पास गई जहाँ उसके बैटमैन ने उसके द्वारा ऑर्डर की गई चीजें निकाल कर रखी थीं।
जब तक मैं बोतल का ढक्कन खोलने की कोशिश कर रही हूँ, तब तक आप इनमें से एक चॉकलेट खाकर देखिए। शैम्पेन की बोतल का ढक्कन खोलना कभी आसान नहीं होता। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
हम लड़कियों को इस तरह के काम में मदद करने के लिए वाकई एक पुरुष की जरूरत होती है, है ना?'
वह लगातार बड़बड़ाती रही और तातियाना के सामने चॉकलेट का एक शानदार डिब्बा रख दिया। फिर वह साइडबोर्ड की ओर मुड़ी। 'ये स्विट्जरलैंड से हैं। सबसे बेहतरीन। गोल वाली चॉकलेट्स के बीच का हिस्सा नरम होता है।'
जो कठिन होते हैं वे वर्गाकार होते हैं।
तात्याना ने धीरे से धन्यवाद कहा। उसने हाथ बढ़ाकर एक गोल टुकड़ा चुना। उसे निगलने में आसानी होगी।
उस पल के डर से उसका मुंह सूख रहा था जब वह आखिरकार जाल देखेगी और महसूस करेगी कि वह उसकी गर्दन पर कस गया है। इस सारे नाटक के पीछे छिपाने के लिए ज़रूर कोई भयानक बात होगी। चॉकलेट का टुकड़ा उसके मुंह में च्युइंग गम की तरह चिपक गया था। शुक्र है कि शैम्पेन का गिलास उसके हाथ में थमा दिया गया। रोजा क्लेब उसके ऊपर खड़ी थी। उसने खुशी से अपना गिलास उठाया। 'ज़ा वाशे ज़दारोवी, कॉमरेड तातियाना। और मेरी हार्दिक बधाई!'
तात्याना ने अपने चेहरे पर एक भयानक मुस्कान लाद दी। उसने अपना गिलास उठाया और थोड़ा झुककर अभिवादन किया। 'ज़ा वाशे ज़दारोवी, कॉमरेड कर्नल।'

उसने रूसी रीति-रिवाज के अनुसार गिलास खाली किया और उसे अपने सामने रख दिया।
रोजा क्लेब ने तुरंत गिलास फिर से भर दिया, जिससे कुछ गिलास मेज पर गिर गया। "और अब आपके नए विभाग की सफलता के लिए, कॉमरेड!" उसने अपना गिलास उठाया। लड़की की प्रतिक्रिया देखकर उसकी मीठी मुस्कान थोड़ी सख्त हो गई। स्मर्श को!
सुन्न होकर तातियाना खड़ी हुई। उसने भरा हुआ गिलास उठाया। 'स्मर्श के लिए।' शब्द उसके मुँह से मुश्किल से निकला। शैम्पेन से उसका गला चोक हो गया और उसे दो घूंट लेने पड़े। वह भारी मन से बैठ गई।
रोजा क्लेब ने उसे सोचने का समय नहीं दिया। वह उसके सामने बैठ गई और अपने हाथ मेज पर सीधे रख दिए।
और अब काम की बात करते हैं, कॉमरेड।’ आवाज में फिर से अधिकार झलक रहा था। ‘बहुत काम करना बाकी है।’
वह आगे झुकी। 'क्या आपने कभी विदेश में रहने की इच्छा की है, कॉमरेड? किसी दूसरे देश में?'
तातियाना पर शैम्पेन का असर दिखने लगा था। शायद इससे भी बुरा होने वाला था, लेकिन चलो देखते हैं क्या होता है। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
जल्दी से।
नहीं, कॉमरेड। मैं मॉस्को में खुश हूँ।
'क्या आपने कभी नहीं सोचा कि पश्चिम में रहना कैसा होगा - वे सभी खूबसूरत कपड़े, जैज़ संगीत, आधुनिक चीजें?'
'नहीं, कॉमरेड।' वह सच बोल रही थी। उसने कभी इसके बारे में सोचा ही नहीं था। और अगर सरकार आपसे पश्चिम में रहने की मांग करे तो?
मैं आज्ञा का पालन करूंगा।
'स्वेच्छा से?'
तात्याना ने थोड़ी अधीरता दिखाते हुए कंधे उचका दिए। 'इंसान वही करता है जो उसे कहा जाता है।'
महिला थोड़ी देर रुकी। अगले प्रश्न में एक बचकानी सी साजिश छिपी थी।
क्या आप कुंवारे हैं, कॉमरेड?
हे भगवान! तातियाना ने सोचा, 'नहीं, कॉमरेड कर्नल।'
गीले होंठ प्रकाश में चमक रहे थे।
कितने आदमी?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
तात्याना के बाल जड़ तक लाल हो गए। रूसी लड़कियाँ यौन मामलों में संकोची और संकोची होती हैं। रूस में यौन माहौल मध्य-विक्टोरियन युग जैसा है। क्लेब महिला के ये सवाल और भी ज़्यादा घृणित लग रहे थे क्योंकि एक ऐसे सरकारी अधिकारी ने, जिससे वह अपनी ज़िंदगी में पहले कभी नहीं मिली थी, इतने ठंडे और पूछताछ भरे लहजे में ये सवाल पूछे थे। तात्याना ने हिम्मत जुटाई। उसने पीली आँखों में बचाव भाव से देखा। 'कॉमरेड कर्नल, इन अंतरंग सवालों का क्या मकसद है?'
रोजा क्लेब सीधी खड़ी हो गईं। उनकी आवाज़ चाबुक की तरह तीखी हो गई। 'खुद को याद रखो, कॉमरेड। तुम यहाँ सवाल पूछने नहीं आए हो। तुम भूल गए हो कि तुम किससे बात कर रहे हो। मुझे जवाब दो!'

तात्याना पीछे हट गई। 'तीन आदमी, कॉमरेड कर्नल।'
'कब? तुम्हारी उम्र कितनी थी?' कठोर पीली आँखों ने मेज के उस पार लड़की की नीली आँखों में देखा, जो उसे डरा रही थीं, और उन्हें थामे हुए आदेश दिया। तात्याना की आंखों में आंसू आ रहे थे। स्कूल में। जब मैं सत्रह साल की थी। फिर विदेशी भाषा संस्थान में। मैं बाईस साल की थी। फिर पिछले साल। मैं तेईस साल की थी। यह एक दोस्त थी जिससे मेरी मुलाकात स्केटिंग करते समय हुई थी।
'कृपया उनके नाम बताइए, कॉमरेड।' रोजा क्लेब ने एक पेंसिल उठाई और एक लिखने का पैड अपनी ओर खींच लिया।
तात्याना ने अपनी सिसकियों को छुपाते हुए कहा, 'नहीं, कभी नहीं, तुम मेरे साथ कुछ भी करो। तुम्हें कोई हक नहीं है।'
‘यह बकवास बंद करो।’ आवाज़ फुफकार जैसी थी। ‘पांच मिनट में मैं तुमसे उन नामों के बारे में या जो कुछ भी जानना चाहूँ, जान सकती हूँ। कॉमरेड, तुम मेरे साथ खतरनाक खेल खेल रहे हो। मेरा धैर्य हमेशा नहीं टिकेगा।’ रोजा क्लेब रुक गई। वह कुछ ज्यादा ही कठोर हो रही थी। ‘फिलहाल हम आगे बढ़ते हैं।’
कल तुम मुझे नाम बता दोगे। इन लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा। उनसे तुम्हारे बारे में एक-दो सवाल पूछे जाएंगे – बस कुछ आसान तकनीकी सवाल। अब उठो और अपने आंसू पोंछ लो। हम इस मूर्खता को और बर्दाश्त नहीं कर सकते। रोजा क्लेब उठी और मेज के चारों ओर आई। वह तातियाना को नीचे देखते हुए खड़ी हो गई। उसकी आवाज़ चिकनी और मधुर हो गई। 'आओ, आओ, मेरी प्यारी। तुम्हें मुझ पर भरोसा करना होगा। तुम्हारे छोटे-छोटे राज़ मेरे पास सुरक्षित हैं। लो, थोड़ी और शैंपेन पी लो और इस छोटी सी अप्रिय बात को भूल जाओ। हमें दोस्त बनना होगा। हमें साथ मिलकर काम करना है। तुम्हें सीखना होगा, मेरी प्यारी तानिया, कि तुम मेरे साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम अपनी माँ के साथ करती हो। लो, इसे पी लो।'
नीचे।'
तात्याना ने अपनी स्कर्ट की कमरबंद से एक रुमाल निकाला और अपनी आँखों को पोंछा। उसने कांपते हाथों से शैंपेन का गिलास उठाया और सिर झुकाकर एक घूंट पिया।
इसे पी जाओ, मेरी प्यारी।
रोजा क्लेब उस लड़की के ऊपर किसी भयानक बत्तख माँ की तरह खड़ी थी, हौसला बढ़ाने के लिए चहचहा रही थी।
तातियाना ने आज्ञाकारी भाव से गिलास खाली कर दिया। उसकी सारी प्रतिरोधक क्षमता खत्म हो चुकी थी, वह थक चुकी थी, बस इस साक्षात्कार को खत्म करके कहीं दूर जाकर सोना चाहती थी। उसने सोचा, पूछताछ की मेज पर ऐसा होता है, और क्लेब इसी तरह की आवाज़ में बात करता है। खैर, यह तरीका काम कर रहा था। अब वह शांत हो चुकी थी। वह सहयोग करेगी।
रोजा क्लेब बैठ गई। उसने मातृत्व के मुखौटे के पीछे से लड़की को ध्यानपूर्वक देखा।
और अब, मेरी प्यारी, बस एक और अंतरंग सवाल। लड़कियों के बीच जैसा होता है। क्या तुम्हें प्रेम करना अच्छा लगता है?
क्या इससे आपको आनंद मिलता है? बहुत आनंद?
तात्याना ने अपने हाथ फिर से ऊपर उठाए और अपना चेहरा ढक लिया। उनके पीछे से, दबी हुई आवाज़ में, उसने कहा,

xx xxx, xxxxxxx xxxxxxx xxxxxxxxxx xxx xx, xx xxx xxxxx xxx xxxx xx...’ xxxx xxxx xxxx xxx xxx xx xx xxxx xx xxxx xx? xx xxxxx xxxx xxxx xxxxx xx?
xx xxx xx, xxxx xxxxx, xxx xxxxx xxx xxxx xxx xx xxxx xx xx xxxx xxxxx xx xxx xxxxx xxxxx xxxxx xxxxxxx xxxx xxxx?
xxxxxxxxx xx xxxxxxxx xx xxxx xxx xxxxxxx xxxx xxxx xxxxx xx xxx xxxx xx xxx xxxx xxxxx xxxx xxx xxxxx xx xx xxxx xxxxx xx xxx xxx xxx xxx xx xxxxx xx xxxxx xx xxx xx, xxxxxxx xxxx xx xxxxx xx xxx xx, xxxxx xx xxx xxxxxxx xx xxxxxxx xx xxxx xx xx xxx xxx xxxx xxxx... 'xxxx xxxx xx xx xx xx xxxx xx xxxxxxx xxxxx, xxxxxxx xxxxxx'
'xx xx xxxx xx xxxxxxx xxx xxxx xx, xxxx xxxxxxx' xxxx xxxxx xx xxx xx xx xxxx xxxxx xxxx xxxxx xx xx xxxxxxxxxx xxxxxx (xxxxxxx xxx xxxxx xxxxx xxx xxxxxxxx, http://www.processtext.com/abclit.html)
xxxx xxxxxx xxxxx xx xxxxx xx xx xxx 'xxxxxx xx xxx, xx xxxx xx xxxx xxx xxxx?'
xxxxxxxxx xx xxxxxx xx xxxxxxx xx xxxx xx xxxxx, xxxx xxxxx xx xx xxxx xxxx xx xxxxx, xxxxxx xxxxx xx xxxx xx xxxxx xxxx xxxxx, xxxxxx xxxx xx xxxxx xx... 'xxx xxxx xx xxxx, xxxxxx xxxxxx xx xxxxx xx xxx xxxx xxx xx xxxxx xxxx...' xxxx xxxxxx xxxxxx xx xxx xx xxx xxxx xxxxx
xxxx, xxx xxxx xxx xxx, xxxx xxxxxxx xxx xxxx xxxxxx xx xxx xx xx xx xx xxxx xx xxxx xxx xxxxx xxxxxxx xxxx xx xxx xxx xxxx xxxx xxx xx xx xxxxxxx xxxxxxx xx xx,’ xxxxx xxxx xx xxxx xxxxx xxxxx xxxxx, ‘xxxx xxx xxxxx xxxxxx xx xxxxxxxx xxx xxx xxxx xx? xx xxx xxxxx xxx xxxxxxx xxx xx xxx xxxxxxxx xxx xx xxxx xxx xx?’
'xx xxx, xxxxxxx, xxxxxx xxxxx,' xxxxxxxx xx xxxxxxxxx xxx xx xx xxxxx xxxxx xx xx xxxx xx xx xx xxxxxx xxxxxx xx xxx xxxx xx xxxxx xx xxx xxx xx, xxxxx xxxx xxxx xxx xx xxx xxx xxxxxx xxxxxxxx, xxxx xxx xxxxxxx xx xxx xxxx xxx xx, xx xxx xx xxxxxxxx xx - xxxx xx xx xxxx xxx, xx xxxxxx xxx xxxxx xx xxxx xxx xx xxxxx xxx xxxxx xx xxx xxx xx xxxx xxx xx xxx xxxxx xx xx xxxx xx xxxxx xx xxxxx'
xxxxx xx xxx xx? xxx xx xxx xxxxx xx xxxxx
xxxx xxxxx xx xxxx xx xxxxxxx xxxx xxx xxxx xx xxxxx xxxxx xx xxxxx xx xxx xxx xx xxxxxxx
xx xx xxxxxxxx xxxxx xxx
'xxxx xxx!' xxxxxxxx xx xx xx xxxx xx xxxxx xx xxx xxxx xx xxxx xx xxx xxxx xxx xxxx xxxx xx xx xxxxx xx xxxx xx xxxxxxxxxx xxxx xxxx xxx xx xxxxx xxx xxx xxxxx xxxxx xx xxxxx xxxxx xx xxxxx xxxx
“xxx,” xxxx xxxxx xx xxxx xxxxxx xx xxxxxx xx xxxxxxx xxxx xxxx “xx xx xxxxxxxx xxxxx xxx xxxx xxxx xxxxxxxxx xx xx xx xxx xxxx xxxxx xxxx xxxxxx xxxxx xxxxx xxxx xx xxx xx xxx xx xxxxxxx xx xxx”
xx xxx xxxxxxx xxxx, xxxxxxx xxxx xxxxx xxxx xxxxx xx xx xxxxxxxxxx xxxxxx xxxxx xx xxxxx xxx xxxx xxxx xxx xxx xxxxx xxxxx xxx xxxxx x xxxxx xx xxx xxxxxxxxxx xxxxx xx xxx xxxx’ xxxx xxxxx xxx xxxx xxxxxxxx xxxx xxxx xxx xxx, ‘xx xxxx xxx xxxx xxxxx xxxxx xx xxxxx xx xxx xxx xxx xx xxx xxxxx xxx xxxx xxxx xxxxxx xx xxxx xxxx xx xxxxx xxx xxxx xxxxxxxx xxx xxxx xxxxx xxxx?’

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
जी हां, कॉमरेड कर्नल। तातियाना ने झट से अपनी पीठ सीधी की और हाथों को गोद में रखकर बैठ गई, मानो वह सुरक्षा अधिकारी प्रशिक्षण विद्यालय में लौट आई हो। उसका मन उथल-पुथल से भरा था, पर निजी बातों का समय नहीं था। उसकी पूरी ट्रेनिंग ने उसे यही सिखाया था कि यह राज्य के लिए एक अभियान है। अब वह अपने देश के लिए काम कर रही थी। किसी तरह उसे एक महत्वपूर्ण षड्यंत्र के लिए चुना गया था। एमजीबी में एक अधिकारी के रूप में, उसे अपना कर्तव्य निभाना था और उसे बखूबी निभाना था। उसने पूरी पेशेवर एकाग्रता के साथ ध्यान से सुना।
“फिलहाल,” रोजा क्लेब ने अपने औपचारिक लहजे में कहा, “मैं संक्षेप में ही बताऊंगी। आपको बाद में और जानकारी मिलेगी। अगले कुछ हफ्तों तक आपको इस ऑपरेशन के लिए बहुत सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि आप हर परिस्थिति में ठीक से समझ सकें कि क्या करना है। आपको कुछ विदेशी रीति- रिवाज सिखाए जाएंगे। आपको सुंदर कपड़े दिए जाएंगे।”
तुम्हें मोहक अदाओं की सारी कलाएँ सिखाई जाएँगी। फिर तुम्हें यूरोप के किसी दूसरे देश में भेजा जाएगा। वहाँ तुम्हारी मुलाकात उस आदमी से होगी। तुम उसे अपने वश में करोगी। इस मामले में तुम्हें कोई संकोच नहीं करना है। तुम्हारा शरीर राज्य की संपत्ति है। जन्म से ही राज्य ने इसका पालन-पोषण किया है। अब तुम्हारे शरीर को राज्य के लिए काम करना होगा। समझ में आया? जी हां, कॉमरेड कर्नल। तर्क स्पष्ट था। आप इस आदमी के साथ इंग्लैंड चलेंगे। वहां आपसे पूछताछ जरूर होगी। पूछताछ आसान होगी। अंग्रेज कठोर तरीके नहीं अपनाते।
आप राज्य को खतरे में डाले बिना यथासंभव उत्तर देंगे। हम आपको कुछ ऐसे उत्तर देंगे जो हम चाहते हैं। संभवतः आपको कनाडा भेजा जाएगा। अंग्रेज एक विशेष श्रेणी के विदेशी कैदियों को वहीं भेजते हैं। आपको बचा लिया जाएगा और वापस मॉस्को लाया जाएगा।
रोजा क्लेब ने लड़की को गौर से देखा। वह बिना किसी सवाल के सब कुछ स्वीकार करती हुई प्रतीत हो रही थी। 'देखो, यह अपेक्षाकृत सरल मामला है। क्या इस स्तर पर तुम्हारे कोई प्रश्न हैं?'
'उस आदमी का क्या होगा, कॉमरेड कर्नल?' 'यह हमारे लिए कोई मायने नहीं रखता। हम उसका इस्तेमाल आपको इंग्लैंड में लाने के लिए करेंगे। इस ऑपरेशन का मकसद अंग्रेजों को गलत जानकारी देना है। कॉमरेड, हमें इंग्लैंड में आपके अनुभवों के बारे में जानकर बहुत खुशी होगी। आप जैसी उच्च प्रशिक्षित और बुद्धिमान लड़की की रिपोर्ट राज्य के लिए बहुत मूल्यवान होगी।'
'सच में, कॉमरेड कर्नल!' तातियाना को लगा जैसे वह महत्वपूर्ण है। अचानक सब कुछ रोमांचक लगने लगा। काश वह इसे अच्छे से कर पाती। वह यकीनन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। लेकिन अगर वह अंग्रेज़ जासूस को अपने प्यार में नहीं फंसा पाई, तो... उसने फिर से तस्वीर देखी। उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया। चेहरा आकर्षक था। ये 'आकर्षण की कलाएँ' क्या थीं जिनके बारे में उस महिला ने बात की थी? ये क्या हो सकती हैं? शायद इनसे मदद मिल जाए।
संतुष्ट होकर रोजा क्लेब मेज से उठ खड़ी हुई। “और अब हम आराम कर सकते हैं, मेरी प्यारी। आज का काम खत्म हो गया है। मैं जाकर सब ठीक कर लेती हूँ और हम साथ में दोस्ताना बातचीत करेंगे। मुझे बस एक पल लगता है। जल्दी खा लो ये चॉकलेट्स, वरना बर्बाद हो जाएँगी।” रोजा क्लेब ने हाथ से एक अस्पष्ट इशारा

किया और गायब हो गई। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
अगले कमरे की ओर एक मग्न निगाह।
तात्याना अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गई। तो असल बात यही थी! सच में, सब इतना बुरा नहीं था। कितनी राहत मिली! और चुना जाना कितना बड़ा सम्मान था। इतना डरना कितनी बेवकूफी थी! ज़ाहिर है, राज्य के महान नेता किसी भी निर्दोष नागरिक को नुकसान नहीं होने देंगे, जिसने कड़ी मेहनत की हो और जिसके जीवन पर कोई दाग न हो। अचानक उसे राज्य के प्रति असीम कृतज्ञता का भाव महसूस हुआ, और गर्व हुआ कि अब उसे अपना कुछ कर्ज चुकाने का मौका मिलेगा। यहाँ तक कि क्लेब नाम की महिला भी उतनी बुरी नहीं थी।
तात्याना अभी भी खुशी-खुशी स्थिति का जायजा ले ही रही थी कि शयनकक्ष का दरवाजा खुला और 'क्लेब महिला' अंदर आ गईं। 'मेरी प्यारी, तुम्हें यह कैसा लगा?' कर्नल क्लेब ने अपनी मोटी बाहें खोलीं और एक पुतले की तरह अपने पंजों पर घूमने लगीं। उन्होंने एक हाथ फैलाकर और दूसरा हाथ कमर पर मोड़कर एक खास मुद्रा बनाई।
तात्याना का मुंह खुला का खुला रह गया था। उसने झट से उसे बंद कर लिया। वह कुछ कहने के लिए सोचने लगी।
स्मर्श की कर्नल क्लेब ने नारंगी रंग के क्रेप डी चाइन कपड़े का अर्ध-पारदर्शी नाइटगाउन पहना हुआ था। इसके निचले चौकोर गले के चारों ओर उसी कपड़े की झालरें थीं और चौड़ी झालरदार आस्तीनों की कलाईयों पर भी झालरें बनी हुई थीं। इसके नीचे दो बड़े गुलाबी साटन के गुलाबों से सजी ब्रा दिखाई दे रही थी। इसके नीचे उन्होंने घुटनों के ऊपर इलास्टिक वाली गुलाबी साटन की पुरानी शैली की निकर्स पहनी हुई थीं। एक गड्ढादार घुटना, पीले नारियल की तरह, नाइटगाउन की आधी खुली तहों के बीच से एक मॉडल की क्लासिक मुद्रा में आगे निकला हुआ दिखाई दे रहा था। पैरों में शुतुरमुर्ग के पंखों के पोमपोम वाली गुलाबी साटन की चप्पलें थीं।
रोजा क्लेब ने अपना चश्मा उतार दिया था और अब उनका बिना मेकअप वाला चेहरा मस्कारा, रूज और लिपस्टिक से भरा हुआ था।
वह दुनिया की सबसे बूढ़ी और बदसूरत वेश्या जैसी दिखती थी।
तात्याना हकलाते हुए बोली, 'यह बहुत सुंदर है।'
“है ना?” महिला चहक उठी। वह कमरे के कोने में रखे एक चौड़े सोफे के पास गई। वह सोफे पर देहाती शैली की भड़कीली टेपेस्ट्री बिछी हुई थी। पीछे, दीवार के सहारे, हल्के रंगों के कुछ मैले-कुचले साटन के कुशन रखे थे।
खुशी की एक हल्की सी चीख के साथ, रोजा क्लेब ने खुद को रेकामियर की नकल करते हुए नीचे गिरा दिया। उसने एक हाथ ऊपर उठाया और गुलाबी रंग के शेड वाले टेबल लैंप को जला दिया, जिसका तना एक नग्न महिला का बना हुआ था। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
ललिक ग्लास। उसने अपने बगल में सोफे पर थपथपाया।
'मेरी प्यारी, ऊपर वाली लाइट बंद कर दो। स्विच दरवाजे के पास है। फिर आकर मेरे पास बैठो। हमें एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानना चाहिए।'
तात्याना दरवाजे तक गई। उसने ऊपर की बत्ती बंद कर दी। उसका हाथ दृढ़ता से दरवाजे के हैंडल पर गया। उसने उसे घुमाया, दरवाजा खोला और शांत भाव से गलियारे में कदम रखा। अचानक उसका हौसला पस्त हो गया। उसने दरवाजा जोर से

[illegible]

अध्याय दस
फ्यूज जल रहा है
अगले दिन की सुबह थी।
कर्नल क्लेब एसएमईआरएसएच के भूमिगत तहखाने में स्थित अपने विशाल कार्यालय में अपनी डेस्क पर बैठी थीं। यह कार्यालय से ज़्यादा एक ऑपरेशन रूम जैसा था। एक दीवार पूरी तरह से पश्चिमी गोलार्ध के नक्शे से ढकी हुई थी। सामने वाली दीवार पूर्वी गोलार्ध के नक्शे से आच्छादित थी। उनकी डेस्क के पीछे और उनके बाएं हाथ की पहुँच में, एक टेलीक्रिप्टन समय-समय पर स्पष्ट संकेत भेजता था, जो इमारत की छत पर लगे ऊंचे रेडियो मास्ट के नीचे स्थित सिफर विभाग की एक अन्य मशीन की नकल करता था। कर्नल क्लेब जब भी सोचतीं, टेप की लंबी होती पट्टी को फाड़कर संकेतों को पढ़ती थीं। यह एक औपचारिकता थी। अगर कोई महत्वपूर्ण घटना होती, तो उनका टेलीफोन बज उठता। दुनिया भर में एसएमईआरएसएच के हर एजेंट को इसी कमरे से नियंत्रित किया जाता था, और यह एक सतर्क और सख्त नियंत्रण था।
उसका भारी चेहरा उदास और मुरझाया हुआ लग रहा था। आंखों के नीचे की झुर्रीदार त्वचा में सूजन आ गई थी और आंखों के सफेद हिस्से में लाल नसें उभरी हुई थीं।
उसके बगल में रखे तीन टेलीफोनों में से एक से हल्की सी आवाज़ आई। उसने रिसीवर उठाया। 'उसे अंदर भेजो।'
वह क्रोनस्टीन की ओर मुड़ी, जो अफ्रीका के पैर के अंगूठे के नीचे, बाईं दीवार से सटी एक कुर्सी पर बैठा था और सोच-समझकर एक खुली हुई पेपर क्लिप से अपने दांतों में फंसी हुई गंदगी को साफ कर रहा था। 'ग्रैनित्स्की।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
क्रोनस्टीन ने धीरे से अपना सिर घुमाया और दरवाजे की ओर देखा। रेड ग्रांट अंदर आया और धीरे से दरवाजा बंद कर दिया। वह डेस्क के पास गया और आज्ञाकारी भाव से, लगभग भूखी निगाहों से, अपने कमांडिंग ऑफिसर की आँखों में देखता हुआ खड़ा हो गया। क्रोनस्टीन को लगा कि वह एक ताकतवर मास्टिफ़ कुत्ते जैसा लग रहा है, जो भोजन की प्रतीक्षा कर रहा हो।
रोजा क्लेब ने उसे ठंडे स्वरों से देखा। 'क्या तुम काम के लिए स्वस्थ और तैयार हो?'
जी हां, कॉमरेड कर्नल।
चलो तुम्हें देखते हैं। अपने कपड़े उतारो।
रेड ग्रांट ने कोई हैरानी नहीं दिखाई। उसने अपना कोट उतारा और उसे रखने के लिए इधर-उधर देखने के बाद ज़मीन पर गिरा दिया। फिर, बिना किसी झिझक के, उसने अपने बाकी कपड़े उतार दिए और जूते भी उतार दिए। सुनहरे बालों वाला उसका विशाल लाल-भूरा शरीर उस नीरस कमरे में चमक उठा। ग्रांट आराम से खड़ा था, उसके हाथ बगल में ढीले-ढाले रखे थे और एक घुटना थोड़ा आगे की ओर झुका हुआ था, मानो वह किसी कला कक्षा के लिए पोज़ दे रहा हो।
रोजा क्लेब खड़ी हुई और मेज के चारों ओर घूमी। उसने शरीर का बारीकी से निरीक्षण किया, कभी इधर टटोला, कभी उधर महसूस किया, मानो वह घोड़ा खरीद रही हो। वह उस आदमी के पीछे गई और अपना सूक्ष्म निरीक्षण जारी रखा।
उसके सामने वापस आने से पहले, क्रोनस्टीन ने देखा कि उसने अपनी जैकेट की जेब से कुछ निकाला और उसे अपने हाथ में रख लिया। उसमें धातु की एक हल्की सी चमक थी।

वह महिला घूमकर आई और उस आदमी के चमकते हुए पेट के पास खड़ी हो गई, उसका दाहिना हाथ उसकी पीठ के पीछे था। उसने उसकी आँखों में आँखें डालकर देखा। अचानक, अत्यधिक गति से और अपने पूरे कंधे के वजन के साथ, उसने अपने दाहिने मुक्के को, जिसमें पीतल का भारी मुक्का लगा हुआ था, घुमाकर ठीक उस आदमी के पेट के निचले हिस्से पर मारा।
व्हक!
ग्रांट ने हैरानी और दर्द से कराहते हुए एक गहरी साँस ली। उसके घुटने थोड़े लड़खड़ाए, फिर सीधे हो गए। एक पल के लिए पीड़ा से आँखें कसकर बंद हो गईं। फिर वे दोबारा खुलीं और ठंडी पीली, चुभती हुई रोशनी में लाल आँखों से घूरने लगीं। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
चौकोर चश्मे के पीछे छिपी आंखें। छाती की हड्डी के ठीक नीचे की त्वचा पर गुस्से की लाली के अलावा, ग्रांट पर उस चोट का कोई बुरा असर नहीं दिख रहा था, जिससे कोई भी सामान्य आदमी दर्द से कराह कर जमीन पर गिर जाता।
रोजा क्लेब ने उदास मुस्कान दी। उसने नक़ल-डस्टर को वापस अपनी जेब में रखा और अपने डेस्क की ओर चलकर बैठ गई। उसने थोड़ी सी गर्व भरी नज़र से क्रोनस्टीन की ओर देखा। 'कम से कम वह इतना फिट तो है,' उसने कहा। क्रोनस्टीन ने घुरघुराहट की आवाज निकाली।
नग्न व्यक्ति ने धूर्ततापूर्ण संतुष्टि भरी मुस्कान बिखेरी। उसने एक हाथ ऊपर उठाया और अपने पेट को रगड़ा।
रोजा क्लेब अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गईं और ध्यान से उन्हें देखने लगीं। अंत में उन्होंने कहा, 'कॉमरेड ग्रैनिट्स्की, आपके लिए एक काम है। एक महत्वपूर्ण कार्य। आपने अब तक जितने भी प्रयास किए हैं, उनसे कहीं अधिक महत्वपूर्ण। यह एक ऐसा कार्य है जिसके लिए आपको पदक मिलेगा'—ग्रांट की आँखें चमक उठीं—'क्योंकि लक्ष्य कठिन और खतरनाक है। आप एक विदेशी देश में होंगे, और अकेले। क्या यह बात स्पष्ट है?'
जी हां, कॉमरेड कर्नल। ग्रांट उत्साहित हो गए। यह एक बड़ा कदम आगे बढ़ाने का मौका था। पदक क्या होगा? लेनिन ऑर्डर? उन्होंने ध्यान से सुना। 'लक्ष्य एक अंग्रेज़ जासूस है। क्या आप एक अंग्रेज़ जासूस को मारना चाहेंगे?'
“जी हां, बिल्कुल, कॉमरेड कर्नल।” ग्रांट का उत्साह सच्चा था। उसे एक अंग्रेज को मारने से बेहतर और कुछ नहीं चाहिए था। उसे उन कमीनों से हिसाब चुकता करना था।
‘तुम्हें कई हफ़्तों की ट्रेनिंग और तैयारी की ज़रूरत होगी। इस असाइनमेंट पर तुम एक अंग्रेज़ एजेंट बनकर काम करोगे। तुम्हारा व्यवहार और पहनावा असभ्य है। तुम्हें कम से कम कुछ तरकीबें सीखनी होंगी,’ एक धूर्त व्यक्ति की आवाज़ ने व्यंग्य करते हुए कहा। ‘तुम्हें यहाँ मौजूद एक अंग्रेज़ के हवाले किया जाएगा। लंदन में विदेश कार्यालय का एक पूर्व धूर्त व्यक्ति। उसका काम तुम्हें किसी अंग्रेज़ जासूस के रूप में पेश करना होगा। वे कई तरह के लोगों को काम पर रखते हैं। यह मुश्किल नहीं होना चाहिए। और तुम्हें कई और चीज़ें सीखनी होंगी। ऑपरेशन अगस्त के अंत में होगा, लेकिन तुम्हारी ट्रेनिंग तुरंत शुरू हो जाएगी। बहुत कुछ करना है। अपने कपड़े पहनो और ए.डी.सी. को रिपोर्ट करो। समझे?’

जी हां, कॉमरेड कर्नल। ग्रांट जानता था कि कोई सवाल नहीं पूछना है। वह बेपरवाही से अपने कपड़े पहनने लगा। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
उस महिला की निगाहें उस पर टिकी थीं, और वह अपनी जैकेट के बटन बंद करते हुए दरवाजे की ओर चल पड़ा। फिर वह मुड़ा और बोला, 'धन्यवाद, कॉमरेड कर्नल।' रोजा क्लेब साक्षात्कार की अपनी टिप्पणी लिख रही थी। उसने न तो कोई जवाब दिया और न ही ऊपर देखा, और ग्रांट बाहर चला गया और धीरे से दरवाजा बंद कर दिया। महिला ने अपना पेन नीचे फेंक दिया और वापस बैठ गई।
और अब, कॉमरेड क्रोनस्टीन। क्या पूरी प्रक्रिया शुरू करने से पहले कुछ बिंदुओं पर चर्चा करनी है? मैं यह बताना चाहूंगा कि प्रेसीडियम ने लक्ष्य को मंजूरी दे दी है और मृत्यु वारंट की पुष्टि कर दी है। मैंने आपकी योजना की मुख्य बातें कॉमरेड जनरल ग्रुबोज़ाबोयश्चिकोव को बता दी हैं। वे इससे सहमत हैं।
इसके विस्तृत क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी मेरे हाथों में है। योजना और संचालन के लिए संयुक्त स्टाफ का चयन हो चुका है और वे काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। क्या आपके पास कोई अंतिम विचार हैं, कॉमरेड?
क्रोनस्टीन छत की ओर देखते हुए बैठे थे, उनकी उंगलियों के सिरे उनके सामने जुड़े हुए थे। महिला की आवाज़ में मौजूद तिरस्कारपूर्ण लहजे पर उन्हें कोई ध्यान नहीं था। एकाग्रता की धड़कन उनके कनपटी पर महसूस हो रही थी।
'यह ग्रैनिट्स्की नाम का आदमी। क्या वह भरोसेमंद है? क्या आप उस पर किसी विदेशी देश में भरोसा कर सकते हैं? क्या वह निजी तौर पर काम नहीं करेगा?' लगभग दस वर्षों से उसकी परीक्षा ली जा रही है। उसे भागने के कई मौके मिले। उस पर हर समय नज़र रखी गई है कि कहीं वह भागने की कोशिश तो नहीं कर रहा। कभी भी शक की कोई गुंजाइश नहीं रही। वह एक नशेड़ी की तरह है। वह सोवियत संघ को उसी तरह नहीं छोड़ेगा जैसे कोई नशाखोर अपने कोकीन के स्रोत को नहीं छोड़ता। वह मेरा सबसे बड़ा जल्लाद है। उससे बेहतर कोई नहीं है।
और ये लड़की, रोमानोवा। क्या वो संतोषजनक थी?
महिला ने अनिच्छा से कहा, "वह बहुत सुंदर है। वह हमारे उद्देश्य को पूरा करेगी। वह कुंवारी नहीं है, लेकिन संकोची और यौन रूप से अनभिज्ञ है। उसे प्रशिक्षण दिया जाएगा। उसकी अंग्रेजी उत्कृष्ट है। मैंने उसे उसके कार्य और उसके उद्देश्य का एक निश्चित विवरण दे दिया है। वह सहयोगात्मक है। यदि वह हिचकिचाती है, तो मेरे पास कुछ रिश्तेदारों के पते हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। मेरे पास उसके पूर्व प्रेमियों के नाम भी होंगे। यदि आवश्यक हुआ, तो उसे समझाया जाएगा कि जब तक उसका कार्य पूरा नहीं हो जाता, ये लोग बंधक रहेंगे। उसका स्वभाव स्नेही है। इतना संकेत ही काफी होगा। लेकिन मुझे उससे किसी प्रकार की परेशानी की आशंका नहीं है।"
'रोमानोवा। यह एक बुइवशी का नाम है—पूर्व के लोगों में से एक का। ऐसे नाजुक काम के लिए रोमानोव नाम का इस्तेमाल करना अजीब लगता है।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उसके दादा-दादी शाही परिवार से दूर के रिश्तेदार थे। लेकिन वह बुइवशी मंडलों में ज्यादा नहीं जाती। वैसे भी, हमारे सभी दादा-दादी पूर्वज थे। इसके बारे में कुछ नहीं किया जा सकता।
"हमारे दादा-दादी का नाम रोमानोव नहीं था," क्रोनस्टीन ने रूखेपन से कहा।

“लेकिन जब तक आप संतुष्ट हैं।” उन्होंने एक पल सोचा। “और यह आदमी बॉन्ड।
क्या हमने उसके ठिकाने का पता लगा लिया है?”
जी हां। एमजीबी इंग्लिश नेटवर्क के अनुसार वह लंदन में है। दिन के समय वह अपने मुख्यालय जाता है।
रात में वह लंदन के चेल्सी नामक इलाके में स्थित अपने फ्लैट में सोता है। यह अच्छी बात है। उम्मीद है कि वह अगले कुछ हफ्तों तक वहीं रहेगा। इसका मतलब यह होगा कि वह किसी ऑपरेशन में व्यस्त नहीं है। जब उन्हें हमारी चाल का पता चलेगा, तो वह हमारे चारे का पीछा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। इस बीच,' क्रोनस्टीन की गहरी, गंभीर आँखें छत के एक खास बिंदु को निहारती रहीं। "मैं विदेशों में केंद्रों की उपयुक्तता का अध्ययन कर रहा हूँ। मैंने पहले संपर्क के लिए इस्तांबुल को चुना है। वहाँ हमारा अच्छा तंत्र है। गुप्त सेवा का वहाँ एक छोटा सा स्टेशन है। स्टेशन के प्रमुख के बारे में कहा जाता है कि वह एक अच्छा आदमी है। उसे खत्म कर दिया जाएगा। यह केंद्र हमारे लिए सुविधाजनक स्थान पर है, बुल्गारिया और काला सागर से इसकी संचार लाइनें छोटी हैं। यह लंदन से अपेक्षाकृत दूर है। मैं हत्या के स्थान और उस बॉन्ड को वहाँ पहुँचाने के साधनों का विवरण तैयार कर रहा हूँ, लड़की से संपर्क करने के बाद। यह या तो फ्रांस में होगा या उसके बहुत पास। फ्रांसीसी प्रेस पर हमारा अच्छा प्रभाव है। वे इस तरह की कहानी का पूरा फायदा उठाएंगे, जिसमें यौन और जासूसी के सनसनीखेज खुलासे हैं। यह भी तय करना बाकी है कि ग्रैनिट्स्की कब तस्वीर में आएगा। ये छोटी-मोटी बातें हैं। हमें कैमरामैन और अन्य एजेंटों को चुनना होगा और उन्हें चुपचाप इस्तांबुल ले जाना होगा। वहाँ हमारे तंत्र की कोई भीड़भाड़ नहीं होनी चाहिए, कोई जाम नहीं होना चाहिए, कोई असामान्य गतिविधि नहीं होनी चाहिए।" हम सभी विभागों को चेतावनी देंगे कि ऑपरेशन से पहले और ऑपरेशन के दौरान तुर्की के साथ वायरलेस संचार पूरी तरह से सामान्य रखा जाए। हम नहीं चाहते कि ब्रिटिश इंटरसेप्टर्स को कुछ भी गड़बड़ लगे। सिफर विभाग इस बात पर सहमत हो गया है कि स्पेक्टर मशीन का बाहरी आवरण सौंपने पर सुरक्षा संबंधी कोई आपत्ति नहीं है। यह आकर्षक होगा। मशीन को विशेष उपकरण अनुभाग में भेजा जाएगा। वे इसकी तैयारी का काम संभालेंगे।
क्रोनस्टीन ने बोलना बंद कर दिया। उनकी निगाहें धीरे-धीरे छत से नीचे आईं। वे सोच-विचार करते हुए खड़े हो गए।
उसने सामने देखा और उस महिला की चौकस, गंभीर आँखों में देखा।
कॉमरेड, इस समय मेरे दिमाग में और कुछ नहीं आ रहा है,’ उन्होंने कहा। ‘कई छोटी-छोटी बातें सामने आएंगी और उन्हें दिन-प्रतिदिन सुलझाना होगा। लेकिन मुझे लगता है कि ऑपरेशन सुरक्षित रूप से शुरू किया जा सकता है।’
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
मैं सहमत हूँ, कॉमरेड। अब मामला आगे बढ़ सकता है। मैं आवश्यक निर्देश जारी करूँगा।’ कठोर, अधिकारपूर्ण आवाज़ नरम पड़ गई। ‘आपके सहयोग के लिए आभारी हूँ।’
क्रोनस्टीन ने सहमति में अपना सिर एक इंच झुकाया। वह मुड़े और धीरे से कमरे से बाहर चले गए।
सन्नाटे में, टेलीक्रिप्टन ने एक चेतावनी भरी आवाज़ निकाली और अपनी यांत्रिक खड़खड़ाहट शुरू कर दी। रोज़ा क्लेब अपनी कुर्सी पर हिली और एक टेलीफ़ोन की ओर बढ़ी। उसने एक नंबर डायल किया।

'ऑपरेशन रूम,' एक आदमी की आवाज सुनाई दी।
रोजा क्लेब की पीली आँखें, कमरे में चारों ओर टकटकी लगाए हुए, दीवार पर लगे नक्शे पर इंग्लैंड की गुलाबी आकृति पर टिक गईं। उसके गीले होंठ खुल गए। 'कर्नल क्लेब बोल रहे हैं। अंग्रेज़ जासूस बॉन्ड के खिलाफ साजिश। ऑपरेशन तुरंत शुरू होगा।'

अध्याय ग्यारह
कोमल जीवन
जीवन की कोमल भुजाओं ने बॉन्ड की गर्दन जकड़ रखी थी और वे धीरे-धीरे उसका गला घोंट रही थीं। वह एक योद्धा था और जब लंबे समय तक युद्ध नहीं हुआ, तो उसका मनोबल गिरने लगा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उनके व्यवसाय में लगभग एक वर्ष से शांति का माहौल था। और यही शांति उन्हें मार रही थी।
गुरुवार, 12 अगस्त की सुबह 7:30 बजे, बॉन्ड किंग्स रोड के पास चिनार के पेड़ों से घिरे चौक में स्थित अपने आरामदायक फ्लैट में जागा और यह देखकर बेहद निराश हुआ कि आने वाला दिन उसके लिए पूरी तरह से उबाऊ था। जिस प्रकार, कम से कम एक धर्म में, असाध्यता को प्रमुख पापों में से पहला माना जाता है, उसी प्रकार ऊब, और विशेष रूप से ऊब के साथ जागने की अविश्वसनीय स्थिति, बॉन्ड के लिए एकमात्र ऐसा अवगुण था जिसकी वह घोर निंदा करता था।
बॉन्ड ने हाथ बढ़ाकर घंटी को दो बार बजाया, जिससे उसकी प्रिय स्कॉटिश नौकरानी मे को यह संकेत मिला कि वह नाश्ते के लिए तैयार है। फिर उसने अचानक अपने नंगे शरीर से चादर हटा दी और अपने पैर ज़मीन पर पटक दिए।
ऊब से निपटने का एक ही तरीका था - खुद को उससे बाहर निकालना। बॉन्ड अपने हाथों के बल नीचे बैठ गया और बीस धीमी गति से पुश-अप्स किए, हर पुश-अप पर थोड़ा रुका रहा ताकि उसकी मांसपेशियों को आराम न मिले। जब उसकी बाहों में असहनीय दर्द होने लगा, तो वह पीठ के बल लेट गया और अपने हाथों को बगल में रखकर, सीधे पैर ऊपर उठाने का अभ्यास तब तक किया जब तक कि उसके पेट की मांसपेशियां दर्द से चीख न उठें। वह खड़ा हुआ और बीस बार अपने पैर की उंगलियों को छूने के बाद, उसने बांहों और छाती के व्यायाम के साथ-साथ गहरी सांसें लेना शुरू कर दिया, जब तक कि उसे चक्कर न आने लगे। परिश्रम से हांफते हुए, वह बड़े सफेद टाइलों वाले बाथरूम में गया और कांच के शॉवर कैबिनेट में बहुत गर्म और फिर ठंडे पानी के नीचे पांच मिनट तक खड़ा रहा। अंततः, दाढ़ी बनाने और बिना आस्तीन वाली गहरे नीले रंग की सी आइलैंड कॉटन शर्ट और नेवी ब्लू ट्रॉपिकल वूलन ट्राउजर पहनने के बाद, उसने अपने नंगे पैरों में काले चमड़े के सैंडल पहने और शयनकक्ष से होते हुए लंबी, बड़ी खिड़कियों वाले बैठक कक्ष में चला गया, इस संतुष्टि के साथ कि उसने कम से कम कुछ समय के लिए अपने शरीर से ऊब को पसीने के जरिए बाहर निकाल दिया था। मे, लोहे जैसे भूरे बालों और एक सुंदर भावहीन चेहरे वाली एक बुजुर्ग स्कॉटिश महिला, ट्रे लेकर अंदर आई और उसे खिड़की के पास वाली मेज पर द टाइम्स अखबार के साथ रख दिया, जो बॉन्ड द्वारा पढ़ा जाने वाला एकमात्र अखबार था।
बॉन्ड ने उन्हें सुप्रभात कहा और नाश्ता करने बैठ गए।
सुप्रभात। (बॉन्ड के लिए, मे की एक मनमोहक विशेषता यह थी कि वह किसी भी पुरुष को 'सर' कहकर संबोधित नहीं करती थी।)
सिवाय—बॉन्ड ने सालों पहले इस बारे में उसे चिढ़ाया था—अंग्रेज़ी राजाओं और विंस्टन चर्चिल के। असाधारण सम्मान के प्रतीक के रूप में, वह बॉन्ड के शब्दों के अंत में कभी-कभार 'स' का हल्का सा संकेत देती थी। बॉन्ड जब अपना अखबार मोड़कर बीच का समाचार पृष्ठ खोल रहा था, तब वह मेज के पास खड़ी थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
'वो आदमी कल रात फिर टेलीविजन के सिलसिले में यहाँ आया था।'
'वह कौन आदमी था?' बॉन्ड ने सुर्खियों पर नजर डाली।
वो आदमी तो हमेशा आता रहता है। जून से अब तक छह बार आकर मुझे परेशान कर चुका है। पहली बार जब मैंने उसे उस पापपूर्ण चीज़ के बारे में बताया था, उसके बाद तो लगता ही होगा कि वो हमें उसे बेचने की कोशिश करना छोड़ देगा। वो भी किश्तों में, अगर आप चाहें तो!
'ये सेल्समैन तो बड़े जिद्दी हैं।' बॉन्ड ने अपना अखबार नीचे रखा और कॉफी पॉट की ओर हाथ बढ़ाया।
मैंने कल रात उसे खूब खरी-खोटी सुनाई। लोगों को उनके खाने के समय परेशान कर रहा था। मैंने उससे पूछा कि क्या उसके पास कोई कागजात हैं—कुछ भी जिससे पता चले कि वह कौन है।
मुझे लगता है कि इससे उसकी समस्या हल हो गई होगी।’ बॉन्ड ने अपने बड़े कप को काली कॉफी से पूरा भर लिया।
बिलकुल नहीं। उसने अपना यूनियन कार्ड लहराया। कहा कि उसे अपनी रोजी-रोटी कमाने का पूरा अधिकार है। वो भी इलेक्ट्रिशियन यूनियन का सदस्य। वही तो कम्युनिस्ट यूनियन है, है ना?
“हाँ, सही कहा,” बॉन्ड ने अस्पष्ट स्वर में कहा। उसका दिमाग तेज़ी से सोचने लगा। क्या ऐसा हो सकता है कि वे उस पर नज़र रख रहे हों? उसने कॉफ़ी का एक घूंट लिया और कप नीचे रख दिया। “उस आदमी ने क्या कहा था, मे?” उसने अपनी आवाज़ को भावहीन रखते हुए, लेकिन उसकी ओर देखते हुए पूछा।
उसने कहा कि वह खाली समय में कमीशन पर टेलीविज़न सेट बेचता है। और क्या हमें वाकई एक नहीं चाहिए? उसका कहना है कि हम इस इलाके के उन गिने-चुने लोगों में से हैं जिनके पास टीवी नहीं है। मुझे लगता है कि उसने देखा होगा कि घर पर वो एंटीना नहीं लगा है। वो हमेशा पूछता रहता है कि क्या आप घर पर हैं ताकि वो इस बारे में आपसे बात कर सके। उसकी बेशर्मी तो देखो! मुझे हैरानी है कि उसने आपको घर आते-जाते पकड़ने की कोशिश क्यों नहीं की।
वह हमेशा मुझसे पूछता रहता है कि क्या मैं तुम्हारे घर आने की उम्मीद कर रही हूँ। स्वाभाविक रूप से, मैं उसे तुम्हारे आने-जाने के बारे में कुछ नहीं बताती।
अगर वह इतना जिद्दी न होता तो वह एक सम्मानित, शांत स्वभाव का व्यक्ति होता।
बॉन्ड ने सोचा, हो सकता है। मालिक घर पर है या बाहर, यह जानने के कई तरीके हैं। नौकर का हावभाव और प्रतिक्रियाएँ—खुले दरवाजे से एक नज़र। खैर, आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
अगर फ्लैट खाली होता, तो यही आम प्रतिक्रिया होती कि 'वह बाहर गया हुआ है।' क्या उसे सुरक्षा विभाग को बताना चाहिए? बॉन्ड ने चिड़चिड़ाते हुए कंधे उचका दिए। छोड़ो भी। शायद इसमें कुछ भी नहीं था। उन्हें उसमें दिलचस्पी क्यों होगी? और अगर कुछ था भी, तो सुरक्षा विभाग उसे फ्लैट बदलने के लिए मजबूर कर सकता था।
मुझे लगता है कि इस बार तुमने उसे डराकर भगा दिया होगा।’ बॉन्ड ने मे की ओर मुस्कुराते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि तुमने उसके बारे में आखिरी बार सुना होगा।’

“जी हां,” मे ने संशय से कहा। खैर, उसने अपने आदेश का पालन करते हुए उसे बताया था कि अगर उसे कोई भी इधर-उधर घूमता हुआ दिखे तो उसे सूचित करे। अगस्त की भीषण गर्मी में भी वह जो पुराने जमाने की काली वर्दी पहने रहती थी, उसे फुसफुसाते हुए वह वहां से चली गई।
बॉन्ड अपना नाश्ता करने वापस लौट गया। आम तौर पर ऐसी छोटी-छोटी बातें ही उसके मन में एक अनसुलझी सी हलचल पैदा कर देती थीं, और आम दिनों में तो वह तब तक चैन से नहीं बैठता था जब तक कि वह कम्युनिस्ट यूनियन के उस आदमी की समस्या का हल न निकाल लेता जो बार-बार घर आता रहता था। लेकिन अब, महीनों की निष्क्रियता और निष्क्रियता के कारण, तलवार म्यान में जंग खा चुकी थी और बॉन्ड का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका था।
बॉन्ड का सबसे पसंदीदा नाश्ता था। जब वह लंदन में तैनात थे, तब उनका नाश्ता हमेशा एक जैसा ही होता था। इसमें न्यू ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट स्थित डी ब्राय की बहुत कड़क कॉफी होती थी, जिसे वह एक अमेरिकी केमेक्स में बनाते थे और दो बड़े कप बिना चीनी के पीते थे। एक अंडा, ऊपर सोने की अंगूठी वाले गहरे नीले अंडे के कप में, तीन मिनट और एक तिहाई मिनट तक उबाला जाता था।
यह मे के किसी दोस्त के पास मौजूद फ्रेंच मारन्स मुर्गियों का एक बहुत ही ताजा, चित्तीदार भूरा अंडा था। (बॉन्ड को सफेद अंडे पसंद नहीं थे और छोटी- छोटी चीजों में सनकी होने के कारण, उन्हें यह मानना मजेदार लगता था कि एक परफेक्ट उबला अंडा भी होता है।) फिर गेहूं के टोस्ट के दो मोटे स्लाइस, गहरे पीले रंग का जर्सी बटर का एक बड़ा टुकड़ा और टिप्ट्रे लिटिल स्कारलेट से भरे तीन छोटे कांच के जार थे।
स्ट्रॉबेरी जैम; कूपर्स विंटेज ऑक्सफोर्ड मार्मलेड और फोर्टनम का नॉर्वेजियन हीदर हनी।
कॉफी पॉट और ट्रे पर रखी चांदी की प्लेटें क्वीन ऐनी ब्रांड की थीं, और चीनी मिट्टी के बर्तन मिंटन ब्रांड के थे, जिनका रंग अंडे के कप के समान ही गहरा नीला, सुनहरा और सफेद था।
उस सुबह, जब बॉन्ड शहद के साथ अपना नाश्ता खत्म कर रहा था, तो उसे अपनी सुस्ती और उदासी का तात्कालिक कारण समझ में आ गया। सबसे पहले, टिफ़नी केस, जिसके साथ उसने कई खुशहाल महीने बिताए थे, उसे छोड़कर चली गई थी और कुछ हफ़्तों तक एक होटल में रहकर दर्द झेलने के बाद जुलाई के अंत में अमेरिका के लिए रवाना हो गई थी। वह उसे बहुत याद कर रहा था और उसका ख्याल अब भी उसके मन से नहीं निकल पा रहा था। अगस्त का महीना था और लंदन में गर्मी और उमस थी। उसे छुट्टी मिलनी थी, लेकिन अकेले जाने या टिफ़नी की जगह किसी और को साथ ले जाने की हिम्मत या इच्छा उसमें नहीं थी। इसलिए वह सीक्रेट सर्विस के आधे खाली मुख्यालय में ही रुका रहा और पुराने कामों में लगा रहा, अपनी सेक्रेटरी पर गुस्सा करता रहा और अपने साथियों को कोसता रहा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
नीचे वाले तल पर बैठे उस चिड़चिड़े और पिंजरे में बंद शेर से आखिरकार एम भी तंग आ गया था, और इसी सप्ताह के सोमवार को उसने बॉन्ड को एक कड़ा पत्र भेजकर उसे पेमास्टर कैप्टन ट्रूप के अधीन एक जांच समिति में नियुक्त कर दिया। पत्र में लिखा था कि अब समय आ गया है कि बॉन्ड, सेवा में एक वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते, प्रमुख प्रशासनिक समस्याओं में हस्तक्षेप करे। वैसे भी, कोई और उपलब्ध नहीं था। मुख्यालय में कर्मचारियों की कमी थी और

00 सेक्शन में सन्नाटा छाया हुआ था। बॉन्ड को उसी दोपहर 2:30 बजे कमरा नंबर 412 में रिपोर्ट करना था।
बॉन्ड ने दिन की अपनी पहली सिगरेट जलाते हुए सोचा, "ट्रूप ही वह व्यक्ति था जो उसकी असंतुष्टि का सबसे बड़ा और तात्कालिक कारण था।"
हर बड़े व्यवसाय में एक ऐसा व्यक्ति होता है जो कार्यालय का तानाशाह और आतंक फैलाने वाला होता है और जिसे सभी कर्मचारी नापसंद करते हैं। यह व्यक्ति कार्यालय की आम नफरतों और आशंकाओं को एक तरह से प्रकाशमान करके अनजाने में ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वास्तव में, वह उन्हें एक साझा लक्ष्य प्रदान करके उनके विघटनकारी प्रभाव को कम कर देता है। यह व्यक्ति आमतौर पर महाप्रबंधक या प्रशासनिक प्रमुख होता है। वह वह अपरिहार्य व्यक्ति होता है जो छोटी-छोटी बातों पर नजर रखता है - नकद खर्च, हीटिंग और बिजली, शौचालयों में तौलिए और साबुन, स्टेशनरी, कैंटीन, छुट्टियों का रोस्टर, कर्मचारियों की समयबद्धता। कार्यालय के आराम और सुविधाओं पर उसका वास्तविक प्रभाव होता है और उसका अधिकार संगठन के कर्मचारियों की निजता और व्यक्तिगत आदतों तक फैला होता है। ऐसी नौकरी पाने और उसके लिए आवश्यक योग्यता रखने के लिए, उस व्यक्ति में ठीक वही गुण होने चाहिए जो दूसरों को परेशान और विचलित करते हैं। उसे एक सख्त अनुशासक होना चाहिए और दूसरों की राय की परवाह नहीं करनी चाहिए। उसे थोड़ा तानाशाह होना चाहिए। सभी सुचारू रूप से चलने वाले व्यवसायों में ऐसा एक व्यक्ति होता है। सीक्रेट सर्विस में, वह पेमास्टर कैप्टन ट्रूप, आर.एन. हैं। सेवानिवृत्त, प्रशासनिक प्रमुख, जिनका काम, उनके अपने शब्दों में, 'जगह को सुव्यवस्थित और ब्रिस्टल के फैशन के अनुरूप रखना' है।
यह अपरिहार्य था कि कैप्टन ट्रूप के कर्तव्यों के कारण उनका संगठन के अधिकांश सदस्यों के साथ टकराव होगा, लेकिन यह विशेष रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था कि एम इस विशेष समिति के अध्यक्ष के रूप में ट्रूप के अलावा किसी और को नहीं चुन सका।
यह उन जांच समितियों में से एक और थी जो बर्गेस और मैक्लीन मामले की पेचीदगियों और उससे सीखे जा सकने वाले सबकों से निपट रही थीं। एम ने इस समिति की कल्पना की थी, उस मामले पर अपनी फाइल बंद करने के पांच साल बाद, विशुद्ध रूप से सुरक्षा सेवाओं की प्रिवी काउंसिल जांच को खुश करने के लिए, जिसका आदेश प्रधानमंत्री ने 1955 में दिया था।
बॉन्ड और ट्रूप के बीच गुप्त सेवा में बुद्धिजीवियों की नियुक्ति को लेकर एक निरर्थक विवाद छिड़ गया।
विचित्रता से, और यह जानते हुए कि इससे नाराज़गी होगी, बॉन्ड ने यह प्रस्ताव रखा था कि, यदि एम.आई.5 और एबीसी एम्बर एलआईटी कनवर्टर द्वारा उत्पन्न, http://www.processtext.com/abclit.html
अगर गुप्त सेवा को परमाणु युग के 'बुद्धिमान जासूस' से गंभीरता से निपटना था, तो उन्हें उनका मुकाबला करने के लिए कुछ बुद्धिजीवियों को नियुक्त करना ही पड़ता। बॉन्ड ने कहा था, 'भारतीय सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी बर्गेस या मैक्लीन की सोच को समझ ही नहीं सकते। उन्हें तो यह भी नहीं पता होगा कि ऐसे लोग मौजूद हैं - उनके गुटों में जाना और उनके दोस्तों और उनके रहस्यों को जानना तो दूर की बात है। एक बार बर्गेस और मैक्लीन रूस चले गए, तो उनसे दोबारा संपर्क करने का और शायद जब वे रूस से ऊब जाएं, तो उन्हें रूसियों के खिलाफ दोहरे एजेंट बनाने का एकमात्र तरीका यही होता कि उनके सबसे करीबी दोस्तों को मॉस्को, प्राग और बुडापेस्ट भेजा जाए और उन्हें

आदेश दिया जाए कि वे तब तक इंतजार करें जब तक कि उनमें से कोई एक चुपके से बाहर न आ जाए और उनसे संपर्क न कर ले। और उनमें से कोई एक, शायद बर्गेस, अपने अकेलेपन और किसी को अपनी कहानी सुनाने की तड़प के कारण संपर्क करने के लिए मजबूर हो जाता।' [नोट: *मार्च 1956 में लिखा गया। आई. एफ.] लेकिन वे निश्चित रूप से किसी ऐसे व्यक्ति के सामने खुद को प्रकट करने का जोखिम नहीं उठाएंगे जिसके पास ट्रेंच-कोट, घुड़सवार सेना की मूंछें और बीटा- माइनस दिमाग हो।
“अरे सच में?” ट्रूप ने बर्फीले शांत स्वर में कहा। “तो आपका सुझाव है कि हमें संगठन में लंबे बालों वाले विकृत लोगों को नियुक्त करना चाहिए। यह तो बिल्कुल मौलिक विचार है। मुझे लगा था कि हम सब इस बात पर सहमत हैं कि समलैंगिक सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा हैं। मुझे नहीं लगता कि अमेरिकी परमाणु रहस्यों को इत्र में डूबे हुए इतने सारे समलैंगिकों को सौंपेंगे।”
सभी बुद्धिजीवी समलैंगिक नहीं होते। और उनमें से कई गंजे होते हैं। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि…’, और इस तरह पिछले तीन दिनों की सुनवाई के दौरान यह बहस रुक-रुक कर चलती रही, और समिति के अन्य सदस्य भी कमोबेश ट्रूप के पक्ष में थे। अब, आज, उन्हें अपनी सिफारिशें तैयार करनी थीं और बॉन्ड सोच रहे थे कि क्या अल्पमत रिपोर्ट पेश करने का अलोकप्रिय कदम उठाया जाए।
नौ बजे जब बॉन्ड अपने फ्लैट से बाहर निकलकर सीढ़ियों से नीचे अपनी कार की ओर बढ़ा, तो वह सोचने लगा कि वह इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से ले रहा है? क्या वह सिर्फ छोटी सोच और हठधर्मिता दिखा रहा था? क्या उसने खुद को अकेले ही एक विरोधी के रूप में खड़ा कर लिया था, सिर्फ इसलिए कि उसे कुछ चबाने को मिल जाए? क्या वह इतना ऊब गया था कि उसे अपने ही संगठन में उपद्रव मचाने के अलावा और कुछ बेहतर करने को नहीं सूझ रहा था? बॉन्ड अपना मन नहीं बना पा रहा था। वह बेचैन और अनिर्णायक महसूस कर रहा था, और इन सबके पीछे एक ऐसी बेचैनी थी जिसे वह ठीक से समझ नहीं पा रहा था।
जैसे ही उसने ऑटोमैटिक स्टार्टर दबाया और बेंटले के दोनों एग्जॉस्ट अपनी फड़फड़ाती गर्जना के साथ जाग उठे, बॉन्ड के दिमाग में अचानक एक अजीबोगरीब कहावत कौंध गई।
जिन्हें देवता नष्ट करना चाहते हैं, उन्हें वे पहले ऊबा देते हैं।

अध्याय बारह
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
केक का एक टुकड़ा
अंततः, बॉन्ड को समिति की अंतिम रिपोर्ट पर कभी कोई निर्णय नहीं लेना पड़ा।
उन्होंने अपनी सचिव को नई ग्रीष्मकालीन पोशाक के लिए बधाई दी थी, और रात के दौरान आए संकेतों की फाइल को आधा पढ़ चुके थे, तभी लाल टेलीफोन की एक धीमी, आदेशात्मक आवाज आई, जिसका मतलब केवल एम या उनके चीफ-ऑफ-स्टाफ ही हो सकता था।
बॉन्ड ने रिसीवर उठाया। '007।'
'क्या आप ऊपर आ सकते हैं?' यह चीफ-ऑफ-स्टाफ का सवाल था।
` एम?’
हां। और ऐसा लगता है कि यह एक लंबा सत्र होगा। मैंने ट्रूप को बता दिया है कि आप समिति में शामिल नहीं हो पाएंगे।
क्या आपको पता है कि यह किस बारे में है?
चीफ ऑफ स्टाफ मुस्कुराया। "खैर, मैंने तो किया ही है। लेकिन बेहतर होगा कि आप इसके बारे में उससे ही सुनें।"
यह आपको चौंका देगा। इसमें काफी तेज मोड़ है।'
जैसे ही बॉन्ड ने अपना कोट पहना और गलियारे में बाहर निकला, दरवाज़ा ज़ोर से बंद करते हुए, उसे यह पक्का यकीन हो गया कि शुरुआत हो चुकी है और बुरे दिन खत्म हो गए हैं। लिफ्ट से सबसे ऊपरी मंज़िल तक का सफर और एम के छोटे से दफ्तर के दरवाज़े तक लंबे, शांत गलियारे से गुज़रना भी उन सभी मौकों की तरह ही महत्वपूर्ण लग रहा था, जब लाल टेलीफोन की घंटी ने उसे एक भरी हुई गोली की तरह दुनिया भर में एम के चुने हुए किसी दूर के लक्ष्य की ओर भेज दिया था। और एम की निजी सचिव, मिस मोनेपेनी की आँखों में वही पुरानी उत्तेजना और गुप्त ज्ञान की झलक थी, जब उसने मुस्कुराते हुए बॉन्ड की ओर देखा और इंटरकॉम का बटन दबाया।
'007 यहाँ है, महोदय।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
'उसे अंदर भेजो,' धातु जैसी आवाज़ ने कहा, और दरवाजे के ऊपर गोपनीयता की लाल बत्ती जल उठी।
बॉन्ड दरवाजे से अंदर गया और उसे धीरे से बंद कर दिया। कमरा ठंडा था, या शायद वेनेशियन ब्लाइंड्स की वजह से ठंडक का एहसास हो रहा था। वे गहरे हरे रंग के कालीन पर रोशनी और छाया की लकीरें बना रहे थे, जो बड़ी केंद्रीय मेज के किनारे तक जा रही थीं। वहाँ धूप रुक जाती थी, जिससे मेज के पीछे बैठा शांत व्यक्ति हल्की हरी छाया में बैठा हुआ लग रहा था। मेज के ठीक ऊपर छत में, एक बड़ा दो ब्लेड वाला उष्णकटिबंधीय पंखा, जो एम के कमरे में हाल ही में लगाया गया था, धीरे-धीरे घूम रहा था, जिससे अगस्त की तूफानी हवा चल रही थी, जो रीजेंट्स पार्क के ऊपर भी, एक हफ्ते की लू के बाद भारी और बासी हो गई थी।
एम ने लाल चमड़े की मेज के पार अपने सामने रखी कुर्सी की ओर इशारा किया। बॉन्ड बैठ गया और उस शांत, झुर्रियों वाले नाविक के चेहरे को देखने लगा, जिसे वह प्यार करता था, सम्मान करता था और जिसकी आज्ञा का पालन करता था।

'क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपसे एक निजी सवाल पूछूं, जेम्स?' एम अपने कर्मचारियों से कभी निजी सवाल नहीं पूछता था और बॉन्ड कल्पना भी नहीं कर सकता था कि आगे क्या होने वाला है।
नहीं, महोदय।
एम ने तांबे की बड़ी राखदानी से अपना पाइप निकाला और उसे भरने लगा, ध्यान से अपनी उंगलियों को तंबाकू भरते हुए देख रहा था। उसने कड़े स्वर में कहा: 'तुम्हें जवाब देने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन बात तुम्हारी, उह, दोस्त, मिस केस से है। जैसा कि तुम जानती हो, मुझे आम तौर पर इन मामलों में दिलचस्पी नहीं होती, लेकिन मैंने सुना है कि हीरे के उस सौदे के बाद से तुम दोनों, उह, एक-दूसरे से काफ़ी मिल रहे हो। यहाँ तक कि कुछ लोगों को यह भी लग रहा है कि तुम शादी करने वाले हो।' एम ने बॉन्ड की तरफ देखा और फिर नज़रें नीचे कर लीं। उसने भरा हुआ पाइप अपने मुँह में डाला और माचिस जला दी। जलती हुई लौ से कश लेते हुए उसने मुँह के कोने से कहा: 'क्या तुम मुझे इसके बारे में कुछ बताना चाहोगी?'
अब क्या? बॉन्ड ने सोचा। इन दफ्तर की गपशपों को धिक्कार है। उसने रूखेपन से कहा, 'खैर, हमारी अच्छी बनती थी।'
और कुछ लोगों को लगा कि हम शादी कर लेंगे। लेकिन फिर उसकी मुलाकात अमेरिकी दूतावास में एक युवक से हो गई।
मिलिट्री अटैची के स्टाफ में। मरीन कॉर्प्स में मेजर। और मुझे पता चला है कि वो उससे शादी करने वाली है। असल में, दोनों ही वापस अमेरिका चले गए हैं। शायद यही बेहतर है। मिश्रित विवाह अक्सर सफल नहीं होते। मुझे पता चला है कि वो काफी अच्छा इंसान है। शायद लंदन में रहने से बेहतर है कि वो उसके साथ रहे। वो यहाँ ठीक से बस नहीं पाई। अच्छी लड़की है, लेकिन थोड़ी सनकी है। हमारे बीच बहुत झगड़े होते थे। शायद मेरी ही गलती थी।
खैर, अब तो सब खत्म हो गया है।'
एम ने एक हल्की सी मुस्कान दी, जिससे उसकी आँखें उसके होंठों से ज़्यादा चमक उठीं। "मुझे माफ़ करना अगर कुछ गलत हुआ हो, जेम्स," उसने कहा। एम की आवाज़ में ज़रा भी सहानुभूति नहीं थी। वह बॉन्ड के 'औरतों के प्रति आकर्षण' को नापसंद करता था, जैसा कि उसने कहा। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
उसने यह बात अपने मन में ही कह दी, हालांकि उसे यह एहसास था कि उसका पूर्वाग्रह विक्टोरियन युग की परवरिश का अवशेष था। लेकिन, बॉन्ड के प्रमुख के रूप में, वह बिल्कुल नहीं चाहता था कि बॉन्ड हमेशा के लिए एक महिला के वश में हो जाए।
शायद यही अच्छा है। इस धंधे में सनकी औरतों के चक्कर में पड़ना ठीक नहीं है। वे तो बस बंदूक के पीछे पड़ी रहती हैं, अगर आप समझ रहे हों तो। इसके बारे में पूछने के लिए मुझे माफ़ करना। आपको बताने से पहले मुझे इसका जवाब जानना ज़रूरी था। यह बड़ा अजीब धंधा है। अगर आप शादी करने की सोच रहे हों या इस तरह की कोई और बात हो, तो आपको इसमें शामिल करना मुश्किल होगा। बॉन्ड ने कहानी सुनने की प्रतीक्षा करते हुए अपना सिर हिलाया।
“ठीक है, फिर,” एम ने कहा। उनकी आवाज़ में राहत का भाव था। वे अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और पाइप को जलाने के लिए कई कश लगाए। “यह सब हुआ है। कल इस्तांबुल से एक लंबा सिग्नल आया था। लगता है मंगलवार को स्टेशन टी के प्रमुख को एक गुमनाम टाइप किया हुआ संदेश मिला जिसमें उन्हें रात 8 बजे गलाटा ब्रिज से बोस्फोरस के मुहाने तक और वापस आने वाली फेरी स्टीमर का

किताब उसकी पसंदीदा थी। वह नायक जुआ खेलने का शौकीन था और अपना सारा समय झगड़ों में उलझने और उनसे निकलने में बिताता था। खैर, आप उसे उसी नायक की याद दिलाते थे। वह कहती है कि उसके दिमाग में बस यही चलता था कि उसे और कुछ नहीं सूझता था, और एक दिन उसके मन में यह विचार आया कि अगर उसका तबादला उनके किसी विदेशी केंद्र में हो जाए तो वह आपसे संपर्क कर सकती है और आप आकर उसे बचा लेंगे।
मैंने ऐसी अजीबोगरीब कहानी पहले कभी नहीं सुनी, महोदय। यकीनन टी के प्रमुख ने इस पर विश्वास नहीं किया होगा।
'ज़रा रुकिए,' एम की आवाज़ चिड़चिड़ी थी। 'सिर्फ़ इसलिए जल्दबाज़ी मत कीजिए क्योंकि आपको कुछ ऐसा मिल गया है जो आपने पहले कभी नहीं देखा। मान लीजिए कि आप इस पेशे में होने के बजाय एक फ़िल्म स्टार होते। तो आपको दुनिया भर की लड़कियों से स्वर्ग के बारे में लिखे गए बेतुके पत्र मिलते।'
मुझे पता है कि तुम्हारे बिना जी न पाने जैसी बातें कितनी बकवास होती हैं। देखो, ये बेवकूफ लड़की मॉस्को में सेक्रेटरी का काम कर रही है। शायद पूरा डिपार्टमेंट ही औरतों से भरा है, जैसे हमारा रिकॉर्ड्स डिपार्टमेंट। कमरे में देखने के लिए कोई मर्द नहीं है, और ये रही, तुम्हारे, मतलब, आकर्षक चेहरे वाली फाइल के सामने, जिसकी समीक्षा बार-बार होती रहती है। और उसे इन तस्वीरों पर क्रश हो जाता है, ठीक वैसे ही जैसे दुनिया भर की सेक्रेटरीज़ को मैगज़ीन में छपे इन भयानक चेहरों पर क्रश हो जाता है। एम ने अपनी पाइप को एक तरफ हिलाकर इन घिनौनी औरतों की आदतों के बारे में अपनी अनभिज्ञता ज़ाहिर की। 'भगवान जाने मुझे इन सब चीजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन तुम्हें मानना पड़ेगा कि ऐसा होता है।'
बॉन्ड ने मदद की गुहार सुनकर मुस्कुरा दिया। 'खैर, सच कहूँ तो, महोदय, मुझे अब इसमें कुछ सच्चाई नज़र आने लगी है। एक रूसी लड़की भी उतनी ही नादान क्यों न हो जितनी एक अंग्रेज़ लड़की। लेकिन उसने जो किया, उसके लिए उसमें हिम्मत तो होनी ही चाहिए। क्या हेड ऑफ टी ने बताया कि अगर उसका भेद खुल गया तो उसे इसके अंजाम का अंदाज़ा था?'
एम ने कहा, 'उसने बताया कि वह बुरी तरह डरी हुई थी। नाव पर पूरा समय वह इधर-उधर देखती रही कि कहीं कोई उसे देख तो नहीं रहा। लेकिन लगता है कि वे आम किसान और यात्री थे जो इन नावों से सफर करते हैं, और चूंकि नाव देर से चल रही थी, इसलिए वैसे भी ज्यादा यात्री नहीं थे। लेकिन एक मिनट रुको। तुमने अभी आधी कहानी भी नहीं सुनी है।' एम ने अपने पाइप से एक लंबा कश लिया और अपने सिर के ऊपर धीरे-धीरे घूम रहे पंखे की तरफ धुएं का एक बादल उड़ाया। बॉन्ड ने धुएं को पंखे के ब्लेड में फंसकर गायब होते देखा। 'उसने केरीम को बताया कि तुम्हारे लिए उसका यह जुनून धीरे-धीरे एक डर में बदल गया। उसे रूसी पुरुषों को देखना भी नापसंद हो गया। समय के साथ यह नफरत शासन के प्रति और खासकर उनके लिए और एक तरह से तुम्हारे खिलाफ किए जा रहे काम के प्रति नफरत में बदल गई। इसलिए उसने विदेश तबादले के लिए आवेदन किया, और चूंकि उसकी भाषाएँ बहुत अच्छी थीं - अंग्रेजी और फ्रेंच - इसलिए उसे सिफर विभाग में शामिल होने पर इस्तांबुल का प्रस्ताव दिया गया, जिसका मतलब था वेतन में कटौती।' संक्षेप में कहें तो, छह महीने की ट्रेनिंग के बाद, वह लगभग तीन हफ्ते पहले इस्तांबुल पहुँची। फिर उसने छानबीन की और जल्द ही हमारे आदमी, करीम का नाम पता कर लिया। वह वहाँ इतने लंबे समय से है कि अब तुर्की में हर कोई जानता है कि वह क्या करता है। उसे कोई आपत्ति नहीं है, और इससे लोगों का ध्यान उन खास आदमियों से हट जाता है जिन्हें हम समय-समय पर भेजते हैं।

अध्याय तेरह
` बी.ई.ए. आपको वहां ले जाता है…’
चौकोर सिरे वाले चार छोटे प्रोपेलर धीरे-धीरे एक-एक करके घूमने लगे और चार सरसराहट करते हुए पानी के कुंड बन गए।
टर्बो-जेट्स की धीमी गूंज एक तीखी, मधुर सरसराहट में बदल गई। शोर की गुणवत्ता और कंपन की पूर्ण अनुपस्थिति, बॉन्ड द्वारा अब तक उड़ाए गए सभी विमानों की लड़खड़ाती गर्जना और ज़ोरदार हॉर्सपावर से बिल्कुल अलग थी। जैसे ही विस्काउंट लंदन हवाई अड्डे के जगमगाते पूर्व-पश्चिम रनवे पर आसानी से मुड़ा, बॉन्ड को ऐसा लगा मानो वह किसी महंगे यांत्रिक खिलौने में बैठा हो।
मुख्य पायलट ने चारों टर्बो-जेट इंजनों को चीखती हुई रफ्तार में भर दिया, जिससे कुछ पल का विराम छा गया, और फिर अचानक ब्रेक छूटने के साथ ही 10.30 बी.ई.ए.
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
रोम, एथेंस और इस्तांबुल जाने वाली फ्लाइट 130 ने रफ्तार पकड़ी और तेजी से रनवे पर दौड़ते हुए ऊपर की ओर एक त्वरित और सहज चढ़ाई शुरू कर दी।
दस मिनट में वे 20,000 फीट की ऊंचाई पर पहुँच गए और इंग्लैंड से भूमध्यसागरीय यातायात के लिए बने चौड़े हवाई मार्ग से दक्षिण की ओर बढ़ रहे थे। जेट विमानों की तेज़ आवाज़ धीमी, सुस्त सीटी में बदल गई। बॉन्ड ने अपनी सीट बेल्ट खोली और सिगरेट जलाई। उसने अपने बगल में ज़मीन पर पड़े पतले, महंगे दिखने वाले अटैची केस की ओर हाथ बढ़ाया और एरिक एम्बलर की किताब 'द मास्क ऑफ दिमित्रियोस' निकाली और उस अटैची को, जो अपने आकार के बावजूद काफी भारी थी, अपने बगल वाली सीट पर रख दिया। उसने सोचा कि अगर लंदन हवाई अड्डे पर टिकट क्लर्क ने इसे 'ओवरनाइट बैग' समझकर बिना जांचे जाने देने के बजाय तौला होता, तो वह कितनी हैरान होती। और अगर सीमा शुल्क अधिकारियों को इसके वजन से जिज्ञासा होती, तो जब इसे निरीक्षण के लिए ले जाया जाता, तो वे कितने उत्सुक होते।
क्यू ब्रांच ने इस आकर्षक दिखने वाले थैले को बड़े करीने से बनाया था, जिसमें स्वेन और एडेनी की सावधानीपूर्वक कारीगरी को तोड़कर चमड़े और रीढ़ की हड्डी की अस्तर के बीच दो सपाट पंक्तियों में.25 कैलिबर की पचास गोलियां भरी गई थीं। दोनों तरफ एक-एक सपाट फेंकने वाला चाकू था, जिसे तलवार बनाने वाले विल्किंसन ने बनाया था, और उनके हैंडल के ऊपरी हिस्से को कोनों पर सिलाई से चतुराई से छिपाया गया था। बॉन्ड के इसे हंसी में उड़ाने के प्रयासों के बावजूद, क्यू के कारीगरों ने थैले के हैंडल में एक गुप्त डिब्बा बनाने पर जोर दिया था, जो एक निश्चित बिंदु पर दबाव डालने पर साइनाइड की गोली उसकी हथेली में पहुंचा देता था। (जैसे ही बॉन्ड को थैला मिला, उसने उस गोली को शौचालय में बहा दिया।) इससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि इस साधारण से दिखने वाले स्पंज-बैग में पाल्मोलिव शेविंग क्रीम की मोटी ट्यूब थी। इसका पूरा ऊपरी हिस्सा खुल जाता था, जिससे बेरेटा का साइलेंसर दिखाई देता था, जो रुई में लिपटा हुआ था। यदि नकदी की आवश्यकता होती, तो अटैची के ढक्कन में पचास सोने के सिक्के रखे होते थे। इन्हें ढक्कन पर बनी एक उभरी हुई पट्टी को खिसकाकर निकाला जा सकता था।
जटिल उपकरणों से लदे उस थैले ने बॉन्ड का मनोरंजन किया, लेकिन उसे यह भी स्वीकार करना पड़ा कि आठ पाउंड वजन होने के बावजूद, यह थैला उसके काम के

औजारों को ले जाने का एक सुविधाजनक तरीका था, जिन्हें अन्यथा उसे अपने शरीर में छिपाकर रखना पड़ता।
विमान में केवल बारह ही अन्य यात्री थे। बॉन्ड यह सोचकर मुस्कुराया कि अगर लियोलिया पोंसनबी को पता चलता कि कुल यात्रियों की संख्या तेरह हो गई है, तो उसे कितना आश्चर्य होता। एक दिन पहले, जब वह एम से विदा होकर अपनी उड़ान की व्यवस्था करने के लिए अपने कार्यालय लौटा था, तो उसकी सचिव ने तेरह तारीख, शुक्रवार को उसकी यात्रा के विचार का कड़ा विरोध किया था।
“लेकिन तेरह तारीख को यात्रा करना हमेशा सबसे अच्छा होता है,” बॉन्ड ने धैर्यपूर्वक समझाया। “उस दिन लगभग कोई यात्री नहीं होते, यात्रा अधिक आरामदायक होती है और आपको बेहतर सेवा मिलती है। जब भी संभव होता है, मैं हमेशा तेरह तारीख को ही चुनता हूँ।”
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
“खैर,” उसने हताशा से कहा, “यह तो तुम्हारी ही मर्ज़ी है। लेकिन मैं पूरा दिन तुम्हारे बारे में चिंता करती रहूंगी। और भगवान के लिए, आज दोपहर सीढ़ियों के नीचे या ऐसी किसी भी बेवकूफी भरी हरकत में मत जाना। तुम्हें अपनी किस्मत को इस तरह आज़माना नहीं चाहिए। मुझे नहीं पता कि तुम तुर्की क्यों जा रहे हो, और मैं जानना भी नहीं चाहती। लेकिन मुझे अंदर से कुछ महसूस हो रहा है।”
आह, वो खूबसूरत हड्डियाँ!’ बॉन्ड ने उसे चिढ़ाते हुए कहा था। ‘वापस आते ही मैं उन्हें रात के खाने पर ले जाऊँगा।’
'तुम ऐसा कुछ नहीं करोगे,' उसने ठंडे लहजे में कहा था। बाद में उसने अचानक गर्मजोशी से उसे अलविदा कहते हुए चूमा, और बॉन्ड ने सौवीं बार सोचा कि जब उसकी सबसे प्यारी सेक्रेटरी है तो वह दूसरी महिलाओं के चक्कर में क्यों पड़ता है।
विमान लगातार ऊपर उड़ता रहा, ऊपर आसमान में मलाईदार बादलों का एक विशाल सागर छाया हुआ था, जो इतने ठोस लग रहे थे कि इंजन फेल होने पर भी उन पर उतरा जा सकता था। बादल छंट गए और बाईं ओर दूर नीले धुंध में पेरिस दिखाई दिया। एक घंटे तक वे फ्रांस के जले हुए खेतों के ऊपर से उड़ते रहे, फिर डिजॉन के बाद, ज़मीन का रंग हल्के हरे से गहरे हरे रंग में बदल गया और वह जुरा पर्वतमाला की ओर ढलान पर चढ़ गई।
दोपहर का भोजन आ गया। बॉन्ड ने अपनी किताब और उन विचारों को एक तरफ रख दिया जो उसे पढ़ने से रोक रहे थे, और खाते हुए उसने जिनेवा झील के शांत पानी को निहारा। जैसे ही चीड़ के जंगल आल्प्स की सुंदर, चिकनी चोटियों के बीच बर्फ के टुकड़ों की ओर बढ़ने लगे, उसे अपने बचपन की स्कीइंग की छुट्टियाँ याद आ गईं। विमान कुछ सौ गज बाईं ओर स्थित मोंट ब्लैंक की विशाल चोटी के पास से गुजरा, और बॉन्ड ने ग्लेशियरों की खुरदरी, धूसर, चिकनी सतह को देखा और खुद को फिर से देखा - एक किशोर युवक, जिसकी कमर में रस्सी का सिरा बंधा था, और वह एगुइल्स रूज पर्वतमाला की एक चट्टानी चिमनी के ऊपर सहारा लिए खड़ा था, जबकि जिनेवा विश्वविद्यालय के उसके दो साथी धीरे-धीरे चिकनी चट्टान पर उसकी ओर बढ़ रहे थे।
और अब? बॉन्ड ने पारदर्शी शीशे में अपनी परछाई को देखकर व्यंग्यात्मक मुस्कान बिखेरी, जैसे ही विमान पहाड़ों से निकलकर लोम्बार्डी के हरे-भरे मैदानों के ऊपर से गुजरा। अगर वही युवा जेम्स बॉन्ड सड़क पर उससे मिलता और बात करता, तो क्या वह उस सत्रह वर्षीय साफ-सुथरे, उत्साही युवक को पहचान

ABC Amber LIT http://www.processtext.com/abclit.html

की गई हो, कोई भी यह नहीं बता पाया कि रूसियों को इससे क्या फायदा हो सकता है। वे बॉन्ड का अपहरण करके उससे पूछताछ करना चाहते होंगे। लेकिन बॉन्ड ही क्यों? वह एक ऑपरेशनल एजेंट था, सेवा के सामान्य कामकाज से उसका कोई लेना- देना नहीं था, उसके दिमाग में रूसियों के लिए उपयोगी कुछ भी नहीं था सिवाय उसकी वर्तमान ड्यूटी के विवरण और कुछ पृष्ठभूमि जानकारी के जो किसी भी तरह से महत्वपूर्ण नहीं हो सकती थी। या वे बदला लेने के लिए बॉन्ड को मारना चाहते होंगे। फिर भी दो साल से उसका उनसे सामना नहीं हुआ था। अगर वे उसे मारना चाहते, तो उन्हें बस लंदन की सड़कों पर, या उसके फ्लैट में उसे गोली मारनी थी, या उसकी कार में बम रखना था।
बॉन्ड के विचारों में एयर होस्टेस की आवाज़ से खलल पड़ा। 'कृपया अपनी सीट बेल्ट बांध लें।' उसके बोलते ही विमान तेज़ी से नीचे गिरा और जेट इंजनों की कर्कश आवाज़ के साथ फिर से ऊपर उठा। बाहर का आसमान अचानक काला हो गया। खिड़कियों पर ज़ोरदार बारिश हो रही थी। नीली और सफेद रोशनी की एक चकाचौंध भरी चमक आई और ऐसा लगा जैसे किसी विमानरोधी गोले ने उन पर हमला किया हो, और विमान एड्रियाटिक सागर के मुहाने से निकले बिजली के तूफान के बीच बुरी तरह हिलने-डुलने लगा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बॉन्ड को खतरे की आहट महसूस हुई। यह सचमुच की आहट थी, कुछ-कुछ वैसी ही जैसे किसी मनोरंजन पार्क में पसीने और बिजली की मिली-जुली गंध होती है। एक बार फिर बिजली खिड़कियों पर गिरी। धमाका! ऐसा लगा जैसे वे गरज के केंद्र में हों। अचानक विमान बेहद छोटा और कमज़ोर सा लगने लगा। तेरह यात्री! शुक्रवार, तेरह तारीख! बॉन्ड को लोएलिया पोंसनबी के शब्द याद आए और कुर्सी की भुजाओं पर रखे उसके हाथ गीले हो गए। उसने सोचा, यह विमान कितना पुराना है? इसने कितने घंटे उड़ान भरी है? क्या धातु की थकान नाम के कीड़े ने इसके पंखों में प्रवेश कर लिया है? इसने इसकी कितनी ताकत खा ली है?
शायद वह इस्तांबुल पहुँच ही न पाए। शायद कोरिंथ की खाड़ी में एक भयानक दुर्घटना ही उसका भाग्य हो, जिसके बारे में वह एक घंटे पहले दार्शनिक ढंग से सोच रहा था।
बॉन्ड के कमरे के बीचोंबीच एक तूफ़ान-रोधी कमरा था, जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के पुराने ज़माने के घरों में पाए जाने वाले किलेनुमा ढाँचे जैसा था। ये कमरे घर के मध्य में, भूतल के बीचोंबीच बने छोटे, मज़बूत कक्ष होते हैं, और कभी-कभी तो नींव तक खोदे जाते हैं। तूफ़ान से घर के तबाह होने का खतरा होने पर मालिक और उसका परिवार इस कक्ष में शरण लेते हैं और खतरा टलने तक वहीं रहते हैं। बॉन्ड अपने तूफ़ान-रोधी कमरे में तभी जाता था जब स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर हो जाती थी और कोई दूसरा उपाय संभव नहीं होता था। अब वह इस किलेनुमा ढाँचे में लौट आया, शोर और तेज़ हलचल के नरक से अपना ध्यान हटा लिया और अपने सामने वाली सीट की पीठ पर हो रही एक झनझनाहट पर ध्यान केंद्रित किया, और बी.ई.ए. फ्लाइट नंबर 130 के लिए भाग्य ने जो भी फैसला किया था, उसका बेसब्री से इंतज़ार करने लगा।
देखते ही देखते केबिन में उजाला हो गया। पारदर्शी खिड़की पर बारिश की बूँदें थम गईं और जेट विमानों का शोर शांत होकर अपनी मधुर सीटी की आवाज़ में बदल गया। बॉन्ड ने अपने तूफ़ान-रोधी कमरे का दरवाज़ा खोला और बाहर कदम रखा। उसने धीरे से अपना सिर घुमाया और उत्सुकता से खिड़की से बाहर देखा,

समझने के लिए प्रशिक्षित थीं। ये आँखें बिना किसी आशय के चाकू लिए हाथ पर नज़र रखती थीं, आटे के दानों और सिक्कों के छोटे-छोटे अंशों को गिनती थीं और व्यापारी की उंगलियों की हल्की सी हरकत को भी भांप लेती थीं। ये कठोर, अविश्वासी और ईर्ष्यालु आँखें थीं। बॉन्ड को ये आँखें पसंद नहीं आईं। कस्टम के बाहर, झुकी हुई काली मूंछों वाला एक लंबा-चौड़ा आदमी अंधेरे से बाहर निकला। उसने एक शानदार डस्ट-कोट और ड्राइवर की टोपी पहन रखी थी। उसने सलाम किया और बॉन्ड से उसका नाम पूछे बिना, उसका सूटकेस लिया और उसे एक चमचमाती आलीशान कार की ओर ले गया - एक पुरानी काली रोल्स रॉयस कूपे-डी- विले, जिसे देखकर बॉन्ड को लगा कि यह 1920 के दशक के किसी करोड़पति के लिए बनी होगी।
जब कार हवाई अड्डे से निकल रही थी, तो उस व्यक्ति ने मुड़कर, बेहतरीन अंग्रेज़ी में, विनम्रतापूर्वक कंधे के ऊपर से कहा, "करीम बे ने सोचा कि आप आज रात आराम करना पसंद करेंगे, महोदय। मैं कल सुबह नौ बजे आपसे मिलने आऊंगा। आप किस होटल में ठहरे हैं, महोदय?"
'द क्रिस्टल पैलेस।'
'बहुत बढ़िया, महोदय।' कार चौड़ी आधुनिक सड़क पर धीरे से आगे बढ़ गई।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उनके पीछे, हवाई अड्डे की पार्किंग की हल्की छाया में, बॉन्ड को धुंधली सी एक मोटर स्कूटर के स्टार्ट होने की आवाज सुनाई दी। यह आवाज उसके लिए कुछ मायने नहीं रखती थी और वह आराम से बैठकर ड्राइव का आनंद लेने लगा।

अध्याय चौदह
डार्को केरीम
जेम्स बॉन्ड पेरा की पहाड़ियों पर स्थित क्रिस्टल पैलेस में अपने अंधेरे कमरे में सुबह जल्दी जागा और अनजाने में अपना हाथ नीचे करके अपनी दाहिनी जांघ के बाहरी हिस्से पर हो रही तेज गुदगुदी को महसूस करने लगा।
रात में किसी चीज ने उसे काट लिया था। चिड़चिड़ाकर उसने उस जगह को खुजलाया। शायद उसे इसकी उम्मीद थी।
पिछली रात जब वह पहुंचा, तो पतलून और बिना कॉलर वाली कमीज पहने एक चिड़चिड़े चौकीदार ने उसका स्वागत किया। उसने तांबे के गमलों में लगे मक्खियों से सने ताड़ के पौधों और फीकी पड़ चुकी मूरिश टाइलों से सजे प्रवेश कक्ष का सरसरी तौर पर निरीक्षण किया था और उसे पता चल गया था कि उसके साथ क्या होने वाला है। उसने किसी दूसरे होटल में जाने का सोचा था। आलस्य और पुराने जमाने के कॉन्टिनेंटल होटलों से जुड़े घटिया रोमांस के प्रति एक अजीब से लगाव ने उसे वहीं रुकने का फैसला करने पर मजबूर कर दिया। उसने अपना खाता खोला और उस आदमी के पीछे-पीछे पुरानी रस्सी और गुरुत्वाकर्षण वाली लिफ्ट से तीसरी मंजिल तक चला गया।
उसका कमरा, जिसमें पुराने फर्नीचर के कुछ टुकड़े और एक लोहे का पलंग था, वैसा ही था जैसा उसने सोचा था। उसने चौकीदार को विदा करने से पहले बस यह देखा कि पलंग के पीछे की दीवार पर कुचले हुए कीड़ों के खून के धब्बे तो नहीं हैं।
उसने जल्दबाजी कर दी थी। जब वह बाथरूम में गया और गर्म पानी का नल खोला, तो नल से एक गहरी आह निकली, फिर एक निराशाजनक खांसी आई, और अंत में एक छोटा सा कनखजूरा बेसिन में गिर गया। बॉन्ड ने उदास मन से ठंडे नल से बहते भूरे पानी की पतली धार से कनखजूरे को धो डाला। उसने व्यंग्यपूर्वक सोचा, होटल का नाम उसे मजेदार लगा था और वह बड़े होटलों की आरामदायक जिंदगी से दूर जाना चाहता था, इसलिए उसने होटल चुना था, और यही सब उसकी फिजूलखर्ची थी।
लेकिन वह अच्छी तरह सोया था, और अब, इस आशंका के साथ कि उसे कुछ कीटनाशक खरीदना होगा, उसने अपने आराम को भूलकर दिन के काम में जुट जाने का फैसला किया।
बॉन्ड बिस्तर से उठा, भारी लाल मखमली पर्दों को पीछे खींचा और लोहे की रेलिंग पर झुक गया। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
दुनिया के सबसे प्रसिद्ध नज़ारों में से एक पर नज़र गड़ाए हुए थी – दाईं ओर गोल्डन हॉर्न का शांत जल, बाईं ओर खुले बोस्फोरस की लहरें, और इनके बीच पेरा की ढहती छतें, ऊँची मीनारें और झुकी हुई मस्जिदें। आखिरकार, उसका चुनाव अच्छा ही था। इस नज़ारे ने खटमलों और असुविधा की भरपाई कर दी। बॉन्ड दस मिनट तक खड़े होकर यूरोप और एशिया के बीच स्थित चमचमाती जलधारा को निहारते रहे, फिर धूप से जगमगाते कमरे में लौट आए और नाश्ते के लिए फोन किया। उनकी अंग्रेज़ी समझ में नहीं आई, लेकिन उनकी फ्रेंच आखिरकार समझ में आ गई। उन्होंने ठंडे पानी से नहाने का टब भरा और धैर्यपूर्वक ठंडे पानी से शेव की और उम्मीद की कि उन्होंने जो अनोखा नाश्ता मंगवाया है, वह खराब न निकले।
उन्हें निराशा नहीं हुई। नीले चीनी मिट्टी के कटोरे में रखा दही गहरे पीले रंग का था और गाढ़ी मलाई जैसा था। पहले से छिले हुए हरे अंजीर पूरी तरह पके हुए थे, और तुर्की कॉफी एकदम काली थी और उसमें जले हुए स्वाद से पता चलता

किए, दरवाजा खोलकर बॉन्ड को अंदर आने दिया और उसके पीछे धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।
'आह, मेरे दोस्त। अंदर आओ। अंदर आओ।' एक बहुत लंबा-चौड़ा आदमी, जिसने क्रीम रंग का खूबसूरत सूट पहना हुआ था, महोगनी की मेज से उठा और हाथ बढ़ाते हुए उससे मिलने आया।
ऊँची और दोस्ताना आवाज़ में छिपी थोड़ी सी अधिकारिकता ने बॉन्ड को याद दिलाया कि यह स्टेशन टी का प्रमुख था, और बॉन्ड किसी दूसरे व्यक्ति के क्षेत्र में था और कानूनी तौर पर उसके अधीन था। यह महज़ शिष्टाचार की बात थी, लेकिन याद रखने योग्य बात थी।
डार्को केरीम का हाथ मिलाने का तरीका बेहद गर्मजोशी भरा और सहज था। यह पश्चिमी देशों की मज़बूत और क्रियाशील उंगलियों की पकड़ थी – पूरब के उस बेस्वाद हाथ मिलाने जैसा नहीं, जिसे देखकर मन करता है कि उंगलियाँ कोट के पिछले हिस्से पर पोंछ लें। और उस विशाल हाथ में ऐसी शक्ति थी मानो वह आपके हाथ को इतना कसकर दबा सकता था कि अंत में आपकी हड्डियाँ टूट जाएँ।
बॉन्ड छह फीट लंबा था, लेकिन यह आदमी उससे कम से कम दो इंच लंबा था और देखने में बॉन्ड से दुगना चौड़ा और दुगना मोटा लग रहा था। बॉन्ड ने ऊपर देखा तो उसे टूटी हुई नाक वाले एक बड़े, चिकने भूरे चेहरे पर दो दूर-दूर स्थित मुस्कुराती हुई नीली आँखें दिखाई दीं। आँखें नम थीं और उनमें लाल नसें उभरी हुई थीं, जैसे किसी ऐसे शिकारी कुत्ते की आँखें जो अक्सर आग के बहुत पास बैठा रहता हो। बॉन्ड ने उन्हें उग्र व्यभिचार की आँखें समझ लिया। चेहरे पर दिख रहा था मानो किसी बंजारे का नाम हो, उसकी प्रचंड गर्व भरी अदा, घने घुंघराले काले बाल और टेढ़ी नाक। दाहिने कान में पहनी पतली सी सोने की अंगूठी ने उस घुमक्कड़ भाड़े के सैनिक की छवि को और भी पुख्ता कर दिया था। चेहरा बेहद नाटकीय था, जीवंत, क्रूर और भ्रष्ट, लेकिन उसकी नाटकीयता से कहीं ज़्यादा ध्यान खींचने वाली बात थी उसमें जीवन की चमक। बॉन्ड ने सोचा कि उसने किसी इंसान के चेहरे में इतनी जीवंतता और गर्माहट पहले कभी नहीं देखी थी। मानो वह सूरज के करीब हो। बॉन्ड ने अपना सूखा हाथ छोड़ दिया और केरीम को देखकर मुस्कुराया, उसके चेहरे पर वैसी ही मित्रता थी जैसी वह किसी अजनबी के लिए शायद ही कभी महसूस करता था।
'कल रात मुझे लेने के लिए कार भेजने के लिए धन्यवाद।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
‘हा!’ करीम प्रसन्न हुआ। ‘आपको हमारे दोस्तों का भी शुक्रिया अदा करना चाहिए। दोनों तरफ से आपका स्वागत हुआ। जब भी मेरी कार एयरपोर्ट जाती है, वे हमेशा उसका पीछा करते हैं।’
क्या यह वेस्पा थी या लैम्बरेटा?
आपने ध्यान दिया? एक लैम्बरेटा। उनके पास तो ऐसे ही छोटे-मोटे गुंडों का पूरा बेड़ा है, जिन्हें मैं "चेहरेविहीन" कहता हूँ। ये सब इतने एक जैसे दिखते हैं कि हम कभी इन्हें पहचान नहीं पाए। छोटे-मोटे गुंडे, ज्यादातर बदबूदार बल्गेरियाई, जो उनके लिए गंदे काम करते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह वाला काफी पीछे रहा होगा। उस दिन के बाद से ये रोल्स रॉयस के पास नहीं आते, जब मेरे ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाया और फिर पूरी ताकत से रिवर्स किया। पेंट खराब हो गया और चेसिस के निचले हिस्से पर खून लग गया, लेकिन इससे बाकी सबको सबक मिल गया।

खरीदी जा सकती हैं। खैर। और क्या? सिगरेट? सिर्फ यही पियो। मैं तुम्हारे होटल में कुछ सौ सिगरेट भिजवा दूंगा। ये सबसे अच्छी होती हैं। राजनयिकों की सिगरेट। ये आसानी से नहीं मिलतीं। इनमें से ज्यादातर मंत्रालयों और दूतावासों में जाती हैं। काम शुरू करने से पहले और कुछ? अपने खाने-पीने और आराम की चिंता मत करो। मैं दोनों का ख्याल रखूंगा। मुझे इसका आनंद आएगा और अगर तुम मुझे माफ करोगे, तो मैं तुम्हारे यहां रहने के दौरान तुम्हारे करीब रहना चाहता हूं।’
बॉन्ड ने कहा, 'और कुछ नहीं। सिवाय इसके कि आपको एक दिन लंदन आना होगा।' 'बिल्कुल नहीं,' केरीम ने दृढ़ता से कहा। 'मौसम और औरतें दोनों ही हद से ज़्यादा ठंडी हैं। और मुझे आपको यहाँ पाकर गर्व है। यह मुझे युद्ध की याद दिलाता है। अब,' उसने अपनी मेज पर रखी घंटी बजाई। 'आपको अपनी कॉफ़ी सादी पसंद है या मीठी? तुर्की में हम कॉफ़ी या राकी के बिना गंभीरता से बात नहीं कर सकते और अभी राकी पीने का समय नहीं हुआ है।'
'साधारण।'
बॉन्ड के पीछे का दरवाजा खुला। करीम ने आदेश दिया। दरवाजा बंद होते ही करीम ने एक दराज खोली और उसमें से एक फाइल निकालकर अपने सामने रख ली। उसने उस पर ज़ोर से हाथ पटका।
उन्होंने गंभीर स्वर में कहा, 'मेरे मित्र, मुझे इस मामले के बारे में कुछ भी कहना नहीं आता।'
वह कुर्सी पर पीछे झुक गया और अपने हाथों को गर्दन के पीछे जोड़ लिया। 'क्या कभी आपके मन में यह ख्याल आया है कि हमारा काम किसी फिल्म की शूटिंग जैसा है? अक्सर ऐसा होता है कि सभी लोग लोकेशन पर होते हैं और मुझे लगता है कि मैं काम शुरू कर सकता हूँ। फिर मौसम की बात आती है, फिर कलाकारों की, और फिर दुर्घटनाएँ। और फिल्म बनाने में एक और बात भी होती है। प्यार किसी न किसी रूप में पनप ही जाता है, सबसे बुरी स्थिति में, जैसा कि अभी है, दोनों सितारों के बीच। मेरे लिए इस मामले में यही सबसे उलझन भरा और सबसे रहस्यमय पहलू है। क्या यह लड़की वाकई आपसे प्यार करती है, जैसा कि उसने आपके बारे में सोचा है? क्या वह आपको देखकर आपसे प्यार करेगी? क्या आप उससे इतना प्यार कर पाएंगे कि वह आपके पास आ जाए?'
बॉन्ड ने कोई टिप्पणी नहीं की। दरवाजे पर दस्तक हुई और मुख्य क्लर्क ने सोने की नक्काशी से सजा हुआ एक चीनी मिट्टी का अंडा-छिलका उन दोनों के सामने रख दिया और बाहर चला गया। बॉन्ड ने अपनी कॉफी की एक घूंट ली और उसे नीचे रख दिया। कॉफी अच्छी थी, लेकिन उसमें दाने ज़्यादा थे। करीम ने अपनी कॉफी एक ही झटके में पी ली और सिगरेट होल्डर में सिगरेट लगाकर जला ली। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
“लेकिन इस प्रेम मामले में हम कुछ नहीं कर सकते,” केरीम ने लगभग खुद से ही कहा। “हम बस इंतजार कर सकते हैं और देख सकते हैं। इस बीच और भी चीजें हैं।” वह डेस्क पर झुक गया और बॉन्ड की ओर देखा, उसकी आँखें अचानक बहुत कठोर और तीक्ष्ण हो गईं।
मेरे दोस्त, दुश्मन के खेमे में कुछ चल रहा है। यह सिर्फ मुझे हटाने की कोशिश नहीं है।
यहां आना-जाना लगा रहता है। मेरे पास कुछ ही तथ्य हैं,’ उन्होंने अपनी बड़ी तर्जनी उंगली ऊपर उठाई और उसे अपनी नाक के पास रखा, ‘लेकिन मेरे पास यह है।’ उन्होंने अपनी नाक के किनारे को ऐसे थपथपाया जैसे किसी कुत्ते को सहला रहे

हों। ‘लेकिन यह मेरा एक अच्छा दोस्त है और मुझे उस पर भरोसा है।’ उन्होंने धीरे से और महत्वपूर्ण ढंग से अपना हाथ मेज पर नीचे किया और धीरे से कहा, ‘और अगर दांव इतना बड़ा न होता, तो मैं तुमसे कहता, “घर जाओ मेरे दोस्त। घर जाओ। यहां कुछ ऐसा है जिससे दूर भागना जरूरी है।”’
केरीम पीछे हट गया। उसकी आवाज़ से तनाव गायब हो गया। वह ज़ोर से हँसा। 'लेकिन हम बूढ़ी औरतें नहीं हैं। और यह हमारा काम है। तो चलिए मेरी नाक को भूलकर काम पर लग जाते हैं। सबसे पहले, क्या मैं आपको कुछ ऐसा बता सकता हूँ जो आप नहीं जानते? मेरे संकेत के बाद से लड़की ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और मेरे पास कोई अन्य जानकारी नहीं है। लेकिन शायद आप मुझसे मुलाकात के बारे में कुछ सवाल पूछना चाहें।'
बॉन्ड ने सपाट लहजे में कहा, 'मुझे बस एक ही बात जाननी है।' 'इस लड़की के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या तुम उसकी कहानी पर यकीन करते हो या नहीं? मेरे बारे में उसकी कहानी पर? बाकी कुछ मायने नहीं रखता। अगर उसे मुझ पर किसी तरह का पागलपन भरा प्यार नहीं है, तो सारा मामला धराशायी हो जाता है और यह कोई जटिल एमजीबी साजिश है जिसे हम समझ नहीं सकते। अभी। क्या तुमने उस लड़की पर यकीन किया?' बॉन्ड की आवाज़ में बेचैनी थी और उसकी निगाहें दूसरे आदमी के चेहरे पर टिकी हुई थीं।
आह, मेरे दोस्त,’ करीम ने अपना सिर हिलाया। उसने अपनी बाहें फैला दीं। ‘यही सवाल मैंने तब खुद से पूछा था, और तब से लेकर अब तक मैं यही सवाल खुद से पूछता आ रहा हूँ। लेकिन कौन बता सकता है कि कोई औरत इन बातों में झूठ बोल रही है या नहीं? उसकी आँखें चमक रही थीं—वे खूबसूरत मासूम आँखें। उसके होंठ नम थे और उस दिव्य मुख में खुले हुए थे।’
उसकी आवाज़ में घबराहट और डर साफ झलक रहा था, मानो वह जो कर रही थी और कह रही थी, उसे लेकर वह बेचैन थी। जहाज़ की रेलिंग पर उसके हाथ के जोड़ सफ़ेद पड़ गए थे। लेकिन उसके दिल में क्या था?’ करीम ने अपने हाथ ऊपर उठाए, ‘यह तो सिर्फ़ भगवान ही जानते हैं।’ उसने निराशा से अपने हाथ नीचे कर लिए। उसने उन्हें मेज पर सीधा रखा और बॉन्ड की ओर देखा। ‘यह जानने का सिर्फ़ एक ही तरीका है कि कोई औरत आपसे सच में प्यार करती है या नहीं, और वह तरीका भी सिर्फ़ एक माहिर ही समझ सकता है।’
“हां,” बॉन्ड ने संदेह भरे लहजे में कहा। “मैं समझ गया तुम्हारा मतलब क्या है। बिस्तर में।”

अध्याय पंद्रह
एक जासूस की पृष्ठभूमि
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
फिर कॉफी आई, और फिर और कॉफी, और बड़ा कमरा सिगरेट के धुएं से भर गया क्योंकि दोनों आदमी सबूत के हर टुकड़े को बारीकी से जांचते और अलग रखते गए। एक घंटे के अंत में वे वहीं लौट आए जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। अब बॉन्ड को इस लड़की की समस्या सुलझानी थी और अगर वह उसकी कहानी से संतुष्ट होता, तो उसे और मशीन को देश से बाहर निकालना था।
केरीम ने प्रशासनिक समस्याओं को संभालने का जिम्मा लिया। पहले कदम के तौर पर उन्होंने फोन उठाया और अपने ट्रैवल एजेंट से बात की और अगले सप्ताह के लिए बी.ई.ए., एयर फ्रांस, एस.ए.एस. और तुर्कएयर की सभी उड़ानों में दो-दो सीटें आरक्षित करवा लीं।
और अब आपके पास पासपोर्ट होना चाहिए,’ उन्होंने कहा। एक ही काफी होगा। वह आपकी पत्नी बनकर यात्रा कर सकती है। मेरा एक आदमी आपकी तस्वीर लेगा और वह किसी ऐसी लड़की की तस्वीर ढूंढेगा जो उससे मिलती-जुलती हो। दरअसल, गार्बो की कोई पुरानी तस्वीर भी काम आ जाएगी। उनमें कुछ समानता है। वह अखबारों के रिकॉर्ड से एक तस्वीर निकाल सकता है। मैं महावाणिज्यदूत से बात करूंगा। वह एक बेहतरीन आदमी है जिसे मेरी छोटी-मोटी गुप्त योजनाएँ पसंद आती हैं। पासपोर्ट आज शाम तक तैयार हो जाएगा। आप क्या नाम रखना चाहेंगे?’
'एक पर्ची निकालो।'
समरसेट। मेरी माँ वहीं से थीं। डेविड समरसेट। पेशा, कंपनी निदेशक। इसका कोई मतलब नहीं। और वो लड़की? मान लीजिए कैरोलीन। वो कैरोलीन जैसी दिखती है। दो चुस्त-दुरुस्त नौजवान अंग्रेज, जिन्हें घूमने-फिरने का शौक है। वित्तीय नियंत्रण प्रपत्र? उसे मुझ पर छोड़ दीजिए। मान लीजिए उसमें अस्सी पाउंड के ट्रैवलर्स चेक और बैंक की रसीद होगी, जिससे पता चलेगा कि आपने तुर्की में पचास पाउंड बदले थे। सीमा शुल्क? वे कभी कुछ नहीं देखते। अगर किसी ने देश में कुछ खरीदा हो तो उन्हें बहुत खुशी होती है। आप कुछ टर्किश डिलाइट घोषित कर दीजिएगा - लंदन में अपने दोस्तों के लिए उपहार। अगर आपको जल्दी निकलना पड़े, तो अपना होटल बिल और सामान मुझ पर छोड़ दीजिएगा। पैलेस में वे मुझे अच्छी तरह जानते हैं।
और कुछ?'
मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है।
केरीम ने अपनी घड़ी देखी। 'बारह बज गए। गाड़ी आपको वापस आपके होटल ले जाने के लिए बस थोड़ा ही समय बचा है। कोई संदेश हो सकता है। और अपने सामान को अच्छी तरह से देख लें कि कहीं कोई ताक-झांक तो नहीं कर रहा है।'
उसने घंटी बजाई और मुख्य क्लर्क को निर्देश दिए, जो केरीम पर अपनी पैनी निगाहें गड़ाए खड़ा था और उसका दुबला सिर एक कोड़े जैसे कुत्ते की तरह आगे की ओर झुका हुआ था।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
केरीम बॉन्ड को दरवाजे तक ले गया। फिर से वही गर्मजोशी भरा और मजबूत हाथ थामने का आभास हुआ। 'गाड़ी आपको दोपहर के भोजन के लिए ले जाएगी,' उसने कहा। 'मसाला बाजार में एक छोटी सी जगह पर।' उसकी आँखें खुशी से बॉन्ड की आँखों में देख रही थीं। 'और मुझे आपके साथ काम करके खुशी हो रही है। हम साथ मिलकर

क्यों नहीं? बॉन्ड फिर से कमरे में घूमा। इस बार उसने दीवारों और बिस्तर व टेलीफोन के आसपास के इलाके का ध्यान से निरीक्षण किया। कमरा क्यों न ले लिया जाए? यहाँ माइक्रोफोन या गुप्त दरवाजे क्यों होंगे? इनका क्या मतलब होगा?
उसका सूटकेस दराजों वाली अलमारी के पास एक बेंच पर रखा था। वह घुटनों के बल बैठ गया। ताले के आसपास कोई खरोंच नहीं थी।
बैग के कुंडी में फंसा हुआ थोड़ा सा रुआं अभी भी वहीं था। उसने सूटकेस खोला और उसमें से छोटा सा लॉकेट निकाला। फिर से उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ का कोई निशान नहीं था। बॉन्ड ने लॉकेट बंद किया और खड़ा हो गया।
उसने हाथ-मुँह धोया और कमरे से बाहर निकलकर सीढ़ियों से नीचे चला गया। नहीं, एफ़ेंडी के लिए कोई संदेश नहीं आया था। चौकीदार ने रोल्स रॉयस का दरवाज़ा खोलते हुए झुककर अभिवादन किया। क्या उन आँखों में मंडराते स्थायी अपराधबोध के पीछे किसी साजिश का संकेत था? बॉन्ड ने तय किया कि अगर ऐसा था भी तो उसे परवाह नहीं करनी चाहिए। खेल, चाहे जो भी हो, उसे पूरा होना ही था। अगर कमरों का बदलना ही शुरुआती चाल थी, तो और भी अच्छा। खेल की शुरुआत कहीं न कहीं से तो होनी ही थी।
जैसे ही कार पहाड़ी से नीचे की ओर तेज़ी से बढ़ने लगी, बॉन्ड के विचार डार्को केरीम की ओर मुड़ गए। स्टेशन टी के प्रमुख के लिए क्या उपयुक्त व्यक्ति है! इस देश में, जहाँ सभी लोग छिपकर रहते हैं और छोटे कद के होते हैं, केवल उनका कद ही उन्हें अधिकार प्रदान करता है, और उनकी विशाल ऊर्जा और जीवन के प्रति प्रेम हर किसी को उनका मित्र बना देता है। यह उत्साही और चतुर समुद्री डाकू कहाँ से आया था? और वह सेना में कैसे शामिल हुआ? वह उस दुर्लभ प्रकार का व्यक्ति था जिसे बॉन्ड पसंद करता था, और बॉन्ड पहले से ही केरीम को उन गिने-चुने सच्चे दोस्तों में शामिल करने के लिए तैयार था जिन्हें बॉन्ड, जिसका कोई परिचित नहीं था, अपने दिल में जगह देना चाहता था। कार गलाटा पुल के ऊपर से वापस गुजरी और स्पाइस बाजार के मेहराबदार गलियारों के बाहर आकर रुक गई।
ड्राइवर धीरे-धीरे घिसी-पिटी सीढ़ियों से ऊपर चढ़ता हुआ, अजीबोगरीब खुशबुओं के धुंध में घुस गया, और भिखारियों व बोरियों से लदे कुलियों को कोसता हुआ आगे बढ़ा। प्रवेश द्वार के अंदर पहुँचकर ड्राइवर भीड़-भाड़ से निकलते हुए बाईं ओर मुड़ा और बॉन्ड को मोटी दीवार में बना एक छोटा सा मेहराब दिखाया। बुर्ज जैसी पत्थर की सीढ़ियाँ ऊपर की ओर मुड़ती हुई जा रही थीं।
ऐफ़ेंडी, आपको करीम बे बाईं ओर के आखिरी कमरे में मिलेंगे। आपको बस पूछना है। उन्हें सब जानते हैं।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बॉन्ड ठंडी सीढ़ियाँ चढ़कर एक छोटे से प्रतीक्षालय में पहुँचा, जहाँ एक वेटर ने बिना उसका नाम पूछे ही उसे अपने साथ ले जाकर रंगीन टाइलों से सजे मेहराबदार छोटे-छोटे कमरों के भूलभुलैया से होते हुए उस जगह पहुँचाया जहाँ बाज़ार के प्रवेश द्वार के ऊपर एक कोने की मेज पर केरीम बैठा था। केरीम ने उत्साहपूर्वक उसका अभिवादन किया और बर्फ से भरे दूध के गिलास को लहराया।
'लो मेरे दोस्त! अब जल्दी से थोड़ी राकी लाओ। घूमने-फिरने के बाद तुम थक गए होगे।' उसने वेटर को आदेश देते हुए कहा।

कभी-कभी मैं कोई मासूम सा सवाल पूछ लेता और वे मेरी मूर्खता पर हंसते और मुझे जवाब बता देते।’
दूसरा कोर्स आया, और उसके साथ कावाक्लिडेरे की एक बोतल भी, जो बाल्कन क्षेत्र की अन्य वाइन की तरह ही गाढ़ी और हल्की भूरी बरगंडी रंग की थी। कबाब स्वादिष्ट था और उसमें स्मोक्ड बेकन फैट और प्याज का स्वाद था। करीम ने एक तरह का स्टेक टार्टारे खाया – बारीक पिसे हुए कच्चे मांस का एक बड़ा चपटा हैमबर्गर, जिसमें मिर्च और हरी प्याज मिली हुई थी और अंडे की जर्दी से बांधा गया था। उसने बॉन्ड को भी एक टुकड़ा चखने को दिया। वह बहुत स्वादिष्ट था। बॉन्ड ने भी यही कहा।
'तुम्हें इसे हर दिन खाना चाहिए,' केरीम ने गंभीरता से कहा। 'यह उन लोगों के लिए अच्छा है जो खूब प्रेम करना चाहते हैं।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
इसी उद्देश्य के लिए कुछ खास व्यायाम करने चाहिए। ये बातें पुरुषों के लिए महत्वपूर्ण हैं। या कम से कम मेरे लिए तो हैं। अपने पिता की तरह, मैं भी बहुत सी महिलाओं के साथ संबंध रखता हूँ। लेकिन, उनसे अलग, मैं बहुत ज़्यादा शराब और सिगरेट भी पीता हूँ, और ये चीज़ें प्रेम-संबंध बनाने के लिए अनुकूल नहीं हैं। न ही मेरा काम। बहुत तनाव और बहुत ज़्यादा सोच-विचार। इससे खून प्रेम-संबंध बनाने के लिए ज़रूरी जगह के बजाय दिमाग में चला जाता है। लेकिन मैं जीवन के लिए लालची हूँ। मैं हर चीज़ में हद से ज़्यादा करता हूँ। अचानक एक दिन मेरा दिल काम करना बंद कर देगा। लोहे का केकड़ा मुझे भी वैसे ही पकड़ लेगा जैसे उसने मेरे पिता को पकड़ा था। लेकिन मुझे केकड़े से डर नहीं लगता। कम से कम मैं एक सम्मानजनक बीमारी से मरूँगा। शायद मेरी कब्र पर लिखा होगा, "यह आदमी हद से ज़्यादा जीने के कारण मरा।"
बॉन्ड हँसा। 'डार्को, इतनी जल्दी मत जाओ,' उसने कहा। 'एम बहुत नाराज़ होंगे। वे तुम्हें बहुत मानते हैं।'
‘क्या सच में?’ केरीम ने बॉन्ड के चेहरे को ध्यान से देखा कि क्या वह सच कह रहा है। बॉन्ड खुशी से हँस पड़ा। ‘अगर ऐसा है तो मैं अभी ‘द क्रैब’ को अपना शरीर नहीं लेने दूँगा।’ उसने अपनी घड़ी देखी। ‘चलो, जेम्स,’ उसने कहा। ‘अच्छा हुआ कि तुमने मुझे मेरे कर्तव्य की याद दिला दी। हम दफ्तर में कॉफ़ी पिएंगे। समय बर्बाद करने के लिए ज़्यादा समय नहीं है। हर दिन 2:30 बजे रूसियों की युद्ध परिषद होती है। आज हम दोनों उनकी चर्चाओं में उपस्थित होकर उन्हें सम्मानित करेंगे।’

अध्याय सोलह
चूहों की सुरंग
ठंडे दफ्तर में वापस आकर, जब वे कॉफी का इंतज़ार कर रहे थे, करीम ने दीवार में बनी अलमारी खोली और इंजीनियरों के नीले ओवरऑल निकाले। करीम ने अपने कपड़े उतारकर सिर्फ शॉर्ट्स पहन लिए और एक सूट पहनकर रबर के जूते पहन लिए। बॉन्ड ने भी अपने नाप का एक सूट और जूते चुने और पहन लिए।
कॉफी के साथ, मुख्य क्लर्क दो शक्तिशाली टॉर्च लेकर आया और उन्हें डेस्क पर रख दिया।
जब क्लर्क कमरे से चला गया, तो करीम ने कहा, "यह मेरा बेटा है - सबसे बड़ा। बाकी सब मेरे बच्चे हैं। ड्राइवर और चौकीदार मेरे चाचा हैं। खून का रिश्ता सबसे अच्छी सुरक्षा है। और यह मसालों का कारोबार हम सबके लिए अच्छा सहारा है। एम ने मुझे इसमें लगाया था। उसने लंदन शहर में अपने दोस्तों से बात की थी। मैं अब तुर्की का सबसे बड़ा मसाला व्यापारी हूँ। मैंने एम को बहुत पहले ही पैसे चुका दिए थे।" (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
यह मुझे उधार दिया गया था। मेरे बच्चे व्यवसाय में शेयरधारक हैं। उनका जीवन सुखमय है। जब कोई गुप्त कार्य करना होता है और मुझे मदद की ज़रूरत होती है, तो मैं उस बच्चे को चुनता हूँ जो सबसे उपयुक्त होता है। उन सभी को अलग-अलग गुप्त चीजों का प्रशिक्षण मिला है। वे चतुर और बहादुर हैं। कुछ ने तो मेरे लिए हत्या भी की है। वे सभी मेरे लिए और एम के लिए अपनी जान दे देंगे। मैंने उन्हें सिखाया है कि वह भगवान से थोड़ा ही नीचे है।’ करीम ने तिरस्कारपूर्ण ढंग से हाथ हिलाया। ‘लेकिन यह तो बस आपको यह बताने के लिए है कि आप सुरक्षित हाथों में हैं।’ मैंने इससे अलग कुछ सोचा ही नहीं था।
‘हा!’ केरीम ने बेपरवाही से कहा। उसने मशालें उठाईं और एक बॉन्ड को थमा दी। ‘अब काम पर लग जाओ।’
केरीम चौड़ी कांच की अलमारी के पास गया और अपना हाथ उसके पीछे रखा। एक क्लिक की आवाज़ आई और अलमारी चुपचाप और आसानी से दीवार के साथ बाईं ओर खिसक गई। उसके पीछे दीवार से सटा हुआ एक छोटा सा दरवाज़ा था। केरीम ने दरवाज़े के एक तरफ़ दबाया और वह अंदर की ओर खुल गया, जिससे एक अंधेरी सुरंग दिखाई दी जिसमें पत्थर की सीढ़ियाँ सीधे नीचे जा रही थीं। कमरे में एक सीलन भरी गंध, हल्की सी चिड़ियाघर की बदबू के साथ, फैल गई।
'तुम पहले जाओ,' केरीम ने कहा। 'सीढ़ियों से नीचे जाकर इंतजार करो। मुझे दरवाजा ठीक करना है।'
बॉन्ड ने अपनी टॉर्च जलाई और खुले स्थान से अंदर कदम रखते हुए सावधानी से सीढ़ियों से नीचे उतरा। टॉर्च की रोशनी में नई चिनाई दिखाई दे रही थी, और बीस फीट नीचे पानी की एक हल्की सी झलक दिख रही थी। जब बॉन्ड तल पर पहुँचा तो...
उन्होंने पाया कि वह झिलमिलाहट एक प्राचीन पत्थर की दीवारों वाली सुरंग के फर्श में बनी एक केंद्रीय नाली से बहती हुई एक छोटी सी धारा थी, जो दाईं ओर तेजी से ऊपर की ओर ढलान वाली थी। बाईं ओर, सुरंग नीचे की ओर जाती थी और उनका अनुमान था कि वह गोल्डन हॉर्न की सतह के नीचे जाकर समाप्त होगी। बॉन्ड की रोशनी की सीमा से बाहर, एक धीमी, लगातार सरसराहट की आवाज़ आ रही थी, और अँधेरे में लाल रोशनी के सैकड़ों छोटे-छोटे बिंदु टिमटिमाते और हिलते-डुलते दिखाई दे रहे थे। ऊपर और नीचे, हर जगह यही हाल था। बीस गज दूर, दोनों ओर, हज़ारों चूहे बॉन्ड को देख रहे थे। वे उसकी गंध सूंघ रहे थे।

कुछ मिनटों तक चिकनी, धूसर नदी उस आले के बाहर झागदार ढंग से बहती रही, जब तक कि अंत में उनकी संख्या कम नहीं हो गई और केवल बीमार या घायल चूहों की एक छोटी सी धारा लंगड़ाते हुए और सुरंग के फर्श पर अपना रास्ता तलाशते हुए नीचे आने लगी।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
पक्षियों के झुंड की चीख धीरे-धीरे नदी की ओर गायब हो गई, जब तक कि चारों ओर सन्नाटा छा गया, सिवाय कभी-कभार उड़ते हुए चमगादड़ की चहचहाहट के।
केरीम ने बेपरवाही से 'हम्म' किया। 'एक दिन ये चूहे मरने लगेंगे। तब इस्तांबुल में फिर से महामारी फैल जाएगी। कभी-कभी मुझे इस बात का पछतावा होता है कि मैंने अधिकारियों को इस सुरंग के बारे में नहीं बताया ताकि वे इसे साफ कर सकें। लेकिन जब तक रूसी यहाँ हैं, मैं ऐसा नहीं कर सकता।' उसने छत की ओर सिर हिलाया। उसने अपनी घड़ी देखी। 'पाँच मिनट बचे हैं। वे अपनी कुर्सियाँ खींचकर बैठेंगे और कागज़ों में हाथ बँटाएँगे। तीन स्थायी आदमी होंगे - एम.जी.बी., या उनमें से एक सेना खुफिया विभाग से हो सकता है, जी.आर.यू.। और शायद तीन और होंगे। दो लोग दो हफ्ते पहले आए थे, एक ग्रीस के रास्ते और दूसरा फारस के रास्ते। एक और सोमवार को आया। भगवान जाने वे कौन हैं, या वे यहाँ किसलिए आए हैं। और कभी-कभी लड़की, तातियाना, एक इशारा करके आती है और फिर चली जाती है। उम्मीद है कि हम उसे आज देखेंगे। आप प्रभावित होंगे। वह कमाल की है।'
केरीम ने ऊपर हाथ बढ़ाकर तिरपाल का आवरण खोला और उसे नीचे खींच लिया। बॉन्ड समझ गया। आवरण ने पनडुब्बी के पेरिस्कोप के चमकदार पिछले हिस्से को ढक रखा था, जो पूरी तरह से बाहर निकाला हुआ था। खुले हुए निचले जोड़ पर लगी गाढ़ी ग्रीस पर नमी चमक रही थी। बॉन्ड मुस्कुराया। 'डार्को, ये तुम्हें कहाँ से मिला?'
'तुर्की नौसेना। युद्ध के बाद बचा हुआ सामान।' करीम की आवाज़ में आगे कोई सवाल नहीं था। 'अब लंदन में क्यू ब्रांच इस चीज़ में साउंड वायरिंग का कोई जुगाड़ करने की कोशिश कर रही है। यह आसान नहीं होने वाला। इसके ऊपर का लेंस सिगरेट लाइटर से भी छोटा है। जब मैं इसे उठाता हूँ, तो यह उनके कमरे में फर्श तक आ जाता है।'
कमरे के जिस कोने में यह सब आता है, वहाँ हमने एक छोटा सा चूहेदानी का छेद बनाया। हमने इसे अच्छे से बनाया। एक बार जब मैं देखने आया, तो सबसे पहले मुझे एक बड़ा चूहेदानी दिखाई दिया जिस पर पनीर का एक टुकड़ा रखा था। कम से कम लेंस से तो वह बड़ा ही दिख रहा था।’ करीम थोड़ी देर हँसा। ‘लेकिन लेंस के बगल में एक संवेदनशील पिक-अप लगाने के लिए ज़्यादा जगह नहीं है। और उनकी वास्तुकला में और छेड़छाड़ करने के लिए दोबारा अंदर जाने की कोई उम्मीद नहीं है। इस चीज़ को लगाने का एकमात्र तरीका यह था कि लोक निर्माण मंत्रालय में मेरे दोस्तों ने रूसियों को कुछ दिनों के लिए बाहर निकाल दिया। कहानी यह थी कि पहाड़ी पर जाने वाली ट्रामें घरों की नींव हिला रही थीं। एक सर्वेक्षण करना ज़रूरी था। सही जेब वालों को कुछ सौ पाउंड देने पड़े। लोक निर्माण विभाग ने इस घर के दोनों ओर आधा दर्जन घरों का निरीक्षण किया और जगह को सुरक्षित घोषित कर दिया। तब तक, मैं और मेरा परिवार अपना निर्माण कार्य पूरा कर चुके थे। रूसी बहुत ज़्यादा शक़ी थे।’ मुझे पता चला है कि वापस आने पर उन्होंने पूरे इलाके की बारीकी से छानबीन की, माइक्रोफोन, बम वगैरह की तलाश की। लेकिन हम यह चाल दोबारा नहीं चल सकते। जब

ABC Amber LIT http://www.processtext.com/abclit.html

अध्याय सत्रह
समय की बरबादी
उसी शाम सात बज रहे थे और जेम्स बॉन्ड अपने होटल लौट आया था। उसने गर्म पानी से स्नान किया और ठंडे पानी से शावर लिया। उसे लगा कि आखिरकार उसने चिड़ियाघर की गंध को अपनी त्वचा से पूरी तरह से निकाल दिया है।
वह अपने कमरे की एक खिड़की पर बैठा था, केवल शॉर्ट्स पहने हुए, वोडका और टॉनिक की चुस्कियाँ ले रहा था और गोल्डन हॉर्न के ऊपर डूबते सूरज के मनमोहक दृश्य को निहार रहा था। लेकिन उसकी नज़र उस फटे हुए सुनहरे और खून से सने कपड़े पर नहीं पड़ी जो मीनारों वाले मंच के पीछे लटका हुआ था, जिसके नीचे उसने पहली बार तातियाना रोमानोवा को देखा था।
वह उस लंबी, खूबसूरत लड़की के बारे में सोच रहा था, जिसकी चाल नर्तकी जैसी थी और जो हाथ में कागज़ का एक टुकड़ा लिए उस सादे दरवाजे से अंदर आई थी। वह अपने सरदार के बगल में खड़ी हुई और उसे कागज़ थमा दिया। सभी पुरुष उसकी ओर देखने लगे। वह शरमा गई और नज़रें नीचे कर लीं। पुरुषों के चेहरों पर उस भाव का क्या मतलब था? यह महज़ किसी खूबसूरत लड़की को देखने का पुरुषों का तरीका नहीं था। उन्होंने जिज्ञासा दिखाई थी। यह स्वाभाविक था। वे जानना चाहते थे कि उस संकेत में क्या था, उन्हें क्यों परेशान किया जा रहा था। लेकिन और क्या? उसमें धूर्तता और तिरस्कार भी था - ठीक वैसे ही जैसे लोग वेश्याओं को घूरते हैं।
यह एक विचित्र, रहस्यमय दृश्य था। यह एक अत्यंत अनुशासित अर्धसैनिक संगठन का हिस्सा था।
ये सभी सेवारत अधिकारी थे, जिनमें से प्रत्येक दूसरे से सावधान रहता था। और यह लड़की भी उन्हीं कर्मचारियों में से एक थी, एक कॉर्पोरल के पद पर, जो अब अपनी सामान्य दिनचर्या का पालन कर रही थी। वे सब इतनी बेपरवाही से उसे इस जिज्ञासु तिरस्कार भरी निगाहों से क्यों देख रहे थे—लगभग मानो वह कोई जासूस हो जिसे पकड़ा गया हो और जिसे फांसी दी जाने वाली हो? क्या उन्हें उस पर शक था? क्या उसने खुद ही अपनी पहचान उजागर कर दी थी? लेकिन जैसे-जैसे घटनाक्रम आगे बढ़ा, यह कम ही संभव लग रहा था। रेजिडेंट डायरेक्टर ने संकेत पढ़ा और बाकी लोगों की निगाहें लड़की से हटकर उन पर टिक गईं। उन्होंने कुछ कहा, संभवतः संकेत का पाठ दोहराया, और बाकी लोग उदास होकर उनकी ओर देखने लगे मानो उन्हें इस मामले में कोई दिलचस्पी न हो। फिर रेजिडेंट डायरेक्टर ने लड़की की ओर देखा और बाकी निगाहें भी उनके पीछे-पीछे गईं। उन्होंने दोस्ताना, जिज्ञासु भाव से कुछ कहा। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
लड़की ने सिर हिलाकर संक्षिप्त उत्तर दिया। बाकी पुरुष अब दिलचस्पी से देख रहे थे। निर्देशक ने एक शब्द कहा जिसके अंत में प्रश्नचिह्न लगा था। लड़की शर्म से लाल हो गई और आज्ञाकारी भाव से उनकी आँखों में देखते हुए सिर हिलाया। बाकी पुरुषों ने प्रोत्साहन भरी मुस्कान दी, शायद चालाकी से, लेकिन स्वीकृति के साथ। उनमें कोई संदेह नहीं था।
कोई निंदा नहीं हुई। दृश्य निर्देशक के कुछ वाक्यों के साथ समाप्त हुआ, जिस पर लड़की ने मानो 'जी सर' कहा और मुड़कर कमरे से बाहर चली गई। उसके जाने के बाद, निर्देशक ने व्यंग्य भरे भाव से कुछ कहा, जिस पर सभी लोग ज़ोर से हँसे और उनके चेहरे पर वही शरारती भाव लौट आया, मानो उन्होंने कुछ अश्लील कहा हो। फिर वे अपने काम पर लौट गए।

केरीम ने अनुवाद किया। जिप्सी ने विनम्रता से अपने दांत दिखाए। उसने कुछ कहा, फिर ताली बजाते हुए वापस मेज पर चला गया। दो महिलाएं उठीं और उसकी ओर आईं। उसने उनसे रूखेपन से बात की और वे वापस मेज पर गईं, एक बड़ी मिट्टी की थाली उठाई और पेड़ों के बीच गायब हो गईं।
केरीम ने बॉन्ड का हाथ पकड़ा और उसे एक तरफ ले गया।
‘हम एक बुरी रात में आए हैं,’ उसने कहा। ‘रेस्तरां बंद है। यहाँ पारिवारिक समस्याएँ हैं जिन्हें सुलझाना होगा—कठोरता से, और निजी तौर पर। लेकिन मैं एक पुराना दोस्त हूँ और हमें उनके साथ भोजन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह घिनौना होगा, लेकिन मैंने राकी मंगवा ली है। फिर हम देख सकते हैं—लेकिन इस शर्त पर कि हम दखल नहीं देंगे। मुझे उम्मीद है कि आप समझेंगे, मेरे दोस्त।’ करीम ने बॉन्ड के हाथ पर और दबाव डाला। ‘जो कुछ भी तुम देखो, तुम्हें हिलना या टिप्पणी नहीं करनी है। अभी-अभी एक अदालत लगी है और न्याय होना है—उनका अपना न्याय। यह प्रेम और ईर्ष्या का मामला है। कबीले की दो लड़कियाँ उसके एक बेटे से प्यार करती हैं। चारों ओर मौत का साया मंडरा रहा है। दोनों उसे पाने के लिए एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी दे रही हैं। अगर वह किसी एक को चुनता है, तो असफल लड़की ने उसे और लड़की को जान से मारने की कसम खाई है। यह एक गतिरोध है। कबीले में बहुत बहस चल रही है।’
तो बेटे को पहाड़ियों पर भेज दिया गया है और दोनों लड़कियाँ आज रात यहीं पर मौत तक लड़ेंगी। बेटे ने विजेता को अपने साथ ले जाने की सहमति दे दी है। महिलाओं को अलग-अलग काफिलों में बंद कर दिया गया है। यह कमज़ोर दिल वालों के लिए नहीं होगा, लेकिन यह एक अद्भुत नज़ारा होगा। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है कि हम यहाँ मौजूद हैं। समझे? हम गजो हैं। क्या तुम शिष्टाचार भूल जाओगे? क्या तुम दखल नहीं दोगे? अगर तुमने ऐसा किया तो वे तुम्हें और शायद मुझे भी मार डालेंगे।
“डार्को,” बॉन्ड ने कहा। “मेरा एक फ्रांसीसी दोस्त है। मैथिस नाम का एक आदमी, जो डेक्सिएम का प्रमुख है। उसने एक बार मुझसे कहा था, ‘मुझे तीव्र संवेदनाएँ पसंद हैं।’ मैं उसी की तरह हूँ। मैं तुम्हें शर्मिंदा नहीं करूँगा। पुरुषों का महिलाओं से लड़ना एक बात है। महिलाओं का महिलाओं से लड़ना दूसरी बात है। लेकिन उस बम का क्या? वह बम जिसने तुम्हारा दफ्तर उड़ा दिया। उसने उसके बारे में क्या कहा?”
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
यह बेनाम गिरोह का सरगना था। उसने इसे खुद वहाँ लगाया था। वे नाव से गोल्डन हॉर्न से नीचे आए और वह सीढ़ी चढ़कर दीवार पर इसे लगा गया। बदकिस्मती से वह मुझे नहीं मार पाया। यह ऑपरेशन बहुत सोच-समझकर किया गया था। वह आदमी एक गुंडा है। एक बल्गेरियाई "शरणार्थी" जिसका नाम क्रिलेंकु है। मुझे उससे हिसाब चुकता करना होगा। भगवान जाने वे अचानक मुझे क्यों मारना चाहते हैं, लेकिन मैं ऐसी परेशानियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं आज रात बाद में कार्रवाई करने का फैसला कर सकता हूँ। मुझे पता है वह कहाँ रहता है। अगर वावरा को जवाब पता हो, तो मैंने अपने ड्राइवर को ज़रूरी सामान लेकर वापस आने को कहा है।
एक बेहद आकर्षक युवती, जिसने गले में सोने के सिक्कों की माला और दोनों कलाईयों पर लगभग दस पतले सोने के कंगन पहने हुए, एक मोटी, पुराने ज़माने की

काली फ्रॉक पहनी हुई थी, मेज से उठी और करीम के सामने झुककर झनझनाती हुई प्रणाम किया। उसने कुछ कहा और करीम ने जवाब दिया।
‘हमें खाने की मेज पर बुलाया गया है,’ केरीम ने कहा। मुझे उम्मीद है कि आप उंगलियों से खाना खाने में माहिर हैं। मैं देख रहा हूँ कि आज रात सबने सबसे अच्छे कपड़े पहने हैं। वह लड़की शादी के लायक है। उसके पास बहुत सारा सोना है।
यह उसका दहेज है।
वे मेज की ओर चले। मुख्य जिप्सी के दोनों ओर दो-दो स्थान खाली कर दिए गए थे। करीम ने मेज पर बैठे सभी लोगों को विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया। सबने सिर हिलाकर अभिवादन किया। वे बैठ गए। उनके सामने लहसुन की तेज़ गंध वाली किसी तरह की रगुट से भरी एक बड़ी प्लेट, राकी की एक बोतल, पानी का एक जग और एक सस्ता गिलास रखा था। मेज पर राकी की कुछ और बोतलें भी रखी थीं, जिन्हें किसी ने छुआ नहीं था। जब करीम ने अपनी बोतल उठाई और आधा गिलास भरकर राकी डाली, तो बाकी सबने भी वैसा ही किया। करीम ने थोड़ा पानी मिलाया और गिलास उठाया। बॉन्ड ने भी ऐसा ही किया। करीम ने एक छोटा लेकिन जोशीला भाषण दिया और सबने अपने गिलास उठाए और पी लिए। माहौल थोड़ा सहज हो गया। बॉन्ड के बगल में बैठी एक बूढ़ी औरत ने उसे रोटी का एक लंबा टुकड़ा दिया और कुछ कहा। बॉन्ड मुस्कुराया और 'धन्यवाद' कहा। उसने रोटी का एक टुकड़ा तोड़ा और करीम को दे दिया, जो अंगूठे और तर्जनी से अपनी रगुट में से कुछ निकाल रहा था। केरीम ने एक हाथ से रोटी उठाई और उसी समय दूसरे हाथ से मांस का एक बड़ा टुकड़ा अपने मुंह में डाला और खाने लगा।
बॉन्ड भी ऐसा ही करने वाला था कि केरीम ने तीखे और शांत स्वर में कहा, 'दाहिने हाथ से, जेम्स। इन लोगों में बाएँ हाथ का उपयोग केवल एक ही उद्देश्य के लिए किया जाता है।'
बॉन्ड ने अपना बायां हाथ हवा में ही रोक दिया और पास रखी राकी की बोतल को पकड़ लिया। उसने अपने लिए आधा गिलास और राकी डाली और दाहिने हाथ से खाना शुरू कर दिया। राकी स्वादिष्ट तो थी, लेकिन बहुत गर्म थी।
बॉन्ड जब भी अपनी उंगलियां उसमें डालता, तो मुंह बना लेता। सभी लोग उन्हें खाते हुए देख रहे थे और समय-समय पर बूढ़ी औरत बॉन्ड के स्टू में अपनी उंगलियां डालकर उसके लिए एक टुकड़ा निकाल लेती थी।
जब उन्होंने अपनी प्लेटें साफ कर लीं, तो बॉन्ड और करीम के बीच पानी से भरा एक चांदी का कटोरा रखा गया, जिसमें गुलाब की पत्तियां तैर रही थीं, और एक साफ सूती कपड़ा भी रखा गया। बॉन्ड ने अपनी उंगलियां और अपनी चिकनी ठुड्डी धोई और अपने मेज़बान की ओर मुड़कर कर्तव्यनिष्ठा से धन्यवाद का एक छोटा सा भाषण दिया, जिसका करीम ने अनुवाद किया। मेज पर बैठे लोगों ने कृतज्ञता व्यक्त की। जिप्सी मुखिया ने बॉन्ड की ओर झुककर प्रणाम किया और करीम के अनुसार कहा कि वह सभी गज़ो से नफरत करता है। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
बॉन्ड को छोड़कर, जिसे वह अपना दोस्त कहने में गर्व महसूस करता था। फिर उसने ज़ोर से ताली बजाई और सब लोग मेज से उठकर बेंचों को खींचकर डांस फ्लोर के चारों ओर लगाने लगे।
केरीम मेज के चारों ओर घूमकर बॉन्ड के पास आया। वे दोनों साथ-साथ चले गए। 'तुम्हें कैसा लग रहा है? वे दोनों लड़कियों को लेने गए हैं।'
बॉन्ड ने सिर हिलाया। वह शाम का आनंद ले रहा था। दृश्य सुंदर और रोमांचकारी था - बेंचों पर बैठे लोगों के घेरे पर चमकता हुआ सफेद चाँद,

किसी के हिलने-डुलने पर सोने या गहनों की झिलमिलाहट, चकाचौंध से जगमगाता टेराज़ा का मैदान और चारों ओर, शांत, प्रहरी वृक्ष अपनी काली छाया में पहरा दे रहे थे।
केरीम बॉन्ड को एक बेंच तक ले गया जहाँ जिप्सियों का मुखिया अकेला बैठा था। वे दोनों उसके दाहिनी ओर बैठ गए।
हरी आँखों वाली एक काली बिल्ली धीरे-धीरे चबूतरे पर चलकर बच्चों के एक समूह में जा पहुँची, जो चुपचाप बैठे थे मानो कोई नाचने के लिए आने वाला हो और उन्हें सबक सिखाने वाला हो। वह बैठ गई और अपनी छाती चाटने लगी।
ऊँची दीवार के उस पार एक घोड़े ने हिनहिनाया। दो जिप्सियों ने पीछे मुड़कर उस आवाज़ की ओर देखा, मानो वे घोड़े की आवाज़ को समझने की कोशिश कर रहे हों। सड़क से किसी के तेज़ी से पहाड़ी से नीचे आने की आवाज़ आई, मानो साइकिल की घंटी की सुनहरी फुहार सुनाई दी हो।
सन्नाटे में छाई खामोशी एक कुंडी के खुलने की आवाज से टूट गई।
दीवार में लगा दरवाजा जोर से पीछे की ओर गिरा और दो लड़कियां, गुस्से में भरी बिल्लियों की तरह थूकती और लड़ती हुई, घास के मैदान से होते हुए रिंग में जा गिरीं।

अध्याय अठारह
तीव्र संवेदनाएँ
जिप्सी मुखिया की आवाज लड़खड़ा गई। लड़कियाँ अनिच्छा से अलग हुईं और उसके सामने खड़ी हो गईं। (जिप्सी का चित्र ABC Amber LIT Converter द्वारा बनाया गया है, http://www.processtext.com/abclit.html)
उसने कठोर निंदा के स्वर में बोलना शुरू किया।
केरीम ने अपना हाथ मुंह पर रखा और उसके पीछे से फुसफुसाया, “वेवरा उनसे कह रहा है कि यह जिप्सियों का एक महान कबीला है और उन्होंने इसमें फूट डाल दी है। वह कहता है कि उनके बीच नफरत के लिए कोई जगह नहीं है, नफरत सिर्फ बाहर वालों के खिलाफ है। उन्होंने जो नफरत पैदा की है, उसे खत्म करना होगा ताकि कबीला फिर से शांति से रह सके। उन्हें लड़ना होगा। अगर हारने वाले को नहीं मारा गया तो उसे हमेशा के लिए कबीले से निकाल दिया जाएगा। यह मौत के बराबर होगा। ये लोग कबीले से बाहर मुरझाकर मर जाते हैं। वे हमारी दुनिया में नहीं रह सकते। यह पिंजरे में बंद जंगली जानवरों की तरह है।”
जब केरीम बोल रहा था, बॉन्ड रिंग के केंद्र में मौजूद दो खूबसूरत, चुस्त-दुरुस्त और उदास जानवरों का निरीक्षण कर रहा था।
दोनों का रंग जिप्सी जैसा गहरा था, कंधे तक लंबे मोटे काले बाल थे, और दोनों ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले अश्वेतों के फटे-पुराने कपड़ों का ढेर पहन रखा था – फटे-पुराने भूरे रंग के वस्त्र जो ज्यादातर जगह से फटे और पैबंद लगे हुए थे। एक का शरीर दूसरे से अधिक हष्ट-पुष्ट और स्पष्ट रूप से अधिक बलवान था, लेकिन वह उदास और सुस्त लग रही थी और फुर्तीली नहीं हो सकती थी। वह शेरनी जैसी सुंदर थी, और जब वह खड़ी होकर कबीले के मुखिया की बात अधीरता से सुन रही थी, तो उसकी भारी पलकों वाली आँखों में एक धीमी लाल चमक थी।
बॉन्ड ने सोचा, उसे जीतना चाहिए। वह आधा इंच लंबी है और ज़्यादा ताकतवर भी है।
जहां एक लड़की शेरनी जैसी थी, वहीं दूसरी लड़की पैंथर जैसी थी – फुर्तीली और तेज़, और उसकी पैनी नज़रें बोलने वाले पर नहीं, बल्कि अगल-बगल घूम रही थीं, जैसे नाप-तोल कर रही हों, और उसके हाथ पंजों की तरह मुड़े हुए थे। उसकी सुंदर टांगों की मांसपेशियां किसी पुरुष की तरह सख्त लग रही थीं। उसके स्तन छोटे थे, और दूसरी लड़की के बड़े स्तनों के विपरीत, उसकी कमीज़ को मुश्किल से ही फुला रहे थे। बॉन्ड ने सोचा, "यह लड़की खतरनाक कुतिया जैसी दिखती है। यह ज़रूर पहला वार करेगी। यह दूसरी लड़की से ज़्यादा तेज़ होगी।"
तुरंत ही वह गलत साबित हो गया। जैसे ही वावरा ने अपना आखिरी शब्द कहा, बड़ी लड़की, जिसका नाम केरीम ने फुसफुसाते हुए ज़ोरा बताया, ने बिना निशाना साधे ज़ोर से बगल में लात मारी और दूसरी लड़की के पेट पर ज़ोर से वार किया। छोटी लड़की के लड़खड़ाने पर वावरा ने उसके सिर के किनारे पर मुक्के से जोरदार प्रहार किया जिससे वह पत्थर के फर्श पर गिर पड़ी।
"ओह, विदा," भीड़ में से एक महिला ने विलाप किया। उसे चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी। बॉन्ड भी देख सकता था कि विदा ज़मीन पर लेटी हुई, मानो साँस फूलने का नाटक कर रही हो। उसने देखा कि ज़ोरा का पैर उसकी पसलियों पर तेज़ी से आ रहा था, तभी उसकी झुकी हुई बांह के नीचे उसकी आँखें चमक उठीं।
विदा के हाथ एक साथ तेज़ी से बढ़े। उन्होंने टखने को पकड़ लिया और उसका सिर सांप की तरह पैर के तलवे पर जा टकराया। ज़ोरा दर्द से चीखी और अपने फंसे

ABC Amber LIT [illegible] http://www.processtext.com/abclit.html

ABC Amber LIT [illegible] http://www.processtext.com/abclit.html

फिर भी दोनों लड़कियां धीरे-धीरे चक्कर लगा रही थीं, उनके दांत बाहर निकले हुए थे और सांसें तेज चल रही थीं। उनकी उभरती हुई छातियों और पेटों तथा उनके मजबूत, लड़के जैसे कूल्हों पर रोशनी चमक रही थी। उनके पैरों ने सफेद पत्थरों पर पसीने के गहरे निशान छोड़ दिए थे।
एक बार फिर, बड़ी लड़की ज़ोरा ने ही पहला वार किया, पहलवान की तरह अचानक आगे की ओर छलांग लगाई और बाहें फैला दीं। लेकिन विदा डटी रही। उसका दाहिना पैर ज़ोरदार प्रहार की तरह चला, जिससे पिस्तौल की गोली जैसी आवाज़ आई।
बड़ी लड़की दर्द से चीखी और खुद को पकड़ लिया। तुरंत ही विदा ने अपना दूसरा पैर पेट पर मारा और खुद को भी उसके पीछे झोंक दिया।
ज़ोरा के घुटनों के बल बैठते ही भीड़ में से एक धीमी सी गुर्राहट सुनाई दी।
उसने अपना चेहरा बचाने के लिए हाथ ऊपर उठाए, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।
छोटी लड़की उसके ऊपर सवार हो गई और ज़ोरा की कलाई को कसकर पकड़ लिया। ज़ोरा ने अपना पूरा वज़न उस पर डालकर उसे ज़मीन पर झुका दिया, और उसके नुकीले सफेद दांत ज़ोरा की गर्दन की ओर बढ़ रहे थे।
` बूम!’
विस्फोट ने तनाव को अखरोट की तरह चटका दिया। आग की एक लपट ने डांस फ्लोर के पीछे के अंधेरे को रोशन कर दिया और बॉन्ड के कान के पास से ईंटों का एक टुकड़ा सरसराता हुआ गुजरा। अचानक बगीचा भागते हुए आदमियों से भर गया और जिप्सी सरदार अपने हाथ में घुरी हुई कटार लहराते हुए पत्थरों पर रेंगता हुआ आगे बढ़ रहा था। केरीम उसके पीछे-पीछे जा रहा था, उसके हाथ में बंदूक थी। जैसे ही जिप्सी उन दो लड़कियों के पास से गुजरा, जो अब डरी हुई और कांपती हुई खड़ी थीं, उसने उन पर एक शब्द चिल्लाया और वे भागकर पेड़ों के बीच गायब हो गईं, जहां बाकी बची महिलाएं और बच्चे पहले से ही छाया में ओझल हो रहे थे।
बॉन्ड, अपने हाथ में अनिश्चितता से बेरेटा पकड़े हुए, धीरे-धीरे केरीम के पीछे-पीछे बगीचे की दीवार में बने चौड़े छेद की ओर बढ़ा और सोचने लगा कि आखिर हो क्या रहा है।
दीवार में बने छेद और डांस फ्लोर के बीच घास का मैदान लड़ाई-झगड़े और भागते-दौड़ते लोगों से भरा हुआ था। बॉन्ड जब लड़ाई के बीच पहुंचा, तब उसने पारंपरिक पोशाक पहने छोटे कद के बल्गेरियाई लोगों को जिप्सियों के भड़कीले कपड़ों से अलग पहचाना। ऐसा लग रहा था कि जिप्सियों की तुलना में बेनाम लोगों की संख्या लगभग दोगुनी थी। बॉन्ड जब उस संघर्षरत भीड़ में झांक रहा था, तभी एक जिप्सी युवक पेट पकड़े हुए उसमें से बाहर निकला। वह बुरी तरह खांसते हुए बॉन्ड की ओर बढ़ा। दो छोटे कद के काले आदमी उसके पीछे आए, उनके चाकू नीचे झुके हुए थे।
सहज ही बॉन्ड एक तरफ हट गया ताकि भीड़ उन दोनों आदमियों के पीछे न रहे। उसने घुटनों के ऊपर उनके पैरों पर निशाना साधा और उसके हाथ में मौजूद बंदूक से दो बार गोली चली। दोनों आदमी बिना आवाज किए, मुंह के बल घास पर गिर पड़े।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
दो गोलियां खत्म हो गईं। अब सिर्फ छह बची हैं। बॉन्ड लड़ाई के करीब पहुंच गया।
एक चाकू उसके सिर के पास से सरसराता हुआ गुजरा और नाचने की जगह पर जा गिरा।

रोक लिया था और उसे गोली चलाने का साफ मौका मिल गया था। करीम ने तड़पते हुए शरीर को नीचे देखा। वह बॉन्ड की ओर मुड़ा।
बॉन्ड अचानक रुक गया। उसने गुस्से से कहा, 'अरे बेवकूफ! तुम थोड़ी और सावधानी क्यों नहीं बरत सकते!'
'तुम्हें एक नर्स रखनी चाहिए।' बॉन्ड का अधिकांश गुस्सा इस बात से उपजा था कि उसी ने केरीम के चारों ओर मौत का साया मंडराया था।
डार्को करीम शर्मिंदा होकर मुस्कुराया। 'अब यह ठीक नहीं है, जेम्स। तुमने मेरी जान कई बार बचाई है। हम दोस्त बन सकते थे। अब हमारे बीच बहुत दूरी आ गई है। मुझे माफ कर दो, क्योंकि मैं तुम्हारा एहसान कभी नहीं चुका पाऊंगा।' उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
बॉन्ड ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। 'बेवकूफ मत बनो, डार्को,' उसने रूखेपन से कहा। 'मेरी बंदूक ने काम किया, बस इतना ही।'
तुम्हारे वाले में तो नहीं था। बेहतर होगा कि तुम ऐसा वाला ले लो जिसमें हो। भगवान के लिए, मुझे बताओ कि आखिर ये सब क्या चल रहा है।
आज रात बहुत खून-खराबा हुआ है। मैं इससे तंग आ गया हूँ। मुझे एक ड्रिंक चाहिए। आओ और मेरी राकी खत्म करो।’ उसने उस हट्टे-कट्टे आदमी का हाथ पकड़ लिया।
जैसे ही वे खाने के बचे हुए टुकड़ों से भरी मेज पर पहुँचे, बगीचे की गहराई से एक भयानक चीख सुनाई दी। बॉन्ड ने अपना हाथ अपनी बंदूक पर रख लिया। करीम ने अपना सिर हिलाया। उसने उदास स्वर में कहा, 'हमें जल्द ही पता चल जाएगा कि बेनाम लोग क्या चाहते थे। मेरे दोस्त पता लगा रहे हैं। मैं अंदाज़ा लगा सकता हूँ कि उन्हें क्या पता चलेगा। मुझे लगता है कि वे आज रात यहाँ होने के लिए मुझे कभी माफ़ नहीं करेंगे। उनके पाँच आदमी मारे गए हैं।'
बॉन्ड ने बेरुखी से कहा, 'शायद वहाँ एक मरी हुई औरत भी होती। कम से कम तुमने उसकी जान तो बचा ली। बेवकूफ़ मत बनो, डार्को। इन जिप्सियों को पता था कि जब उन्होंने बुल्गारों के खिलाफ तुम्हारे लिए जासूसी शुरू की थी तो क्या जोखिम थे। यह गिरोहों की लड़ाई थी।' उसने दो गिलास राकी में थोड़ा पानी मिलाया।
दोनों ने एक ही घूंट में गिलास खाली कर दिए। जिप्सी सरदार आगे आया और मुट्ठी भर घास पर अपनी मुड़ी हुई कटार की नोक पोंछी। वह बैठ गया और बॉन्ड से राकी का एक गिलास लिया। वह काफी खुश लग रहा था। बॉन्ड को लगा कि उसके लिए लड़ाई बहुत छोटी थी। जिप्सी ने चालाकी से कुछ कहा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
केरीम हँस पड़ा। 'उसने कहा कि उसका फैसला सही था। तुमने बढ़िया काम किया। अब वह चाहता है कि तुम उन दो महिलाओं का सामना करो।'
उसे बता देना कि इनमें से एक भी मेरे लिए काफी होगी। लेकिन उसे यह भी बता देना कि मुझे ये दोनों खूबसूरत औरतें लगती हैं। अगर वह मुझ पर एक एहसान करे और लड़ाई को बराबरी पर खत्म कर दे तो मुझे खुशी होगी। आज रात उसके काफी लोग मारे जा चुके हैं। उसे अपने कबीले के लिए इन दोनों लड़कियों से संतान पैदा करवाने की जरूरत पड़ेगी।
केरीम ने अनुवाद किया। जिप्सी ने बॉन्ड को गुस्से से देखा और कुछ कड़वे शब्द कहे।

जब केरीम और बॉन्ड दीवार में बने छेद से अंदर चढ़े, तो किसी ने भी अपने काम से नज़र नहीं हटाई। कैफे के प्रवेश द्वार के ठीक सामने, सड़क पर कुछ ही गज की दूरी पर, चांदनी में चमकती हुई रोल्स रॉयस खड़ी थी। ड्राइवर के बगल में एक युवक बैठा था। केरीम ने हाथ से इशारा करते हुए कहा, 'यह मेरा दसवां बेटा है। इसका नाम बोरिस है। मुझे लगा कि शायद मुझे इसकी ज़रूरत पड़ सकती है। और पड़ेगी भी।'
युवक ने मुड़कर कहा, 'शुभ संध्या, महोदय।' बॉन्ड ने उसे गोदाम के क्लर्कों में से एक के रूप में पहचान लिया। वह मुख्य क्लर्क की तरह ही सांवला और दुबला-पतला था, और उसकी आँखें भी नीली थीं।
गाड़ी पहाड़ी से नीचे उतरने लगी। करीम ने ड्राइवर से अंग्रेजी में बात की। “यह हिप्पोड्रोम स्क्वायर से थोड़ी दूर एक छोटी सी गली है। वहाँ पहुँचकर हम धीरे-धीरे चलेंगे। मैं आपको बता दूँगा कि कब रुकना है। क्या आपके पास वर्दी और उपकरण हैं?”
"जी हां, श्रीमान करीम।"
ठीक है। जल्दी करो। अब हम सबको सोने का समय हो गया है।
केरीम अपनी सीट पर वापस बैठ गया। उसने एक सिगरेट निकाली। वे बैठे-बैठे सिगरेट पीने लगे। बॉन्ड ने फीकी सड़कों को देखा और सोचा कि सड़कों पर कम रोशनी किसी गरीब कस्बे की पक्की निशानी होती है।
कुछ देर बाद करीम बोला, “जिप्सी ने कहा कि हम दोनों पर मौत का साया है। उसने कहा कि मुझे बर्फ के बेटे से सावधान रहना है और तुम्हें चांद के गुलाम से।” वह ज़ोर से हँसा। “ये लोग ऐसी ही बेतुकी बातें करते हैं। लेकिन वो कहता है कि क्रिलेंकू इनमें से कोई भी नहीं है। अच्छी बात है।”
क्यों?
क्योंकि जब तक मैं उस आदमी को मार नहीं देता, मुझे नींद नहीं आएगी। मुझे नहीं पता कि आज रात जो हुआ उसका कोई असर होगा या नहीं। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html) मुझे आपसे और आपके काम से कोई लेना-देना नहीं है। पता नहीं क्यों, मेरे खिलाफ युद्ध छेड़ दिया गया है।
अगर मैं क्रिलेंकु को नहीं मारूंगा, तो वह तीसरे प्रयास में मुझे जरूर मार डालेगा। इसलिए अब हम समारा में उससे मिलने के लिए निकल रहे हैं।'

अध्याय उन्नीस
मैरिलिन मोनरो का मुख
कार सुनसान गलियों से तेज़ी से गुज़री, धुंधली मस्जिदों के पास से गुज़री, जिनके जगमगाते मीनारें चौथाई चाँद की ओर उठी हुई थीं, खंडहर हो चुके जलसेतु के नीचे से होते हुए अतातुर्क बुलेवार्ड को पार किया और ग्रैंड बाज़ार के बंद प्रवेश द्वारों के उत्तर की ओर बढ़ी। कॉन्स्टेंटाइन के स्तंभ के पास कार ने दाएँ मुड़ा, कूड़े की बदबू से भरी संकरी घुमावदार गलियों से गुज़रते हुए, और अंत में एक लंबे सजावटी चौक में जा पहुँची, जहाँ तीन पत्थर के स्तंभ अंतरिक्ष-रॉकेटों की तरह जगमगाते आकाश में उड़ान भर रहे थे।
'धीरे चलो,' केरीम ने धीमी आवाज़ में कहा। वे चूने के पेड़ों की छाया में दबे पांव चौक के चारों ओर घूमे। पूरब की ओर एक गली में, सेराग्लियो महल के नीचे स्थित प्रकाशस्तंभ ने उन्हें एक चमकीली पीली रोशनी दिखाई।
रुको।
अंधेरे में, नींबू के पेड़ों के नीचे गाड़ी आकर रुकी। करीम ने दरवाज़े का हैंडल पकड़ा। 'जेम्स, हमें ज़्यादा देर नहीं लगेगी। तुम आगे ड्राइवर की सीट पर बैठ जाओ और अगर कोई पुलिसवाला आए तो बस इतना कहना, "बेन बे करीम'इन ओर्टागियिम"। याद रखोगे? इसका मतलब है 'मैं करीम बे का साथी हूँ'। वे तुम्हें अकेला छोड़ देंगे।'
बॉन्ड ने नाक सिकोड़ी। 'बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि मैं आपके साथ आ रहा हूँ। मेरे बिना आप ज़रूर मुसीबत में पड़ जाएँगे। वैसे भी, मैं यहाँ बैठकर पुलिसवालों को बेवकूफ़ बनाने की कोशिश नहीं करने वाला। एक अच्छा वाक्य सीखने का सबसे बुरा नतीजा यह होता है कि ऐसा लगता है जैसे मुझे भाषा आती हो। पुलिसवाला तुर्की भाषा में सवालों की बौछार कर देगा और जब मैं जवाब नहीं दे पाऊँगा तो उसे शक हो जाएगा। बहस मत करो, डार्को।'
“खैर, अगर आपको यह पसंद नहीं है तो मुझे दोष मत देना।” करीम की आवाज़ में शर्मिंदगी थी। “यह तो सीधे-सीधे ठंडे खून से की गई हत्या होगी। मेरे देश में सोए हुए कुत्तों को नहीं जगाते, लेकिन जब वे जागकर काटने लगते हैं, तो उन्हें गोली मार देते हैं। उनसे द्वंद्वयुद्ध नहीं करते। ठीक है?”
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
‘जो भी कहो,’ बॉन्ड ने कहा। ‘अगर तुम्हारा निशाना चूक जाए तो मेरे पास एक गोली बची है।’
‘चलो फिर,’ केरीम ने अनिच्छा से कहा। ‘हमें काफी दूर चलना है। बाकी दोनों दूसरे रास्ते से जाएंगे।’
केरीम ने ड्राइवर से एक लंबी छड़ी और एक चमड़े का सूटकेस लिया। उसने उन्हें अपने कंधे पर टांगा और वे पीली बत्ती की जगमगाहट की ओर सड़क पर चल पड़े। लोहे के शटर वाली दुकानों के अग्रभागों से उनके कदमों की आवाज़ खोखली सी गूंजती हुई वापस आ रही थी। दूर-दूर तक कोई इंसान नहीं दिख रहा था, एक बिल्ली भी नहीं, और बॉन्ड को खुशी थी कि वह उस दूर स्थित भयावह बत्ती की ओर इस लंबी सड़क पर अकेला नहीं चल रहा था।
शुरू से ही इस्तांबुल ने उसे एक ऐसे शहर के रूप में दिखाया था जहाँ रात के साथ-साथ पत्थरों से भी खौफ रेंगता हुआ निकलता है। उसे ऐसा लगता था कि सदियों से यह शहर खून और हिंसा में इतना डूबा हुआ है कि जब दिन ढल जाता है,

ड्रेसिंग टेबल पर लगी गुलाबी रंग की बत्तियाँ जला दीं। उसने अपने कपड़े उतारे और बाथरूम में जाकर कुछ मिनट तक शॉवर के नीचे खड़ा रहा। उसने सोचा कि चौदहवाँ शनिवार तेरहवें शुक्रवार से कितना अधिक रोमांचक रहा था। उसने अपने दाँत साफ किए और दिन भर की थकान मिटाने के लिए तीखे माउथवॉश से गरारे किए, फिर बाथरूम की बत्ती बंद करके वापस अपने बेडरूम में चला गया।
बॉन्ड ने एक पर्दा हटाया और लंबी खिड़कियाँ पूरी तरह खोल दीं। वह पर्दों को पकड़े खड़ा रहा और चाँदनी रात में पानी के विशाल घुमावदार हिस्से को निहारता रहा। रात की ठंडी हवा महसूस हो रही थी। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
उसके नंगे शरीर पर वह बहुत ही ठंडक दे रहा था। उसने अपनी घड़ी देखी। उसमें दो बज रहे थे।
बॉन्ड ने कांपते हुए जम्हाई ली। उसने पर्दों को वापस अपनी जगह पर गिरने दिया। वह ड्रेसिंग टेबल की लाइट बंद करने के लिए झुका। अचानक वह अकड़ गया और उसकी धड़कन रुक गई।
कमरे के पिछले हिस्से में अंधेरे से एक घबराहट भरी हंसी सुनाई दी। एक लड़की की आवाज आई, 'बेचारे मिस्टर बॉन्ड। आप थके हुए होंगे। बिस्तर पर आ जाइए।'

अध्याय बीस
गुलाबी पर काला
बॉन्ड तेज़ी से घूमा। उसने बिस्तर की ओर देखा, लेकिन चाँद को निहारने से उसकी आँखें चौंधिया गई थीं। वह कमरे के उस पार गया और बिस्तर के पास लगी गुलाबी रंग की बत्ती जला दी। एक चादर के नीचे एक लंबा सा शरीर था। भूरे बाल तकिए पर फैले हुए थे। चेहरे पर चादर को थामे उंगलियों के सिरे दिखाई दे रहे थे। नीचे स्तन बर्फ से ढकी पहाड़ियों की तरह उभरे हुए थे।
बॉन्ड हल्की हंसी हंसा। वह आगे झुका और बालों को हल्के से खींचा। चादर के नीचे से हल्की सी चीख सुनाई दी। बॉन्ड बिस्तर के किनारे बैठ गया। कुछ पल की खामोशी के बाद, चादर का एक कोना सावधानी से नीचे किया गया और एक बड़ी नीली आंख ने उसे गौर से देखा।
'तुम बहुत ही अनुचित दिख रहे हो।' चादर के कारण आवाज दबी हुई थी।
आपका क्या हाल है! और आप यहाँ कैसे पहुँचे?
मैं दो मंजिल नीचे उतरा। मैं भी यहीं रहता हूँ।’ आवाज़ गहरी और उत्तेजक थी।
लहजे का कोई खास असर नहीं था।
ठीक है, मैं अब सोने जा रहा हूँ।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
चादर जल्दी से ठुड्डी तक नीचे आ गई और लड़की तकियों के सहारे उठ खड़ी हुई। उसके चेहरे पर शर्म झलक रही थी।
ओह नहीं। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।'
लेकिन ये मेरा बिस्तर है। और वैसे भी तुमने ही तो मुझे ऐसा करने को कहा था।’ चेहरा बेहद खूबसूरत था। बॉन्ड ने उसे शांत भाव से देखा। शरम और गहरी हो गई।
'वह तो बस एक वाक्य था। अपना परिचय देने के लिए।'
'आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। मेरा नाम जेम्स बॉन्ड है।'
'मेरा नाम तातियाना रोमानोवा है।' उसने तातियाना के दूसरे 'ए' और रोमानोवा के पहले 'ए' का उच्चारण बहुत लंबा किया। 'मेरे दोस्त मुझे तानिया कहते हैं।' दोनों एक-दूसरे को देखते हुए कुछ पल के लिए चुप रहे, लड़की जिज्ञासा और शायद राहत की भावना से देख रही थी। बॉन्ड शांत भाव से अनुमान लगा रहा था। सबसे पहले उसने चुप्पी तोड़ी। 'तुम बिल्कुल अपनी तस्वीरों जैसे दिखते हो,' वह फिर से शरमा गई। 'लेकिन तुम्हें कुछ लगाना चाहिए। इससे मुझे परेशानी होती है।'
'तुमने भी मुझे उतना ही परेशान किया। इसे ही तो सेक्स कहते हैं। अगर मैं तुम्हारे साथ बिस्तर पर चली जाऊं तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैसे, तुम क्या कर रही हो?'
उसने चादर को थोड़ा नीचे खींचकर अपने गले में लिपटी एक चौथाई इंच चौड़ी काली मखमली रिबन दिखाई। 'यह।'
बॉन्ड ने उन चिढ़ाने वाली नीली आँखों में देखा, जो अब चौड़ी हो गई थीं मानो पूछ रही हों कि क्या रिबन अपर्याप्त है। उसे लगा कि उसका शरीर बेकाबू हो रहा है।
'धिक्कार है तुम पर, तानिया। तुम्हारा बाकी सामान कहाँ है? या तुम लिफ्ट से ऐसे ही नीचे आ गई?'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसने अपनी गलती सुधारने की जल्दी की। यह कितनी अजीब बात है कि उसकी तारीफ उसे पसंद नहीं आई। क्या पश्चिम में हर कोई फिल्म स्टार जैसा दिखना नहीं चाहता? 'मैं झूठ बोल रही थी,' उसने कहा। 'मैं तुम्हें खुशी देना चाहती थी।' दरअसल, आप मेरे पसंदीदा नायक की तरह हैं। उनका ज़िक्र रूसी लेखक लेर्मोंटोव की किताब में है। मैं आपको उनके बारे में एक दिन ज़रूर बताऊँगा।
एक दिन... बॉन्ड ने सोचा कि अब काम पर लगने का समय आ गया है।
'अब सुनो, तानिया।' उसने तकिए पर लेटे उस खूबसूरत चेहरे की ओर न देखने की कोशिश की। उसकी निगाहें उसकी ठुड्डी पर टिक गईं। 'हमें मज़ाक करना बंद करके गंभीर होना होगा। आखिर ये सब क्या है? क्या तुम सचमुच मेरे साथ इंग्लैंड वापस आओगी?' उसने अपनी नज़रें उसकी आँखों से मिलाईं। ये घातक था। उसने फिर से अपनी भोली-भाली आँखों से आँखें खोल दी थीं।
लेकिन बिल्कुल!
ओह!’ बॉन्ड उसके सीधे-सादे जवाब से चौंक गया। उसने शक भरी नजरों से उसकी ओर देखा। ‘क्या तुम सच में ऐसा कह रही हो?’
'हां।' अब उसकी आंखों में सच्चाई झलक रही थी। उसने छेड़छाड़ करना बंद कर दिया था।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
क्या तुम्हें डर नहीं लगता?
उसकी आँखों में एक उदासी छा गई। लेकिन यह वह नहीं था जो उसने सोचा था। उसे याद आ गया था कि उसे एक भूमिका निभानी है। उसे अपने किए से डरना था। बहुत डरना था। यह अभिनय इतना आसान लग रहा था, लेकिन अब यह मुश्किल था। कितना अजीब! उसने समझौता करने का फैसला किया।
हां। मुझे डर लग रहा है। लेकिन अब उतना नहीं। तुम मेरी रक्षा करोगे। मुझे यही उम्मीद थी।
'जी हां, बिल्कुल आऊंगा।' बॉन्ड को रूस में उसके रिश्तेदारों का ख्याल आया। उसने तुरंत उस विचार को मन से निकाल दिया। वह क्या कर रहा था? क्या वह उसे आने से रोकने की कोशिश कर रहा था? उसने उसके लिए संभावित परिणामों के बारे में सोचना बंद कर दिया। 'चिंता की कोई बात नहीं है। मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगा।' और अब वह सवाल जिसका वह अब तक टालमटोल कर रहा था। उसे अजीब सी शर्मिंदगी महसूस हुई। यह लड़की बिल्कुल वैसी नहीं थी जैसा उसने सोचा था। सवाल पूछना सब कुछ बिगाड़ने जैसा था। लेकिन पूछना जरूरी था।
मशीन का क्या होगा?
हाँ। ऐसा लगा जैसे उसने उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा हो। उसकी आँखों में दर्द झलक रहा था, और आँखों में आँसू भी।
उसने अपने मुंह पर चादर खींच ली और उसके पीछे से बोली। चादर के ऊपर उसकी आंखें ठंडी थीं।
तो यही है जो आप चाहते हैं।
'अब सुनो।' बॉन्ड ने अपनी आवाज़ में बेपरवाही दिखाते हुए कहा। 'इस मशीन का तुमसे और मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन लंदन में मेरे लोग इसे चाहते हैं।' उसे सुरक्षा की याद आई। उसने बेपरवाही से कहा, 'यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है।'
वे मशीन के बारे में सब कुछ जानते हैं और उन्हें लगता है कि यह एक अद्भुत रूसी आविष्कार है। वे बस एक ऐसी मशीन चाहते हैं जिसकी नकल कर सकें। जैसे

आपके लोग विदेशी कैमरों और अन्य चीजों की नकल करते हैं।’ हे भगवान, यह कितना बेतुका लग रहा था!
'अब तुम झूठ बोल रही हो।' उसकी एक चौड़ी नीली आंख से एक बड़ा आंसू लुढ़क कर उसके कोमल गाल से होते हुए तकिए पर गिर गया। उसने चादर को अपनी आंखों पर खींच लिया।
बॉन्ड ने हाथ बढ़ाकर चादर के नीचे उसकी बांह पर हाथ रख दिया। बांह गुस्से से झटक कर दूर हट गई।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
“धिक्कार है इस मशीन पर,” उसने अधीरता से कहा। “लेकिन भगवान के लिए, तानिया, तुम्हें पता होना चाहिए कि मुझे अपना काम करना है। बस एक बात कह दो, हम इसे भूल जाएंगे। अभी और भी बहुत सी बातें करनी हैं।”
हमें अपनी यात्रा वगैरह का इंतजाम करना होगा। बेशक मेरे लोग यही चाहते हैं, वरना वे मुझे तुम्हें घर लाने के लिए नहीं भेजते।'
तात्याना ने चादर से अपनी आँखें पोंछीं। फिर उसने चादर को झट से अपने कंधों तक खींच लिया। उसे पता था कि वह अपना काम भूल रही थी। बस... खैर छोड़ो। काश उसने कहा होता कि जब तक वह आएगी, उसे मशीन से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन इतनी उम्मीद करना बेकार था। वह सही था। उसे अपना काम करना था। और उसे भी।
उसने शांत भाव से उसकी ओर देखा। “मैं इसे ले आऊंगी। चिंता मत करो। लेकिन फिर कभी इसका ज़िक्र मत करना। और अब सुनो।” वह तकियों पर सीधी होकर बैठ गई। “हमें आज रात ही जाना होगा।” उसे अपना सबक याद आ गया। “यही एकमात्र मौका है। आज शाम छह बजे से मेरी ड्यूटी है। मैं दफ्तर में अकेली रहूंगी और मैं स्पेक्टर को ले जाऊंगी।”
बॉन्ड की आंखें सिकुड़ गईं। उसके दिमाग में उन समस्याओं के बारे में सोचने लगा जिनका उसे सामना करना पड़ेगा।
उसे कहाँ छिपाएँ? नुकसान का पता चलने के बाद उसे पहले विमान तक कैसे पहुँचाएँ? यह एक जोखिम भरा काम होने वाला था। उसे और स्पेक्टर को वापस लाने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते थे। हवाई अड्डे के रास्ते में नाकाबंदी। विमान में बम। कुछ भी।
'वाह, तानिया।' बॉन्ड की आवाज़ में सहजता थी। 'हम तुम्हें छिपाकर रखेंगे और फिर कल सुबह पहली फ्लाइट पकड़ लेंगे।'
‘मूर्ख मत बनो।’ तातियाना को पहले ही चेतावनी दी गई थी कि उसके हिस्से में कुछ कठिन पंक्तियाँ होंगी। ‘हम ट्रेन से जाएँगे। यह ओरिएंट एक्सप्रेस है। यह आज रात नौ बजे रवाना होगी। क्या तुम्हें लगता है कि मैंने इस बारे में ठीक से सोचा नहीं है? मैं इस्तांबुल में ज़रूरत से ज़्यादा एक मिनट भी नहीं रुकूँगी। हम भोर होते ही सीमा पार कर लेंगे। तुम्हें टिकट और पासपोर्ट बनवाना होगा। मैं तुम्हारी पत्नी बनकर तुम्हारे साथ यात्रा करूँगी।’ उसने खुशी से उसकी ओर देखा।
मुझे यह पसंद आएगा। उन छोटे-छोटे घरों में से एक में जिनके बारे में मैंने पढ़ा है। वे बहुत आरामदायक होंगे। पहियों पर बने एक छोटे से घर की तरह। दिन में हम बातें करेंगे और पढ़ेंगे और रात में तुम हमारे घर के बाहर गलियारे में खड़े होकर उसकी रखवाली करोगे।'

'बिल्कुल नहीं,' बॉन्ड ने कहा। 'लेकिन देखो, तानिया। यह तो पागलपन है। वे हमें पकड़ ही लेंगे।' (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
कहीं तो जाना होगा। उस ट्रेन से लंदन जाने में चार दिन और पांच रातें लगेंगी। हमें कुछ और सोचना पड़ेगा।'
“मैं ऐसा नहीं करूंगी,” लड़की ने सपाट लहजे में कहा। “मेरे जाने का यही एकमात्र तरीका है। अगर आप चालाक हैं, तो उन्हें कैसे पता चलेगा?”
हे भगवान! उसने सोचा। उन्होंने इस ट्रेन से जाने पर इतना ज़ोर क्यों दिया? लेकिन वे पक्के इरादे वाले थे। उन्होंने कहा था कि यह प्यार के लिए अच्छी जगह है। उसे उसे अपने प्यार में फंसाने के लिए चार दिन मिलेंगे। फिर, जब वे लंदन पहुँचेंगे, तो उसकी ज़िंदगी आसान हो जाएगी। वह उसकी रक्षा करेगा। वरना, अगर वे हवाई जहाज़ से लंदन जाते, तो उसे सीधे जेल में डाल दिया जाता। ये चार दिन बहुत ज़रूरी थे। और उन्होंने उसे चेतावनी भी दी थी, ट्रेन में हमारे आदमी होंगे जो तुम्हें उतरने नहीं देंगे। इसलिए सावधान रहना और आदेशों का पालन करना। हे भगवान! हे भगवान! फिर भी अब वह उसके साथ उस छोटे से चलते-फिरते घर में बिताए उन चार दिनों के लिए तरस रही थी। कितनी अजीब बात है! उसे मजबूर करना उसका कर्तव्य था। अब यह उसकी दिली तमन्ना थी।
उसने बॉन्ड के विचारशील चेहरे को देखा। उसका मन कर रहा था कि वह उसे हाथ बढ़ाकर आश्वस्त करे कि सब ठीक हो जाएगा; कि यह उसे इंग्लैंड ले जाने की एक हानिरहित साजिश थी: कि उन दोनों में से किसी को भी कोई नुकसान नहीं हो सकता था, क्योंकि साजिश का उद्देश्य ऐसा करना नहीं था।
“खैर, मुझे अब भी यह पागलपन ही लगता है,” बॉन्ड ने कहा, यह सोचते हुए कि एम की क्या प्रतिक्रिया होगी। “लेकिन मुझे लगता है कि यह काम कर सकता है। मेरे पास पासपोर्ट है। इसके लिए युगोस्लाविया का वीज़ा चाहिए होगा,” उसने उसे सख्ती से देखते हुए कहा। “यह मत सोचो कि मैं तुम्हें ट्रेन के उस हिस्से में ले जाऊंगा जो बुल्गारिया से होकर जाता है, वरना मैं समझ जाऊंगा कि तुम मेरा अपहरण करना चाहती हो।”
“हाँ,” तातियाना खिलखिलाकर हंस पड़ी। “मैं बिल्कुल यही करना चाहती हूँ।” अब चुप रहो, तानिया। हमें इसका हल निकालना होगा। मैं टिकट ले आता हूँ और अपने एक आदमी को साथ भेज देता हूँ। एहतियात के तौर पर। वो अच्छा आदमी है। तुम्हें वो पसंद आएगा। तुम्हारा नाम कैरोलीन समरसेट है। इसे मत भूलना। आप ट्रेन तक कैसे पहुँचेंगे!
‘कैरोलिन सिओमरसेट,’ लड़की मन ही मन उस नाम पर विचार करने लगी। ‘यह कितना प्यारा नाम है। और आप मिस्टर सिओमरसेट हैं।’ वह खुशी से हंस पड़ी। ‘यह तो मजेदार है। मेरी चिंता मत कीजिए। मैं ट्रेन छूटने से ठीक पहले आ जाऊंगी। यह सिरकेसी स्टेशन है। मुझे पता है यह कहां है। बस इतना ही। अब हमें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। ठीक है?’
'मान लो तुम हिम्मत हार जाओ? मान लो वे तुम्हें पकड़ लें?' अचानक बॉन्ड लड़की के आत्मविश्वास को देखकर चिंतित हो गया। वह इतनी आश्वस्त कैसे हो सकती है? शक की एक तीखी लहर उसकी रीढ़ की हड्डी में दौड़ गई।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
'तुम्हें देखने से पहले मैं डरी हुई थी। अब मैं नहीं डरती।' तातियाना ने खुद को समझाने की कोशिश की कि यही सच है।

अध्याय इक्कीस
ओरिएंट एक्सप्रेस
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
यूरोप भर में बड़ी-बड़ी ट्रेनें एक-एक करके बंद हो रही हैं, लेकिन फिर भी, सप्ताह में तीन बार, ओरिएंट एक्सप्रेस इस्तांबुल और पेरिस के बीच 1,400 मील लंबे चमकदार स्टील ट्रैक पर शानदार ढंग से गरजती हुई दौड़ती है।
तेज रोशनी में, लंबे चेसिस वाला जर्मन इंजन अस्थमा से मरते हुए अजगर की तरह धीमी, भारी साँसें ले रहा था। हर भारी साँस आखिरी लग रही थी। फिर एक और साँस आई। डिब्बों के बीच के जोड़ों से भाप के हल्के-हल्के गुबार उठे और अगस्त की गर्म हवा में जल्दी ही गायब हो गए। इस्तांबुल के मुख्य स्टेशन की बदसूरत, घटिया वास्तुकला वाली इमारत में ओरिएंट एक्सप्रेस इकलौती चलती हुई ट्रेन थी।
अन्य लाइनों पर ट्रेनें बिना इंजन के और बिना किसी कर्मचारी के खड़ी थीं – कल का इंतजार कर रही थीं। केवल ट्रैक नंबर 3 और उसका प्लेटफार्म ही विदाई की दुखद कविता से गूंज रहा था।
गहरे नीले रंग के कोच के किनारे पर लगे भारी कांसे के चिह्न पर लिखा था, 'इंटरनेशनल स्लीपिंग एंड ग्रैंड एक्सप्रेस कंपनी'
यूरोपियन।
कोड के ऊपर, धातु के खांचों में फिट किया हुआ, एक सपाट लोहे का चिन्ह था जिस पर सफेद पृष्ठभूमि पर काले बड़े अक्षरों में "ओरिएंट एक्सप्रेस" लिखा था, और उसके नीचे तीन पंक्तियों में लिखा था:
इस्तांबुल - थेसालोनिकी - बीओग्राड
वेनिस – मिलान
लॉज़ेन – पेरिस
जेम्स बॉन्ड ने दुनिया के सबसे रोमांटिक साइनबोर्ड में से एक को बेमन से देखा। दसवीं बार उसने अपनी घड़ी देखी। 8.51 बज रहे थे। उसकी नज़र फिर से साइनबोर्ड पर पड़ी। मिलान को छोड़कर सभी शहरों के नाम देश की भाषा में लिखे थे। मिलानो क्यों नहीं? बॉन्ड ने अपना रुमाल निकाला और अपना चेहरा पोंछा।
वो लड़की आखिर कहाँ थी? क्या वो पकड़ी गई थी? क्या उसने अपना इरादा बदल लिया था?
क्या उसने कल रात, या बल्कि आज सुबह, बड़े बिस्तर पर उसके साथ कुछ ज्यादा ही सख्ती की थी?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
8.55. इंजन की धीमी आवाज़ बंद हो गई थी। एक गूंजती हुई सरसराहट सुनाई दी, जैसे ही स्वचालित सुरक्षा वाल्व ने अतिरिक्त भाप छोड़ी। सौ गज दूर, भीड़ के बीच से, बॉन्ड ने स्टेशन मास्टर को इंजन चालक और अग्निशामक को हाथ उठाकर इशारा करते हुए देखा और वह धीरे-धीरे ट्रेन से पीछे हटने लगा, आगे के तीसरे दर्जे के डिब्बों के दरवाज़े ज़ोर से बंद करता हुआ। यात्री, जिनमें से अधिकांश किसान थे जो तुर्की में अपने रिश्तेदारों के साथ सप्ताहांत बिताकर ग्रीस लौट रहे थे, खिड़कियों से बाहर झाँक रहे थे और नीचे मुस्कुराती हुई भीड़ से बातें कर रहे थे।

उससे आगे, जहां धुंधली पड़ चुकी रोशनी रुक गई और स्टेशन के अर्धचंद्राकार द्वार से गहरी नीली रात और तारे दिखाई देने लगे, बॉन्ड ने एक लाल बिंदु को हरे रंग में बदलते देखा।
स्टेशन मास्टर पास आया। भूरे रंग की वर्दी पहने वैगन-लाइट अटेंडेंट ने बॉन्ड के हाथ पर थपथपाया। 'एन वोइचर, सिल वू प्ले।' दोनों अमीर दिखने वाले तुर्कों ने अपनी प्रेमिकाओं को चूमा—वे पत्नियाँ बनने के लिए बहुत सुंदर थीं—और हँसते हुए कई बार मना करते हुए, छोटे लोहे के चबूतरे पर चढ़े और दो ऊँची सीढ़ियाँ चढ़कर डिब्बे में चले गए। प्लेटफार्म पर वैगन-लाइट में कोई और यात्री नहीं था। कंडक्टर ने लंबे अंग्रेज पर अधीरता भरी नज़र डाली, लोहे का चबूतरा उठाया और उसे लेकर ट्रेन में चढ़ गया।
स्टेशन मास्टर आत्मविश्वास से आगे बढ़ गया। दो और डिब्बे, प्रथम और द्वितीय श्रेणी के डिब्बे, और फिर जब वह गार्ड के डिब्बे पर पहुंचेगा, तो वह गंदा हरा झंडा उठाएगा।
गुइचेट से प्लेटफार्म पर कोई जल्दबाजी में आता हुआ व्यक्ति नहीं दिखाई दिया। गुइचेट के ठीक ऊपर, स्टेशन की छत के पास, बड़ी रोशन घड़ी की मिनट की सुई एक इंच आगे बढ़ी और बोली...
` नौ’।
बॉन्ड के सिर के ऊपर एक खिड़की ज़ोर से बंद हो गई। बॉन्ड ने ऊपर देखा। उसकी पहली प्रतिक्रिया यह थी कि काला घूंघट बहुत चौड़ा था। आकर्षक होंठों और उत्तेजित नीली आँखों को छिपाने का प्रयास अनुभवहीन था।
जल्दी करो।
ट्रेन चलने लगी थी। बॉन्ड ने रेलिंग पकड़ी और सीढ़ी पर चढ़ गया। अटेंडेंट अभी भी दरवाजा खोले खड़ा था। बॉन्ड आराम से अंदर चला गया।
'मैडम को देर हो गई थी,' परिचारक ने कहा। 'वह गलियारे से आई थीं। वह शायद आखिरी दरवाजे से अंदर आई होंगी।' (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
सवारी डिब्बा।'
बॉन्ड कालीन बिछे गलियारे से होते हुए बीच वाले कमरे में गया। सफेद धातु के हीरे के आकार के दरवाजे पर काले रंग का 7 और उसके ऊपर काला 8 बना हुआ था। दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था। बॉन्ड अंदर गया और उसे बंद कर दिया। लड़की ने अपना घूंघट और काली भूसी की टोपी उतार दी थी। वह खिड़की के पास कोने में बैठी थी। एक लंबा, चिकना सेबल कोट खुला हुआ था, जिसके नीचे प्राकृतिक रंग की शंटुंग की पोशाक थी, जिसमें प्लीटेड स्कर्ट, शहद के रंग के नायलॉन स्टॉकिंग्स और काले मगरमच्छ की चमड़ी का बेल्ट और जूते थे। वह शांत दिख रही थी।
'तुम्हारे पास कोई विश्वास नहीं है, जेम्स।'
बॉन्ड उसके बगल में बैठ गया। उसने कहा, 'तानिया, अगर थोड़ी और जगह होती तो मैं तुम्हें अपनी गोद में बिठाकर थप्पड़ मारता। तुमने तो मुझे लगभग दिल का दौरा ही दे दिया था। क्या हुआ?'
तातियाना ने मासूमियत से कहा, 'कुछ नहीं। क्या हो सकता है? मैंने कहा था कि मैं यहाँ रहूँगी, और मैं यहाँ हूँ। आपको मुझ पर विश्वास नहीं है। मुझे पूरा यकीन है कि आपको मुझसे ज़्यादा मेरी दहेज में दिलचस्पी है, इसलिए दहेज तो ऊपर ही है।'

ABC Amber LIT
http://www.processtext.com/abclit.html

मूंछों वाला और छोटी सी पाइप पीने वाला वह बुजुर्ग आदमी तुम्हारे बगल वाले कमरे में है – यहीं, नंबर 6 में।’ उसने सिर हिलाकर पीछे की ओर इशारा किया। वह "मेल्चियोर बेंज, सेल्समैन" के नाम से जर्मन पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा है। सांवला आदमी, अर्मेनियाई, 12 नंबर के डिब्बे में है। उसके पास भी जर्मन पासपोर्ट है - "कर्ट गोल्डफार्ब, निर्माण इंजीनियर"। उनके पास पेरिस के लिए सीधे टिकट हैं। मैंने उनके दस्तावेज़ देखे हैं। मेरे पास पुलिस कार्ड है। कंडक्टर ने कोई परेशानी नहीं की। उसके केबिन में सभी टिकट और पासपोर्ट हैं। तीसरा आदमी, जिसकी गर्दन के पीछे फोड़ा है, उसके चेहरे पर भी फोड़े हैं। एक मूर्ख, बदसूरत दिखने वाला दरिंदा। मैंने उसका पासपोर्ट नहीं देखा है। वह मेरे बगल वाले डिब्बे में, प्रथम श्रेणी में बैठा यात्रा कर रहा है। उसे ऐसा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)
सीमा तक अपना पासपोर्ट जमा करा दो। लेकिन उसने अपना टिकट जमा करा दिया है।’ जादूगर की तरह, करीम ने अपनी कोट की जेब से एक पीला प्रथम श्रेणी का टिकट निकाला। फिर उसे वापस जेब में रख लिया। उसने बॉन्ड की ओर देखकर गर्व से मुस्कुराया।
'यह सब कैसे संभव है?'
केरीम खिलखिलाकर हँसा। 'रात को सोने से पहले, यह बेवकूफ बैल शौचालय गया। मैं गलियारे में खड़ा था और अचानक मुझे याद आया कि बचपन में हम कैसे चुपके से ट्रेन में सफर करते थे। मैंने उसे एक मिनट का समय दिया। फिर मैं पास गया और शौचालय का दरवाजा खटखटाया। मैंने हैंडल को बहुत कसकर पकड़ रखा था।' मैंने ऊँची आवाज़ में कहा, "टिकट संग्रहकर्ता! कृपया टिकट दीजिए।" मैंने यह बात फ्रेंच में और फिर जर्मन में भी कही।
अंदर से कुछ बुदबुदाहट सुनाई दी। मुझे लगा जैसे वह दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा हो। मैंने उसे कसकर पकड़ लिया ताकि उसे लगे कि दरवाजा अटक गया है। "महोदय, आप परेशान न हों," मैंने विनम्रता से कहा। "टिकट को दरवाजे के नीचे से अंदर डाल दीजिए।"
दरवाजे के हैंडल से और छेड़छाड़ की आवाजें आईं और मुझे भारी साँसें सुनाई दीं। फिर थोड़ी देर का सन्नाटा छा गया और दरवाजे के नीचे से सरसराहट की आवाज आई। टिकट वहीं था। मैंने बहुत ही विनम्रता से कहा, "धन्यवाद, महोदय।" मैंने टिकट उठाया और कपलिंग पार करके अगले डिब्बे में चला गया। करीम ने लापरवाही से हाथ हिलाया। 'वह मूर्ख अब तक चैन से सो रहा होगा। वह सोचेगा कि सीमा पर उसे उसका टिकट वापस मिल जाएगा। वह गलतफहमी में है। टिकट राख हो जाएगा और राख चारों दिशाओं में उड़ जाएगी,' करीम ने बाहर के अंधेरे की ओर इशारा किया। 'मैं देखूंगा कि उस आदमी को ट्रेन से उतार दिया जाए, चाहे उसके पास कितना भी पैसा हो। उसे बताया जाएगा कि परिस्थितियों की जांच होनी चाहिए, उसके बयानों की पुष्टि टिकट एजेंसी से की जानी चाहिए। उसे बाद की ट्रेन में जाने की अनुमति दी जाएगी।'
बॉन्ड ने केरीम की प्राइवेट स्कूल वाली ट्रिक खेलते हुए तस्वीर देखकर मुस्कुराया। 'तुम तो कमाल हो, डार्को। बाकी दो के बारे में क्या?'
डार्को केरीम ने अपने विशाल कंधों को उचकाते हुए कहा, 'मुझे कुछ सूझेगा। रूसियों को पकड़ने का तरीका है उन्हें मूर्ख बनाना। उन्हें शर्मिंदा करना। उन पर हंसना। वे इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते।'

हम किसी भी तरह इन लोगों को पसीना बहाने पर मजबूर करेंगे। फिर हम एमजीबी को उनके कर्तव्य में विफल रहने के लिए उन्हें दंडित करने का काम सौंप देंगे। निःसंदेह, उन्हें उनके ही लोग गोली मार देंगे।'
जब वे बात कर रहे थे, तभी कंडक्टर नंबर 7 से बाहर आ गया। करीम ने बॉन्ड की ओर मुड़कर उसके कंधे पर हाथ रखा। उसने उत्साह से कहा, 'घबराओ मत, जेम्स। हम इन लोगों को हरा देंगे। अपनी प्रेमिका के पास जाओ। हम सुबह फिर मिलेंगे। आज रात हमें ज्यादा नींद नहीं आएगी, लेकिन इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। हर दिन अलग होता है। शायद कल हमें नींद आ जाए।'
बॉन्ड ने उस विशालकाय व्यक्ति को हिलते-डुलते गलियारे में आसानी से आगे बढ़ते देखा। उसने गौर किया कि ट्रेन की गति के बावजूद, केरीम के कंधे गलियारे की दीवारों से नहीं टकराए। बॉन्ड को उस सख्त, हंसमुख पेशेवर जासूस के लिए स्नेह की लहर महसूस हुई।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
केरीम कंडक्टर के केबिन में चला गया। बॉन्ड मुड़ा और उसने नंबर 7 के दरवाजे पर धीरे से दस्तक दी।

अध्याय बाईस
तुर्की से बाहर
ट्रेन रात भर चीखती-चिल्लाती रही। बॉन्ड बैठा रहा और चांदनी रात में तेजी से बदलते परिदृश्य को देखता रहा और जागते रहने पर ध्यान केंद्रित करता रहा।
हर चीज़ उसे सुलाने की कोशिश कर रही थी – पहियों की तेज़ धातुई सरपट दौड़, चांदी के रंग के टेलीग्राफ तारों की सम्मोहक सरसराहट, बीच-बीच में भाप की सीटी की उदास, सुकून देने वाली आवाज़ जो उनके रास्ते को साफ़ करती थी, गलियारे के दोनों सिरों पर लगे जोड़ों की सुस्त धातुई खड़खड़ाहट, छोटे से कमरे में लकड़ी के काम की लोरी जैसी चरमराहट। यहाँ तक कि दरवाज़े के ऊपर लगी रात की बत्ती की गहरी बैंगनी झिलमिलाहट भी मानो कह रही हो, ‘मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा। जब तक मैं जल रहा हूँ, कुछ नहीं हो सकता। अपनी आँखें बंद करो और सो जाओ, सो जाओ।’
लड़की का सिर उसकी गोद में गर्म और भारी था। जाहिर है, उसके लिए उस एक चादर के नीचे सरकने और उसके करीब आने के लिए बस थोड़ी सी जगह थी, उसकी जांघों का अगला हिस्सा उसकी जांघों के पिछले हिस्से से सटा हुआ था और उसका सिर तकिए पर फैले उसके बालों के पर्दे में था।
बॉन्ड ने अपनी आँखें सिकोड़ीं और फिर खोलीं। उसने सावधानी से अपनी कलाई उठाई। चार बज रहे थे। तुर्की सीमा तक बस एक घंटा और। शायद वह दिन में सो पाएगा। वह उसे बंदूक दे देगा और दरवाज़े फिर से बंद कर देगा, और वह देखती रहेगी।
उसने सोई हुई उस खूबसूरत लड़की के चेहरे पर नज़र डाली। रूसी गुप्त सेवा की यह लड़की कितनी मासूम लग रही थी – उसकी पलकें उसके कोमल गालों को छू रही थीं, उसके होंठ खुले हुए थे और जैसे किसी बात से बेखबर हों, उसके माथे पर बिखरे बालों की एक लंबी लट थी जिसे वह करीने से संवार कर बाकी बालों में मिलाना चाहता था, और उसकी गर्दन पर धड़कती नाड़ी की धीमी और स्थिर धड़कन। उसके मन में कोमलता का एक सैलाब उमड़ आया और उसे अपनी बाहों में भरकर कसकर गले लगाने की तीव्र इच्छा हुई। वह चाहता था कि वह शायद किसी सपने से जाग जाए, ताकि वह उसे चूम सके और कह सके कि सब ठीक है, और उसे खुशी-खुशी वापस सोते हुए देख सके।
लड़की ने इसी तरह सोने की ज़िद की थी। उसने कहा था, 'जब तक तुम मुझे गोद में नहीं लोगे, मैं सोऊंगी नहीं। मुझे यह जानना ज़रूरी है कि तुम हर समय मेरे साथ हो। जागने पर तुम्हें न छू पाना कितना भयानक होगा। प्लीज़ जेम्स।' कृपया दुश्का। बॉन्ड ने अपना कोट और टाई उतार दी थी और कोने में अपने सूटकेस पर पैर रखकर बैठ गया था, और बेरेटा पिस्तौल तकिए के नीचे उसकी पहुँच में रखी थी। उसने कोई टिप्पणी नहीं की। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
बंदूक के बारे में। उसने अपने गले में बंधी काली पट्टी को छोड़कर अपने सारे कपड़े उतार दिए थे और बेशर्मी से बिस्तर पर चढ़कर खुद को आरामदायक स्थिति में लाने की कोशिश करते हुए उसने उत्तेजक होने का नाटक नहीं किया था। उसने अपनी बाहें उसकी ओर उठाईं। बॉन्ड ने उसके बालों से उसका सिर पीछे खींचा और उसे एक बार लंबे और बेरहमी से चूमा। फिर उसने उसे सोने के लिए कहा और पीछे झुककर ठंडेपन से अपने शरीर के अलग होने का इंतजार करने लगा। नींद में बड़बड़ाते हुए, उसने खुद को आराम से लिटाया, एक हाथ उसकी जांघों पर

मूंछ का कुछ हिस्सा दिखाई दिया। जंजीर हटाई गई और गोल्डफ़ार्ब अंदर चला गया। सन्नाटा छा गया, इस दौरान सादे कपड़ों में मौजूद उस आदमी ने पहले 9 और 10 नंबर के कमरे में रहने वाली दो बुज़ुर्ग फ्रांसीसी महिलाओं के कागज़ात देखे और फिर बॉन्ड के कागज़ात।
अधिकारी ने बॉन्ड के पासपोर्ट पर सरसरी नज़र डाली। उसने पासपोर्ट बंद किया और कंडक्टर को सौंप दिया। 'आप करीम बे के साथ यात्रा कर रहे हैं?' उसने फ्रेंच में पूछा। उसकी आँखों में कोई भाव नहीं था।
हां।
'धन्यवाद, महोदय। आपकी यात्रा मंगलमय हो।' उस व्यक्ति ने अभिवादन किया। वह मुड़ा और छठे मकान के दरवाजे पर जोर से दस्तक दी।
दरवाजा खुला और वह अंदर चला गया।
पांच मिनट बाद दरवाजा ज़ोर से खुला। सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति, जो अब अधिकारपूर्वक सीधा खड़ा था, ने पुलिसकर्मियों को आगे आने का इशारा किया। उसने उनसे तुर्की भाषा में कठोर शब्दों में बात की। वह वापस कोठरी की ओर मुड़ा। "अपने आप को गिरफ्तार समझो, श्रीमान। तुर्की में अधिकारियों को रिश्वत देने का प्रयास एक गंभीर अपराध है।" गोल्डफ़ार्ब की टूटी-फूटी जर्मन में गुस्से भरी चीख सुनाई दी। रूसी भाषा में एक कठोर वाक्य ने उसे रोक दिया। एक अलग ही गोल्डफ़ार्ब, पागलों जैसी आँखों वाला गोल्डफ़ार्ब, बाहर आया और अंधाधुंध गलियारे से होते हुए नंबर 12 में चला गया। एक पुलिसकर्मी दरवाजे के बाहर खड़ा इंतजार कर रहा था।
और आपके कागजात, महोदय। कृपया आगे आइए। मुझे इस तस्वीर की पुष्टि करनी है।’ सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने हरे रंग की जिल्द वाले जर्मन पासपोर्ट को प्रकाश में उठाया। ‘कृपया आगे आइए।’
अनिच्छा से, क्रोध से पीला पड़ा भारी चेहरा लिए, एमजीबी का वह आदमी, जो खुद को बेंज कहता था, चमकीले नीले रेशमी ड्रेसिंग-गाउन में गलियारे में बाहर निकला। उसकी कठोर भूरी आँखें बॉन्ड की आँखों में सीधे देख रही थीं, मानो उसे अनदेखा कर रही हों।
सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने पासपोर्ट को बंद किया और कंडक्टर को सौंप दिया। 'आपके कागजात ठीक हैं, महोदय। और अब, कृपया, सामान रख दीजिए।' वह अंदर चला गया, उसके पीछे दूसरा पुलिसकर्मी भी गया।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
एमजीबी के उस आदमी ने बॉन्ड की ओर पीठ करके तलाशी को देखा।
बॉन्ड ने ड्रेसिंग गाउन की बाईं बांह के नीचे उभराव और कमर के चारों ओर बेल्ट की लकीर को देखा।
वह सोचने लगा कि क्या उसे सादे कपड़ों वाले पुलिसवाले को सूचना दे देनी चाहिए। उसने चुप रहना ही बेहतर समझा। कहीं उसे गवाह के तौर पर पेश न कर लिया जाए।
तलाशी खत्म हो गई थी। सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने ठंडे लहजे में सलाम किया और गलियारे में आगे बढ़ गया। एमजीबी का आदमी वापस कमरा नंबर 6 में गया और दरवाजा जोर से बंद कर दिया।
अफसोस, बॉन्ड ने सोचा। एक बच निकला।
बॉन्ड खिड़की की ओर मुड़ा। एक भारी-भरकम आदमी, जिसने ग्रे रंग की होम्बर्ग टोपी पहन रखी थी और जिसकी गर्दन के पिछले हिस्से पर एक बड़ा सा फोड़ा था, उसे 'पुलिस' लिखे दरवाजे से अंदर ले जाया जा रहा था। गलियारे में एक दरवाजा

ज़ोर से बंद हुआ। गोल्डफ़ार्ब, पुलिसकर्मी के साथ, ट्रेन से नीचे उतरा।
सिर झुकाए वह धूल भरे प्लेटफार्म पर चला और उसी दरवाजे से अंदर चला गया।
इंजन ने सीटी बजाई, एक नई तरह की सीटी, किसी यूनानी इंजन-चालक की साहसी और तीखी सीटी। रोशनी से जगमगाते डिब्बे का दरवाज़ा ज़ोर से बंद हो गया। सादे कपड़ों में एक आदमी और दूसरा पुलिसकर्मी स्टेशन की ओर चलते हुए दिखाई दिए। ट्रेन के पीछे खड़ा गार्ड अपनी घड़ी देखकर झंडा लहराने लगा। इंजन से एक झटका लगा और धमाके की आवाज़ धीरे-धीरे कम होती गई, और ओरिएंट एक्सप्रेस का अगला हिस्सा चलने लगा। वह हिस्सा जो लौह पर्दे के बीच से उत्तरी मार्ग से होकर गुज़रेगा—बुल्गारियाई सीमा पर स्थित स्विलेंग्राद से होकर, जो केवल पचास मील दूर था—धूल भरे प्लेटफार्म के किनारे इंतज़ार करता रह गया। बॉन्ड ने खिड़की नीचे की और तुर्की सीमा पर आखिरी नज़र डाली, जहाँ दो आदमी एक खाली कमरे में मौत की सजा के तहत बैठे होंगे। दो निशाने पर, उसने सोचा। तीन में से दो। हालात कुछ बेहतर लग रहे थे।
वह धूल से भरे सुनसान प्लेटफार्म को देखता रहा, जिस पर मुर्गियाँ और पहरेदार की छोटी काली आकृति खड़ी थी, जब तक कि लंबी ट्रेन अचानक रुककर मुख्य पटरी पर ज़ोर से नहीं चढ़ गई। उसने उस बंजर, बदसूरत ग्रामीण इलाके की ओर देखा, जहाँ तुर्की के मैदान से सुनहरे सूरज की किरणें निकल रही थीं। आज का दिन खूबसूरत होने वाला था।
बॉन्ड ने ठंडी, मीठी सुबह की हवा से अपना सिर बाहर निकाला। उसने खिड़की को ज़ोर से ऊपर खींच लिया।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उसने मन बना लिया था। वह ट्रेन में ही रहेगा और पूरी घटना को देखेगा।

अध्याय तेईस
ग्रीस से बाहर
पिथियन के छोटे से बुफे से गरमागरम कॉफी (दोपहर तक कोई रेस्टोरेंट नहीं होगा), ग्रीक सीमा शुल्क और पासपोर्ट नियंत्रण की आसान प्रक्रिया, और फिर बर्थों को समेटकर ट्रेन एजियन सागर के मुहाने पर स्थित एनेज़ की खाड़ी की ओर तेज़ी से दक्षिण की ओर बढ़ गई। बाहर, अधिक रोशनी और रंग थे। हवा अधिक शुष्क थी। छोटे स्टेशनों और खेतों में काम करने वाले पुरुष आकर्षक थे।
सूरजमुखी, मक्का, अंगूर की बेलें और तंबाकू के गट्ठे धूप में पक रहे थे।
जैसा कि डार्को ने कहा था, यह एक और दिन था।
तातियाना की मुस्कुराती निगाहों के सामने बॉन्ड ने नहाया और दाढ़ी बनाई।
तातियाना को यह बात अच्छी लगी कि उसने अपने बालों में तेल नहीं लगाया।
उसने कहा, 'यह एक गंदी आदत है। मुझे बताया गया है कि कई यूरोपीय लोगों में यह आदत होती है। हम रूस में ऐसा करने के बारे में सोच भी नहीं सकते। इससे तकिए गंदे हो जाते हैं। लेकिन यह अजीब बात है कि आप पश्चिम में लोग इत्र का इस्तेमाल नहीं करते। हमारे सभी पुरुष तो करते ही हैं।'
बॉन्ड ने रूखेपन से कहा, 'हम धोते हैं।'
उसके विरोध के बीच, दरवाजे पर दस्तक हुई। यह करीम था। बॉन्ड ने उसे अंदर आने दिया। करीम ने लड़की की ओर झुककर अभिवादन किया। दरवाजे के पास कोने में बैठते हुए उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा, 'कितना प्यारा घरेलू दृश्य है! मैंने शायद ही कभी इतने सुंदर जासूसों की जोड़ी देखी हो।'
तात्याना ने उसे घूरकर देखा। उसने ठंडे लहजे में कहा, 'मुझे पश्चिमी चुटकुलों की आदत नहीं है।'
केरीम की हंसी दिल को छू लेने वाली थी। 'तुम सीख जाओगी, मेरी प्यारी। इंग्लैंड में लोग मज़ाक करने में माहिर होते हैं। वहाँ हर बात पर मज़ाक करना उचित समझा जाता है। मैंने भी मज़ाक करना सीख लिया है। इससे काम आसान हो जाता है। आज सुबह से मैं खूब हंस रहा हूँ। उज़ुनकोप्रू के उन बेचारे लोगों का क्या हाल हुआ! काश मैं वहाँ होता जब पुलिस इस्तांबुल में जर्मन दूतावास को फोन करती। ये सबसे घटिया जाली पासपोर्ट हैं। इन्हें बनाना मुश्किल नहीं है, लेकिन जन्म प्रमाण पत्र को जाली बनाना लगभग नामुमकिन है - उस देश की फाइलों में जिसने इन्हें जारी किया है। मुझे डर है कि तुम्हारे दोनों साथियों का करियर दुखद अंत पर पहुँच गया है, श्रीमती समरसेट।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
‘तुमने ये कैसे किया?’ बॉन्ड ने अपनी टाई बांधी।
पैसा और रसूख। कंडक्टर को पाँच सौ डॉलर। पुलिस से बड़ी-बड़ी बातें। किस्मत अच्छी थी कि हमारे दोस्त ने रिश्वत देने की कोशिश की। अफसोस, बगल वाला चालाक बेनक्ड इसमें शामिल नहीं हुआ। मैं पासपोर्ट वाली चाल दोबारा नहीं चल सकता। हमें उसे किसी और तरीके से पकड़ना होगा। फोड़े वाला आदमी आसान था। उसे जर्मन नहीं आती थी और बिना टिकट यात्रा करना गंभीर मामला है। खैर, दिन की शुरुआत अच्छी हुई है। हमने पहला दौर जीत लिया है, लेकिन अब हमारा बगल वाला दोस्त बहुत सावधान रहेगा। उसे पता है कि उसे क्या करना है। शायद यही अच्छा है। पूरे दिन तुम दोनों को छुपकर रखना झंझट भरा होता। अब हम घूम सकते हैं - साथ में दोपहर का खाना भी खा सकते हैं, बशर्ते तुम अपने निजी सामान साथ लेकर आओ। हमें देखना होगा कि वह किसी स्टेशन पर फोन करता है या नहीं।

लेकिन मुझे शक है कि वह ग्रीक टेलीफोन एक्सचेंज को संभाल पाएगा। वह शायद युगोस्लाविया पहुँचने तक इंतज़ार करेगा। लेकिन वहाँ मेरे पास मेरी मशीन है। ज़रूरत पड़ने पर हम और मशीनें मंगवा सकते हैं। यह एक बहुत ही दिलचस्प सफ़र होगा। ओरिएंट एक्सप्रेस में हमेशा रोमांच होता है,’ करीम खड़ा हो गया। उसने दरवाज़ा खोला, और रोमांस भी।’ उसने डिब्बे में मुस्कुराते हुए कहा, ‘मैं दोपहर के खाने के समय तुम्हें बुलाऊँगा!’
ग्रीक खाना तुर्की खाने से भी बदतर है, लेकिन मेरा पेट भी रानी की सेवा में है।'
बॉन्ड उठा और उसने दरवाजा बंद कर दिया। तातियाना ने झल्लाकर कहा, 'तुम्हारा दोस्त सांस्कृतिक नहीं है। अपनी रानी के बारे में इस तरह बात करना बेवफाई है।'
बॉन्ड उसके बगल में बैठ गया। उसने धैर्यपूर्वक कहा, 'तानिया, वह एक अद्भुत व्यक्ति है। वह एक अच्छा दोस्त भी है।'
जहां तक मेरी बात है, वो जो चाहे कह सकता है। वो मुझसे जलता है। वो तुम्हारे जैसी लड़की पाना चाहता है। इसलिए वो तुम्हें चिढ़ाता है। ये एक तरह का फ्लर्ट है। तुम्हें इसे तारीफ समझनी चाहिए।
'क्या तुम्हें ऐसा लगता है?' उसने अपनी बड़ी-बड़ी नीली आँखें उसकी ओर घुमाईं। 'लेकिन उसने अपने पेट और तुम्हारे राज्य के मुखिया के बारे में जो कहा, वह तुम्हारी रानी के प्रति असभ्यता थी। रूस में ऐसी बात कहना बहुत ही बुरा माना जाता है।'
जब ट्रेन धूप से तपते, मक्खियों से भरे एलेक्जेंड्रोपोलिस स्टेशन पर आकर रुकी, तब भी वे बहस कर रहे थे। बॉन्ड ने गलियारे का दरवाजा खोला और सूरज की रोशनी एक धुंधले, दर्पण जैसे समुद्र पर पड़ रही थी, जो लगभग क्षितिजहीन होकर ग्रीक ध्वज के रंग के आकाश में विलीन हो रहा था।
उन्होंने दोपहर का भोजन किया, भारी बैग बॉन्ड के पैरों के बीच मेज के नीचे रखा था। करीम ने जल्दी ही उस लड़की से दोस्ती कर ली। एमजीबी का आदमी, जिसे बेंज कहा जाता था, रेस्टोरेंट वाली गाड़ी से बच निकला। उन्होंने उसे प्लेटफार्म पर चलते-फिरते बुफे से सैंडविच और बीयर खरीदते देखा। करीम ने सुझाव दिया कि वे उससे ब्रिज खेलने के लिए कहें। बॉन्ड को अचानक बहुत थकान महसूस हुई और उसकी थकान ने उसे ऐसा महसूस कराया जैसे वे इस खतरनाक यात्रा को पिकनिक में बदल रहे हों। तातियाना ने उसकी चुप्पी देखी। वह उठी और बोली कि उसे आराम करना है। जैसे ही वे वैगन-रेस्टोरेंट से बाहर निकले, उन्होंने करीम को ब्रांडी और सिगार के लिए खुशी से पुकारते सुना।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
डिब्बे में वापस आकर, तातियाना ने दृढ़ता से कहा, 'अब सोने की बारी तुम्हारी है।' उसने पर्दा गिरा दिया और दोपहर की तेज़ धूप, मक्के और तंबाकू के अंतहीन सूखे खेतों और मुरझाते सूरजमुखी के फूलों को अंदर आने से रोक दिया। डिब्बा एक गहरे हरे रंग की भूमिगत गुफा जैसा बन गया। बॉन्ड ने दरवाज़े बंद कर दिए, उसे अपनी बंदूक दी और उसकी गोद में सिर रखकर लेट गया और तुरंत सो गया।
लंबी रेलगाड़ी ग्रीस के उत्तर में रोडोप पर्वतमाला की तलहटी के नीचे से होकर गुज़र रही थी। ज़ांथी, फिर ड्रामा, फिर सेराई आए, और फिर वे मैसेडोनिया के ऊंचे इलाकों में पहुंच गए और रेलगाड़ी दक्षिण की ओर मुड़कर सैलानिका की तरफ बढ़ गई।

बॉन्ड ने कहा, 'तुम सिर्फ खाने के बारे में सोचते हो।' उसने सिर हिलाकर पीछे की ओर इशारा किया। 'हमारे दोस्त का क्या?'
‘वह हिला तक नहीं। कंडक्टर मेरा इंतज़ार कर रहा था। वह आदमी वैगन-लाइट कंपनी का सबसे अमीर कंडक्टर बनेगा। गोल्डफार्ब के कागज़ात के लिए पाँच सौ डॉलर, और अब सफ़र के अंत तक हर दिन सौ डॉलर का वेतन।’ करीम हँस पड़ा। मैंने उसे बताया है कि उसे तुर्की के लिए उसकी सेवाओं का पदक भी मिल सकता है। उसे लगता है कि हम किसी तस्करी गिरोह का पीछा कर रहे हैं। वे हमेशा इस ट्रेन का इस्तेमाल तुर्की अफ़ीम को पेरिस भेजने के लिए करते हैं। उसे आश्चर्य नहीं है, बल्कि इतनी अच्छी तनख्वाह मिलने से वह खुश है।
और अब, क्या आपको उस रूसी राजकुमारी से कुछ और पता चला है जो आपके पास है? मुझे अभी भी बेचैनी हो रही है। सब कुछ बहुत शांत है। जिन दो आदमियों को हम पीछे छोड़ आए हैं, वे शायद बिल्कुल निर्दोष होकर बर्लिन जा रहे थे, जैसा कि लड़की कहती है। यह बेंज शायद अपने कमरे में इसलिए बैठा है क्योंकि वह हमसे डरा हुआ है। हमारी यात्रा ठीक चल रही है। और फिर भी, और फिर भी... करीम ने अपना सिर हिलाया। 'ये रूसी लोग बड़े शतरंज खिलाड़ी हैं। जब वे कोई साजिश रचना चाहते हैं, तो उसे शानदार ढंग से अंजाम देते हैं। खेल की योजना बारीकी से बनाई जाती है, दुश्मन की चालों का पहले से ही अनुमान लगा लिया जाता है। उनका पूर्वानुमान लगाया जाता है और उनका मुकाबला किया जाता है। मेरे मन में कहीं न कहीं,'
खिड़की में करीम का चेहरा उदास था, 'मुझे ऐसा लग रहा है कि तुम, मैं और यह लड़की एक बहुत बड़े बोर्ड पर मोहरे हैं - हमें अपनी चालें चलने की अनुमति इसलिए दी जा रही है क्योंकि वे रूसी खेल में दखल नहीं देतीं।'
लेकिन इस साजिश का मकसद क्या है?’ बॉन्ड ने अंधेरे में देखा। उसने खिड़की में दिख रही अपनी परछाई से कहा। ‘वे क्या हासिल करना चाहते हैं? हम हमेशा इसी बात पर लौट आते हैं। बेशक हम सभी को किसी न किसी तरह की साजिश का आभास हुआ है। और हो सकता है कि उस लड़की को पता भी न हो कि वह इसमें शामिल है। मुझे पता है कि वह कुछ छिपा रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह कोई छोटा सा राज़ है जिसे वह महत्वहीन समझती है। वह कहती है कि लंदन पहुँचते ही वह मुझे सब कुछ बता देगी। सब कुछ? उसका क्या मतलब है? वह तो बस इतना कहती है कि मुझे विश्वास रखना चाहिए – कि कोई खतरा नहीं है। तुम्हें मानना ही होगा, डार्को,’ बॉन्ड ने ऊपर उसकी धीमी, चालाक आँखों में पुष्टि के लिए देखा, ‘कि उसने अपनी कहानी को सच साबित कर दिया है।’
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
केरीम की आंखों में कोई उत्साह नहीं था। उसने कुछ नहीं कहा।
बॉन्ड ने कंधे उचकाए। मैं मानता हूँ कि मुझे उससे प्यार हो गया है। लेकिन मैं बेवकूफ नहीं हूँ, डार्को। मैं हर सुराग, हर उस चीज़ पर नज़र रख रहा था जो मदद कर सके। तुम्हें पता है, जब कुछ रुकावटें हट जाती हैं तो बहुत कुछ पता चल जाता है। खैर, वो हट गई हैं, और मुझे पता है कि वो सच बोल रही है। कम से कम नब्बे प्रतिशत तो ज़रूर। और मुझे पता है कि उसे लगता है कि बाकी सब मायने नहीं रखता। अगर वो धोखा दे रही है, तो उसे भी धोखा दिया जा रहा है। तुम्हारे शतरंज वाले उदाहरण के हिसाब से, ऐसा मुमकिन है।
लेकिन फिर वही सवाल उठता है कि आखिर यह सब किसलिए किया जा रहा है।’ बॉन्ड की आवाज सख्त हो गई। ‘और अगर आप जानना ही चाहते हैं, तो मैं बस इतना ही चाहता हूं कि जब तक हमें पता न चल जाए, तब तक खेल जारी रखें।’

बॉन्ड के चेहरे पर दिख रहे हठ को देखकर केरीम मुस्कुराया। फिर अचानक हंस पड़ा।
अगर मैं होता, मेरे दोस्त, तो मैं सैलानिका में ट्रेन से उतर जाता—मशीन के साथ, और अगर तुम चाहो तो लड़की के साथ भी, हालाँकि यह इतना ज़रूरी नहीं है। मैं एथेंस के लिए एक किराए की कार लेता और लंदन के लिए अगली फ्लाइट पकड़ लेता। लेकिन मुझे "खेलकूद" के लिए पाला-पोसा नहीं गया है।’ करीम ने व्यंग्य भरे शब्दों में कहा। ‘यह मेरे लिए खेल नहीं है। यह एक धंधा है। तुम्हारे लिए यह अलग है। तुम जुआरी हो। एम भी जुआरी है। ज़ाहिर है, वह है, वरना वह तुम्हें खुली छूट नहीं देता। वह भी इस पहेली का जवाब जानना चाहता है। ठीक है। लेकिन मैं सुरक्षित खेलना पसंद करता हूँ, पूरी तरह से आश्वस्त रहना चाहता हूँ, जितना हो सके किस्मत पर निर्भर रहना चाहता हूँ। तुम्हें लगता है कि हालात सही हैं, कि वे तुम्हारे पक्ष में हैं?’ डार्को करीम मुड़ा और बॉन्ड की ओर देखा। उसकी आवाज़ दृढ़ हो गई। ‘सुनो, मेरे दोस्त,’ उसने बॉन्ड के कंधे पर अपना बड़ा हाथ रखा। ‘यह एक बिलियर्ड टेबल है। एक आसान, सपाट, हरी बिलियर्ड टेबल।’ आपने अपनी सफेद गेंद मारी है और वह आसानी से और चुपचाप लाल गेंद की ओर बढ़ रही है। पॉकेट बगल में ही है। दुर्भाग्य से, निश्चित रूप से, आप लाल गेंद को ही मारेंगे और लाल गेंद उस पॉकेट में जाएगी। यह बिलियर्ड टेबल का नियम है, बिलियर्ड रूम का नियम है। लेकिन, इन सब बातों से परे, एक जेट पायलट बेहोश हो गया है और उसका विमान सीधे उस बिलियर्ड रूम की ओर गोता लगा रहा है, या गैस पाइपलाइन फटने वाली है, या बिजली गिरने वाली है। और इमारत आपके ऊपर और बिलियर्ड टेबल के ऊपर गिर जाती है। तो फिर उस सफेद गेंद का क्या हुआ जो लाल गेंद को नहीं चूक सकती थी, और उस लाल गेंद का क्या हुआ जो पॉकेट को नहीं चूक सकती थी? बिलियर्ड टेबल के नियमों के अनुसार सफेद गेंद चूक नहीं सकती थी। लेकिन बिलियर्ड टेबल के नियम ही एकमात्र नियम नहीं हैं, और इस ट्रेन की प्रगति और आपके गंतव्य तक पहुंचने के नियम भी इस विशेष खेल में एकमात्र नियम नहीं हैं।
केरीम रुका। उसने कंधे उचकाते हुए अपनी लंबी-चौड़ी बातें खत्म कीं। उसने माफी मांगते हुए कहा, 'ये सब बातें तो तुम जानते ही हो, मेरे दोस्त। और मैंने ये सब घिसी-पिटी बातें करते-करते प्यास बुझा ली है। लड़की को जल्दी करो, हम खाने चलते हैं। लेकिन सावधान रहना, मेरी तुमसे विनती है।' उसने अपनी उंगली से अपने कोट के बीचोंबीच एक क्रॉस का निशान बनाया। 'मैं कसम नहीं खाता। ये तो बहुत गंभीर बात हो जाएगी। लेकिन मैं पेट पर हाथ रखता हूँ, जो मेरे लिए एक महत्वपूर्ण कसम है। हम दोनों के लिए रास्ते में कई चौंकाने वाली बातें हैं। जिप्सी ने कहा था कि सावधान रहना।'
अब मैं भी यही कहता हूँ। हम बिलियर्ड टेबल पर खेल सकते हैं, लेकिन हम दोनों को बिलियर्ड रूम के बाहर की दुनिया से सावधान रहना चाहिए। मेरी नाक,’ उसने अपनी नाक पर हाथ रखते हुए कहा, ‘मुझे यही बताती है।’
केरीम के पेट से एक अजीब सी आवाज़ आई, मानो कोई फ़ोन का रिसीवर कहीं पड़ा रह गया हो और दूसरी तरफ़ कोई नाराज़ कॉलर हो। उसने बड़ी चिंता से कहा, 'लो! मैंने क्या कहा था? हमें जाकर खाना खाना चाहिए।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
जैसे ही ट्रेन थेसालोनिकी के बदसूरत आधुनिक जंक्शन पर पहुँची, उन्होंने अपना खाना खत्म कर लिया। बॉन्ड भारी छोटा बैग लिए हुए था, वे ट्रेन में वापस नीचे उतरे और रात के लिए अलग हो गए। 'हमें जल्द ही फिर से परेशान किया

जाएगा,' केरीम ने चेतावनी दी। 'एक बजे सीमा है। यूनानियों से कोई परेशानी नहीं होगी, लेकिन वे युगोस्लाव लोग किसी भी आराम से यात्रा करने वाले को जगाना पसंद करते हैं। अगर वे आपको परेशान करें, तो मुझे बुला लेना। उनके देश में भी कुछ ऐसे नाम हैं जिनका मैं जिक्र कर सकता हूँ। मैं अगले डिब्बे के दूसरे कंपार्टमेंट में हूँ। मैं वहाँ अकेला हूँ। कल मैं अपने दोस्त गोल्डफार्ब के 12 नंबर वाले कमरे में चला जाऊँगा। फिलहाल, फर्स्ट क्लास में रहना ठीक है।'
बॉन्ड नींद में ऊँघता रहा, क्योंकि ट्रेन चाँदनी रात में जगमगाती वर्दार घाटी से होते हुए युगोस्लाविया के दक्षिणी छोर की ओर बढ़ रही थी। तातियाना फिर से उसकी गोद में सिर रखकर सो रही थी। वह डार्को की कही बातों के बारे में सोच रहा था। वह सोच रहा था कि क्या बेलग्रेड से सुरक्षित निकल जाने के बाद उसे उस बड़े आदमी को इस्तांबुल वापस नहीं भेज देना चाहिए।
उसे यूरोप भर में घसीटकर एक ऐसे साहसिक कार्य में ले जाना उचित नहीं था जो उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर था और जिसके प्रति उसकी कोई सहानुभूति नहीं थी। डार्को को स्पष्ट रूप से संदेह था कि बॉन्ड उस लड़की के प्रति आसक्त हो गया था और अब वह इस योजना को ठीक से नहीं समझ पा रहा था। खैर, इसमें कुछ सच्चाई तो थी। ट्रेन से उतरकर घर लौटने का दूसरा रास्ता अपनाना निश्चित रूप से अधिक सुरक्षित होता। लेकिन, बॉन्ड ने मन ही मन स्वीकार किया कि अगर यह कोई साजिश थी, तो वह इससे भागने का विचार भी सहन नहीं कर सकता था। अगर यह साजिश नहीं थी, तो वह तातियाना के साथ बिताए तीन और दिन कुर्बान करने का विचार भी सहन नहीं कर सकता था। और एम ने यह निर्णय उस पर छोड़ दिया था। जैसा कि डार्को ने कहा था, एम भी इस खेल को अंत तक देखना चाहता था। अजीब बात यह थी कि एम भी यह देखना चाहता था कि यह सारा झंझट किस बारे में है।
बॉन्ड ने इस समस्या को नजरअंदाज कर दिया। यात्रा अच्छी चल रही थी। फिर, घबराने की क्या जरूरत थी?
ग्रीक सीमा चौकी इडोमेनी पहुँचने के दस मिनट बाद ही दरवाजे पर ज़ोर से दस्तक हुई। इससे लड़की जाग गई। बॉन्ड उसके सिर के नीचे से निकला। उसने अपना कान दरवाजे पर लगाया। 'जी?'
'महाशय, कंडक्टर। एक दुर्घटना हो गई है। आपका मित्र करीम बे।'
“रुको,” बॉन्ड ने गुस्से से कहा। उसने बेरेटा को उसके होल्स्टर में रखा और अपना कोट पहना। उसने दरवाजा तोड़कर खोल दिया।
यह क्या है?
गलियारे की रोशनी में कंडक्टर का चेहरा पीला पड़ गया था। 'आओ।' वह दौड़कर गलियारे से होते हुए प्रथम श्रेणी की ओर चला गया।
अधिकारी दूसरे डिब्बे के खुले दरवाजे के चारों ओर जमा थे। वे खड़े होकर घूर रहे थे।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
कंडक्टर ने बॉन्ड के लिए रास्ता बनाया। बॉन्ड दरवाजे तक पहुंचा और अंदर झांका।
उसके सिर के बाल धीरे से हिले। दाहिनी ओर की सीट पर दो शव पड़े थे। वे एक भयावह मौत की जद्दोजहद में जकड़े हुए थे, मानो किसी फिल्म के लिए पोज दे रहे हों।
नीचे केरीम था, उठने की आखिरी कोशिश में उसके घुटने ऊपर उठे हुए थे। गर्दन की नस के पास एक खंजर का टेप से लिपटा हुआ हैंडल बाहर निकला हुआ था। उसका

अध्याय चौबीस
क्या आप खतरे से बाहर हैं?
ओरिएंट एक्सप्रेस दोपहर तीन बजे धीमी गति से बेलग्रेड पहुंची, जो आधे घंटे की देरी थी।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
ट्रेन के दूसरे हिस्से के बुल्गारिया से लौह-पर्दे को पार करके आने में आठ घंटे की देरी होगी। बॉन्ड भीड़ की ओर देख रहा था और दरवाजे पर दस्तक का इंतज़ार कर रहा था, जो केरीम के आदमी की होगी। तातियाना अपने सेबल कोट में लिपटी दरवाजे के पास बैठी बॉन्ड को देख रही थी, और सोच रही थी कि क्या वह उसके पास वापस आएगा।
उसने खिड़की से यह सब देखा था - ट्रेन में लाई जा रही लंबी टोकरियाँ, पुलिस फोटोग्राफर के कैमरों की फ्लैश, औपचारिकताओं को जल्दी निपटाने की कोशिश कर रहा हावभाव दिखाता हुआ ट्रेन का मुखिया, और कसाई के चाकू की तरह सीधा, कठोर और ठंडा, लंबा जेम्स बॉन्ड का आना-जाना।
बॉन्ड वापस आ गया था और उसे घूरता हुआ बैठा था। उसने तीखे और बेरहम सवाल पूछे। उसने पूरी ताकत से उनका विरोध किया, अपनी बात पर अड़ी रही, यह जानते हुए कि अगर उसने उसे सब कुछ बता दिया, जैसे कि यह कि स्मर्श इसमें शामिल था, तो वह उसे हमेशा के लिए खो देगी।
अब वह बैठी हुई थी और डरी हुई थी, उस जाल से डरी हुई थी जिसमें वह फंसी हुई थी, उन झूठों के पीछे क्या हो सकता था जो उसे मॉस्को में बताए गए थे, उससे डरी हुई थी - सबसे बढ़कर इस बात से डरी हुई थी कि कहीं वह उस आदमी को खो न दे जो अचानक उसके जीवन की रोशनी बन गया था।
दरवाजे पर दस्तक हुई। बॉन्ड उठा और दरवाजा खोला। करीम जैसी नीली आँखों और भूरे चेहरे पर उलझे सुनहरे बालों वाला एक मजबूत, हंसमुख, रबर जैसा आदमी डिब्बे में घुस आया।
“आपकी सेवा में स्टीफ़न ट्रेम्पो हाज़िर हैं,” बड़ी मुस्कान के साथ दोनों ने कहा। “वे मुझे ‘टेम्पो’ कहते हैं। शेफ़ कहाँ हैं?”
बॉन्ड ने कहा, 'बैठ जाओ।' उसने मन ही मन सोचा, 'मैं जानता हूँ। यह डार्को का एक और बेटा है।'
उस आदमी ने उन दोनों को तीखी निगाहों से देखा। वह सावधानी से उन दोनों के बीच बैठ गया। उसका चेहरा भावहीन हो गया।
अब उसकी चमकीली आँखें बॉन्ड को भयानक तीव्रता से घूर रही थीं, जिनमें भय और संदेह दोनों थे। उसका दाहिना हाथ सहजता से उसके कोट की जेब में चला गया। जब बॉन्ड ने अपनी बात खत्म की, तो वह आदमी खड़ा हो गया। उसने कोई सवाल नहीं पूछा। उसने कहा, 'धन्यवाद महोदय। क्या आप कृपया मेरे साथ चलेंगे? हम मेरे अपार्टमेंट में चलेंगे। बहुत काम है।' वह गलियारे में चला गया और उनकी तरफ पीठ करके खड़ा हो गया, रेलिंग के पार देखता रहा। जब लड़की बाहर आई तो वह पीछे मुड़े बिना गलियारे में आगे बढ़ गया। बॉन्ड भारी बैग और अपना छोटा सा अटैची केस लिए हुए लड़की के पीछे-पीछे चला गया।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
वे प्लेटफार्म से चलकर स्टेशन चौक पर पहुँचे। हल्की-हल्की बारिश शुरू हो चुकी थी। खस्ताहाल टैक्सियों की छिटपुट कतार और नीरस आधुनिक इमारतों के नज़ारे से भरा यह दृश्य निराशाजनक था। उस आदमी ने एक जर्जर मॉरिस

ऑक्सफोर्ड सैलून का पिछला दरवाज़ा खोला। वह आगे बैठा और स्टीयरिंग व्हील संभाला। वे पत्थरों से होते हुए फिसलन भरी डामर की सड़क पर आगे बढ़े और चौड़ी, खाली सड़कों पर पंद्रह मिनट तक गाड़ी चलाते रहे। उन्हें कुछ ही पैदल यात्री और मुट्ठी भर से ज़्यादा गाड़ियाँ नहीं दिखीं।
वे एक पथरीली गली में आधे रास्ते में रुक गए। टेम्पो उन्हें एक चौड़े अपार्टमेंट के दरवाज़े से अंदर ले गया और दो सीढ़ियाँ ऊपर चढ़ाया जहाँ बाल्कन की गंध थी—पुराने पसीने, सिगरेट के धुएँ और पत्तागोभी की गंध। उसने एक दरवाज़ा खोला और उन्हें दो कमरों वाले एक फ्लैट में ले गया जिसमें साधारण सा फर्नीचर था और भारी लाल मखमली पर्दे हटे हुए थे जिससे गली के दूसरी ओर की खाली खिड़कियाँ दिखाई दे रही थीं। एक साइडबोर्ड पर कई बंद बोतलें, गिलास और फलों और बिस्कुटों से भरी प्लेटें रखी थीं—डार्को और उसके दोस्तों का स्वागत।
टेम्पो ने ड्रिंक्स की ओर हल्के से इशारा किया। 'जी महोदय, आप और महोदया आराम से बैठिए। यहाँ बाथरूम है। आप दोनों को स्नान करना अच्छा लगेगा। अगर आप मुझे अनुमति दें, तो मुझे फ़ोन करना है!' चेहरे का कठोर मुखौटा टूटने ही वाला था। वह आदमी जल्दी से बेडरूम में गया और दरवाज़ा बंद कर लिया।
इसके बाद दो घंटे का खाली समय बीता, जिसमें बॉन्ड खिड़की से सामने वाली दीवार को देखता रहा। बीच-बीच में वह उठता और इधर-उधर टहलता, फिर बैठ जाता। पहले घंटे में तातियाना बैठी रही और पत्रिकाओं के ढेर में से कुछ देखने का नाटक करती रही। फिर वह अचानक बाथरूम में चली गई और बॉन्ड को बाथटब में पानी गिरने की हल्की-सी आवाज़ सुनाई दी।
लगभग छह बजे, टेम्पो बेडरूम से बाहर आया। उसने बॉन्ड से कहा कि वह बाहर जा रहा है। 'रसोई में खाना रखा है। मैं नौ बजे वापस आऊंगा और आपको ट्रेन तक छोड़ दूंगा। कृपया मेरे फ्लैट को अपना ही समझिएगा।'
बॉन्ड के जवाब का इंतज़ार किए बिना, वह बाहर चला गया और धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया। बॉन्ड ने सीढ़ियों पर उसके कदमों की आहट, सामने के दरवाज़े की क्लिक की आवाज़ और मॉरिस कार के ऑटोमैटिक स्टार्ट होने की आवाज़ सुनी। बॉन्ड बेडरूम में गया और बिस्तर पर बैठ गया, फिर उसने टेलीफोन उठाया और जर्मन भाषा में लॉन्ग-डिस्टेंस एक्सचेंज से बात की।
आधे घंटे बाद एम की धीमी आवाज सुनाई दी।
बॉन्ड ने यूनिवर्सल एक्सपोर्ट के प्रबंध निदेशक से एक यात्रा करने वाले विक्रेता की तरह बात की। उन्होंने कहा कि उनके साथी की तबीयत बहुत खराब हो गई है। क्या कोई नए निर्देश आए हैं?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
'बहुत बीमार हो?'
जी हाँ, बिलकुल।
दूसरी कंपनी के बारे में क्या ख्याल है?
'हमारे साथ तीन लोग थे, महोदय। उनमें से एक को भी वही बीमारी हो गई। बाकी दो तुर्की से निकलते समय बीमार पड़ गए। उन्होंने हमें उज़ुनकोप्रू में छोड़ दिया - वही सीमा है।'
तो क्या दूसरी कंपनी ने अपना काम बंद कर दिया है?
बॉन्ड जानकारी छानते हुए एम का चेहरा देख सकता था। वह सोच रहा था कि क्या छत में पंखा धीरे-धीरे घूम रहा है, क्या एम के हाथ में कोई पाइप है, या क्या चीफ ऑफ स्टाफ दूसरे तार पर उसकी बातें सुन रहा है।

आपके क्या विचार हैं? क्या आप और आपकी पत्नी घर लौटने के लिए कोई दूसरा रास्ता अपनाना चाहेंगे?
महोदय, बेहतर होगा कि आप ही फैसला करें। मेरी पत्नी ठीक हैं। नमूना अच्छी स्थिति में है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई खराबी आएगी। मैं अब भी यात्रा पूरी करने के लिए उत्सुक हूं। अन्यथा यह अनछुआ क्षेत्र ही रह जाएगा। हमें पता नहीं चलेगा कि आगे क्या संभावनाएं हैं।
'क्या आप चाहेंगे कि हमारे अन्य सेल्समैन आपकी मदद करें?' 'इसकी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए, महोदय। जैसा आपको ठीक लगे।'
सोचो ज़रा। तो क्या तुम वाकई इस बिक्री अभियान को पूरा करना चाहते हो?’ बॉन्ड देख सकता था कि एम की आँखों में वही विचित्र जिज्ञासा और जानने की वही तीव्र इच्छा झलक रही थी, जो उसे खुद महसूस हो रही थी। ‘जी हाँ, महोदय। अब जब मैं आधा रास्ता तय कर चुका हूँ, तो पूरा रास्ता तय न करना अफसोस की बात होगी।’
ठीक है। मैं सोचूंगा कि आपको मदद के लिए एक और सेल्समैन दे दूं।’ अंत में थोड़ी देर का विराम था। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
लाइन के बारे में। 'क्या आपके दिमाग में और कुछ नहीं है?'
नहीं, महोदय।
तो फिर अलविदा।
अलविदा महोदय।
बॉन्ड ने रिसीवर नीचे रख दिया। वह बैठ गया और उसे देखने लगा। अचानक उसे लगा कि काश उसने एम की बात मानकर अतिरिक्त सैनिक भेज दिए होते, ताकि ज़रूरत पड़ने पर काम आ सकें। वह बिस्तर से उठ गया। कम से कम वे जल्द ही इस बाल्कन से निकलकर इटली पहुँच जाएँगे। फिर स्विट्ज़रलैंड, फ्रांस – दोस्ताना लोगों के बीच, उन गुप्त इलाकों से दूर।
और उस लड़की का क्या? क्या वह केरीम की मौत के लिए उसे दोषी ठहरा सकता था? बॉन्ड अगले कमरे में गया और खिड़की के पास खड़ा होकर बाहर देखने लगा, सोचने लगा, क्रिस्टल पैलेस में उस रात उसकी आवाज़ सुनने के बाद से उसने जो कुछ भी किया था, उसके हर हावभाव और हर इशारे पर फिर से विचार करने लगा। नहीं, वह जानता था कि वह उसे दोषी नहीं ठहरा सकता। अगर वह एजेंट थी, तो वह एक अचेतन एजेंट थी। दुनिया में उसकी उम्र की कोई भी लड़की इस भूमिका को, अगर वह कोई भूमिका निभा रही थी, तो खुद को धोखा दिए बिना नहीं निभा सकती थी। और वह उसे पसंद करता था। और उसे अपनी अंतरात्मा पर भरोसा था। इसके अलावा, केरीम की मौत के साथ, क्या साजिश, जो भी थी, अपने आप पूरी नहीं हो गई? एक दिन उसे पता चल जाएगा कि साजिश क्या थी। फिलहाल वह निश्चित था। तातियाना इस साजिश का सचेत हिस्सा नहीं थी।
मन बना लेने के बाद, बॉन्ड बाथरूम के दरवाजे तक गया और खटखटाया। वह बाहर आई और उसने उसे बाहों में भर लिया, गले लगाया और चूमा। वह उससे लिपट गई। वे खड़े रहे और अपने बीच उस अंतरंग गर्माहट को फिर से महसूस किया, मानो वह गर्माहट करीम की मौत की ठंडी याद को पीछे धकेल रही हो।
तात्याना अलग हो गई। उसने बॉन्ड के चेहरे की ओर देखा। उसने हाथ बढ़ाकर उसके माथे से काले बालों की लट को हटाया।
उसका चेहरा खिल उठा था। 'मुझे खुशी है कि तुम वापस आ गए हो, जेम्स,' उसने कहा। और फिर, सहज भाव से, 'और अब हमें खाना-पीना चाहिए और अपना जीवन फिर से शुरू करना चाहिए।'

बढ़कर उसका हाथ पकड़ लिया। वह भी उसके पास आकर बैठ गया। वे कॉर्निश पर बने रंगीन विलाओं, नौकाओं और वाटर स्कीइंग करते लोगों को देखने लगे।
ट्रेन कुछ खटारों से गुज़री और धीरे से चमकते हुए ट्रिएस्ट स्टेशन पर आकर रुक गई। बॉन्ड उठा और खिड़की नीचे कर ली, और वे दोनों साथ-साथ खड़े होकर बाहर देखने लगे। अचानक बॉन्ड को खुशी महसूस हुई। उसने लड़की की कमर में हाथ डाला और उसे कसकर गले लगा लिया।
वे नीचे छुट्टी मनाने आए लोगों की भीड़ को निहार रहे थे। स्टेशन की ऊंची, साफ खिड़कियों से सूरज की सुनहरी किरणें अंदर आ रही थीं। यह जगमगाता दृश्य उन देशों के अंधेरे और गंदगी को और भी उभार रहा था, जहां से ट्रेन आई थी। बॉन्ड लगभग कामुक आनंद के साथ रंग-बिरंगे कपड़े पहने लोगों को धूप में से होते हुए प्रवेश द्वार की ओर जाते हुए देख रहा था, और धूप से झुलसे हुए लोग, जो अपनी छुट्टियां मनाकर लौटे थे, ट्रेन में अपनी सीटें पाने के लिए प्लेटफार्म पर तेजी से चढ़ रहे थे।
सूरज की एक किरण एक ऐसे व्यक्ति के सिर पर पड़ी जो इस खुशहाल, खेल-खेल की दुनिया का एक विशिष्ट उदाहरण लग रहा था। टोपी के नीचे सुनहरे बालों और एक युवा सुनहरी मूंछ पर रोशनी पल भर के लिए चमकी। ट्रेन पकड़ने के लिए अभी काफी समय था। वह व्यक्ति आराम से चल रहा था। बॉन्ड के मन में आया कि वह एक अंग्रेज है। शायद गहरे हरे रंग की कंगोल टोपी का जाना-पहचाना आकार, या बेज रंग का, काफी इस्तेमाल किया हुआ रेनकोट, ये सब बातें बॉन्ड को अंग्रेज की याद दिला रही थीं। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
शायद यह अंग्रेज़ पर्यटक की पहचान थी, या हो सकता है कि उसकी धूसर फलालैन की पैंट या घिसे हुए भूरे जूते। लेकिन बॉन्ड की नज़रें उस पर टिक गईं, मानो वह कोई जाना-पहचाना व्यक्ति हो, जैसे ही वह आदमी प्लेटफार्म पर उसकी ओर बढ़ा।
वह आदमी एक जर्जर रेवेलेशन सूटकेस लिए हुए था और दूसरे हाथ के नीचे एक मोटी किताब और कुछ अखबार दबाए बैठा था। बॉन्ड ने सोचा, वह किसी एथलीट जैसा दिखता है। उसके चौड़े कंधे और स्वस्थ, आकर्षक, सांवला चेहरा किसी पेशेवर टेनिस खिलाड़ी जैसा है जो विदेशी टूर्नामेंटों के एक दौर के बाद घर लौट रहा हो। वह आदमी करीब आया। अब वह सीधे बॉन्ड को देख रहा था। क्या पहचान के साथ? बॉन्ड ने अपने दिमाग में सोचा। क्या वह इस आदमी को जानता था? नहीं। अगर जानता होता तो उसे वे आँखें याद होतीं जो पीली पलकों के नीचे से इतनी ठंडी निगाहों से घूर रही थीं। वे धुंधली, लगभग बेजान थीं। किसी डूबे हुए आदमी की आँखें। लेकिन उनमें उसके लिए कोई संदेश था। क्या था वह? पहचान? चेतावनी? या फिर बॉन्ड की घूरती निगाहों की रक्षात्मक प्रतिक्रिया?
वह आदमी वैगन की लाइट लेकर आया। उसकी निगाहें अब ट्रेन पर टिकी हुई थीं। वह बिना आवाज़ किए आगे बढ़ गया, उसके चमड़े के तले वाले जूतों से कोई आवाज़ नहीं हुई। बॉन्ड ने उसे रेलिंग पकड़ते और आसानी से सीढ़ियों से चढ़कर प्रथम श्रेणी के डिब्बे में जाते देखा।
अचानक बॉन्ड समझ गया कि उस नज़र का क्या मतलब था, वह आदमी कौन था। बिलकुल! यह आदमी सेना से था। आख़िरकार एम ने एक अतिरिक्त सहायक भेजने का फ़ैसला किया था। उन अजीब आँखों का यही संदेश था।
बॉन्ड को पूरा यकीन था कि वह आदमी जल्द ही संपर्क करने के लिए आ जाएगा।
एम की आदत है कि वह पूरी तरह से सुनिश्चित हो जाता है!

अध्याय पच्चीस
विंडसर नॉट वाली टाई
संपर्क को आसान बनाने के लिए, बॉन्ड बाहर गया और गलियारे में खड़ा हो गया। उसने दिन के कोड की बारीकियों को दोहराया, कुछ हानिरहित वाक्यांश, जो हर महीने की पहली तारीख को बदले जाते थे और अंग्रेजी एजेंटों के बीच एक सरल पहचान संकेत के रूप में काम करते थे।
ट्रेन को एक झटका लगा और वह धीरे-धीरे धूप में निकल आई। गलियारे के अंत में ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
दरवाजा जोर से बंद हो गया। कदमों की कोई आवाज नहीं आई, लेकिन अचानक खिड़की में लाल और सुनहरे रंग का चेहरा दिखाई दिया।
क्षमा कीजिए। क्या मैं आपसे एक माचिस उधार ले सकता हूँ?
मैं लाइटर का इस्तेमाल करता हूँ।’ बॉन्ड ने अपना पुराना रॉनसन लाइटर निकाला और उसे सौंप दिया।
इससे भी बेहतर।
जब तक कि वे गलत न हो जाएं।
बॉन्ड ने उस आदमी के चेहरे की ओर देखा, और उम्मीद कर रहा था कि बचकाने अंदाज़ में 'वहाँ कौन है? पास, दोस्त' वाली रस्म पूरी होने पर वह मुस्कुराएगा।
मोटे होंठ क्षण भर के लिए फड़फड़ाए। अत्यंत फीकी नीली आँखों में कोई चमक नहीं थी।
उस आदमी ने अपना रेनकोट उतार दिया था। उसने एक पुराना लाल-भूरा ट्वीड कोट, फलालैन की पतलून, हल्के पीले रंग की वियेला समर शर्ट और रॉयल आर्टिलरी की गहरे नीले और मैरून रंग की ज़िगज़ैग टाई पहनी हुई थी। टाई विंडसर नॉट से बंधी थी। बॉन्ड को विंडसर नॉट से टाई बांधने वाले किसी भी व्यक्ति पर भरोसा नहीं था।
इसमें हद से ज़्यादा घमंड झलक रहा था। अक्सर यह एक धूर्त व्यक्ति की निशानी होती है। बॉन्ड ने अपने पूर्वाग्रह को भुलाने का फैसला किया। रेलिंग को पकड़े हुए दाहिने हाथ की छोटी उंगली पर एक सोने की अंगूठी चमक रही थी, जिस पर एक अस्पष्ट चिह्न बना हुआ था। आदमी के कोट की जेब से लाल रुमाल का एक कोना बाहर लटक रहा था। उसकी बाईं कलाई पर एक पुरानी चमड़े की पट्टी वाली चांदी की घड़ी थी, जो घिसी-पिटी थी।
बॉन्ड ऐसे लोगों को जानता था – एक छोटे से सरकारी स्कूल में पढ़ा और फिर युद्ध में फंस गया। शायद फील्ड सिक्योरिटी में। बाद में क्या करना है, यह समझ नहीं आया, इसलिए कब्ज़ा करने वाली सेनाओं के साथ ही रुक गया। पहले वह मिलिट्री पुलिस में रहा होगा, फिर जैसे-जैसे वरिष्ठ अधिकारी घर लौटते गए, उसे सुरक्षा सेवाओं में से किसी एक में पदोन्नति मिल गई। ट्रिएस्ट चला गया, जहाँ उसने अच्छा काम किया। वहीं रहना चाहता था और इंग्लैंड की कठिनाइयों से बचना चाहता था। शायद उसकी कोई प्रेमिका थी, या उसने किसी इतालवी से शादी कर ली थी। वापसी के बाद ट्रिएस्ट में खाली हुई छोटी सी चौकी के लिए गुप्त सेवा को एक आदमी की ज़रूरत थी। यह आदमी उपलब्ध था। उन्होंने उसे भर्ती कर लिया।
उसे नियमित काम करने होंगे – इतालवी और यूगोस्लाव पुलिस और उनके खुफिया नेटवर्क में कुछ निचले स्तर के सूत्र रखने होंगे। सालाना एक हजार डॉलर। एक अच्छा जीवन, उससे ज्यादा उम्मीदें नहीं होंगी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
फिर अचानक यह सब हो गया। उसे तुरंत कार्रवाई का संकेत मिलना ज़रूर एक बड़ा झटका रहा होगा। वह शायद बॉन्ड से थोड़ा झिझकता होगा। अजीब सा चेहरा। आँखें कुछ पागलपन भरी लग रही थीं। लेकिन विदेशों में गुप्त काम करने वाले ज़्यादातर लोगों की आँखें ऐसी ही होती हैं। ऐसा काम करने के लिए थोड़ा पागल होना तो ज़रूरी ही है। ताकतवर आदमी, शायद थोड़ा बेवकूफ, लेकिन इस तरह की सुरक्षा के काम के लिए काफ़ी उपयोगी। एम ने पास के एक आदमी को पकड़ा और उसे ट्रेन में चढ़ने को कहा।
बॉन्ड के मन में ये सब बातें चल रही थीं जब वह उस आदमी के कपड़ों और सामान्य रूप-रंग की एक तस्वीर खींच रहा था। फिर उसने कहा, 'आपको देखकर खुशी हुई। ये सब कैसे हुआ?'
मुझे एक सिग्नल मिला। कल देर रात। एम का निजी संदेश था। मैं तो हिल ही गया था, सच कहूँ तो, बूढ़े आदमी।
अजीब लहजा। ये क्या था? थोड़ी सी बनावटी बोली—सस्ती बनावटी बोली। और कुछ ऐसा भी था जिसे बॉन्ड समझ नहीं पाया।
शायद विदेश में लंबे समय तक रहने और लगातार विदेशी भाषाएँ बोलने की वजह से ऐसा हुआ। और अंत में वो भयानक बूढ़ा आदमी। शर्म।
बॉन्ड ने सहानुभूति जताते हुए कहा, 'ज़रूर होगा।' 'उसमें क्या लिखा था?' मुझे अभी-अभी बताया गया है कि आज सुबह ओरिएंट ट्रेन में चढ़ो और आगे वाली बोगी में बैठे एक आदमी और एक लड़की से संपर्क करो। उन्होंने लगभग तुम्हारे चेहरे-मोहरे का वर्णन किया है। फिर मुझे तुम्हारे साथ रहना है और तुम दोनों को गे पेरिस तक पहुँचाना है।
बस इतना ही, बूढ़े आदमी।
क्या आवाज में बचाव का भाव था? बॉन्ड ने बगल में देखा। पीली आँखें घूमकर उसकी आँखों से मिलीं।
उनकी आँखों में एक पल के लिए लाल चमक दिखाई दी। ऐसा लगा जैसे किसी भट्टी का सुरक्षा द्वार खुल गया हो। आग बुझ गई। उस आदमी के भीतर का द्वार ज़ोर से बंद हो गया। अब आँखें फिर से धुंधली हो गईं - एक अंतर्मुखी व्यक्ति की आँखें, एक ऐसे व्यक्ति की आँखें जो शायद ही कभी बाहरी दुनिया की ओर देखता है, बल्कि हमेशा अपने भीतर के दृश्य का अवलोकन करता रहता है।
बॉन्ड उसे देखकर चौंक गया और सोचने लगा, "वहाँ तो पागलपन के लक्षण साफ दिख रहे हैं। शायद सदमे से मर गया हो, या फिर सिज़ोफ्रेनिया से। बेचारा, उस शानदार शरीर के साथ। एक दिन तो वह ज़रूर टूट जाएगा। पागलपन उस पर हावी हो जाएगा। बॉन्ड को कार्मिक विभाग से बात करनी चाहिए। उसके मेडिकल की जाँच करवानी चाहिए। वैसे, उसका नाम क्या था?"
मुझे खुशी है कि तुम मेरे साथ हो। शायद तुम्हारे पास करने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं होगा। शुरुआत में तीन रेडलैंड के आदमी हमारा पीछा कर रहे थे। उन्हें तो हमने भगा दिया है, लेकिन ट्रेन में और भी हो सकते हैं। या कुछ और भी चढ़ सकते हैं। और मुझे इस लड़की को बिना किसी परेशानी के लंदन पहुँचाना है। अगर तुम थोड़ा इंतज़ार करो तो अच्छा होगा। आज रात हम साथ रहें और बारी- बारी से पहरा दें। यह आखिरी रात है और मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

मेरा नाम जेम्स बॉन्ड है। मैं डेविड समरसेट बनकर यात्रा कर रहा हूँ। और वो कैरोलिन समरसेट हैं।'
उस व्यक्ति ने अपनी अंदरूनी जेब में हाथ डाला और एक पुराना नोटों का बक्सा निकाला जिसमें काफी पैसे भरे हुए प्रतीत हो रहे थे। उसने उसमें से एक मुलाकात का कार्ड निकाला और बॉन्ड को दे दिया। उस पर 'कैप्टन नॉर्मन नैश' लिखा था और बाईं ओर नीचे कोने में 'रॉयल ऑटोमोबाइल क्लब' लिखा था।
बॉन्ड ने कार्ड को अपनी जेब में रखते हुए उस पर उंगली फिराई। उस पर कुछ खुदा हुआ था। 'धन्यवाद,' उसने कहा।
अच्छा, नैश, आओ और श्रीमती समरसेट से मिलो। कोई कारण नहीं है कि हम कमोबेश साथ में यात्रा न करें।'
उन्होंने उत्साहवर्धक मुस्कान दी।
लाल चमक फिर से झट से बुझ गई। युवा सुनहरी मूंछों के नीचे होंठ मरोड़ रहे थे।
'बहुत प्रसन्न हुए, बूढ़े आदमी।'
बॉन्ड दरवाजे की ओर मुड़ा और धीरे से दस्तक देकर अपना नाम बोला।
दरवाजा खुला। बॉन्ड ने नैश को अंदर आने का इशारा किया और उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया।
लड़की हैरान दिखी।
'ये कैप्टन नैश हैं, नॉर्मन नैश। इन्हें हम पर नज़र रखने के लिए कहा गया है।'
'आप कैसी हैं?' लड़की ने हिचकिचाते हुए हाथ बढ़ाया। उस आदमी ने उसे हल्के से छुआ। उसकी निगाहें टिकी हुई थीं। उसने कुछ नहीं कहा। लड़की ने शर्मिंदगी भरी हल्की हंसी हंसते हुए कहा, 'क्या आप बैठेंगे नहीं?'
“अरे, धन्यवाद।” नैश बेंच के किनारे पर अकड़कर बैठ गया। उसे कुछ याद आया, कुछ ऐसा जो तब आता है जब कहने को कुछ नहीं होता। उसने अपने कोट की जेब में हाथ डाला और प्लेयर्स सिगरेट का एक पैकेट निकाला। “क्या आप एक, अह, सिगरेट लेंगी?” उसने अपने साफ़-सुथरे अंगूठे के नाखून से पैकेट का ढक्कन खोला, उस पर लगा चांदी का कागज़ हटाया और सिगरेट बाहर निकाल दीं। लड़की ने एक सिगरेट ले ली। नैश ने दूसरे हाथ से मोटर विक्रेता की तरह तेज़ी से लाइटर आगे बढ़ाया।
नैश ने ऊपर देखा। बॉन्ड दरवाजे से टेक लगाकर खड़ा था और सोच रहा था कि इस अनाड़ी की मदद कैसे करे। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)
शर्मिंदा आदमी। नैश ने सिगरेट और लाइटर ऐसे आगे बढ़ाए मानो वह किसी आदिवासी सरदार को कांच के मोती भेंट कर रहा हो। 'आपका क्या ख्याल है, बूढ़े आदमी?'
“धन्यवाद,” बॉन्ड ने कहा। उन्हें वर्जीनिया का तंबाकू बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन उस आदमी को सहज महसूस कराने के लिए वे कुछ भी करने को तैयार थे। उन्होंने एक सिगरेट निकाली और उसे जलाया। आजकल सेना में कुछ अजीबोगरीब लोग तो होते ही हैं। आखिर यह आदमी ट्रिएस्टे के उस अर्ध-राजनयिक समाज में कैसे घुल-मिल जाता होगा?
बॉन्ड ने बेजान ढंग से कहा, 'नैश, तुम बहुत फिट दिखते हो। टेनिस खेलते हो?' तैराकी।
'क्या आप ट्रिएस्ट में लंबे समय से हैं?'
एक पल के लिए लालिमा छा गई। लगभग तीन साल।

दिलचस्प काम?
कभी-कभी। आप जानते ही हैं, बूढ़े आदमी।
बॉन्ड सोच रहा था कि वह नैश को उसे 'बूढ़ा आदमी' कहने से कैसे रोक सकता है। उसे कोई उपाय सूझ नहीं रहा था। सन्नाटा छा गया।
नैश को स्पष्ट रूप से लगा कि अब उसकी बारी है। उसने अपनी जेब में हाथ डाला और अखबार की एक कतरन निकाली। यह कोरिएरे डेला सेरा का मुखपृष्ठ था। उसने इसे बॉन्ड को सौंप दिया। 'यह देखा है, बूढ़े आदमी?' आँखें चमक उठीं और फिर बुझ गईं।
यह अखबार के पहले पन्ने की मुख्य खबर थी। सस्ते कागज पर मोटे काले अक्षरों में छपे ये लेख अभी गीले ही थे। शीर्षक में लिखा था:
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
इस्तांबुल में भीषण विस्फोट
नष्ट हुआ सोवियत कार्यालय
वहाँ मौजूद सभी लोग मारे गए
बॉन्ड बाकी बातें समझ नहीं पाया। उसने कटा हुआ कागज़ मोड़कर वापस कर दिया। इस आदमी को कितना ही ज्ञान था? बेहतर यही होगा कि उसे सिर्फ एक तगड़े आदमी की तरह ही समझा जाए, और कुछ नहीं। 'बुरा हुआ,' उसने कहा। 'शायद गैस पाइपलाइन में कुछ गड़बड़ है।'
बॉन्ड ने सुरंग के आले की छत से लटकते बम के घिनौने पेट को फिर से देखा, वे तार जो नम दीवार से नीचे की ओर जाते हुए करीम की मेज की दराज में रखे प्लंजर तक जा रहे थे। कल दोपहर जब टेम्पो अंदर घुसा था, तब प्लंजर किसने दबाया था? क्या वह 'मुख्य क्लर्क' था? या उन्होंने लॉटरी निकाली थी और फिर खड़े होकर देखते रहे थे कि कैसे हाथ नीचे गया और ऊपर पहाड़ी पर स्थित 'स्ट्रीट ऑफ बुक्स' में ज़ोरदार गर्जना गूंजी। वे सब वहीं ठंडे कमरे में मौजूद होते। नफरत से चमकती आँखों के साथ। आँसू रात के लिए बचाकर रखे जाते। बदला सबसे पहले लिया जाता। और चूहे? सुरंग में कितने हज़ार चूहे धमाके में मारे गए होंगे? समय क्या हुआ होगा? लगभग चार बजे। क्या रोज़ाना की बैठक चल रही थी? कमरे में तीन मरे हुए। बाकी इमारत में कितने और? शायद तातियाना के दोस्त। उसे यह कहानी उससे छुपानी होगी।
क्या डार्को देख रहा था? वलहल्ला की किसी खिड़की से? बॉन्ड को उसकी दीवारों में गूंजती विजय की जोरदार हंसी सुनाई दे रही थी। खैर, केरीम अपने साथ बहुत कुछ ले गया था।
नैश उसकी ओर देख रहा था। उसने बिना किसी रुचि के कहा, 'हाँ, मुझे लगता है कि यह गैस पाइपलाइन थी।'
गलियारे में एक घंटी की झंकार सुनाई दी, जो पास आती जा रही थी। 'दूसरी सीटिंग। दूसरी सीटिंग। कृपया अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जाएं।'
बॉन्ड ने तातियाना की ओर देखा। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसकी आँखों में इस अनाड़ी, असभ्य व्यक्ति से छुटकारा पाने की गुहार थी। बॉन्ड ने पूछा, 'दोपहर के खाने का क्या?' वह तुरंत उठ खड़ी हुई। 'तुम्हारा क्या, नैश?' कैप्टन नैश पहले ही खड़े हो चुके थे। 'मिल गया, शुक्रिया बूढ़े आदमी। और मैं ट्रेन को ऊपर से नीचे तक देखना चाहता हूँ। क्या कंडक्टर... तुम्हें पता है...?' उन्होंने पैसे की ओर इशारा करते हुए उंगली दिखाई।
“हाँ, वो ज़रूर सहयोग करेगा,” बॉन्ड ने कहा। उसने हाथ बढ़ाकर भारी-भारी थैला नीचे उतारा। उसने नैश के लिए दरवाज़ा खोला। “फिर मिलेंगे।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
कैप्टन नैश गलियारे में दाखिल हुए। उन्होंने कहा, 'जी हां, मुझे यही उम्मीद थी, बूढ़े आदमी।' वे बाईं ओर मुड़े और गलियारे में तेज़ी से आगे बढ़ गए, ट्रेन के हिलने-डुलने के साथ सहजता से चलते हुए, उनके हाथ पतलून की जेबों में थे और उनके सिर के पीछे सुनहरे घुंघराले बालों पर तेज़ रोशनी पड़ रही थी।
बॉन्ड, तातियाना के पीछे-पीछे ट्रेन में चढ़ गया। डिब्बे घर लौट रहे छुट्टी मनाने वालों से खचाखच भरे हुए थे। तीसरी श्रेणी के गलियारों में लोग अपने बैगों पर बैठे बातें कर रहे थे और संतरे तथा सलामी के टुकड़ों से सजे सख्त दिखने वाले रोल खा रहे थे। तातियाना जब उनके बीच से निकली तो उन आदमियों ने उसे ध्यान से देखा।
महिलाओं ने बॉन्ड को ध्यान से देखा और सोचने लगीं कि क्या वह उनके साथ अच्छे से प्रेम करता था।
रेस्टोरेंट के डिब्बे में, बॉन्ड ने अमेरिकानो कॉफी और चियांटी ब्रोग्लियो की एक बोतल मंगवाई। स्वादिष्ट यूरोपीय ऐपेटाइज़र परोसे गए। तातियाना पहले से ज़्यादा खुश नज़र आने लगी।
बॉन्ड ने उसे छोटे-छोटे बर्तनों में से कुछ चुनते हुए देखा और कहा, 'अजीब किस्म का आदमी है। लेकिन मुझे खुशी है कि वह आ गया है। मुझे सोने का मौका मिलेगा। घर पहुँचकर मैं एक हफ्ते तक सोऊँगी।'
‘मुझे वो पसंद नहीं है,’ लड़की ने उदासीनता से कहा। ‘वो संस्कारी नहीं है। मुझे उसकी आँखों पर भरोसा नहीं है।’
बॉन्ड हँस पड़ा। 'तुम्हारे लिए कोई भी उतना सांस्कृतिक नहीं है।'
क्या आप उसे पहले से जानते थे?
नहीं। लेकिन वह मेरी कंपनी का कर्मचारी है।
आपने उसका नाम क्या बताया?
नैश। नॉर्मन नैश।
उसने शब्दों में समझाया। 'एनएएसएच? क्या ऐसे?'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
हां।
लड़की की आँखों में हैरानी थी। मुझे लगता है कि आप रूसी में इसका मतलब जानते हैं। नैश का मतलब 'और' होता है। हमारी सेना में, एक आदमी 'नैश' तब होता है जब वह 'और' का होता है। वह 'स्वोई' तब होता है जब वह 'उनका' होता है - जब वह दुश्मन का होता है। और यह आदमी खुद को नैश कहता है। यह अच्छा नहीं है। बॉन्ड हँस पड़ा। 'सच में, तानिया। तुम लोगों को नापसंद करने के लिए वाकई असाधारण कारण सोचती हो। नैश एक काफी आम अंग्रेजी नाम है। वह बिल्कुल हानिरहित है। वैसे भी, जिस काम के लिए हम उसे चाहते हैं, उसके लिए वह काफी मजबूत है।'
तात्याना ने मुंह बनाया। फिर भी उसने अपना लंच जारी रखा।
कुछ टैग्लियाटेली वर्डी आए, फिर वाइन और उसके बाद एक स्वादिष्ट एस्केलोप।
'ओह, यह बहुत अच्छा है,' उसने कहा।
'रूस से आने के बाद से मेरा पेट ही निकल आया है।' उसकी आँखें चौड़ी हो गईं।
'जेम्स, तुम मुझे ज्यादा मोटा नहीं होने दोगे।'

मुझे भी यही लगा था, बूढ़े आदमी।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उन्होंने रात का खाना खाया। यह एक खामोश भोजन था। नैश लड़की के बगल में बैठा था और उसकी नज़रें अपनी थाली पर टिकी थीं। उसने चाकू को फाउंटेन पेन की तरह पकड़ा हुआ था और बार-बार उसे कांटे पर पोंछ रहा था। उसकी हरकतें बेढंगी थीं। खाना खाते-खाते, उसने नमक लेने के लिए हाथ बढ़ाया और तातियाना के चियांटी के गिलास को गिरा दिया। उसने बार-बार माफी मांगी। फिर उसने बड़ा दिखावा करते हुए दूसरा गिलास मंगवाया और उसे भर दिया।
कॉफी आ गई। अब तातियाना की गलती हो गई। उसने अपना कप गिरा दिया। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और उसकी सांसें तेज़ चल रही थीं।
'तात्याना!' बॉन्ड आधा उठ खड़ा हुआ। लेकिन कैप्टन नैश ने तुरंत उठकर कमान संभाल ली।
‘महिला कुछ अजीब सी लग रही है,’ उसने संक्षिप्त में कहा। ‘मुझे चलने दीजिए।’ वह नीचे झुका और लड़की के कंधे पर हाथ रखकर उसे खड़ा किया। ‘मैं उसे डिब्बे में वापस ले चलता हूँ। आप बैग का ध्यान रखिएगा। और ये रहा बिल। आपके आने तक मैं उसका ख्याल रख सकता हूँ।’
“सब ठीक है,” गहरी बेहोशी में डूबे तातियाना ने ढीले होंठों से कहा। “चिंता मत करो, जेम्स, मैं लेट जाती हूँ।” उसका सिर नैश के कंधे पर टिक गया। नैश ने अपनी एक मजबूत बांह उसकी कमर में डाली और उसे भीड़ भरे गलियारे से तेज़ी से और कुशलता से निकालकर रेस्टोरेंट के डिब्बे से बाहर निकाल दिया।
बॉन्ड ने वेटर को बुलाने के लिए बेसब्री से उंगलियां चटकाईं। बेचारी। वह कितनी थकी हुई होगी! उसने उसके तनाव के बारे में क्यों नहीं सोचा? उसने अपने स्वार्थ के लिए खुद को कोसा। भगवान का शुक्र है नैश का। अपनी असभ्यता के बावजूद, वह काफी कुशल व्यक्ति है।
बॉन्ड ने बिल चुकाया। उसने अपना भारी छोटा बैग उठाया और भीड़ भरी ट्रेन में जितनी जल्दी हो सके, चलने लगा।
उसने नंबर 7 के दरवाजे पर धीरे से दस्तक दी। नैश ने दरवाजा खोला। वह अपने होठों पर उंगली रखे हुए बाहर आया।
उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया। 'उसे थोड़ी बेहोशी आ गई थी,' उसने कहा। 'अब वह ठीक है। बिस्तर लगा दिए गए हैं। वह ऊपर वाले बिस्तर पर सो गई है।
मुझे लगता है कि लड़की के लिए यह थोड़ा ज्यादा हो गया था, बूढ़े आदमी।' बॉन्ड ने संक्षेप में सिर हिलाया। वह डिब्बे में चला गया। एक हाथ उसके काले कोट के नीचे से पीला सा लटका हुआ था। बॉन्ड नीचे वाले बंक पर खड़ा हुआ और धीरे से उस हाथ को कोट के कोने के नीचे दबा दिया। हाथ बहुत ठंडा था। लड़की ने कोई आवाज़ नहीं की।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बॉन्ड धीरे से नीचे उतरा। उसे सोने दो। वह गलियारे में चला गया।
नैश ने उसे खाली निगाहों से देखा। 'अच्छा, मुझे लगता है कि हमें रात के लिए आराम करना चाहिए। मेरे पास मेरी किताब है।' उसने किताब ऊपर उठाई। 'वॉर एंड पीस। इसे पढ़ने की सालों से कोशिश कर रहा हूँ। तुम पहले सो जाओ, बूढ़े। तुम भी काफी थके हुए लग रहे हो। जब मेरी आँखें खुली नहीं रह पाएंगी, तब मैं तुम्हें जगा दूँगा।' उसने नौवें मकान के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा।

'अभी तक आया नहीं है। अगर वो कोई शरारत कर रहा है, तो मुझे नहीं लगता कि वो आएगा।' वह रुका। 'वैसे, तुम्हारे पास बंदूक है, बूढ़े?'
हां। क्यों, क्या आपने नहीं किया?
नैश ने माफी मांगते हुए कहा, 'नहीं, मेरे पास घर पर एक लूगर है, लेकिन इस तरह के काम के लिए वह बहुत भारी है।'
“अच्छा, ठीक है,” बॉन्ड ने अनिच्छा से कहा। “बेहतर होगा कि आप मेरा वाला ले लें। अंदर आ जाइए।”
वे अंदर गए और बॉन्ड ने दरवाजा बंद कर दिया। उसने बेरेटा पिस्तौल निकाली और उन्हें सौंप दी। 'आठ गोलियां,' उसने धीरे से कहा। 'सेमी-ऑटोमैटिक। यह सेफ मोड पर है।'
नैश ने बंदूक उठाई और पेशेवर ढंग से उसे अपने हाथ में तौल लिया। उसने तिजोरी को चालू और बंद किया।
बॉन्ड को यह बिल्कुल पसंद नहीं था कि कोई और उसकी बंदूक को छुए। इसके बिना वह खुद को अधूरा महसूस करता था। उसने रूखेपन से कहा, 'थोड़ी हल्की है, लेकिन अगर सही जगह पर गोली मारो तो जान ले लेगी।'
नैश ने सिर हिलाया। वह नीचे वाले बंक के आखिरी छोर पर खिड़की के पास बैठ गया। 'मैं इस छोर पर बैठूंगा,' उसने फुसफुसाते हुए कहा। 'यहां से निशाना लगाना आसान है।' उसने अपनी किताब गोद में रख दी और आराम से बैठ गया।
बॉन्ड ने अपना कोट और टाई उतारकर अपने बगल वाले पलंग पर रख दिया। वह तकियों के सहारे पीछे झुक गया और अपने अटैची केस के बगल में फर्श पर रखे स्पेक्टर वाले बैग पर पैर टिका दिए। उसने अपनी एम्बलर उठाई, अपनी जगह ढूंढी और पढ़ने की कोशिश की। कुछ पन्ने पढ़ने के बाद उसे लगा कि उसका ध्यान भटक रहा है। वह बहुत थक गया था। उसने किताब को अपनी गोद में रख दिया और आँखें बंद कर लीं। क्या उसे सोने का समय मिल सकता था? क्या वे कोई और सावधानी बरत सकते थे? ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
वे कीलें! बॉन्ड ने अपने कोट की जेब में उन्हें टटोला। वह चारपाई से नीचे उतरा, घुटनों के बल बैठा और उन्हें दोनों दरवाजों के नीचे ज़ोर से धकेल दिया। फिर वह वापस लेट गया और अपने सिर के पीछे लगी पढ़ने वाली बत्ती बंद कर दी।
रात की रोशनी की बैंगनी किरणें धीरे से नीचे की ओर चमक रही थीं।
'धन्यवाद, बूढ़े आदमी,' कैप्टन नैश ने धीरे से कहा।
ट्रेन एक कर्कश आवाज करते हुए सुरंग में जा गिरी।

अध्याय छब्बीस
द किलिंग बॉटल
टखने पर हल्के से धक्के से बॉन्ड जाग गया। वह हिला नहीं। उसकी इंद्रियां एक जानवर की तरह जागृत हो गईं।
कुछ भी नहीं बदला था। ट्रेन की वही आवाजें थीं - लोहे की धीमी, किलोमीटरों को तय करती हुई धमक, लकड़ी के काम की हल्की चरमराहट, और वॉशबेसिन के ऊपर वाली अलमारी से आती खनक, जिसमें दांत साफ करने वाला चश्मा अपने स्टैंड में ढीला पड़ा था।
उसे किसने जगाया था? रात की बत्ती की धुंधली रोशनी ने उस छोटे से कमरे पर अपनी गहरी मखमली चमक बिखेर दी थी।
ऊपरी चारपाई से कोई आवाज़ नहीं आई। खिड़की के पास, कैप्टन नैश अपनी जगह पर बैठे थे, उनकी किताब उनकी गोद में खुली थी, पर्दे के किनारे से आती चाँदनी की हल्की रोशनी दोहरे पन्ने पर सफेद रंग बिखेर रही थी।
वह बॉन्ड को टकटकी लगाकर देख रहा था। बॉन्ड ने उसकी बैंगनी आँखों की एकाग्रता को महसूस किया। उसके काले होंठ खुल गए।
दांतों की एक झलक दिखाई दी।
'माफ़ कीजिए, बूढ़े आदमी, आपको परेशान करने के लिए। मेरा मन बात करने का कर रहा है!'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
आवाज में नया क्या था? बॉन्ड ने अपने पैर धीरे से फर्श पर रखे। वह सीधा होकर बैठ गया।
किसी तीसरे व्यक्ति की तरह खतरा कमरे में खड़ा था।
बॉन्ड ने बड़ी सहजता से कहा, 'ठीक है।' उन कुछ शब्दों में ऐसा क्या था जिसने उसकी रीढ़ में सिहरन पैदा कर दी थी? क्या यह नैश की आवाज़ में अधिकार का भाव था? बॉन्ड के मन में ख्याल आया कि नैश शायद पागल हो गया है। हो सकता है कि कमरे में पागलपन का साया था, न कि खतरे का, जिसे बॉन्ड महसूस कर रहा था। इस आदमी के बारे में उसकी आशंका सही निकली थी। अब किसी तरह अगले स्टेशन पर उससे छुटकारा पाना ही एकमात्र रास्ता होगा। वे कहाँ पहुँच गए थे?
सीमांत कब आएगा?
बॉन्ड ने समय देखने के लिए अपनी कलाई उठाई। बैंगनी रोशनी ने फास्फोरस के अंकों को धुंधला कर दिया। बॉन्ड ने खिड़की से आती चांदनी की किरण की ओर अपना चेहरा घुमाया।
नैश की दिशा से एक तेज़ आवाज़ आई। बॉन्ड को अपनी कलाई पर ज़ोरदार झटका लगा। कांच के टुकड़े उसके चेहरे पर जा लगे। उसका हाथ दरवाज़े से टकराकर पीछे की ओर उछल गया। उसे लगा कि कहीं उसकी कलाई टूट तो नहीं गई। उसने अपना हाथ लटकाए रखा और उंगलियां हिलाईं। सारी उंगलियां हिल गईं।
नैश की गोद में किताब अभी भी खुली हुई थी, लेकिन अब उसकी रीढ़ की हड्डी के ऊपरी हिस्से में बने छेद से धुएं का एक पतला सा गुबार निकल रहा था और कमरे में पटाखों की हल्की सी गंध फैल रही थी।
बॉन्ड के मुंह में लार ऐसे सूख गई मानो उसने फिटकरी निगल ली हो।
तो शुरू से ही एक जाल बिछाया गया था। और वह जाल अब बंद हो चुका था। कैप्टन नैश को मॉस्को ने भेजा था, एम ने नहीं। और नंबर 9 में तैनात एमजीबी एजेंट, अमेरिकी पासपोर्ट वाला वह आदमी, एक मिथक था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उस आदमी की आवाज़ में छिपी गुस्से भरी घृणा से बॉन्ड समझ गया कि उसने उसकी दुखती रग पर हाथ रख दिया है। लेकिन उस आदमी को बेकाबू करके वह क्या हासिल कर सकता था? बेहतर था कि उसे शांत कर लिया जाए और कुछ समय निकाल लिया जाए। शायद तातियाना...।
इस सबमें लड़की की क्या भूमिका है?
‘यह तो बस एक चाल है,’ आवाज़ फिर से ऊब चुकी थी। ‘चिंता मत करो। वह हमारी बातचीत में दखल नहीं देगी। जब मैंने उसे शराब का गिलास दिया था, तब मैंने उसे चुटकी भर क्लोरल हाइड्रेट पिला दिया था। वह आज रात सोएगी। और फिर हर दूसरी रात भी। वह तुम्हारे साथ ही जाएगी।’
'अरे सच में?' बॉन्ड ने धीरे से अपना दर्द भरा हाथ अपनी गोद में उठाया और रक्त संचार को बढ़ाने के लिए अपनी उंगलियों को हिलाया।
चलिए, कहानी सुनते हैं।
"सावधान रहो, बूढ़े आदमी। कोई चालबाज़ी नहीं। बुलडॉग ड्रमंड जैसी हरकतें तुम्हें इससे नहीं बचा पाएंगी। अगर मुझे तुम्हारी हरकत की ज़रा सी भी भनक नहीं लगी, तो सीधे दिल में एक गोली मार दूँगा। बस। अंत में तुम्हें यही मिलेगा। दिल के बीचोंबीच। अगर हिले तो गोली जल्दी लग जाएगी। और मुझे मत भूलना। अपनी घड़ी याद है? मेरा निशाना कभी नहीं चूकता। कभी नहीं।" “शानदार,” बेंड ने लापरवाही से कहा। “लेकिन डरो मत। तुम्हारे पास मेरी बंदूक है। याद है? अपनी कहानी सुनाओ।”
ठीक है, बूढ़े आदमी, बस जब मैं बोल रहा हूँ तो अपना कान मत खुजलाना। वरना मैं उसे उड़ा दूँगा। देखा? खैर, स्मर्श ने तुम्हें मारने का फैसला कर लिया है—कम से कम मुझे तो यही लगता है कि यह फैसला और भी ऊँचे अधिकारियों ने, एकदम शीर्ष पर लिया है। लगता है वे सीक्रेट सर्विस को एक ज़ोरदार झटका देना चाहते हैं—उन्हें सबक सिखाना चाहते हैं। समझे?
मुझे ही क्यों चुना?
मुझसे मत पूछो, बूढ़े आदमी। लेकिन लोग कहते हैं कि तुम्हारी टोली में तुम्हारी अच्छी-खासी इज्जत है। जिस तरह से तुम्हें मारा जाएगा, उससे सारा धंधा चौपट हो जाएगा। इस योजना को बनाने में तीन महीने लगे हैं, और यह बहुत ही शानदार है।
ज़रूर होगा। स्मर्श ने हाल ही में एक-दो गलतियाँ की हैं। जैसे वो खोखलोव वाला मामला। याद है वो विस्फोटक सिगरेट का डिब्बा और बाकी सब? काम गलत आदमी को दे दिया। मुझे देना चाहिए था। मैं तो अमेरिकियों के साथ नहीं जाता। खैर, मुद्दे पर आते हैं। देखिए, बूढ़े आदमी, स्मर्श में हमारे पास एक बड़ा योजनाकार है। क्रोनस्टीन नाम का आदमी। शानदार शतरंज खिलाड़ी। उसने कहा था कि घमंड, लालच और साजिश में थोड़ी सी सनक आपको बर्बाद कर देगी। उसने कहा था कि आप सब लंदन की उस सनक में फंस जाओगे। और आप फंस भी गए, है ना बूढ़े आदमी?
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
क्या सच में? बॉन्ड को याद था कि कहानी के विचित्र पहलुओं ने उनकी जिज्ञासा को कितना बढ़ा दिया था। और घमंड? हाँ, उसे मानना पड़ा कि इस रूसी लड़की के उससे प्यार करने की बात ने इसमें मदद की थी। और फिर स्पेक्टर भी

था। उसी ने सब कुछ तय कर दिया था - साफ़ तौर पर लालच। उसने टालमटोल करते हुए कहा: 'हमें दिलचस्पी थी।'
फिर ऑपरेशन शुरू हुआ। हमारी ऑपरेशन प्रमुख एक अजीबोगरीब शख्सियत हैं। मैं कहूंगा कि उन्होंने दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों को मारा है—या उनकी हत्या करवाई है। जी हां, वो एक महिला हैं। उनका नाम क्लेब है—रोजा क्लेब। एकदम नीच औरत। लेकिन वो सारे हथकंडे बखूबी जानती हैं।
रोजा क्लेब। तो स्मर्श के शीर्ष पर एक महिला थी! अगर वह किसी तरह इससे बचकर उसके पीछे पहुँच सके! बॉन्ड के दाहिने हाथ की उंगलियां धीरे से मुड़ गईं। कोने में से सपाट आवाज आती रही: 'अच्छा, उसे यह रोमानोवा नाम की लड़की मिल गई। उसे काम के लिए प्रशिक्षित किया। वैसे, बिस्तर में वह कैसी थी? बढ़िया थी?'
नहीं! बॉन्ड को यकीन नहीं हुआ। वह पहली रात तो नाटक ही रही होगी। लेकिन उसके बाद? नहीं। उसके बाद जो हुआ वो सब असली था। उसने कंधे उचकाए। यह एक बनावटी अंदाज़ था। ताकि वह आदमी हरकतों का आदी हो जाए।
ओह, ठीक है। मुझे खुद तो ऐसी चीज़ों में दिलचस्पी नहीं है। लेकिन आप दोनों की कुछ अच्छी तस्वीरें मिली हैं।’ नैश ने अपनी कोट की जेब थपथपाई। ‘16 मिलीमीटर की पूरी रील। वो उसके हैंडबैग में जाएगी। अखबारों में अच्छी लगेगी।’ नैश ज़ोर से हँसा – एक कर्कश, धातु जैसी हँसी। ‘ज़ाहिर है, उन्हें कुछ सबसे चटपटे हिस्से काटने पड़ेंगे।’
होटल में कमरा बदला गया। हनीमून सुइट। बिस्तर के पीछे बड़ा सा दर्पण। सब कुछ कितना बढ़िया लग रहा था! बॉन्ड के हाथ पसीने से भीग गए। उसने उन्हें अपनी पतलून पर पोंछा।
'शांत रहो, बूढ़े आदमी। तुम बस पहुँचने ही वाले थे। मैंने तुमसे कहा था कि हिलना मत, याद है?'
बॉन्ड ने अपने हाथ वापस अपनी गोद में रखी किताब पर रख दिए। वह इन छोटी-छोटी हरकतों को कितना विकसित कर सकता था?
वह कितनी दूर तक जा सकता था? उसने कहा, 'कहानी को आगे बढ़ाओ। क्या लड़की को पता था कि ये तस्वीरें ली जा रही हैं? क्या उसे पता था कि इसमें स्मर्श शामिल है?'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
नैश ने नाक सिकोड़ी। "ज़ाहिर है उसे तस्वीरों के बारे में पता नहीं था। रोज़ा उस पर ज़रा भी भरोसा नहीं करती थी। बहुत भावुक थी। लेकिन मुझे उस बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है। हम सब अलग-अलग विभागों में काम करते थे। मैंने उसे आज से पहले कभी नहीं देखा था। मुझे बस उतना ही पता है जितना मैंने सुना है। हाँ, बेशक उस लड़की को पता था कि वह स्मर्श के लिए काम कर रही है।"
उसे बताया गया था कि उसे लंदन जाना होगा और वहां थोड़ी जासूसी करनी होगी। बॉन्ड ने सोचा, "बेवकूफ! उसने उसे यह क्यों नहीं बताया कि स्मर्श इसमें शामिल है? वह नाम लेने से भी डर रही होगी। सोचा होगा कि वह उसे जेल में डलवा देगा या कुछ और करेगा। उसने हमेशा कहा था कि इंग्लैंड पहुँचते ही वह उसे सब कुछ बता देगी। उसे भरोसा रखना चाहिए और डरना नहीं चाहिए। भरोसा! जबकि उसे खुद ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि क्या हो रहा है। खैर, बेचारी। वह भी उतनी ही बेवकूफ बन गई थी जितना वह बना था। लेकिन कोई भी इशारा काफी होता - उदाहरण के लिए, करीम की जान बच जाती। और उसकी और उसकी जान का क्या?

फिर आपके इस तुर्क को हटाना पड़ा। मुझे लगता है इसमें थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बड़ा बदमाश था। मुझे लगता है कल दोपहर इस्तांबुल में हमारे केंद्र को उड़ाने वाला उसका ही गिरोह था। इससे थोड़ी दहशत तो मचेगी ही।
बहुत बुरा हुआ।
“मुझे कोई चिंता नहीं है, बूढ़े आदमी। मेरा काम तो आसान ही होगा।” नैश ने अपनी कलाई घड़ी पर एक नज़र डाली। “लगभग बीस मिनट में हम सिंपलोन सुरंग में पहुँच जाएँगे। वहीं पर वे काम करवाना चाहते हैं।”
अखबारों के लिए और भी ड्रामा। तुम्हारे लिए एक गोली। जैसे ही हम सुरंग में प्रवेश करते हैं। बस एक गोली दिल में। सुरंग का शोर, अगर तुम शोर मचाने वाले हो तो, तुम्हारी मदद करेगा - खड़खड़ाहट वगैरह। फिर उसकी गर्दन के पीछे एक गोली - तुम्हारी बंदूक से - और वो खिड़की से बाहर चली जाएगी। फिर तुम्हारे लिए एक और गोली, तुम्हारी बंदूक से। बेशक, तुम्हारी उंगलियां बंदूक पर लिपटी होंगी। तुम्हारी कमीज पर खूब सारा बारूद। आत्महत्या। पहले तो ऐसा ही लगेगा। लेकिन तुम्हारे दिल में दो गोलियां होंगी। ये बाद में पता चलेगा। और भी रहस्य! सिंपलोन की फिर से तलाशी लो। सुनहरे बालों वाला आदमी कौन था? उन्हें फिल्म उसके बैग में मिलेगी, और तुम्हारी जेब में उसका तुम्हारे लिए एक लंबा प्रेम पत्र मिलेगा - थोड़ा धमकी भरा। अच्छा है। स्मर्श ने लिखा है। इसमें लिखा है कि अगर तुम उससे शादी नहीं करोगे तो वो फिल्म अखबारों को दे देगी। आपने उससे वादा किया था कि अगर वह स्पेक्टर चुरा लेगी तो आप उससे शादी कर लेंगे...’ नैश रुका और कोष्ठक में आगे कहा, “असल में, बूढ़े आदमी, स्पेक्टर में जाल बिछा हुआ है। जब आपके कोड विशेषज्ञ इससे छेड़छाड़ करना शुरू करेंगे, तो यह उन सबको उड़ा देगा। बुरा नहीं है, अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा।” नैश फीकी हंसी हंसा। और फिर पत्र में लिखा है कि वह आपको सिर्फ मशीन और अपना शरीर दे सकती है – और उसके शरीर के बारे में और आपने उसके साथ क्या किया, इसके बारे में सब कुछ। गरमागरम है ना! है ना?
तो अखबारों में क्या खबर है—उन वामपंथी अखबारों में जिन्हें ट्रेन का इंतज़ार करने के लिए सूचना दी जाएगी? अरे यार, खबर में तो सब कुछ है। ओरिएंट एक्सप्रेस। सिंपलोन सुरंग में एक खूबसूरत रूसी जासूस की हत्या। गंदी तस्वीरें। गुप्त कोड मशीन। करियर बर्बाद हो चुके एक हैंडसम ब्रिटिश जासूस ने उसकी हत्या कर दी और फिर आत्महत्या कर ली। सेक्स, जासूस, आलीशान ट्रेन, मिस्टर और मिसेज़ समरसेट…! अरे यार, ये खबर महीनों तक चलेगी! खोखलोव मामले की भी चर्चा होगी! ये उसे भी मात दे देगी। और ये मशहूर खुफिया एजेंसी के लिए कितना बड़ा झटका है!
उनका सबसे भरोसेमंद आदमी, मशहूर जेम्स बॉन्ड। क्या गड़बड़ है! फिर सिफर मशीन फट गई! आपका बॉस आपके बारे में क्या सोचेगा? जनता क्या सोचेगी? और सरकार? और अमेरिकी? सुरक्षा की तो बात ही छोड़ो! अब अमेरिकियों से परमाणु रहस्य लीक नहीं होंगे।’ नैश ने सब कुछ समझने के लिए कुछ देर रुककर सोचा। उन्होंने थोड़े गर्व के साथ कहा, 'बुद्धिजीवी, यह सदी की सबसे बड़ी कहानी बनने जा रही है!'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
हां, बॉन्ड ने सोचा। हां। वह इस बारे में बिल्कुल सही था। फ्रांसीसी अखबार इसे इतनी ज़ोरदार तरीके से फैलाएंगे कि इसे रोकना नामुमकिन हो जाएगा। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं होगी कि वे तस्वीरों या किसी और चीज़ के साथ कितनी दूर तक जाएं। दुनिया का कोई भी अखबार ऐसा नहीं होगा जो इसे न

छापे। और स्पेक्टर! क्या एम के लोग या ड्यूक्सिएम को इतनी समझ होगी कि वे समझ सकें कि इसमें जाल बिछाया गया है? पश्चिम के कितने बेहतरीन क्रिप्टोग्राफर इसके पीछे पड़ जाएंगे? हे भगवान, उसे इस मुसीबत से निकलना ही होगा! लेकिन कैसे?
नैश की 'वॉर एंड पीस' की छत उसके सामने खुली पड़ी थी। चलो देखते हैं। सुरंग में ट्रेन के घुसते ही एक ज़ोरदार गर्जना होगी। फिर अचानक एक धीमी सी क्लिक की आवाज़ और गोली की आवाज़। बॉन्ड की आँखें बैंगनी धुंध में गड़ी हुई थीं, ऊपर वाले बंक की छत के नीचे अपने कोने में बनी परछाई की गहराई को नापते हुए, उसे ठीक से याद था कि उसका अटैची केस ज़मीन पर कहाँ रखा है, और वह अंदाज़ा लगा रहा था कि गोली चलाने के बाद नैश क्या करेगा।
बॉन्ड ने कहा: 'ट्रिएस्ट में आप दोनों को टीम बनाने की अनुमति देकर आपने थोड़ा जोखिम उठाया था। और आपको महीने का कोड कैसे पता चला?'
नैश ने धैर्यपूर्वक कहा, 'बुजुर्ग, आपको बात समझ नहीं आ रही है। स्मर्श अच्छा है - सचमुच बहुत अच्छा है।'
इससे बेहतर कुछ नहीं। हमें हर साल का आपका महीने का कोड पता है। अगर आपके शो में किसी ने इन बातों पर ध्यान दिया होता, इनके पैटर्न को समझा होता, जैसा कि मेरे शो में होता है, तो आपको पता चलता कि हर जनवरी में आपका एक छोटा सा साथी कहीं खो जाता है—शायद टोक्यो में, शायद टिम्बकटू में। स्मर्श बस एक को चुनता है और उसे ले जाता है। फिर वे उससे उस साल का कोड निकलवा लेते हैं। बेशक, उसे जो कुछ भी पता होता है, वो भी। लेकिन उन्हें कोड ही चाहिए होता है। फिर उसे सेंटर्स को भेज दिया जाता है। ये तो बिलकुल आसान है, यार।
बॉन्ड ने अपने नाखूनों को अपनी हथेलियों में गड़ा दिया।
ट्रिएस्टे में आपको लेने की बात करें तो, बूढ़े आदमी, मैंने ऐसा नहीं किया। मैं आपके साथ ट्रेन के आगे वाले हिस्से में बैठा था। ट्रेन रुकते ही हम उतर गए और वापस प्लेटफॉर्म पर आ गए। देखिए, बूढ़े आदमी, हम बेलग्रेड में आपका इंतज़ार कर रहे थे। हमें पता था कि आप अपने चीफ को—या दूतावास को या किसी और को—फोन करेंगे। हम उस यूगोस्लाव के फोन को हफ्तों से सुन रहे थे। अफसोस, हम वह कोडवर्ड नहीं समझ पाए जो उसने इस्तांबुल को भेजा था। शायद आतिशबाजी रुक जाती, या कम से कम हमारे लोग बच जाते। लेकिन हमारा मुख्य निशाना आप थे, बूढ़े आदमी, और हमने आपको पूरी तरह से फंसा लिया था। तुर्की में उस विमान से उतरते ही आप मौत के जाल में फंस गए थे। बस यह सवाल था कि कब ढक्कन लगाना है।’ नैश ने एक बार फिर अपनी घड़ी पर नज़र डाली।
उसने ऊपर देखा। उसके मुस्कुराते हुए दांत बैंगनी रंग में चमक रहे थे। 'अब बहुत जल्दी, बूढ़े आदमी। बस पंद्रह मिनट कम हैं।'
बॉन्ड ने सोचा: हमें पता था कि स्मर्श अच्छी कंपनी है, लेकिन हमें कभी नहीं पता था कि वे इतने अच्छे हैं। यह जानकारी बेहद ज़रूरी थी। किसी भी तरह उसे यह जानकारी वापस हासिल करनी ही थी। उसे हर हाल में हासिल करनी थी। बॉन्ड का दिमाग अपनी बेहद कमज़ोर और हताशा भरी योजना के हर पहलू पर तेज़ी से विचार करने लगा।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उन्होंने कहा: 'ऐसा लगता है कि स्मर्श ने सब कुछ बहुत अच्छे से सोच-समझकर किया है। इसमें काफी मेहनत लगी होगी।'
बस एक ही बात है...’ बॉन्ड ने अपनी आवाज को हवा में गूंजने दिया।

'यह क्या है, बूढ़े आदमी?' नैश अपनी रिपोर्ट के बारे में सोचते हुए सतर्क हो गया।
ट्रेन धीमी होने लगी। डोमोडोसोला। इटली की सीमा। सीमा शुल्क का क्या होगा? लेकिन बॉन्ड को याद था। फ्रांस की सीमा, वैलोरबेस तक पहुँचने से पहले सीधी यात्रा करने वाले डिब्बों के लिए कोई औपचारिकता नहीं थी। यहाँ तक कि स्लीपिंग डिब्बों के लिए भी नहीं। ये एक्सप्रेस ट्रेनें सीधे स्विट्जरलैंड से होकर गुजरती थीं। केवल ब्रिग या लॉज़ेन में उतरने वाले यात्रियों को ही स्टेशनों पर सीमा शुल्क से गुजरना पड़ता था।
'चलो, बूढ़े आदमी।' नैश को इसमें दिलचस्पी हो गई थी।
'सिगरेट के बिना नहीं।'
ठीक है। आगे बढ़ो। लेकिन अगर तुमने कोई ऐसा कदम उठाया जो मुझे पसंद नहीं आया, तो तुम्हारी खैर नहीं।
बॉन्ड ने अपना दाहिना हाथ कमर की जेब में डाला। उसने अपना चौड़ा गनमेटल रंग का सिगरेट केस निकाला। उसे खोला। एक सिगरेट निकाली। अपनी पैंट की जेब से लाइटर निकाला। सिगरेट जलाई और लाइटर वापस रख दिया। उसने सिगरेट केस को किताब के बगल में अपनी गोद में रख दिया। उसने लापरवाही से अपना बायां हाथ किताब और सिगरेट केस पर रख दिया, मानो उन्हें अपनी गोद से गिरने से रोक रहा हो। उसने सिगरेट का कश लिया। काश, यह कोई नकली सिगरेट होती – मैग्नीशियम फ्लेयर, या कुछ भी जिसे वह उस आदमी के चेहरे पर फेंक सकता! काश, उसकी सर्विस ऐसे विस्फोटक खिलौनों का इस्तेमाल करती! लेकिन कम से कम उसने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया था और इस प्रक्रिया में उसे गोली नहीं लगी थी। यह एक अच्छी शुरुआत थी।
‘देखो।’ बॉन्ड ने नैश का ध्यान भटकाने के लिए अपनी सिगरेट से हवा में एक गोला बनाया। उसने अपना बायां हाथ किताब के पन्नों के बीच सिगरेट का डिब्बा रख दिया। ‘देखो, सब ठीक लग रहा है, लेकिन तुम्हारा क्या? सिंपलोन से बाहर आने के बाद तुम क्या करोगे? कंडक्टर को पता है कि तुम हमारे साथ मिले हुए हो। वे पलक झपकते ही तुम्हारे पीछे पड़ जाएंगे।’
‘ओह,’ नैश की आवाज़ फिर से उबकाई भरी थी। ‘लगता है तुम्हें यह बात समझ नहीं आई कि रूसी लोग इन सब बातों पर सोच-विचार करते हैं। मैं डिजॉन में उतरता हूँ और कार से पेरिस जाता हूँ। वहाँ मैं रास्ता भटक जाता हूँ। कहानी में थोड़ा-बहुत ‘थर्ड मैन’ वाला तड़का लगाने से कोई नुकसान नहीं होगा। वैसे भी, बाद में पता चलेगा कि वे तुम्हारे शरीर से दूसरी गोली निकालेंगे और
दूसरी बंदूक नहीं मिल रही। वे मुझे पकड़ नहीं पाएंगे। असल में, कल दोपहर को मेरी एक मुलाकात है – रिट्ज़ होटल के कमरा नंबर 204 में, रोज़ा को रिपोर्ट देने के लिए। वह इस काम का श्रेय लेना चाहती है। फिर मैं उसका ड्राइवर बन जाऊंगा और हम बर्लिन के लिए निकल पड़ेंगे। अब सोच रहा हूँ, बूढ़े आदमी,’ सपाट आवाज़ में भावना झलकने लगी, लालच आ गया, ‘मुझे लगता है कि उसके बैग में मेरे लिए लेनिन का पुरस्कार हो सकता है। वाह, क्या बात है!’
ट्रेन चलने लगी। बॉन्ड तनाव में आ गया। कुछ ही मिनटों में ट्रेन आ जाएगी। अगर उसे मरना ही था, तो मरने का कितना भयानक तरीका था! अपनी ही मूर्खता के कारण—अंधाधुंध, जानलेवा मूर्खता। और तातियाना के लिए भी जानलेवा। हे भगवान! किसी भी क्षण वह इस मुसीबत से बचने के लिए कुछ कर सकता था। अवसरों की कोई कमी नहीं थी।
लेकिन अहंकार, जिज्ञासा और चार दिनों के प्यार ने उसे उस आसान धारा में बहा दिया था, जिस पर उसे बहने देने की योजना बनाई गई थी। यही इस पूरे मामले का

सबसे घिनौना हिस्सा था – स्मर्श की जीत, वही दुश्मन जिसे उसने हमेशा हर हाल में हराने की कसम खाई थी। हम यह करेंगे, और वह वह करेगा। 'साथियों, बॉन्ड जैसे घमंडी मूर्ख के साथ काम करना आसान है। देखो, वह कैसे जाल में फंसता है। तुम देखोगे। मैं तुमसे कहता हूँ, वह मूर्ख है। सभी अंग्रेज मूर्ख होते हैं।' और तातियाना, आकर्षण – प्यारा आकर्षण। बॉन्ड ने उनकी पहली रात के बारे में सोचा। काली मोज़े और मखमली रिबन। और वह सारा समय जब स्मर्श उसे देख रहा था, उसे अपने घमंडी कदमों पर चलते हुए देख रहा था, जैसा कि योजना बनाई गई थी, ताकि बदनामी फैलाई जा सके – उस पर बदनामी, एम पर बदनामी जिसने उसे इस्तांबुल भेजा था, उस सेना पर बदनामी जो अपने नाम के मिथक पर जीती थी। हे भगवान, क्या गड़बड़ है! काश... काश उसकी छोटी सी योजना कामयाब हो जाती! आगे, ट्रेन की गड़गड़ाहट एक गहरी गड़गड़ाहट में बदल गई।
कुछ और सेकंड। कुछ और गज।
सफेद पन्नों के बीच का अंडाकार मुंह और भी चौड़ा होता हुआ प्रतीत हुआ। पल भर में अंधेरी सुरंग पन्नों पर पड़ रही चांदनी को बुझा देगी और नीली जीभ उसे चाटने के लिए बाहर आ जाएगी।
'शुभ रात्रि, तुम अंग्रेज कमीने।'
गड़गड़ाहट एक तेज, जोरदार और कर्कश गर्जना में बदल गई।
पुस्तक की रीढ़ पर ज्वाला की लपटें फूट पड़ीं।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बॉन्ड के दिल की ओर आती गोली दो शांत गज की दूरी पर तेजी से गुजरी।
बॉन्ड आगे की ओर फर्श पर गिर पड़ा और शोकपूर्ण बैंगनी रोशनी के नीचे पड़ा रहा।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[

ABC Amber LIT http://www.processtext.com/abclit.html

ABC Amber LIT [illegible], http://www.processtext.com/abclit.html

ABC Amber LIT [illegible], http://www.processtext.com/abclit.html

कोई जवाब नहीं मिला। क्या उस आदमी ने झूठ बोला था? क्या उसने उसे जहर देकर मार डाला था?
बॉन्ड ने अपना हाथ लड़की की गर्दन पर रखा। वह गर्म थी। बॉन्ड ने उसके कान के निचले हिस्से को महसूस किया और उसे ज़ोर से दबाया। लड़की धीरे से हिली और कराह उठी। बॉन्ड ने फिर से कान दबाया, और फिर से। अंत में एक दबी हुई आवाज़ सुनाई दी, 'नहीं।'
बॉन्ड मुस्कुराया। उसने उसे हिलाया। वह तब तक हिलाता रहा जब तक तातियाना धीरे-धीरे करवट नहीं बदल ली। उसकी नीली, धुंधली आँखों ने उसकी आँखों में देखा और फिर बंद हो गईं। 'क्या बात है?' आवाज़ नींद से भरी, गुस्से वाली थी। बॉन्ड ने उससे बातें कीं, उसे धमकाया और गालियां दीं। उसने उसे और ज़ोर से हिलाया। आखिरकार वह उठ बैठी। उसने खाली निगाहों से उसे देखा। बॉन्ड ने उसके पैर खींचे जिससे वे किनारे से नीचे लटक गए। किसी तरह उसने उसे ज़बरदस्ती नीचे वाले पलंग पर लिटा दिया।
तात्याना बेहद दयनीय लग रही थी—ढीला मुंह, नींद से भरी ऊपर उठी आंखें, गीले बालों का उलझा हुआ गुच्छा। बॉन्ड ने गीले तौलिए और कंघी से उसे संवारना शुरू किया।
लॉज़ेन आ गया और एक घंटे बाद वैलोरबेस में फ्रांसीसी सीमा। बॉन्ड तातियाना को छोड़कर बाहर गलियारे में जाकर खड़ा हो गया, मानो एहतियात के तौर पर। लेकिन सीमा शुल्क और पासपोर्ट अधिकारी उसे नज़रअंदाज़ करते हुए कंडक्टर के केबिन की ओर बढ़ गए, और पाँच मिनट के रहस्यमय इंतज़ार के बाद ट्रेन में आगे चले गए।
बॉन्ड वापस डिब्बे में दाखिल हुआ। तातियाना फिर से सो रही थी। बॉन्ड ने नैश की घड़ी देखी, जो अब उसकी अपनी कलाई पर थी। 4:30 बज रहे थे। डिजॉन तक एक घंटा और। बॉन्ड काम पर लग गया।
आखिरकार तातियाना की आँखें चौड़ी खुल गईं। उसकी पुतलियाँ लगभग बीच में थीं। उसने कहा, 'बस करो, जेम्स।' उसने अपनी आँखें फिर बंद कर लीं। बॉन्ड ने अपने चेहरे से पसीना पोंछा। उसने एक-एक करके बैग गलियारे के अंत तक ले जाकर निकास द्वार के पास ढेर कर दिए। फिर वह कंडक्टर के पास गया और उसे बताया कि मैडम की तबीयत ठीक नहीं है और वे डिजॉन में ट्रेन से उतरेंगे।
बॉन्ड ने कंडक्टर को आखिरी सलाह दी। उसने कहा, 'खुद को परेशान मत करो। मैंने सामान बाहर निकाल दिया है ताकि मैडम को कोई परेशानी न हो। मेरा दोस्त, सुनहरे बालों वाला, एक डॉक्टर है। वह पूरी रात हमारे साथ जागा रहा। मैंने उसे अपने बंक में सुला दिया है। वह बहुत थका हुआ था। पेरिस पहुँचने से दस मिनट पहले तक उसे न जगाना ही बेहतर होगा।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
'ज़रूर, महोदय।' यात्रा करने वाले करोड़पतियों के सुनहरे दिनों के बाद से कंडक्टर पर इस तरह पैसों की बौछार नहीं हुई थी। उसने बॉन्ड का पासपोर्ट और टिकट सौंप दिए। ट्रेन की गति धीमी होने लगी। 'Voilà que nous y sommes.' बॉन्ड वापस डिब्बे में गया। उसने तातियाना को घसीटकर उठाया और गलियारे में ले जाकर बंक के बगल में पड़े मौत के सफेद ढेर पर दरवाजा बंद कर दिया। अंततः वे सीढ़ियों से उतरकर कठोर, अद्भुत और स्थिर चबूतरे पर आ पहुँचे। नीली वर्दी पहने एक कुली ने उनका सामान उठाया।
सूरज उगना शुरू हो रहा था। सुबह के उस समय बहुत कम यात्री जाग रहे थे। केवल तीसरी श्रेणी के कुछ ही यात्री, जिन्होंने रात भर कठिन यात्रा की थी, ने

देखा कि एक युवक एक युवती को धूल से भरी गाड़ी से, जिसके किनारे पर रोमांटिक नाम लिखे थे, उस फीके दरवाजे की ओर ले जा रहा था जिस पर लिखा था... ` सॉर्टि’।

अध्याय अट्ठाईस
बुनकर
टैक्सी रिट्ज होटल के रू कैम्बोन प्रवेश द्वार पर आकर रुकी।
बॉन्ड ने नैश की घड़ी देखी। 11.45 बज रहे थे। वह बिल्कुल समय का पाबंद होगा। वह जानता था कि अगर कोई रूसी जासूस मुलाकात के लिए कुछ मिनट भी जल्दी या देर से आता है, तो मुलाकात अपने आप रद्द हो जाती है। उसने टैक्सी का किराया चुकाया और बाईं ओर के उस दरवाजे से अंदर चला गया जो रिट्ज़ बार की ओर जाता था।
बॉन्ड ने डबल वोदका मार्टिनी मंगवाई। उसने आधी पी ली। उसे बहुत अच्छा लगा। अचानक पिछले चार दिन, और खासकर पिछली रात, मानो गायब हो गए। अब वह अकेला था, अपने निजी रोमांच का आनंद ले रहा था। उसके सारे कर्तव्य पूरे हो चुके थे। लड़की दूतावास के एक कमरे में सो रही थी। विस्फोटक से भरी हुई स्पेक्टर को ड्यूक्सिएम ब्यूरो के बम निरोधक दस्ते ने ले लिया था। उसने अपने पुराने दोस्त रेने मैथिस से बात की थी, जो अब ड्यूक्सिएम का प्रमुख था, और रिट्ज़ होटल के कैम्बोन प्रवेश द्वार पर मौजूद चौकीदार को उसे एक चाबी देने और कोई सवाल न पूछने के लिए कहा गया था।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
रेने को बॉन्ड के साथ एक बार फिर एक रहस्यमयी मामले में शामिल होने पर बहुत खुशी हुई थी। उसने कहा था, 'विश्वास रखो, प्यारे जेम्स। मैं तुम्हारे रहस्यों को सुलझा दूंगा। कहानी बाद में बताना। दो कपड़े धोने वाले एक बड़ी टोकरी लेकर दोपहर 12:15 बजे कमरा नंबर 204 में आएंगे। मैं उनके ट्रक के ड्राइवर के वेश में उनके साथ जाऊंगा। हमें टोकरी भरकर ओरली ले जाना है और वहां आर.ए.एफ. के कैनबरा विमान का इंतजार करना है जो दो बजे पहुंचेगा। हम टोकरी उन्हें सौंप देंगे। फ्रांस में जो गंदे कपड़े थे, वे इंग्लैंड पहुंच जाएंगे। ठीक है?'
स्टेशन F के प्रमुख ने स्क्रैम्बलर पर M से बात की थी। उन्होंने बॉन्ड की एक संक्षिप्त लिखित रिपोर्ट उसे सौंप दी थी। उन्होंने कैनबरा के बारे में पूछा था। नहीं, उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि वह किस लिए है। बॉन्ड तो बस लड़की और स्पेक्टर को सौंपने आया था। उसने भरपेट नाश्ता किया और दोपहर के भोजन के बाद लौटने का वादा करके दूतावास से चला गया।
बॉन्ड ने एक बार फिर समय देखा। उसने अपनी मार्टिनी खत्म की। उसने बिल चुकाया और बार से बाहर निकलकर दरबान के कमरे की सीढ़ियों पर चढ़ गया।
चौकीदार ने उसे घूरकर देखा और चाबी थमा दी। बॉन्ड लिफ्ट की ओर बढ़ा, उसमें बैठा और तीसरी मंजिल पर चला गया।
उसके पीछे लिफ्ट का दरवाजा जोर से बंद हो गया। बॉन्ड धीरे-धीरे गलियारे में चलता हुआ संख्याओं को देख रहा था।
204. बॉन्ड ने अपना दाहिना हाथ अपने कोट के अंदर डाला और बेरेटा की टेप लगी बट पर रखा। यह उसकी पतलून की कमर में फंसी हुई थी। वह अपने पेट पर साइलेंसर की धातु की गर्माहट महसूस कर सकता था।
उसने अपने बाएं हाथ से एक बार खटखटाया।
अंदर आइए।
यह एक कांपती हुई आवाज थी। एक बूढ़ी औरत की आवाज।

बॉन्ड ने दरवाजे का हैंडल आज़माया। दरवाजा खुला हुआ था। उसने पासकी को अपनी कोट की जेब में रख लिया। उसने एक झटके में दरवाजा खोला और अंदर जाकर उसे अपने पीछे बंद कर लिया।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
यह एक विशिष्ट रिट्ज़ बैठक कक्ष था, अत्यंत सुरुचिपूर्ण, जिसमें बढ़िया एम्पायर शैली का फर्नीचर था। दीवारें सफेद थीं और पर्दे और कुर्सी के आवरण सफेद रंग पर लाल गुलाब के छोटे पैटर्न वाले चिंट्ज़ के थे। कालीन गहरे लाल रंग का और शरीर से चिपका हुआ था।
धूप की किरणों से जगमगाते एक स्थान पर, डायरेक्टोयर के लेखन डेस्क के बगल में एक नीची कुर्सी पर, एक छोटी बूढ़ी औरत बुनाई कर रही थी।
स्टील की सुइयों की झंकार जारी रही। हल्के नीले रंग के चश्मे के पीछे बैठी आंखें विनम्रतापूर्वक जिज्ञासा से बॉन्ड को निहार रही थीं।
'ओह, महाशय?' आवाज गहरी और कर्कश थी। सफेद बालों के नीचे मोटे पाउडर से सजे, कुछ फूले हुए चेहरे पर सभ्य रुचि के अलावा और कुछ नहीं झलक रहा था।
कोट के नीचे रखी बंदूक पर बॉन्ड का हाथ लोहे के स्प्रिंग की तरह तना हुआ था। उसकी आधी बंद आँखें कमरे में चारों ओर घूमीं और कुर्सी पर बैठी उस छोटी बूढ़ी औरत पर टिक गईं।
क्या उससे कोई गलती हो गई थी? क्या यह गलत कमरा था? क्या उसे माफी मांगकर निकल जाना चाहिए? क्या यह महिला स्मर्श की हो सकती है? वह बिल्कुल वैसी ही संभ्रांत अमीर विधवा लग रही थी, जैसी किसी अमीर और संभ्रांत महिला को रिट्ज़ होटल में अकेले बैठकर बुनाई करते हुए समय बिताते हुए देखने की उम्मीद की जा सकती है। वैसी महिला जिसका अपना टेबल हो, और नीचे वाले रेस्टोरेंट के एक कोने में उसका पसंदीदा वेटर हो - ग्रिल रूम में तो बिल्कुल नहीं। वैसी महिला जो दोपहर के भोजन के बाद ऊंघती हो और फिर सफेद साइडवॉल वाले टायरों वाली एक शानदार काली लिमोसिन में बैठकर रू डे बेरी के चायघर में किसी अन्य अमीर महिला से मिलने जाती हो। गले और कलाई पर लेस की हल्की सी कढ़ाई वाली पुरानी शैली की काली पोशाक, पतली सोने की चेन जो उसके सुडौल सीने पर लटकती थी और एक फोल्डिंग लोरग्नेट में समाप्त होती थी, और फर्श को मुश्किल से छूते हुए समझदारी भरे काले बटन वाले बूटों में उसके छोटे-छोटे सुंदर पैर। यह क्लेब नहीं हो सकती! बॉन्ड ने कमरे का नंबर गलत लिख दिया था। उसे अपनी बगल में पसीना महसूस हो रहा था।
लेकिन अब उसे वह दृश्य पूरी तरह से निभाना होगा।
मेरा नाम बॉन्ड है, जेम्स बॉन्ड।
और मैं, महाशय, काउंटेस मेटरस्टीन हूँ। मैं आपके लिए क्या कर सकती हूँ?’ फ्रांसीसी भाषा कुछ अटपटी थी।
वह जर्मन-स्विस हो सकती है। सुइयां लगातार बज रही थीं।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
मुझे खेद है कि कैप्टन नैश का एक्सीडेंट हो गया है। वह आज नहीं आ पाएंगे। इसलिए मैं उनकी जगह आ गया हूं।'
क्या हल्के नीले रंग के चश्मे के पीछे आंखें थोड़ी सिकुड़ गईं?
“महाशय, मुझे कप्तान से मिलने का सौभाग्य प्राप्त नहीं है। न ही आपसे। कृपया बैठ जाइए और अपना काम बताइए।” महिला ने अपना सिर लेखन मेज के बगल में रखी ऊँची पीठ वाली कुर्सी की ओर एक इंच झुकाया।

उसमें कोई कमी नहीं थी। उसकी शालीनता दिल को छू लेने वाली थी। बॉन्ड कमरे के उस पार चलकर बैठ गया। अब वह उससे लगभग छह फीट दूर था। मेज पर एक लंबा, पुराने ज़माने का टेलीफ़ोन था, जिसका रिसीवर हुक पर टंगा था, और उसकी पहुँच में हाथीदांत के बटनों वाला एक घंटी बटन था। टेलीफ़ोन का काला मुँह बॉन्ड की ओर विनम्रता से खुला हुआ था।
बॉन्ड ने उस महिला के चेहरे को घूरते हुए गौर से देखा। पाउडर और सफेद बालों के घने गुच्छे के नीचे उसका चेहरा बदसूरत, मेंढक जैसा लग रहा था। आँखें इतनी हल्की भूरी थीं कि लगभग पीली लग रही थीं। निकोटीन से सने होंठों पर निकोटीन के दाग वाली मूंछों के नीचे होंठ गीले और फूले हुए थे। निकोटीन? उसकी सिगरेटें कहाँ थीं? वहाँ कोई ऐशट्रे नहीं थी – कमरे में धुएँ की कोई गंध नहीं थी।
बॉन्ड की बंदूक पर पकड़ फिर कस गई। उसने बुनाई के थैले पर नज़र डाली, उस पतले, कम मोटाई वाले बेज रंग के ऊन के बेढंगे टुकड़े पर जिसे वह महिला बुन रही थी। स्टील की सुइयाँ। उनमें अजीब क्या था? उनके सिरे ऐसे रंगहीन हो गए थे मानो उन्हें आग में रखा गया हो। क्या बुनाई की सुइयाँ कभी ऐसी भी दिखती हैं?
“एह बिएन, मोनसिउर” क्या उसकी आवाज़ में कोई तीखापन था? क्या उसने उसके चेहरे पर कुछ पढ़ लिया था?
बॉन्ड मुस्कुराया। उसकी मांसपेशियां तन गई थीं, किसी भी हरकत, किसी भी चाल का इंतज़ार कर रही थीं। 'कोई फायदा नहीं,' उसने खुशी से कहा, मानो जुआ खेल रहा हो। 'तुम रोज़ा क्लेब हो। और तुम स्मर्श के ओटडेल द्वितीय की प्रमुख हो। तुम एक यातना देने वाली और हत्यारी हो। तुम मुझे और रोमानोव लड़की को मारना चाहती थी। मुझे बहुत खुशी है कि आखिरकार तुमसे मुलाकात हुई।'
आँखों में कोई भाव नहीं बदला था। कठोर आवाज़ में धैर्य और विनम्रता थी। महिला ने अपना बायाँ हाथ घंटी की ओर बढ़ाया। 'महाशय, मुझे खेद है कि आप मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं। मुझे नौकर को बुलाना होगा और आपको बाहर जाने के लिए कहना होगा।'
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बॉन्ड को कभी पता नहीं चला कि किस चीज़ ने उसकी जान बचाई। शायद यह अचानक हुए अहसास की वजह से था कि घंटी के बटन से दीवार या कालीन तक कोई तार नहीं जा रहा था। शायद दरवाजे पर अपेक्षित दस्तक आने पर उसे अचानक अंग्रेजी के 'अंदर आओ' कहने का तरीका याद आ गया। लेकिन जैसे ही उसकी उंगली हाथीदांत के हैंडल तक पहुंची, वह कुर्सी से उछलकर एक तरफ गिर पड़ा।
बॉन्ड के ज़मीन पर गिरते ही कपड़े के फटने जैसी तेज़ आवाज़ आई। उसकी कुर्सी के पिछले हिस्से से निकले टुकड़े चारों ओर बिखर गए। कुर्सी ज़मीन पर गिरकर चूर-चूर हो गई।
बॉन्ड पलट गया और अपनी बंदूक को खींचने लगा। उसकी नज़र के कोने से टेलीफोन के मुंह से नीले धुएं का एक गुबार निकलता दिखाई दिया। तभी वह महिला उस पर झपटी, उसकी मुट्ठी में बुनाई की सुइयां चमक रही थीं।
उसने उसके पैरों पर नीचे की ओर वार किया। बॉन्ड ने अपने पैरों से वार किया और उसे एक तरफ धकेल दिया। उसने उसके पैरों पर निशाना साधा था! जैसे ही वह एक घुटने पर बैठा, बॉन्ड समझ गया कि सुइयों की रंगीन नोकों का क्या मतलब है। यह ज़हर था। शायद जर्मन तंत्रिका ज़हरों में से एक। उसे बस उसे खरोंचना था, यहाँ तक कि उसके कपड़ों के ऊपर से भी।

ओह, मैं अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हूँ।
मुझे नहीं लगता, एंग्लिस्की जासूस।
बॉन्ड ने उन शब्दों पर शायद ही ध्यान दिया। उसने दरवाज़ा खुलने की आवाज़ सुनी थी। उसके पीछे वाले कमरे से ज़ोरदार हंसी की आवाज़ आई।
“वाह, बढ़िया!” बॉन्ड को वह खुशी भरी आवाज अच्छी तरह याद थी। “70 वां स्थान! आखिरकार, मैंने सब कुछ देख लिया। और वह भी एक अंग्रेज ने! जेम्स, यह तो सचमुच मेरे देशवासियों का अपमान है।”
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
बॉन्ड ने कंधे के ऊपर से कहा, 'मैं इसकी सलाह नहीं देता। यह बहुत थकाने वाला काम है। खैर, अब आप संभाल लीजिए। मैं आपका परिचय करवा देता हूँ। उसका नाम रोज़ा है। आपको वह पसंद आएगी। वह स्मर्श में काफी नाम कमाती है - असल में, वह हत्याओं का काम देखती है।'
मैथिस आया। उसके साथ दो कपड़े धोने वाले भी थे। तीनों खड़े हो गए और उस भयानक चेहरे को आदरपूर्वक देखने लगे।
मैथिस ने सोच-विचार करते हुए कहा, 'रोजा। लेकिन इस बार, रोजा माल्हेउर। वाह! लेकिन मुझे यकीन है कि वह इस स्थिति में असहज महसूस कर रही होगी। तुम दोनों फूलों की टोकरी ले आओ - लेटने पर उसे ज़्यादा आराम मिलेगा।'
दोनों आदमी दरवाजे की ओर चले। बॉन्ड ने कपड़े धोने की टोकरी की चरमराहट सुनी।
महिला की निगाहें अब भी बॉन्ड पर टिकी हुई थीं। वह थोड़ा हिली, अपना वजन एक तरफ किया। बॉन्ड की नज़र से ओझल, और मैथिस की नज़र से बचकर, जो अब भी उसके चेहरे को निहार रहा था, उसके एक चमकदार बटन वाले बूट का अगला हिस्सा दूसरे बूट के तलवे के नीचे दब गया। उसके अगले हिस्से से आधा इंच लंबा पतला चाकू का ब्लेड आगे खिसक गया। बुनाई की सुइयों की तरह, स्टील पर भी हल्का नीलापन था।
दोनों आदमी आए और उन्होंने बड़ी चौकोर टोकरी को मैथिस के बगल में रख दिया। ‘इसे ले जाइए,’ मैथिस ने कहा। उन्होंने महिला के सामने थोड़ा झुककर अभिवादन किया। ‘यह मेरे लिए सम्मान की बात है।’
'अलविदा, रोजा,' बॉन्ड ने कहा।
पीली आँखें क्षण भर के लिए चमक उठीं।
अलविदा, मिस्टर बॉन्ड।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
छोटी सी स्टील की जीभ वाला बूट झट से बाहर निकल आया।
बॉन्ड को अपनी दाहिनी पिंडली में तेज दर्द महसूस हुआ। यह वैसा ही दर्द था जैसा किसी लात लगने पर होता है। वह सिहर उठा और पीछे हट गया। दोनों आदमियों ने रोजा क्लेब को बांहों से पकड़ लिया।
मैथिस हँसा। उसने कहा, 'बेचारा जेम्स! आखिरी बात तो स्मर्श की ही होगी।' गंदी लोहे की जीभ चमड़े में समा गई थी। अब टोकरी में उठाई जा रही बूढ़ी औरत का एक हानिरहित गट्ठा मात्र था।
मैथिस ने ढक्कन को बंद होते देखा। वह बॉन्ड की ओर मुड़ा। उसने कहा, 'आज तुमने अच्छा काम किया है, मेरे दोस्त। लेकिन तुम थके हुए लग रहे हो।
दूतावास वापस जाओ और आराम करो क्योंकि आज शाम हमें साथ में डिनर करना है।

पेरिस का सबसे बढ़िया डिनर। और मैं इसके साथ सबसे खूबसूरत लड़की का इंतजाम करूंगा।'
बॉन्ड के शरीर में सुन्नपन छाने लगा था। उसे बहुत ठंड लग रही थी। उसने अपनी दाहिनी भौंह के ऊपर के बालों को हटाने के लिए हाथ उठाया। उसकी उंगलियों में कोई संवेदना नहीं थी। वे खीरे जितनी बड़ी लग रही थीं। उसका हाथ भारी होकर बगल में गिर गया।
सांस लेना मुश्किल हो गया। बॉन्ड ने गहरी सांस ली। उसने अपने जबड़े भींच लिए और आंखें आधी बंद कर लीं, जैसा कि लोग नशे को छिपाने के लिए करते हैं।
उसने पलकों के बीच से टोकरी को दरवाजे तक ले जाते हुए देखा। उसने अपनी आँखें खोलीं।
उसने हताशापूर्वक मैथिस पर ध्यान केंद्रित किया।
मुझे किसी लड़की की जरूरत नहीं पड़ेगी, रेने,’ उसने भारी आवाज में कहा।
अब उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। उसका हाथ फिर से उसके ठंडे चेहरे की ओर बढ़ा। उसे ऐसा लगा जैसे मैथिस उसकी ओर बढ़ रहा हो।
बॉन्ड को महसूस हुआ कि उसके घुटने लड़खड़ाने लगे हैं।
ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html
उसने कहा, या उसे लगा कि उसने कहा, 'मेरे पास पहले से ही सबसे खूबसूरत है...।' बॉन्ड धीरे से अपनी एड़ी पर घूमा और शराब जैसे लाल रंग के फर्श पर सिर के बल गिर पड़ा।
समाप्त

□□□□□□□□□

□□□ □□
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ □□□□
□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ □□□
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ □□
□□□ □□
□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□□
□□□□□□□ □□□□□
□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□
□□□□□□□ □□□□□
□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□□□□
□□□□□□□ □□□□□□□□
□□□□□□□ □□□□□□□□